THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 325 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) फाल्गुन कृ.3 2079 बुधवार, 8 फरवरी 2023

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

गरीबों के हित का बजट : पीएम

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्रीय बजट को गरीबों के हित वाला बजट बताते हुए कहा है कि अंतरिम बजट मिला कर केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा पेश किए गए अब तक के सभी 10 बजट का सेंटर पॉइंट गरीबों का हित ही रहा है। मंगलवार को संसद भवन परिसर में आयोजित भाजपा संसदीय दल की बैठक में बोलते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पार्टी के सभी सांसदों को जनता के बीच जाकर गरीबों और मध्यम वर्ग को यह बताने का निर्देश दिया कि आम बजट में उन्हें क्या-क्या मिला है।

बैठक में जनकल्याणकारी और विकासोन्मुख बजट पेश करने के लिए पीएम मोदी का अभिनंदन किया गया। भाजपा संसदीय दल की तरफ से पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बजट के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई देते हुए उनका अभिनंदन किया। बैठक में मौजूद सभी केंद्रीय मंत्रियों और भाजपा सांसदों ने तालियां बजा कर प्रधानमंत्री मोदी को बधाई दी और उनका अभिनंदन किया। बजट के लिए केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का भी अभिनंदन किया गया।

संसदीय दल की बैठक के बारे में जानकारी देते हुए केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री प्रल्हाद जोशी ने बताया कि बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बजट को लेकर अपने अनुभवों का जिक्र करते हुए कहा कि उन्हें अब तक कुल मिलाकर 25 बजट सत्र का अनुभव हो चुका है और अंतरिम बजट मिला कर केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा पेश किए गए अब तक के सभी 10 बजट का सेंटर पॉइंट गरीबों का हित ही रहा है। प्रधानमंत्री ने सभी सांसदों को गरीबों और मध्यम वर्ग के साथ, समाज के सभी वर्गों के साथ बजट को लेकर संवाद कर उन्हें बजट की जानकारी देने को कहा है।

जोशी ने आगे बताया कि प्रधानमंत्री ने बैठक में कहा कि बजट के इतिहास में पहली बार चुनाव से पहले आने वाले बजट को चुनावी भाषण नहीं कहा जा रहा है। बजट की हर तरफ तारीफ हो रही है, यहां तक कि भाजपा के विरोधी भी बजट की प्रशंसा कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने जी-20 की अध्यक्षता से जुड़े अब तक हुई 20 बैठकों की जानकारी देते हुए बताया कि भारत आने वाले विदेशी मेहमानों ने भारत की तैयारियों और मेहमाननवाजी की तारीफ की है। प्रधानमंत्री ने सभी सांसदों खासकर शहरी क्षेत्र के सांसदों को और ज्यादा जोर-शोर से अपने-अपने क्षेत्रों में सांसद खेल स्पर्धा आयोजित करने का निर्देश देते हुए पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा को सभी सांसदों से इसकी रिपोर्ट लेने को भी कहा।

भाजपा संसदीय दल की बैठक में तुर्की और सीरिया में आए भूकंप पर संवेदनाएं भी व्यक्त की गईं। बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की तरफ से हर संभव सहायता देने की बात भी कही। यह कहते-कहते प्रधानमंत्री कच्छ के भूकंप की याद करते हुए भावुक भी हो गए।

तुर्किये के हालात पर भावुक हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

2001 के भुज भूकंप को किया याद

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। तुर्किये और सीरिया में आए भूकंप में मारे गए लोगों के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शोक व्यक्त किया।

इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी भावुक भी हो गए और 2001 में गुजरात के भुज में आए भूकंप की त्रासदी को याद किया। जिसमें हजारों की संख्या में लोगों की जान चली गई थी। प्रधानमंत्री दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी के संसदीय दल की बैठक को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने अपने संबोधन में बताया कि 2001 में जब भुज में भूकंप आया था, तब वह गुजरात के मुख्यमंत्री थे। उस दौरान रेस्क्यू ऑपरेशन में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा था। प्रधानमंत्री ने तुर्किये और सीरिया के लिए मानवीय आधार पर हर संभव मदद भेजने की बात भी कही। उन्होंने कहा, मुझे एहसास है कि इस वक्त तुर्किये में क्या हालत है और वहां के लोग किन मुश्किलों से गुजर रहे हैं।

गुजरात में मचाई थी तबाही

भारत के कच्छ भुज में 26 जनवरी 2001 को आए भूकंप ने काफी तबाही मचाई थी। इस भूकंप की तीव्रता 7.7 थी। इसने गुजरात में भयंकर तबाही मचाई थी। कच्छ और भुज में 30 हजार से ज्यादा लोग मारे गए थे। वहीं डेढ़ लाख से ज्यादा लोग घायल हुए थे। भूकंप के चलते पूरे गुजरात में चार लाख से ज्यादा घर ढह गए थे। इसका असर पाकिस्तान में भी देखने को मिला था।

क्रिश्चियन मिशेल की जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। अगस्ता वेस्टलैंड वीवीआईपी हेलीकॉप्टर घोटाला मामले में सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को आरोपी क्रिश्चियन मिशेल जेम्स की जमानत याचिका को खारिज कर दिया। चीफ जस्टिस (सीजेआई) डी वाई चंद्रचूड़, जस्टिस पी एस नरसिम्हा और जस्टिस जेबी पारदीवाला की पीठ ने कहा कि जेम्स की यह दलील स्वीकार नहीं की जा सकती कि उसे इस आधार पर जमानत पर रिहा किया जाए कि वह मामलों में आधी सजा काट चुका है।

हालांकि, शीर्ष ने कहा कि जेम्स इन मामलों में निचली कोर्ट के समक्ष नियमित जमानत के उपाय को आगे बढ़ा सकते हैं। जेम्स ने सीआरपीसी की धारा 436 ए के तहत जमानत मांगी है, जिसमें कहा गया है कि किसी व्यक्ति को जमानत पर रिहा किया जा सकता है यदि उसने अपराध के लिए निर्धारित अधिकतम सजा का आधा हिस्सा पूरा कर लिया है।

इस घोटाले के संबंध में सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय ने दो अलग-अलग मामले दर्ज किये हैं। गौरतलब है कि 3,600 करोड़ रुपये का यह कथित घोटाला अगस्ता वेस्टलैंड से 12 वीवीआईपी हेलीकॉप्टरों की खरीद से संबंधित है। क्रिश्चियन मिशेल जेम्स ब्रिटेन का निवासी है। उसे दिसंबर 2018 में दुबई से प्रत्यर्पित किया गया था और तब से वह हिरासत में है। बीते साल मई में शीर्ष अदालत ने जेम्स की जमानत याचिकाओं पर केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से जवाब मांगा था। पिछली सुनवाई के दौरान, अभियुक्त के वकील ने कहा था कि मामला सीआरपीसी की धारा 436ए के तहत कवर किया गया था। उन्होंने यह भी कहा था कि जेम्स ने कथित रूप से उसके द्वारा किए गए अपराध के लिए 50 प्रतिशत सजा काट ली थी।

जेल में करीब चार साल बिता चुका अभियुक्त क्रिश्चियन मिशेल :

क्रिश्चियन मिशेल के वकील का दावा है कि उसके खिलाफ जांच अभी पूरी नहीं हुई है। वकील ने कहा था कि याचिकाकर्ता जिस मामले में जेल में बंद है वह भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम की धारा 8 और 9 के तहत है। इसमें अधिकतम सजा पांच साल जेल है, इसमें से वह करीब चार साल जेल में बिता चुका है।

वहीं, जांच एजेंसियों की ओर से अदालत कोर्ट में पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने पिछली सुनवाई के दौरान कहा था कि बड़ी मुश्किल से एजेंसियों को आरोपी की हिरासत मिली है। साथ ही दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 436ए ईडी की कार्यवाही पर लागू नहीं होगी।

बिलकिस बानो की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट की नई पीठ करेगी सुनवाई

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। गुजरात दंगों के दौरान बिलकिस बानो के साथ सामूहिक दुष्कर्म और उसके परिवार के सदस्यों की हत्या के 11 दोषियों की सजा में छूट के खिलाफ उनकी याचिका पर सुप्रीम कोर्ट नई पीठ का गठन करने के तुरंत बाद सुनवाई करेगा।

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और जेबी पर्दीवाला की पीठ ने वकील शोभा गुप्ता के माध्यम से बानो को जल्द से जल्द नई बेंच गठित करने का आश्वासन दिया हैं। गुप्ता ने तत्काल सुनवाई के लिए मामले का उल्लेख किया और कहा कि भारत के मुख्य न्यायाधीश द्वारा एक नई पीठ गठित करने की आवश्यकता है क्योंकि न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी ने याचिका पर सुनवाई से खुद को अलग कर लिया। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की पीठ ने कहा कि मामले को जल्द ही सूचीबद्ध किया जाएगा। इससे पहले 24 जनवरी को गुजरात सरकार द्वारा सामूहिक दुष्कर्म मामले में 11 दोषियों की सजा में छूट को चुनौती देने वाली बानो की याचिका पर शीर्ष अदालत में सुनवाई नहीं हो सकी थी क्योंकि संबंधित न्यायाधीश निष्क्रिय इच्छामृत्यु से संबंधित मामले की सुनवाई कर रहे थे। पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ का हिस्सा। जस्टिस रस्तोगी और सीटी रविकुमार की पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए याचिका सूचीबद्ध की गई थी।

सुप्रीम कोर्ट बोला-भारत में हेट क्राइम की कोई जगह नहीं

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि भारत जैसे एक धर्मनिरपेक्ष देश में धर्म के आधार पर हेट क्राइम के लिए कोई जगह नहीं है। कोर्ट ने साथ में यह भी कहा कि देश में लगातार हेट स्पीच के मामले बढ़ते जा रहे हैं। इसको लेकर कोई समझौता नहीं किया जा सकता है। यह राज्य की जिम्मेदारी है कि ऐसे मामलों में आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करे। साल 2021 में नोएडा में 62 साल के काजीम अहमद शेरवानी हेट क्राइम का शिकार हो गए थे। इसी मामले में सुनवाई करते हुए जस्टिस केएम जोसेफ की अध्यक्षता वाली बेंच ने टिप्पणी की है। हेट स्पीच के बढ़ते मामलों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने चिंता जाहिर की और सुनवाई सोमवार शाम 6 बजे तक चलती रही। कोर्ट ने कहा कि यदि राज्य अभद्र भाषा की समस्या को स्वीकार करता है तभी उसका एक समाधान निकाला जा सकता है। इसके अलावा कोर्ट ने पुलिस से सवाल किया कि क्या हेट क्राइम को पहचाना जाएगा या इसे दबाने की कोशिश की जाएगी? ये हेट क्राइम है। अगर कोई व्यक्ति पुलिस के पास आता है और कहता है कि मैंने टोपी पहन रखी थी और मेरी दाढ़ी खींची गई और धर्म के नाम पर गाली दी गई। इसके बाद भी कोई केस दर्ज नहीं किया गया तो यह एक समस्या है। ऐसे पुलिस वालों पर भी कार्रवाई होनी चाहिए।

भारतीय छात्रों को नहीं मिल रहा यूक्रेन जाने के लिए वीजा

अधर में मेडिकल की पढ़ाई कर रहे 20,000 बच्चों का भविष्य

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। यूक्रेन में भारत के लगभग 20000 बच्चे मेडिकल की पढ़ाई करते हैं, जो कि युद्ध के दौरान वापस भारत आ गए थे। अब यूक्रेन में वहां की यूनिवर्सिटीज़ ने ऑफ़ लाइन क्लॉसेस शुरू कर दी हैं और इन बच्चों को यूक्रेन आकर क्लासेस लेने के लिए कहा है। लेकिन इन बच्चों को यूक्रेन पहुंचने में बेहद मुश्किल पेश आ रही है।

यूक्रेन में पढ़ रहे मेडिकल छात्रों के सामने अब समस्या ये आ रही है कि वे यूनिवर्सिटीज में कैसे पहुंचे। दरअसल, यूक्रेन के पड़ोसी राज्य ट्रांसिट वीजा नहीं दे रहे हैं। यूक्रेन दूतावास के बाहर छात्रों का जमावड़ा लगा हुआ। हजारों छात्रों का भविष्य अधर में खड़ा है। वैसे यूक्रेन में रूस के हमले पिछले कुछ दिनों से तेज हो गए हैं। ऐसे में छात्रों का यूक्रेन जाना खतरे से खाली नहीं है। इसके बावजूद छात्र अपनी जान हथेली पर लेकर युद्धरत देश में जाना चाहते हैं, लेकिन उन्हें वीजा ही नहीं मिल रहा है।

रूस और यूक्रेन युद्ध को एक साल होने जा रहा है, लेकिन अभी तक कोई भी देश पीछे हटने को तैयार नहीं है। यूक्रेनी राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की को अमेरिका और यूरोपीय देशों का पूरा समर्थन मिल रहा है। इसी वजह से ये युद्ध इतना लंबा खिंच गया है। हालांकि, अब ऐसे संकेत मिल रहे हैं कि युद्ध जल्द समाप्त हो सकता है।

विदेश मंत्री ने भूटान नेशनल असेंबली के स्पीकर से की मुलाकात, आर्थिक सहयोग पर की चर्चा

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को भूटान की नेशनल असेंबली के स्पीकर वांगचुक नामग्येल से मुलाकात की। इस बीच उन्होंने दोनों देशों की बहुआयामी मित्रता और मजबूत आर्थिक सहयोग पर चर्चा की।

जयशंकर ने एक ट्वीट में कहा, भूटान की नेशनल असेंबली के स्पीकर वांगचुक नामग्याल और उनके 13 सदस्यीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल के साथ बातचीत करके खुशी हुई। उन्होंने कहा, दोनों देशों के बीच हमारी अनूठी दोस्ती विशेष रूप से चल रहे सुधार, मजबूत आर्थिक सहयोग और युवाओं की प्राथमिकताओं पर चर्चा हुई। जयशंकर ने इस बात पर भी प्रसन्नता व्यक्त की कि प्रतिनिधिमंडल को पिछले आठ वर्षों में भारत में काफी परिवर्तन देखने का अवसर मिला हैं।

राहुल ने पूछा-अडाणी और पीएम का क्या रिश्ता

2014 में अमीरों की लिस्ट में 609 नंबर पर थे, जादू हुआ और 2 नंबर पर आ गए

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। लोकसभा में मंगलवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गौतम अडाणी और हिंडनबर्ग रिपोर्ट पर सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सवाल पूछे। राहुल ने 45 मिनट की स्पीच की शुरूआत भारत जोड़ो यात्रा के दौरान पूछे गए लोगों के सवालों से की। फिर इन्हीं सवालों का हवाला देते हुए गौतम अडाणी के मुद्दे पर आ गए। राहुल ने कहा, 2014 में गौतम अडाणी दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 609वें नंबर पर थे। कुछ ही साल में न जाने क्या जादू हो गया, अडाणी इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर आ गए।

इस स्पीच के दौरान एनडीए मेंबर्स ने ऐतराज भी जाहिर किया कि आप प्रधानमंत्री पर बिना आधार के आरोप लगा रहे हैं। आपको इनका सबूत देना चाहिए और अगर नहीं हैं तो देश से माफी मांगनी चाहिए। हालांकि राहुल की स्पीच इन छोटे-मोटे हंगामों के बीच भी चलती रही और ये अडाणी पर बयानों, सवालों और दावों पर ही फोकस थी।

अडाणी मुद्दे पर राहुल के 2 बयान....

युवा पूछते थे कि अडाणीजी 8 बिलियन डॉलर से 140 बिलियन डॉलर पहुंच गए?

राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा का जिक्र करते हुए कहा, एक सवाल तमिलनाडु, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, केरल सब जगह सुनने को मिला। वो नाम था अडाणीजी। युवाओं ने मुझसे पूछा अडाणीजी बिजनेस में चले जाते हैं, सफल होते हैं, कभी फेल नहीं होते?

अडाणीजी पहले एक-दो बिजनेस करते थे और अब 8-10 सेक्टर्स में काम करते हैं? 2014 से लेकर 2022 तक 8 बिलियन डॉलर से अब 140 बिलियन डॉलर कैसे पहुंच गए? युवाओं ने कहा कि मोदीजी स्टार्टअप की बात करते हैं, हमें भी सक्सेस प्राप्त करनी है? आप बताइए?

2014 में जादू हुआ, सब जगह अडाणीजी आ गए :

राहुल बोले, दुनिया के सबसे अमीर लोगों की लिस्ट आती है। 2014 में अडाणीदी 609 नंबर पर थे। सबसे पीछे। जादू हुआ तो दूसरे नंबर पर पहुंच गए। हिमाचल में सेब की बात होती है तो अडाणी, कश्मीर में सेब तो अडाणी, पोर्ट और एयरपोर्ट सब जगह अडाणी जी, सड़क पर चल रहे हैं, तो अडाणी जी।

लोगों ने पूछा कि अडाणीजी इतने सफल कैसे हुए?

तस्वीर दिखाते हुए मोदी से सवाल, अडाणी से रिश्ता क्या है?

राहुल ने एक तस्वीर सदन में दिखाई, इसमें मोदी और गौतम अडाणी नजर आ रहे थे। एनडीए मेंबर्स ने इसका विरोध किया। सभापति ओम बिड़ला ने राहुल को टोका और स्पीच फिर शुरू हुई।

भाजपा का पलटवार

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के आरोपों पर भाजपा ने पलटवार किया है। भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने मंगलवार को कहा कि राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ बेबुनियादी आरोप लगाए हैं। प्रसाद ने कहा कि कांग्रेस और इसके नेता उन सभी बड़े घोटालों में शामिल थे, जिन्होंने भारत की छवि को धूमिल किया।

भाजपा नेता ने कहा, आज संसद में हमारी सरकार के खिलाफ राहुल गांधी द्वारा लगाए गए निराधार आरोपों की हम निंदा करते हैं। मुझे उन्हें याद दिलाने की आवश्यकता है कि वह, उनकी मां और उनका बहनोई जमानत पर हैं। मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि नेशनल हेराल्ड और अगस्ता वेस्टलैंड घोटाले क्या हैं? प्रसाद ने कहा, नरेंद्र मोदी जैसे ईमानदार नेता के खिलाफ जिस तरह के शर्मनाक आरोप लगाए गए तो आज राहुल गांधी के परिवार की सच्चाई बताना भी जरूरी है। ये वाड्रा डीएलएफ घोटाले में क्या हुआ। आपको डीएलएफ से कैसे 65 करोड़ का ऋणमुक्त लोन मिल गया।

जम्मू-कश्मीर में अवैध कब्जों के खिलाफ कार्रवाई जारी

अवैध निर्माण ढहाने पर आतंकी धमकियां मिल रहीं, पथराव भी हो रहे

श्रीनगर, 7 फरवरी (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में अतिक्रमण हटाने और अवैध निर्माण ढहाने के अभियान का विरोध बढ़ गया है। कई जगह उग्र प्रदर्शन हुए हैं। जम्मू के मलिक बाजार में पुलिस, जेसीबी और राजस्व अधिकारियों पर लोगों ने पथराव किया। पथराव तब हुआ, जब जेसीबी से कश्मीरी व्यापारी के बड़े शोरूम को गिराने की कोशिश की गई। इसमें तीन पुलिसकर्मियों को चोटें आई हैं। पुलिस ने शोरूम के मालिक सहित पांच को गिरफ्तार किया है। जम्मू के मइसम्मा, सुंजवां, बठिंडी और नरवाल बाईपास इलाकों में हजारों लोग सड़कों पर उतरे। वे अपने हाथों में तिरंगा झंडा लिए हुए थे। आतंकी संगठन टीआरएफ ने कार्रवाई कर रहे राजस्व अधिकारियों को अंजाम भुगतने की धमकी दी है। पीडीपी नेता महबूबा मुफ्ती ने कहा कि भाजपा ने जम्मू-कश्मीर को अफगानिस्तान बना दिया है।

हमारी जमीन, तुम्हारे आदेश नहीं चलेंगे :

दक्षिण कश्मीर में किसान तहरीक एसोसिएशन के बैनर तले सैकड़ों लोगों ने विरोध रैली निकाली। हाथों में बैनर लिए प्रदर्शनकारी हमारी 'जमीन, तुम्हारे आदेश नहीं चलेंगे' के नारे लगाए। इससे पहले शहर में 25 दुकानों को सील किए जाने पर दुकानदारों ने लाल चौक में विरोध प्रदर्शन किया था। दुकानदारों द्वारा लाल चौक पर आत्मदाह की धमकी के बाद प्रशासन ने उन्हें दुकानें खोलने की अनुमति दे दी। कांग्रेस, आप और अन्य दलों ने जम्मू में बड़े पैमाने पर अतिक्रमण विरोधी विरोध प्रदर्शन किए। उन्होंने इस अभियान को गरीब विरोधी करार दिया है।

प्रशासन ने कहा, खाली कराई जा रही जमीन गरीबों को देंगे

केंद्रशासित राज्य के मुख्य सचिव डॉ. अरुण कुमार मेहता ने कहा कि राज्य की अतिक्रमित भूमि को बड़े निहित स्वार्थों से वापस लिया जा रहा है और इसे लोगों को वापस दिया जाएगा। यह आम लोगों के लाभ के लिए है। अभियान में गरीब और सीमांत लोगों को छुआ नहीं जाएगा।

गरीबों को ही निशाना बनाया जा रहा, बड़े लोगों पर रहम :

आरोप है कि प्रशासन केवल गरीबों और वंचितों के घर तोड़ रहा है और उन्हीं की जमीन छीन रहा है। गांदरबल के किसान अब्दुल समद ने कहा कि जिन गरीबों की कोई पहुंच नहीं है, उनके घर तोड़े जा रहे हैं। नेता या प्रभावशाली लोगों की सिर्फ बाउंड्रीवाल तोड़ी जा रही है।

संकट में पड़ सकती है हथियारों के पार्ट्स की डिलीवरी

रूस को 28000 करोड़ रुपये बकाया चुकाने का विकल्प तलाश रहा भारत

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। रूस-यूक्रेन युद्ध को एक साल होने को हैं। 24 फरवरी 2022 से अब तक युद्ध में कई पड़ाव आए हैं। इस युद्ध में किसी का पक्ष न लेते हुए भारत ने लगातार शांति और वार्ता की अपील की है। हालांकि पश्चिमी देशों द्वारा रूस पर तमाम प्रतिबंध लगाए जाने के बावजूद भारत-रूस के बीच व्यापार अपने रिकॉर्ड स्तर पर है। इस बीच, यह पता चला है कि भारत रूस से खरीदे हथियारों का बकाया चुकाने के लिए पेमेंट के तीन विकल्प तलाश रहा है। भारत को 28,000 करोड़ रुपये के बकाये का भुगतान करना है।

पिछले साल फरवरी में यूक्रेन के साथ युद्ध शुरू होने के बाद से रूस पर कड़े प्रतिबंध लगे हैं इस कारण भारत पेमेंट का प्रोसेस शुरू नहीं कर पाया है। भारत के अधिकांश सैन्य हार्डवेयर रूस के बने हुए हैं। भुगतान में और देरी होने की वजह से महत्वपूर्ण पुर्जों और उपकरणों की खरीदारी का काम पूरा नहीं हो पा रहा है।

एक शीर्ष अधिकारी ने बताया कि भारत रूस से खरीदे गए हथियारों का बकाया चुकाने के लिए तीन विकल्पों पर विचार कर रहा है। वह विकल्प हैं रूस की करेंसी रूबल, चीन की करेंसी युआन और यूएई की करेंसी दिरहम।

इस मामले पर पिछले साल रूस के साथ-साथ रक्षा और वित्त मंत्रालयों के अधिकारियों के बीच आंतरिक रूप से चर्चा हुई थी और यह निर्णय लिया गया था कि पेमेंट के तौर-तरीकों के लिए भारतीय रिजर्व बैंक के साथ चर्चा की जाएगी। भारत को वित्त वर्ष 2021-22 के अंत तक रूस को 11,500 करोड़ रुपये का भुगतान करना था। अब यह 28,000 करोड़ रुपये हो गया है।

जब सुप्रीम कोर्ट ने चला दी नियुक्ति पर कैंची

केएन श्रीवास्तव ने नहीं की थी वकालत, बन गए थे हाईकोर्ट के जज

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने अपने ही कॉलेजियम के फैसले में दखल देने से इनकार करके विक्टोरिया गौरी मामले में चल रहे विवाद का पटाक्षेप कर दिया। लेकिन आजादी के बाद के दौर में एक अूठा मामला ऐसा भी है जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के जज की नियुक्ति पर कैंची चला दी थी। ये मामला 1992 में सामने आया। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि आजादी के बाद ये पहली बार हो रहा है जब जज की नियुक्ति पर गौर करना पड़ा। 1992 में केएन श्रीवास्तव को हाईकोर्ट के जज के तौर पर नियुक्ति दी गई थी।

लेकिन उनको शपथ लेने से पहले ही शर्मसार होना पड़ गया। दरअसल गुवाहाटी हाईकोर्ट के जज के तौर पर उनका चयन किया गया था। राष्ट्रपति की तरफ से मंजूरी भी मिल गई। लेकिन उसी दौरान बार के एक धड़े ने केएन श्रीवास्तव की नियुक्ति पर एतराज जताया। बार का कहना था कि श्रीवास्तव ने कभी भी वकालत नहीं की। संविधान के सेक्शन 217 में साफ कहा गया है कि हाईकोर्ट का जज बनने के लिए वकालत करनी बहुत जरूरी है। बार का कहना था कि श्रीवास्तव मिजोरम सरकार के लॉ डिपार्टमेंट में सेक्रेट्री के पद पर तैनात थे। एक वकील की याचिका पर हाईकोर्ट ने मामले की सुनवाई की और पाया कि हाईकोर्ट का जज बनने के लिए जो पैमाना पूरा करना होता है उस पर केएन श्रीवास्तव खरे नहीं उतरते। हाईकोर्ट ने आदेश जारी किया कि राष्ट्रपति के नियुक्ति वारंट को लागू न किया जाए। हाईकोर्ट ने सरकार से श्रीवास्तव की नियुक्ति पर गौर करने के लिए कहा। इसके बाद मामला सुप्रीम कोर्ट के सुपुर्द कर दिया गया। हालांकि श्रीवास्तव के खिलाफ करप्शन और फंड में हेरफेर के भी आरोप थे। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने उन पर विचार नहीं किया। शीर्ष अदालत ने केवल इस पहलू पर नजर डाली कि वो हाईकोर्ट का जज बनने के योग्य हैं भी या नहीं। सुप्रीम कोर्ट के तीन जजों की बेंच का कहना था कि संविधान के 217(2)(ए) के तहत हाईकोर्ट का जज बनने के लिए वकालत करना जरूरी है। लेकिन श्रीवास्तव ने मिजोरम सरकार के लॉ डिपार्टमेंट में जिस पद पर काम किया वो न्यायपालिका के दायरे में नहीं आता था। वो केवल कार्यपालिका का एक हिस्सा थे।

राष्ट्रपति के नियुक्ति वारंट को रोका गया :

जस्टिस कुलदीप सिंह, जस्टिस पीबी सावंत, जस्टिस एनएम कसलीवाल की बेंच ने केएन श्रीवास्तव को हाईकोर्ट का जज बनने के लायक नहीं माना। तीन जजों की बेंच ने अपने फैसले में साफ तौर पर कहा कि श्रीवास्तव योग्यता के पैमाने पर हाईकोर्ट का जज बनने के लायक नहीं हैं।

बेंच ने संविधान के आर्टिकल 219 का हवाला देकर सरकार को आदेश दिया कि श्रीवास्तव को हाईकोर्ट के जज की शपथ लेने से रोका जाए। खास बात है कि इस मामले में राष्ट्रपति की तरफ से नियुक्ति वारंट जारी होने के बाद भी श्रीवास्तव को हाईकोर्ट के जज की शपथ लेने से रोका गया।

नारनौल में 2 साल का बच्चा गायब

मां ने दूध पिलाकर कमरे में सुलाया था; रातभर सुराग नहीं, परिजनों ने लगाया जाम

नारनौल, 7 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के नारनौल में थाना सदर के अंतर्गत आने वाले गांव सुराणा से एक 2 साल का बच्चा संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया। रातभर परिजन उसकी तलाश में लगे रहे, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। बच्चा घर में एक कमरे में सो रहा था। दादी 15-20 मिनट के लिए घर से बाहर गई थी, लौटी तो पोता घर पर नहीं मिला। बच्चा नहीं मिलने पर मंगलवार सुबह परिजनों ने नेशनल हाईवे नंबर 11 पर जाम लगा दिया। पुलिस भी छानबीन कर रही है।

राहुल गांधी के बाद कौन? प्रियंका नहीं

सर्वे बता रहा कौन लगाएगा कांग्रेस की नैया पार

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। देश का सबसे पुराना राजनीतिक दल कांग्रेस इस समय संकट के दौर से गुजर रहा है. कद्दावर नेताओं के पार्टी छोड़कर दूसरे दलों में जाने से लेकर बीजेपी के खिलाफ रणनीतिक तौर पर ताकतवर न नजर आने जैसी समस्याओं से घिरी हुई है. बीते साल ही कांग्रेस अध्यक्ष बने मल्लिकार्जुन खरगे इन तमाम चुनौतियों से जूझते नजर आ रहे हैं. इन सबके बीच सी-वोटर और इंडिया टुडे के एक सर्वे में सामने आया है. इस सर्वे के मुताबिक, लोगों ने कांग्रेस में सुधार लाने के लिए खरगे से ज्यादा भरोसा राहुल गांधी पर जताया है.

कांग्रेस में सुधार की गुंजाइश के सवाल पर इस सर्वे में महज 3 फीसदी लोगों ने ही मल्लिकार्जुन खरगे पर भरोसा जताया है. वहीं, इस सर्वे में एक चौंकाने वाली बात ये भी निकल कर सामने आई है कि राहुल गांधी के बाद लोगों की पसंद प्रियंका गांधी नहीं हैं. प्रियंका गांधी से भी ज्यादा लोग पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के समर्थन में नजर आए हैं. हालांकि, राहुल गांधी के बाद दूसरे नंबर पर मनमोहन सिंह नहीं, बल्कि राजस्थान के युवा कांग्रेस नेता सचिन पायलट हैं.

कौन पार लगाएगा कांग्रेस की नैया?

सी वोटर के सर्वे में लोगों से पूछा गया था कि कांग्रेस में कौन सुधार ला सकता है. इसके जवाब में राहुल गांधी के पक्ष में 26 फीसदी लोग नजर आए. दूसरे नंबर पर राजस्थान के पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट के पक्ष में 16 फीसदी लोगों ने भरोसा जताया. वहीं, सर्वे में 12 फीसदी लोगों ने मनमोहन सिंह को भी कांग्रेस में सुधार लाने के लिए सही शख्स माना है. वहीं, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी का नाम आठ फीसदी लोगों ने ही लिया. वहीं, कांग्रेस में सुधार लाने के नेताओं की लिस्ट में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का नाम तीन फीसदी लोगों के साथ सबसे नीचे है. सर्वे के आंकड़ों के अनुसार, राहुल गांधी के बाद कांग्रेस में सुधार की गुंजाइश के सवाल पर लोगों का भरोसा सीधे तौर पर सचिन पायलट नजर आते हैं. वहीं, वर्तमान कांग्रेस अध्यक्ष खरगे पर लोगों को भरोसा कुछ ज्यादा मजबूत नजर नहीं आ रहा है.

चुनावी वैतरणी पार करना कांग्रेस के लिए मुश्किल!

राहुल गांधी के नेतृत्व में निकली कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा ने खूब सुर्खियां बटोरी थीं. सर्वे के अनुसार 37 फीसदी लोगों का मानना है कि यात्रा ने कांग्रेस के लिए सियासी माहौल जरूर बनाया है, लेकिन इससे पार्टी को चुनाव जीतने में कोई खास मदद नहीं मिलेगी. वहीं, जनता से जुड़ने के लिए भारत जोड़ो यात्रा एक बेहतरीन फैसला मानने वाले 29 फीसदी लोग हैं. इस सर्वे में 13 फीसदी लोगों ने भारत जोड़ो यात्रा को राहुल गांधी की रीब्रांडिंग की कोशिश बताया है.

गर्म सलाखों से फिर दागा गया मासूम

सप्ताह भर में दागने से दो मासूमों की इलाज के दौरान हो चुकी है मौत

शहडोल, 7 फरवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के शहडोल में रविवार को बच्चे को गर्म सलाखों से दागने का तीसरा मामला सामने आया है। इससे पहले पिछले सप्ताह में जहां बच्चों को दागने की दो घटनाएं सामने आईं थी। उनमें दोनों मासूमों की इलाज के दौरान मौत हो गई थी। आदिवासी बाहुल्य जिला शहडोल में अंधविश्वास के कारण बच्चों में गर्म सलाखों से दागने की प्रथा मासूमों के लिए काल बनी हुई है। सिंहपुर खंड चिकित्सा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम कोदवार कला का रहने वाला है नत्थू कोल। उसके 20 दिन के बेटे शाहिल कोल के पेट में करीब 15 बार गर्म सलाखों से दागा गया। इससे उसके शरीर पर इसके निशान दिखाई पड़ रहे हैं। जानकारी मिलने पर स्वास्थ्य अमला वहां पहुंचा और समझाते हुए बच्चे को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती करने को कहा। ताकि उसका समुचित उपचार हो सके। काफी समझाने के बाद परिजन सोमवार को बच्चे को अस्पताल ले जाने की बात पर राजी हुए। बच्चे की हालत फिलहाल सामान्य है। लेकिन दागने की इस कुप्रथा पर अंकुश लगाना अब प्रशासन के लिए बेहद जरूरी हो गया है। नहीं तो इसी तरह मासूमों को अंधविश्वास की बलि चढ़ाया जाता रहेगा।

अडाणी मामले पर ममता की चुप्पी पर कांग्रेस ने उठाए सवाल

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी ने मंगलवार को अडाणी मुद्दे पर बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधा. अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि ममता बनर्जी के अडाणी के साथ अच्छे संबंध हैं, इसलिए वह कुछ नहीं बोल रहीं हैं. **अधीर रंजन ने कहा कि ममता बनर्जी के अब मोदी सरकार से भी संबंध बेहतर हुए हैं.**

कोलकाता :कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अधीर रंजन चौधरी ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर सवाल उठाए हैं. उन्होंने कहा कि अडाणी समूह को लेकर हिंडनबर्ग की रिपोर्ट पर ममता बनर्जी की चुप्पी बहुत कुछ कहती है. उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि उन्हें ऊपर से आदेश आया है कि इस मामले पर कुछ भी न बोलें. कांग्रेस की पश्चिम बंगाल इकाई के प्रमुख चौधरी ने यह भी दावा किया कि बनर्जी शायद ऐसा कुछ भी नहीं करना चाहेंगी, जिससे अडाणी समूह के हितों को नुकसान पहुंचे, क्योंकि इस समूह के पास ताजपुर बंदरगाह परियोजना का ठेका है. चौधरी ने पत्रकारों से कहा कि बनर्जी की चुप्पी की केवल एक वजह हो सकती है - मोदी के साथ उनकी निकटता और अडाणी से नई दोस्ती. ताजपुर बंदरगाह अडाणी समूह बनाएगा और इस संबंध में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं. दीदी ने अडाणी समूह को हर तरह की मदद देने का वादा किया है. चौधरी ने पत्रकारों से कहा कि उन्हें (ममता बनर्जी) मोदी या अडाणी समूह से ऐसा कुछ भी नहीं करने के निर्देश हो सकते हैं जो समूह के हितों के खिलाफ हो.

जबरन वसूली रैकेट का भंडाफोड़

आरोपी ने नकली हथियार से दिया लूट को अंजाम, पुलिस ने किया गिरफ्तार

श्रीनगर, 7 फरवरी (एजेंसियां)। कश्मीर घाटी के पुलवामा में पुलिस ने जबरन वसूली रैकेट का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने नकली आतंकी बनकर खिलौना पिस्तौल के दम पर लूट की वारदात को अंजाम दिया। जानकारी के अनुसार, पुलवामा पुलिस को लूट को लेकर एक लिखित लियाकत मिली। इसमें शिकायतकर्ता ने बताया कि जब वह रात में घर लौट रहा था तो किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसे रोका और उसे हथियारों से धमकाया और पैसे व अन्य कीमती सामान मांगा। आरोपी उसका पर्स, जिसमें 3300 रुपये थे और मोबाइल फोन लेकर मौके से फरार हो गया। इस मामले में पुलिस ने जांच के लिए कई लोगों से पूछताछ की। जांच के दौरान बेलो का रहने वाला आदिल डार पुत्र यूसुफ डार ने बताया कि उसने खिलौना पिस्तौल का उपयोग करके उक्त अपराध को अंजाम दिया है। पुलिस ने उसके पास से दो खिलौना पिस्तौल, तीन पर्स, एक स्मार्ट फोन, 3330 रुपये नकद राशि, 9 एटीएम कार्ड बरामद किए हैं। पुलिस ने कहा कि इस मामले में और गिरफ्तारियों से इंकार नहीं किया जा सकता है। अभी आगामी जांच जारी है।

देश में कोरोना वायरस संक्रमण के 89 नए मामले आए सामने

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। भारत में एक दिन में कोरोना वायरस संक्रमण के 89 नए मामले आने के बाद देश में अभी तक संक्रमित हुए लोगों की संख्या बढ़कर 4,46,83,543 हो गई है. वहीं उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 1,771 रह गई है. केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से मंगलवार सुबह आठ बजे जारी अद्यतन आंकड़ों के मुताबिक, देश में कोरोना वायरस संक्रमण से अभी तक 5,30,745 लोगों की जान गई है। वहीं संक्रमण की दैनिक दर 0.07 फीसदी, जबकि साप्ताहिक दर 0.08 फीसदी दर्ज की गई. अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, भारत में कोरोना वायरस संक्रमण के उपचाराधीन मरीजों की संख्या 1,771 है, जो कुल मामलों का 0.01 फीसदी है. वहीं मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर 98.81 फीसदी है. देश में अभी तक कुल 4,41,51,027 लोग संक्रमण से मुक्त हो चुके हैं, जबकि कोविड-19 से मृत्यु दर 1.19 फीसदी है. स्वास्थ्य मंत्रालय की वेबसाइट के मुताबिक, भारत में राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक कोविड-19 रोधी टीकों की 220.57 करोड़ खुराक दी जा चुकी हैं. गौरतलब है कि भारत में सात अगस्त 2020 को कोरोना वायरस संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त 2020 को 30 लाख और पांच सितंबर 2020 को 40 लाख से अधिक हो गई थी. संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर 2020 को 50 लाख, 28 सितंबर 2020 को 60 लाख, 11 अक्टूबर 2020 को 70 लाख, 29 अक्टूबर 2020 को 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए थे.
देश में 19 दिसंबर 2020 को ये मामले एक करोड़ से अधिक हो गए थे. चार मई 2021 को संक्रमितों की संख्या दो करोड़ और 23 जून 2021 को तीन करोड़ के पार पहुंच गई थी. पिछले साल 25 जनवरी को संक्रमण के कुल मामले चार करोड़ के पार हो गए थे.

माणिक सरकार ने किया दावा

बोले- वामपंथी दल, कांग्रेस के बीच चुनावी समझौते से बीजेपी डरी हुई है

त्रिपुरा, 7 फरवरी (एजेंसियां)। त्रिपुरा में जल्द ही विधानसभा चुनाव होने वाले है। इसको लेकर सियासी तौर पर काफी गर्मागर्मी चल रही है।इसी बीच भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के नेता माणिक सरकार ने दावा किया कि त्रिपुरा में "फासीवादी शासक" को बाहर करने के लिए राज्य में वामपंथी दल और कांग्रेस के बीच गठबंधन के लिए "नैतिक आधार" है। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर पिछले पांच वर्षों में उसके शासन के दौरान इस पूर्वोत्तर राज्य में "लोकतंत्र का गला घोंटने" का आरोप भी लगाया।

चुनावी रैली को संबोधित किया

इसके साथ ही धलाई जिले के सूरमा निर्वाचन क्षेत्र में सोमवार को एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, "भाजपा सोच रही होगी कि उसके दोनों प्रतिद्वंद्वियों ने कैसे हाथ मिला लिया। वे चुनावी तालमेल की नैतिकता पर भी सवाल उठा रहे हैं लेकिन हकीकत यह है कि जनता फासीवादी शासक को सत्ता से बेदखल करना चाहती है।" सरकार ने दावा किया कि पूर्वोत्तर राज्य में वाम-कांग्रेस का गठबंधन "लोकतंत्र को बहाल करने की लोगों की आकांक्षा पर आधारित" है।उन्होंने कहा, " माकपा और कांग्रेस दोनों लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता को बहाल करने और लोगों की स्वतंत्रता की रक्षा के लिए एक-दूसरे की मदद कर रहे हैं। दोनों दलों के बीच नैतिक आधार पर चुनावी समझौता हुआ है। 'देश बचाने के लिए भाजपा को हटाओ' के राष्ट्रव्यापी नारे को त्रिपुरा से गति मिलेगी।"

विधानसभा चुनाव लड़ने का फैसला किया

उन्होंने कहा, "आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा की हार अपरिहार्य है।"त्रिपुरा की 60 सदस्यीय विधानसभा के लिए 16 फरवरी को मतदान होगा और मतगणना दो मार्च को होगी।

महाराष्ट्र में कांग्रेस को बड़ा झटका

बाला साहब थोराट ने विधायक दल नेता पद से इस्तीफ़ा दिया

मुंबई, 7 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। कांग्रेस नेता बाला साहब थोराट ने कांग्रेस विधायक दल के नेता पद से इस्तीफ़ा दिया है। उन्होंने अपना इस्तीफा पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को भेज दिया है। वहीं थोराट के इस्तीफे के बाद महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले का बयान आया है। उन्होंने कहा कि बालासाहेब थोराट हमारे नेता हैं। हम खुद उनसे बात करेंगे। पार्टी की कार्यकारिणी बैठक है उसमें भी इस पर बात होगी,साथ ही राहुल गांधी यात्रा व बाकी विषयों पर भी चर्चा होगी। इसी बीच कांग्रेस नेता आशीष देशमुख ने भी पटोले पर हमला बोला है। पूर्व

विधायक आशीष देशमुख ने कहा कि उन्होंने कुछ माह पहले ही कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले की शिकायत केंद्रीय नेतृत्व को किया है, लेकिन अब तक कांग्रेस का केंद्रिय नेतृत्व ने उन पर फैसला नहीं लिया है, आशीष देशमुख का कहना है कि बीएमसी चुनाव एवं महानगर पालिका के चुनाव से पहले प्रदेश अध्यक्ष का बदलाव कर देना चाहिए, यदि कांग्रेस को महाराष्ट्र में मजबूत करना है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कांग्रेस अध्यक्ष मलिकार्जुन खरगे को लिखे पत्र में बालासाहेब थोरात ने कहा है कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पटोलेले बगैर चर्चा किए सारे फैसले करते हैं ,अब उनके साथ काम करना मुश्किल होता जा रहा है, वह पार्टी नेताओं को महत्व नहीं देते हैं । थोरात ने यह भी कहा है कि प्रदेश नेतृत्व ने उनका अपमान किया है और सत्यजीत तांबे का विधानसभा चुनाव लड़ने के मुद्दे पर उनके परिवार के खिलाफ बयान दिए गए।

बजट के खिलाफ केरल की सड़कों पर घमासान!

पुलिस ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर छोड़े आंसू गैस के गोले

कोच्चि, 7 फरवरी (एजेंसियां)। केरल में बजट के खिलाफ कांग्रेस कार्यकर्ताओं का विरोध प्रदर्शन मंगलवार को उग्र हो गया। कोच्चि में प्रदर्शन कर रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े। इसके अलावा पुलिस ने पानी की बौछारों से भी कांग्रेस कार्यकर्ताओं को नियंत्रित करने की कोशिश की। बता दें कि केरल की लेफ्ट सरकार ने हाल ही में पेश किए बजट में पेट्रोल डीजल और शराब पर सेस लगाने का प्रस्ताव रखा है। जिसके खिलाफ केरल कांग्रेस प्रदेश भर में विरोध प्रदर्शन कर रही है। सोमवार को यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने प्रदेश विधानसभा तक मार्च किया। यह मार्च भी हिंसक हो गया था। मंगलवार को फिर से कांग्रेस कार्यकर्ता सरकार के बजट प्रस्ताव के खिलाफ सड़कों पर उतरे। कोच्चि में इसका असर ज्यादा देखने को मिला, जहां कांग्रेस कार्यकर्ताओं को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले भी छोड़े। इसके अलावा प्रदर्शन कर रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर पानी की बौछार भी की गई। सोमवार को सदन में भी कांग्रेस ने सरकार के बजट प्रस्ताव का विरोध किया और प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस विधायकों ने विधानसभा में बैनर लहराए और सरकार से पेट्रोल डीजल पर सेस लगाने के फैसले को वापस लेने की मांग की। कांग्रेस के तीन विधायकों मैथ्यू कुजालंदन, शफी परमबिल और सीआर महेश के साथ ही इंडियन यूनियन मुस्लिम विधायक नजीब कांतापुरम ने सरकार से फैसला वापस ना लेने तक अनिश्चितकालीन 'सत्याग्रह' करने का एलान किया है। हालांकि केरल के वित्त मंत्री केएन बालगोपाल ने बजट में पेट्रोल, डीजल और शराब पर सेस लगाने के फैसले का बचाव किया है। उन्होंने संकेत दिए हैं कि सरकार की इस फैसले को वापस लेने की कोई योजना नहीं है।

लुधियाना कोर्ट कांप्लेक्स में दो गुट भिड़े, तीन राउंड फायरिंग से मची भगदड़, दो जख्मी

लुधियाना, 7 फरवरी (एजेंसियां)। लुधियाना कोर्ट कांप्लेक्स में मंगलवार को दो गुटों के बीच अनबन के बाद गोलियां चल गई। इस दौरान तीन राउंड फायर हुए जिसमें दो लोग जख्मी हो गया। एक को बाजू और दूसरे को कमर में गोली लगी है। दोनों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। पुलिस ने एक व्यक्ति को हिरासत में लिया है। दोनों गुट कोर्ट में पेशी के लिए आए थे। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मामला मॉडल टाउन थाने में मारपीट से जुड़ा था।

शिप्रा नदी के किनारे गाय का कटा सर मिलने से सनसनी

उज्जैन, 7 फरवरी (एजेंसियां)। धर्मनगरी उज्जैन की पवित्र शिप्रा नदी में गौ माता का कटा हुआ सर मिलने से सनसनी फैल गई है। घटना के बाद हिंदूवादी संगठन और समाजजनों में खासा आक्रोश भी देखा जा रहा है। बता दें, पूर्व में भी इस तरह की घटना देखने को मिली थी।

मनी लॉन्ड्रिंग केस में पत्रकार राणा अय्यूब को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका

समन पर नहीं लगी रोक,साक्ष्य पर सवाल

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने धन शोधन (मनी लॉन्ड्रिंग) मामले में गाजियाबाद की विशेष अदालत द्वारा समन किए जाने को चुनौती देने वाली पत्रकार राणा अय्यूब की याचिका मंगलवार को खारिज कर दी. न्यायमूर्ति वी. रामासुब्रमण्यन और न्यायमूर्ति जे. बी. पारदीवाला की पीठ ने अय्यूब को सुनवाई कर रही अदालत के समक्ष न्यायाधिकार का मुद्दा उठाने की अनुमति दी और कहा कि यह साक्ष्य का सवाल है. शीर्ष अदालत ने 31 जनवरी को समन को चुनौती देने वाली अय्यूब की याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था. शीर्ष अदालत ने 25 जनवरी को गाजियाबाद की एक विशेष अदालत से कहा था कि अय्यूब के खिलाफ धन शोधन मामले में 27 जनवरी को सुनवाई की कार्यवाही 31 जनवरी के बाद की तारीख तक स्थगित कर दे.

अय्यूब पर लगे हैं ये आरोप

अपनी लिखित अर्जी में अय्यूब ने न्यायाधिकार की कमी का हवाला देते हुए गाजियाबाद में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा शुरू की गई कार्रवाई को रद्द करने का अनुरोध किया था क्योंकि कथित धन शोधन का अपराध मुंबई में हुआ था. आपको बता दें कि पिछले साल 29 नवंबर को गाजियाबाद में विशेष पीएमएलए (धन शोधन निवारण अधिनियम) अदालत ने ईडी द्वारा दायर आरोपपत्र पर संज्ञान लिया था और अय्यूब को समन किया था पिछले साल 12 अक्टूबर को ईडी ने अय्यूब के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया और उन पर लोगों को धोखा देने तथा दान के नाम पर मिली 2.69 करोड़ रुपये की रकम का निजी संपत्ति बनाने में इस्तेमाल करने में तथा विदेश योगदान अधिनियम का उल्लंघन करने का आरोप लगाया. ईडी ने एक बयान में कहा, ''राणा अय्यूब ने अप्रैल 2020 से 'केटो' प्लेटफॉर्म पर तीन धन जुटाने वाले अभियान शुरू किए और कुल 2,69,44,680 रुपये की धनराशि एकत्र की

उपराष्ट्रपति की डीपी लगा बड़ा खेल

12वीं पास युवक इटली में बैठकर बना रहा था अफसरों को शिकार, ऐसे बिछाता था जाल

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की फोटो का इस्तेमाल कर बड़े-बड़े अफसरों से ठगी करने वाले दो लोगों को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की आईएफएसओ यूनिट ने गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। इस मामले में कास बात ये है कि मुख्य आरोपी यह सारी वारदात इटली के एक शहर में बैठकर कर रहा था, जिसमें भारत से एक शख्स उसका साथ दे रहा था। पुलिस ने आरोपियों के पास से कुल पांच मोबाइल फोन बरामद किए हैं जिसमें से गिरोह के सरगना के पास से दो मोबाइल और उसके साथ ही के पास तीन मोबाइल मिले हैं। आरोपियों की पहचान गगनदीप सिंह (22) मूल निवासी जम्मू और अश्वनि कुमार (29) निवासी पटियाला, पंजाब के रूप

में हुई है। गगनदीप सिंह गिरोह का सरगना है। उसने नौवीं तक भारत में और 12वीं इटली से पास की है। वह इटली की एक कंपनी में मजदूर का काम करता है। गगनदीप ही डीपी पर उपराष्ट्रपति की फोटो लगाकर अफसरों से ठगी करता था। वहीं अश्वनि 12वीं तक पढ़ा है। अश्वनि की सामना में एक दुकान है और उसी ने गगनदीप से व्हाट्सएप अकाउंट के लिए ओटीपी शेयर किया था।

ऐसे करते थे ठगी

गगनदीप ने व्हाट्सएप पर उपराष्ट्रपति के अकाउंट से मिलता-जुलता अकाउंट खोलने से पहले कई यूट्यूब वीडियो देखे थे। उसने इंटरनेट से वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों के नंबर निकाल लिए थे। इसके बाद उसने अश्वनि कुमार से ओटीपी लेकर भारतीय नंबर से व्हाट्सएप अकाउंट बनाया। व्हाट्सएप अकाउंट बनाने के बाद उसने अपनी डीपी पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की तस्वीर लगा ली। यह नकली अकाउंट बनाकर उसने वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों को मैसेज करना शुरू किया और वरिष्ठ अफसरों से फेवर लेना शुरू किया।

370, राम मंदिर के बाद अब समान नागरिक संहिता पर काम करेगी सरकार?

आरएसएस की पत्रिका में उठी मांग

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। राम मंदिर और आर्टिकल 370 हटने के बाद अब समान नागरिक संहिता का मुद्दा चर्चाओं में है। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ से संबंधित पत्रिका "इंद्रप्रस्थ संवाद" में भी इसे लागू करने की मांग की गई है। इसमें कहा गया कि नागरिक कानून यहां सबके लिए समान नहीं है, हर धर्म में अपने हिसाब से चीजें तय की गई हैं। पत्रिका में कहा गया कि मस्जिदों, चर्चों और गुरुद्वारों को खुद से अपने वित्त और अन्य मामलों के प्रबंधन की अनुमति दी जाती है, जबकि मंदिरों से जुड़े मामलों पर सरकार का नियंत्रण है। तलाक के बाद हिंदू महिलाएं गुजारा भत्ता की हकदार हैं, जबकि मुस्लिम महिलाओं के लिए ऐसा नहीं है। पत्रिका में कहा गया कि 73 साल बाद भी देश में यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू नहीं किया गया है। लोकतंत्र और कानून के शासन का मतलब होता है, कि हर कोई एक सामन है और किसी के बीच कोई भेदभाव नहीं है, लेकिन क्या सच में ऐसा है। इसमें कहा गया कि यूसीसी को लेकर पिछले कुछ महीनों से काफी चर्चा है। कई भाजपा सांसद भी हाल के दिनों में यूसीसी पर

संसद में निजी सदस्य विधेयक लाए हैं। वहीं, संघ का मानना है कि फिलहाल यूसीसी को आगे बढ़ाने का सबसे अच्छा तरीका केंद्रीय कानून के बजाय राज्यों के माध्यम से है। सूत्रों ने संघ के हवाले से यह जानकारी दी है। आरएसएस के सूत्रों ने यह भी कहा कि संघ को यूसीसी को आगे बढ़ाने की कोई जल्दी नहीं है। उन्होंने कहा, "इसे लागू करने के लिए कानून के गहन अध्ययन और व्यापक परामर्श की आवश्यकता है। यह अनुच्छेद 370 नहीं है, जिसमें सिर्फ निर्णय लिया जाना था, यूसीसी समाज के हर वर्ग से संबंधित है और इसलिए सभी के विचार लेना जरूरी है। यह अच्छा है कि देश में इस पर बहस हो रही है।"

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

बुधवार, 8 फरवरी, 2023 3

सुविचार

मेहनत वो सुनहरी चाबी है, जो बंद भविष्य के दरवाजे भी खोल देती है।

केटीआर ने वेमुलावाड़ा शिवरात्रि जतारा की व्यवस्था की समीक्षा की

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी और उद्योग मंत्री के टी रामाराव ने 18 फरवरी से राजन्ना सिरसिला जिले के वेमुलावाड़ा में श्री राजा राजेश्वरा स्वामी मंदिर में आयोजित होने वाले महा शिवरात्रि जतारा समारोह की व्यवस्था की समीक्षा की। मंत्री केटी रामा राव ने स्थानीय विधायक रमेश बाबू के साथ सोमवार को यहां से संबंधित अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की और अधिकारियों को जातरा से संबंधित कार्यों जैसे अस्थायी पंडालों के निर्माण और कतार लाइनों के विस्तार, सीसीटीवी कैमरों की स्थापना और तेजी लाने का निर्देश दिया।

इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि वेमुलावाड़ा मंदिर को दक्षिण काशी के नाम से जाना जाता है। मंदिर यदाद्री श्री लक्ष्मी नरसिम्हास्वामी मंदिर की तर्ज पर विकसित किया जाएगा। यहां केवल तेलंगाना से ही नहीं बल्कि पड़ोसी राज्यों से भी श्रद्धालुओं के वेमुलावाड़ा मंदिर में उत्सव के लिए बड़ी संख्या में आने की उम्मीद है, आगंतुकों को किसी भी असुविधा से बचने के लिए विस्तृत व्यवस्था की जानी चाहिए। केटीआर ने निर्देश दिया कि शहर में उत्सव के दौरान स्वच्छता पर विशेष जोर दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार मंदिर में मेले के लिए सभी व्यवस्था करने के लिए अतिरिक्त धनराशि मंजूर करेगी। मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को एहतियाती उपायों के लिए पहले से ही एंबुलेंस और अग्निशमन सेवाओं की व्यवस्था करने के लिए कहा है।

इन सभी वर्षों की भांति इस वर्ष भी सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया जाए। इसके लिए, राज्य सांस्कृतिक विभाग के साथ उचित समन्वय होना चाहिए। समीक्षा बैठक के दौरान, अधिकारियों ने मंत्री को वेमुलावाड़ा में किए जा रहे विकास कार्यों के बारे में जानकारी दी। जिला कलेक्टर अनुराग जयंती, एसपी अखिल महाजन, मंदिर के अधिकारी और अन्य उपस्थित थे।

बालापुर में सड़क हादसे में दो की मौत

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बालापुरमें मंगलवार सुबह एक सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, पीड़ित आरसीआई रोड पर स्कूटी से जा रहे थे, तभी वाहन से नियंत्रण खो दिया और एक बिजली के खंभे से जा टकराया। इससे दोनों को चोटें आईं और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है।

नवीन मित्तल की धमकियों से नहीं डरता : मधुसूदन रेड्डी

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। इंटरमीडिएट कॉलेज शिक्षकों की संयुक्त कार्रवाई समिति (जेएसी) के अध्यक्ष मधुसूदन रेड्डी ने आज कहा कि वह बोर्ड के पूर्व सचिव नवीन मित्तल द्वारा उन्हें दी जा रही धमकियों से डरे नहीं हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मित्तल ने इंटरमीडिएट की उत्तर पुस्तिकाओं के ऑनलाइन मूल्यांकन को एक फर्म ग्लोबारिस मूल्यांकन को एक अलग नाम से सौंपने के लिए एक फर्म से भारी रिश्वत ली थी। उन्होंने आरोप लगाया कि उत्तर पुस्तिका मूल्यांकन अनुबंध सौंपने के लिए नवीन ने रिश्वत लेकर फर्म के साथ सौदा किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि नवीन ने दो साल पहले उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन में प्राप्त आरोपों से ग्लोबारिस फर्म को क्लीन चिट देने के लिए शेष धनराशि ली थी। इसके बाद उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया कि वह अपने आरोपों से पीछे नहीं हटेंगे, भले ही इससे उनकी जान चली जाए। रेड्डी ने याद दिलाया कि ग्लोबारिस फर्म के कृत्यों ने न केवल 10 लाख इंटरमीडिएट के छात्रों को पीड़ित किया बल्कि 20 छात्रों की आत्महत्या का कारण भी बना।

टीएस एमसेट की परीक्षाएं 7 मई से : सबिता

शिक्षा मंत्री ने समीक्षा बैठक में की घोषणा

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने मंगलवार को 7 मई से शुरू होने वाले तेलंगाना स्टेट इंजीनियरिंग, एग्रीकल्चर एंड मेडिकल कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (टीएस ईएएमसीईटी) के साथ विभिन्न कॉमन एंट्रेंस टेस्ट 2023 का शेड्यूल जारी किया। शिक्षा मंत्री पी. सबिता इंद्रा रेड्डी द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार, टीएस ईएएमसीईटी की इंजीनियरिंग स्ट्रीम के लिए प्रवेश परीक्षा 7 से 11 मई तक और कृषि और फार्मेसी पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश परीक्षा 12 से 14 मई तक आयोजित की जाएगी। इसी तरह, एजुकेशन कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (एडसेट) 18 मई को और इंजीनियरिंग कॉमन एंट्रेंस टेस्ट 20 मई को आयोजित किया जाएगा। लॉ कॉमन एंट्रेंस टेस्ट और पीजी लॉसेट दोनों 25 मई को आयोजित किए जाएंगे। सरकार ने 26 और 27 मई को एमबीए और एमसीए पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए इंटीग्रेटेड कॉमन एंट्रेंस टेस्ट और 29 से 31 मई तक पोस्ट ग्रेजुएट इंजीनियरिंग कॉमन एंट्रेंस टेस्ट आयोजित करने का फैसला किया।

एआईएसएफ ने की राज्य के बजट में शिक्षा क्षेत्र के लिए अधिक धन की मांग

हनामकोंडा, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना बजट में शिक्षा क्षेत्र को केवल 19,093 करोड़ रुपये आवंटित करना अनुचित बताते हुए एआईएसएफ हनमकोंडा जिला महासचिव बी. संतोष ने मांग की है कि सरकार को छात्रों के हित के लिए बजट में कुल बजट के 6.57 प्रतिशत से आवंटन को बढ़ाकर 30 प्रतिशत करना चाहिए। मंगलवार को यहां एक प्रेस नोट में उन्होंने कहा कि बजट का कुल परिव्यय 2,90,396 करोड़ रुपये है, जबकि शिक्षा क्षेत्र को आवंटित धन कुल बजट का 6.57 प्रतिशत है। पिछले वर्ष के 7.30 प्रतिशत से घटाकर इस वर्ष 6.57 प्रतिशत आवंटन करना उचित नहीं है। उन्होंने यह भी मांग की कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के खिलाफ विधानसभा में एक प्रस्ताव पारित किया जाना चाहिए क्योंकि नई नीति का उद्देश्य शिक्षा का भगवाकरण करना है।

शर्मिला को अपना राजनीतिक आधार एपी में स्थानांतरित करना चाहिए : बीआरएस एमएलसी

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस एमएलसी कडियम श्रीहरि ने सुझाव दिया कि वाईएसआर टीपी अध्यक्ष शर्मिला को अपना राजनीतिक आधार तेलंगाना से आंध्र प्रदेश में स्थानांतरित करना चाहिए। मंगलवार को यहां मीडिया से बात करते हुए बीआरएस नेता ने कहा कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि शर्मिला तेलंगाना बजट की आलोचना कर रही हैं। "शर्मिला का पूरा परिवार, जिसमें उनके पिता और दिवंगत पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस राजशेखर रेड्डी और उनके भाई और आंध्र प्रदेश के वर्तमान मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी शामिल हैं, ने तेलंगाना राज्य के गठन के खिलाफ काम किया था। जब जगन मोहन रेड्डी के संबंध में जेल में थे। आय से अधिक संपत्ति के मामले में शर्मिला ने संयुक्त आंध्र प्रदेश में पदयात्रा की और स्पष्ट रूप से कहा कि उनकी पार्टी तेलंगाना राज्य के गठन के खिलाफ है।" कडियम श्रीहरि ने कहा, "शर्मिला को तेलंगाना में अपनी पदयात्रा बंद कर देनी चाहिए और अपना राजनीतिक आधार आंध्र प्रदेश में स्थानांतरित कर लेना चाहिए क्योंकि अगर उनके भाई वाईएस जगन मोहन रेड्डी फिर से भ्रष्टाचार के मामलों में जेल जाते हैं, तो भी उनका भविष्य उज्ज्वल होगा।" उन्होंने शर्मिला को सुझाव दिया कि वह तेलंगाना में राजनीति करके अपना समय बर्बाद न करें क्योंकि किसी को उनकी पार्टी की परवाह नहीं है और लोग तेलंगाना पर उनकी बातों पर विश्वास नहीं कर रहे हैं। पूर्व उपमुख्यमंत्री कडियम श्रीहरि ने भी तेलंगाना राज्य के विकास के लिए धन आवंटित करने में विफल रहने के लिए केंद्र सरकार की आलोचना की और कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार धन और परियोजनाओं के आवंटन में तेलंगाना के साथ अन्याय कर रही है।

यादव, कुरुमा के स्वाभिमानी भवनों का उद्घाटन 10 मार्च को होगा

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वित्त मंत्री टी हरीश राव ने जानकारी दी है कि शहर के कोकापेट में बन रहे यादव और कुरुमा समुदाय के स्वाभिमानी भवनों का उद्घाटन 10 मार्च को किया जाएगा। मंत्री हरीश राव, तलसानी श्रीनिवास यादव और गंगुला कमलाकर, एमएलसी येग्गे मल्लेशम और बंदा प्रकाश मुदिराज, बीसी कल्याण सचिव बुर्रा वेंकटेशम और अन्य नेताओं ने मंगलवार को यहां यादव और कुरुमा भवनों के चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस अवसर पर मंत्री हरीश राव ने अधिकारियों को नई सड़कें और पानी की लाइनें बिछाने से संबंधित सभी कार्यों को पूरा करने का निर्देश दिया। जब दोनों सामुदायिक भवनों के चारों ओर 2.60 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से चहारदीवारी बनाने का प्रस्ताव वित्त मंत्री के संज्ञान में लाया गया तो उन्होंने घोषणा की कि राशि तत्काल स्वीकृत की जाएगी और प्रस्तावित कार्यों को निर्धारित समय में पूरा किया जाएगा। अवधि। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार बीसी की 41 श्रेणियों के लिए स्वाभिमानी भवनों का निर्माण कर रही है और इस उद्देश्य के लिए रंगारेड्डी और मेडचल-मलकजगिरी जिलों में 87 एकड़ सबसे महंगी जमीन आवंटित की गई है। हरीश राव ने कहा कि यादव और कुरुमा सामुदायिक भवन सबसे पहले बनकर तैयार हुए हैं और उद्घाटन के लिए तैयार हैं। इमारतों के उद्घाटन के दिन, एक लाख से अधिक समुदाय के लोगों के साथ एक विशाल जनसभा आयोजित की जाएगी।

IN THE COURT OF THE HON'BLE I SENIOR CIVIL JUDGE, CITY CIVIL COURT, AT: HYDERABAD

E.A.No. 340 OF 2022 IN
E.P.No. 433 OF 2019 IN
O.S.No. 1787 OF 2011

Between:
Mukund Das (Died per LRs),
Mr. Sudeep Kumar M. Shah (Died per LR),
Mr. Dhruv S. Shah ...Petitioner / Prop. LR / Decree Holder/ Plaintiff

AND

Sri Radhe Shyam Mishra ...Respondent/ Judgment Debtor/ Defendant

To,
Sri Radhe Shaym Mishra, Occ: Business at Ground Floor Entrance Part of premises No. 5-1-760, situated at Kushal Market, Bank Street, Koti, Hyderabad, T.S.

Please take notice that the above Petitioner / Proposed LR filed E.A. in the above said E.P. and same is ordered for notice to you and the same is posted to 17-02-2023 for your appearance on the above said date at 10.30 a.m. either in person or through counsel failing which the matter will be decided as per law.

" By Order of the Hon'ble Court"

Sd/- R. A. Achutanand, Advocate, 1-1-651/7/1, Gandhi Nagar Bus Stop, Hyderabad.

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I Praveen Kumar Kothari Father of Priyansh I am Changing My Minor Son's Name From Priyansh To Priyansh jain For All Purpose R/o.4-4-899 to 901 ,Shetrunjay Residency, Sultan Bazaar, Nampally, Hyd-95

I Praveen Kumar Kothari Father of Tanmay I am Changing My Minor Son's Name From Tanmay To Tanmay Jain For All Purpose R/o.4-4-899 to 901 ,Shetrunjay Residency, Sultan Bazaar, Nampally, Hyd-95

I, AANCHAL DAMANI, D/o: Basant Kapooria, Holding Indian Passport No. H8770216, R/o:H.No.10-2-276/C-402, Sri Sai Rajendra Prestige Apartments, Lane No.2, Street No.5, West Marredpally, Secunderabad, T.S., have changed my name from AANCHAL DAMANI to AANCHAL KAPOORIA, vide Affidavit dt.07-02-2023 with immediate effect.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

दिल्ली से पकड़ा गया एक साइबर अपराधी

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा की साइबर अपराध टीम ने नई दिल्ली में एक साइबर धोखाधड़ी अपराधी पीटर गोम्स को गिरफ्तार किया है। पीटर गोम्स गणेश नगर, पांडव नगर परिसर, पूर्वी दिल्ली का रहने वाला है। इसका सहयोगी और एक अन्य आरोपी बिहार निवासी नीतेश कुमार फरार है। पुलिस टीम के अनुसार शिकायतकर्ता श्रीनिवास राव को अज्ञात मोबाइल नंबर से एसबीआई खाते के साथ पैन नंबर अपडेशन को लेकर एक संदेश प्राप्त हुआ। उन्होंने मैसेज लिंक पर क्लिक किया। इसके बाद धोखेबाजों ने ओटीपी ले ले ली और 8.23 लाख रुपए ठग लिए। आरोपी नई दिल्ली में एक निजी कॉल सेंटर में काम करता है और वह अपने दोस्त नितेश कुमार निवासी बिहार राज्य के साथ मिलकर पूरे भारत में साइबर धोखाधड़ी करके आसानी से पैसा कमाना चाहता था। उन्होंने गलत लाभ के लिए निर्दोष लोगों की व्यक्तिगत साख और वित्तीय साख इकट्ठा करने के इरादे से लिंक भेजना शुरू कर दिया। इसी प्रक्रिया में उन्होंने पीड़ित को एक लिंक भेजकर वित्तीय जानकारी ली और एसबीआई बैंक से पैन कार्ड अपडेशन के नाम पर उससे 8.23 लाख रुपये लूट लिए। एम. सुरेंद्र

इंस्पेक्टर के नेतृत्व में एक टीम को आरोपी को ट्रांजिट वारंट पर नई दिल्ली लाया गया और न्यायिक रिमांड के लिए एलबी नगर में माननीय अदालत के समक्ष पेश किया गया।

एसआई व कांस्टेबल एसीबी के गिरफ्त में

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एसीबी ने रिश्वत लेने के आरोप में सिटी के बेगमपेट थाने के एक एसआई और कांस्टेबल के खिलाफ मामला दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार पुलिस उप निरीक्षक डी. साई कुमार और पुलिस कांस्टेबल नरेश बेगमपेट पुलिस स्टेशन, हैदराबाद के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। आरोप है कि एसआई और कांस्टेबल ने शिकायतकर्ता से 15 हजार रुपए रिश्वत राशि की मांग की गई थी। शिकायतकर्ता मांगी गई रिश्वत की राशि की व्यवस्था करने में असमर्थ था और आरोपी अधिकारी उसके वाहन को छोड़ने के लिए मांगी गई रिश्वत राशि के लिए उसे लगातार परेशान कर रहे था। शिकायतकर्ता ने एसीबी से संपर्क किया और अपनी शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर ऑडियो वीडियो इलेक्ट्रानिक साक्ष्य एकत्रित कर आरोपित

अधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। मामले की जांच पड़ताल चल रही है।

अपने घर में एक व्यक्ति ने जीवन लीला समाप्त कर ली

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नरसिंगी में अपने घर पर 34 वर्षीय एक व्यक्ति ने आत्महत्या कर ली। इसकी जानकारी पुलिस ने मंगलवार को दी। नरसिंगी के पीरम चेरवु में रहने वाले आर सिद्दप्पा का अपनी पत्नी से किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। इस घटनाक्रम से नाराज होकर वह तीन मंजिल की इमारत की छत पर चढ़ गया। उसने छत से कूदने की धमकी दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और उसे समझाने का प्रयास किया। हालाँकि वह अपनी घबराई हुई पत्नी और अन्य लोगों की नज़रों में भी कूद गया। युवक को अस्पताल ले जाया गया जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मामला दर्ज कर छानबीन की जा रही है।

आईपीएस अफसरों की तैनाती

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने आईपीएस और गैर-कैडर अधिकारियों के स्थानांतरण और तैनाती की है। पदस्थापन की प्रतीक्षा कर रहे एस. रंगा रेड्डी, आईपीएस (2009), को पुलिस अधीक्षक (पीसीएस एंड एस) के रूप में नियुक्त किया गया। ग्रेहाउंड्स के सहायक पुलिस अधीक्षक योगेश गौतम, आईपीएस (2018) का तबादला कर उन्हें साइबराबाद का पुलिस उपायुक्त (प्रशासन) नियुक्त किया गया है। आर. वेंकटेश्वरलू, पुलिस अधीक्षक (एनसी) पदस्थापन की प्रतीक्षारत को पुलिस अधीक्षक (सीआईडी), तेलंगाना, हैदराबाद के रूप में तैनात किया गया है। पदस्थापन की प्रतीक्षा कर रहे पुलिस अधीक्षक (एनसी) जे राघवेंद्र रेड्डी को पुलिस अधीक्षक (प्रशासन), रेलवे के पद पर तैनात किया गया है। पूजा, पुलिस अधीक्षक (एनसी) को प्रिंसिपल पीटीसी वारंगल के रूप में बरकरार रखा गया है। शासनादेश के अनुसार उन्हें उप निदेशक, टीएसपीए के रूप में पोस्ट करने के पहले के आदेशों को रद्द कर दिया गया। सी. सतीश, पुलिस अधीक्षक (एनसी), जो पदस्थापन की प्रतीक्षा कर रहे हैं, को पुलिस अधीक्षक (कानूनी) कार्यालय डीजीपी, तेलंगाना, हैदराबाद के रूप में तैनात किया गया है। यह उन्हें प्रिंसिपल, पीटीसी, वारंगल के पद पर तैनात करने के पिछले आदेशों को रद्द करता है। पदस्थापन की प्रतीक्षा कर रहे पुलिस अधीक्षक (एनसी) डी. मुरलीधर को पुलिस उपायुक्त, अपराध, वारंगल लगाया गया है। यह पुलिस अधीक्षक (कानूनी) ओ/ओ डीजीपी, तेलंगाना के रूप में पोस्टिंग के पहले के आदेशों को रद्द करता है।

सीपीएम ने सरकार से की सभी आवंटित धन खर्च करने की मांग

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य की वामपंथी पार्टी सीपीएम ने आज राज्य सरकार से आगामी वित्तीय वर्ष (2023-24) में राज्य के विभिन्न विभागों को आवंटित सभी धनराशि खर्च करने की मांग की। एक बयान में, सीपीएम के राज्य सचिव तम्मिनेनी वीरभद्रम ने राज्य के वित्त मंत्री टी. हरीश राव द्वारा पेश किए गए वार्षिक बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त की और राज्य सरकार से राज्य के दो महत्वपूर्ण क्षेत्रों- स्वास्थ्य क्षेत्र और शिक्षा क्षेत्र में अतिरिक्त आवंटन करने की मांग की। गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) श्रेणी के तहत रहने वाले सभी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का कुल वार्षिक बजट 2,90,296 करोड़ रुपये है, उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने कर्ज माफी के लिए 22407 करोड़ रुपये और मौजूदा ऋणों पर ब्याज के भुगतान के लिए 28,480 करोड़ रुपये निर्धारित किए हैं। राज्य सरकार कुल वार्षिक बजट में उनका कुल प्रतिशत 18 प्रतिशत कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की डबल बेडरूम योजना के लिए राज्य के वित्त मंत्री द्वारा अपने भाषण में घोषित 12,000 करोड़ रुपये के आवंटन को बजट दस्तावेज में नहीं दिखाया गया था और कहा कि वित्त मंत्री ने स्पष्ट किया कि वे इसका निर्माण करेंगे।

बाहरी इलाके में छोड़ी गई नवजात बच्ची को ग्रामीणों ने बचाया

संगारेड्डी, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार सुबह न्यालकल मंडल के रुक्मापुर गांव के बाहरी इलाके में एक नवजात बच्ची को लावारिस हालत में पाया गया। उसके रोने की आवाज सुनकर स्थानीय ग्रामीणों ने क्षेत्र की खोज की और उसे पाया, जिसके बाद उन्होंने तुरंत पुलिस और स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों को बुलाया, जिन्होंने शिशु को इलाज के लिए क्षेत्रीय अस्पताल जहीराबाद में स्थानांतरित कर दिया। हद्दनूर एसआई विनय कुमार ने कहा कि मामला दर्ज कर लिया गया है और बच्चे को छोड़ने वालों की पहचान करने के लिए जांच की जा रही है।

मिलिट्री डेंटल सेंटर ने आर्मी डेंटल कोर का 82वां स्थापना दिवस मनाया

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आर्मी डेंटल कोर की स्थापना वर्ष 1941 में हुई थी। यह सैनिकों, उनके आश्रितों और रक्षा सेवाओं के पूर्व सैनिकों को गुणवत्तापूर्ण दंत चिकित्सा प्रदान करने के लिए समर्पित है। इस अवसर को मनाने के लिए हैदराबाद-सिकंदराबाद गैरीसन के स्टेशन दंत चिकित्सा अधिकारियों ने मिलिट्री डेंटल सेंटर (गफ लाइन्स) सिकंदराबाद में 82 वां आर्मी डेंटल कोर स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर को और यादगार बनाने के लिए, कर्नल बीपी पांडा, वीएसएम, कमांडिंग अधिकारी, एमडीसी (जीएल) सिकंदराबाद और बोलारम तथा गोलकोंडा के सैन्य दंत चिकित्सा केंद्रों के सभी दंत अधिकारियों ने पूर्व महानिदेशक दंत चिकित्सा सेवा, लेफ्टिनेंट जनरल एसएम लोंधे, पीवीएसएम, एसएम और लेफ्टिनेंट जनरल जेएस सिदाना, कमांडेंट, एमसीईएमई सहित अन्य वरिष्ठ गणमान्य व्यक्तियों को आमंत्रित किया और ईएमई के कर्नल कमांडेंट को स्टेशन कमांडर, ब्रिगेडियर के सोमशंकर, एसएम ने अपनी शुभकामनाएं दीं और कोर के सभी कर्मियों को उनके भविष्य के प्रयासों के लिए बधाई दी। समारोह के हिस्से के रूप में, विभिन्न इनडोर और आउटडोर प्रतियोगिताओं, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और यूनिट के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वालों को दिए गए पुरस्कारों सहित एक असाधारण आयोजन किया गया।

टाटा नगर में कार मैकेनिक के शेड में लगी आग

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मैलरदेवपल्ली के टाटा नगरमें मंगलवार सुबह एक कार मैकेनिक के शेड में आग लगने से कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई। दमकल अधिकारियों के मुताबिक, शेड में रखी कुछ सामग्री में आग लगने से आग लग गई। सूचना पर स्थानीय दमकल केंद्र से दमकल मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

यूपी में बीजेपी कर रही अधर्म

योगी कोई धार्मिक नेता नहीं, बल्कि 'ठग'- राहुल गांधी

लखनऊ, 7 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा देश की सबसे ज्यादा आबादी वाले राज्य में जो कर रही है वो धर्म नहीं, अधर्म है. उन्होंने सामाजिक संगठनों के भारत जोड़ो अभियान कार्यक्रम में यह टिप्पणी की. सूत्रों के अनुसार, राहुल गांधी ने इस कार्यक्रम में कहा, योगी जी को अगर हिंदू धर्म समझ आता तो वह जो करते हैं वो नहीं करते....वह अपने मठ का अपमान कर रहे हैं. वह धार्मिक नेता नहीं, बल्कि एक मामूली ठग हैं. कार्यक्रम में मौजूद महिला ने उनसे सवाल किया था कि उत्तर प्रदेश में जो धर्म की आंधी चल रही है, इस स्थिति में कांग्रेस क्या करेगी? सूत्रों का कहना है कि इसके जवाब में राहुल गांधी ने कहा, आपने कहा कि उत्तर प्रदेश में धर्म की आंधी है. यह धर्म नहीं है. मैंने इस्लाम के बारे में पढ़ा, ईसाई धर्म के बारे में पढ़ा है, यहूदी धर्म के बारे में पढ़ा है, बौद्ध धर्म के बारे में पढ़ा है. हिंदू धर्म तो मैं समझता हूं. कोई धर्म नहीं कहता है कि नफरत फैलाओ.गांधी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में भाजपा जो कर रही है वो धर्म नहीं, अधर्म है.

व्यक्ति तपस्या करना बंद कर देता है तो भ्रमित हो जाता है

उन्होंने कहा कि जैसे ही व्यक्ति तपस्या करना बंद कर देता है तो उसके लिए भ्रम की स्थिति पैदा हो जाती है. गांधी ने कहा कि कांग्रेस तपस्वियों की पार्टी है, जबकि भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इसके विपरीत हैं. उन्होंने भारत जोड़ो यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि यह छोटा एवं पहला कदम है, आगे और भी प्रयास किए जाएंगे.

पुलिस की बड़ी लापरवाही ऑटो से लटक रहा था शव रस्सी से बांधकर पोस्टमार्टम हाउस भेजा

सहरसा, 7 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार के सहरसा से मानवीय संवेदनाओं को झकझोर देने वाली खबर सामने आ रही है. जिले के सोनवर्सा कचहरी ओपी पुलिस की संवेदनहीनता यहां देखने को मिली है. यहां एक लावारिश लाश को ऑटो के पीछे रस्सी से बांधकर करीब 6 किलोमीटर तक मृत जानवर की तरह ले जाया गया. शव को रस्सी से बांधकर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल लाने के लिए पुलिस ने सारी मर्यादा ताक पर रख दी. इतना ही नही लाश लदे ऑटो पर पुलिसकर्मी ने बैठना तक मुनासिब नहीं समझा. बिना किसी पुलिसकर्मी के ही ऑटो पर शव को पोस्टमार्टम हाउस तक पहुंचाया गया.

सड़क हादसे में मैनपुरी में तैनात एडीजे पूनम त्यागी की मौत

मैनपुरी, 7 फरवरी (एजेंसियां)। फिरोजाबाद के शिकोहाबाद में मंगलवार सुबह आगरा लखनऊ एक्सप्रेस वे पर नगला खंगर थाना क्षेत्र अंतर्गत माइल स्टोन-65 के समीप मैनपुरी में तैनात एडीजे (पाक्सो) पूनम त्यागी की कार हादसे का शिकार हो गई। जिसमें चालक और एडीजे गंभीर रूप से घायल हो गईं। जानकारी होते ही थाना प्रभारी मौके पर पहुंच गए। गंभीर रूप से घायल एडीजे और उनके चालक को सैंफई पीजीआई में भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद एडीजे को मृत घोषित कर दिया, जबकि चालक का उपचार चल रहा है दो दिन की छुट्टी बिताने के बाद एडीजे (पाक्सो) पूनम त्यागी अपनी कार से मैनपुरी आ रही थीं। जब उनकी कार आगरा लखनऊ एक्सप्रेस वे पर 65.700 माइल स्टोन के समीप पहुंची, तभी चालक को नींद आ गई। जिससे कार आगे जा रहे ट्रक में पीछे से घुस गई। कार को सचिन पुत्र संतराम निवासी कस्तला थाना इंचोली जिला मेरठ चला रहा था। हादसा होने के बाद दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की जानकारी होते ही थाना ध्यक्ष महेश चंद्र फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए। एडीजे (पाक्सो) की गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त होने की जानकारी होते ही प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर पुहंच गए। तत्काल प्रभाव से घायलों को पीजीआई सैंफई भेजा, जहां डॉक्टरों ने पूनम त्यागी को मृत घोषित कर दिया। क्षतिग्रस्त कार पुलिस चौकी उरावर पर खड़ी करा दी गई है। अधिकारियों ने बताया कि पूनम के पति भी मेरठ न्यायालय में तैनात बताए गए हैं। इस संबंध में एसपी ग्रामीण रणविजय सिंह ने बताया कि हादसे में मैनपुरी में तैनात एडीजे पूनम त्यागी की सड़क हादसे में मौत हो गई है। शव का पोस्टमार्टम सैंफई पीजीआई में हो रहा है, जबकि उनके चालक का उपचार चल रहा है। उसकी हालत भी गंभीर है।

सीएम आवास से 100 गमले चोरी, अखिलेश बोले- थोड़ा 'इन्वेस्टमेंट' सुरक्षा पर भी करें

लखनऊ, 7 फरवरी (एजेंसियां)। बता दें कि राजधानी लखनऊ में 'ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट' का आयोजन 10 से 12 फरवरी के बीच होना है. शासन-प्रशासन जोर-शोर से इसकी तैयारियों में जुटा है. राजधानी लखनऊ को दुल्हन की तरह सजाया जा रहा है. जगह-जगह रंग-बिरंगे फूलों की सजवाट की गई है. फूलों के गमले रखे गए हैं. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आवास से इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान (आईजीपी) तक सुगंधित फूल सजाए जा रहे हैं. ताकि लखनऊ में आने वाले व्यवसायियों को शहर स्वच्छ और सुंदर दिखाई दे. हालांकि इस फूलों और गमलों की सुरक्षा करना लखनऊ पुलिस और नगर निगम की टीम के लिए चुनौती बन गया है. मुख्यमंत्री आवास से लेकर आईजीपी तक सजाए गए 100 फूल के गमले गायब हो गए हैं, जिसके बाद अब पुलिस और नगर निगम की टीम इन गमलों की सुरक्षा में लगा दी गई है. नगर निगम की टीम ने गमलों की चोरी के शक में दो लोगों को पकड़ा है. टीम इनसे पूछताछ कर रही है. इस तरह की घटना को लेकर विपक्षी पार्टियों सुरक्षा पर सवाल उठा रही हैं. विपक्षी पार्टियों का कहना है कि जब प्रदेश की राजधानी में मुख्यमंत्री का आवास ही सुरक्षित नहीं रहेगा तो आमजन के घरों की सुरक्षा कहां हो पाएगी.

यूपी पॉलिटिक्स: 'वो बच्चा 6 साल से 10 साल तक बड़ा ही नहीं हुआ'

स्मृति ईरानी ने क्यों दिया ये बयान?

अमेठी, 7 फरवरी (एजेंसियां)। अमेठी से बीजेपी सांसद और केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी विरोधियों पर पलटवार के लिए जानी जाती हैं. अब उन्होंने बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के बयान पर तीखा पलटवार किया है. तेजस्वी यादव के किसान विरोधी वाले बयान पर केंद्रीय मंत्री ने रोचक जवाब दिया है. स्मृति ईरानी ने कहा, एक जमाना ऐसा था, जब लोग कहते थे कि रजिस्टर में बच्चे का नाम है और जीरो से छह साल के बीच बच्चे की आयु है. वो रजिस्टर वैसे ही अगले दस सालों तक चलता था और यूपीए की सरकार में ऐसे ही चला है. वो बच्चा छह साल से दस साल तक बड़ा ही नहीं हुआ. जब आप नियम के तहत काम करते हैं कि तिजोरी से पैसा सीधे व्यक्ति के पास पहुंचे.

कांग्रेस पर पलटवार

बीजेपी सांसद ने कहा, बीजेपी की कार्यकर्ता होने के नाते और मेरी पार्टी ने हमेशा कहा है कि आप चर्चा करिए. चर्चा करने में, तथ्यों के साथ चर्चा करने में और हंगामा खड़ा करने में इन सबमें बहुत अंतर है. मैं स्पीकर के अधिकार का हनन नहीं कर सकती हूं. लेकिन प्रमुख मुद्दा ये है कि सब चर्चा करना चाहते हैं. केंद्रीय मंत्री ने कहा, राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लोकसभा और राज्यसभा में हमें आभार व्यक्त करना है. ये सच है कि कांग्रेस के कई नेताओं ने कई अपमानजनक बाते वर्तमान राष्ट्रपति के लिए कहीं हैं. लेकिन उन्होंने भारत की जो रूप रेखा रखी और भविष्य की जो कल्पना की. आप उन्हें धन्यवाद भी नहीं देना चाहते. उन्होंने कहा, आप क्यों राष्ट्रपति का आभार व्यक्त नहीं करना चाहते हैं. हमारे लोकतंत्र में पहली बार आदिवासी समाज की महिला का इतना बड़ा सम्मान हुआ है. लेकिन ये लोग उनके अभिभाषण के लिए आभार नहीं व्यक्त करने दे रहे हैं. स्मृति ईरानी का ये बयान एक निजी मीडिया चैनल के साथ बातचीत के दौरान आया है.

स्वामी चिन्मयानंद को हाईकोर्ट से मिली राहत, अग्रिम जमानत पर किया रिहा

इलाहाबाद, 7 फरवरी (एजेंसियां)। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती के खिलाफ शाहजहांपुर में दर्ज बलात्कार के मामले में अंतरिम अग्रिम जमानत की पुष्टि की है। यह आदेश शिकायतकर्ता द्वारा अदालत के समक्ष एक हलफनामा प्रस्तुत करने के बाद जारी किया गया था, इसमें कहा गया था कि उसे इस आपराधिक मुकदमे को वापस लेने पर कोई आपत्ति नहीं है और उपरोक्त मामले में आगे मुकदमा चलाने में कोई दिलचस्पी नहीं है। अदालत ने यूपी सरकार के वकीलों द्वारा की गई प्रस्तुतियों पर भी विचार किया, जिन्होंने पीठ को सूचित किया कि राज्य सरकार ने अभियोजन पक्ष से हटने का फैसला किया है और लोक अभियोजक को धारा 321 आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) के तहत एक आवेदन दायर करने की अनुमति दी है। इसलिए राज्य आरोपी-आवेदक को अग्रिम जमानत देने का विरोध नहीं कर रहा। स्वामी चिन्मयानंद द्वारा दायर अग्रिम जमानत अर्जी का निस्तारण करते हुए न्यायमूर्ति दिनेश कुमार सिंह ने कहा, "शिकायतकर्ता और राज्य के रुख को देखते हुए अदालत अभियुक्त को अग्रिम जमानत प्रदान कर रही है।

'मैं शूद्र वर्ण में पैदा हुआ

इसलिए मेरा सिर काटने की बात हो रही'- स्वामी प्रसाद मौर्य

लखनऊ, 7 फरवरी (एजेंसियां)। श्रीरामचरित मानस पर स्वामी प्रसाद मौर्य की विवादित बयान से सियासत गरमाई हुई है. इस बीच, मौर्य ने एक बार फिर संतों और महंतों पर टिप्पणी की है. उन्होंने कहा है कि इन लोगों का असली चेहरा अब बाहर आ रहा है. ये लोग मेरा सिर, नाक, कान काटने पर इनाम देने की बात कह रहे हैं.क्या अब यूपी के सीएम योगी इन लोगों पर प्राथमिकी दर्ज कराने का आदेश देंगे? मेरा सिर काटने के लिए ये लोग इसलिए बोल रहे हैं क्योंकि मैंने चौथे वर्ण 'शूद्र' में जन्म लिया है. सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि जाति-व्यवस्था पंडितों (ब्राह्मणों) ने बनाई है, यह कहकर संघ प्रमुख भागवत ने धर्म की आड़ में महिलाओं, आदिवासियों, दलितों एवं पिछड़ों को गाली देने वाले तथाकथित धर्म के ठेकेदारों और ढोंगियों की कलई खोल दी, कम से कम अब तो रामचरितमानस से आपत्तिजनक टिप्पणी हटाने के लिये आगे आएं.

आरएसएस प्रमुख के बयान पर स्वामी प्रसाद मौर्य बोले

आरएसएस प्रमुख ने मुंबई में रविवार को एक कार्यक्रम में कहा था, भगवान ने हमेशा बोला है मेरे लिए सभी एक है. उनमें कोई जाति वर्ण नही हैं, लेकिन पंडितों ने श्रेणी बनाई, वह गलत था. भारत देश हमारे हिंदू धर्म के अनुसार चलकर बड़ा बने और वह दुनिया का कल्याण करे. हिंदू और मुसलमान सभी एक हैं. इस पर मौर्य ने कहा कि किसी के खिलाफ अपमानजनक शब्दों का उपयोग किए बिना मैंने केवल रामचरितमानस के कुछ खंडों को सही करने की मांग की थी, लेकिन धर्मगुरु मेरी जीभ, कान, नाक, गला, सिर काटने के लिए इनाम की घोषणा करने लगे. ऐसा सिर्फ इसलिए कि मैं चौथे वर्ण शूद्र में पैदा हुआ. अब, क्या धर्मगुरु आरएसएस प्रमुख की जीभ, नाक और गले पर ऐसा इनाम जारी कर सकते हैं? सपा नेता मौर्य ने कहा था, धर्म का वास्तविक अर्थ मानवता के कल्याण और उसकी मजबूती से है. अगर रामचरितमानस की किन्हीं पंक्तियों के कारण समाज के एक वर्ग का जाति, वर्ण और वर्ग के आधार पर अपमान होता हो तो यह निश्चित रूप से धर्म नहीं बल्कि अधर्म है. रामचरितमानस की कुछ पंक्तियों (दोहों) में कुछ जातियों जैसे कि तेली और कुम्हार का नाम लिया गया है.

समस्तीपुर में युवक को बदमाशों ने मारी गोली मोबाइल टावर कंपनी में करता है काम

समस्तीपुर, 7 फरवरी (एजेंसियां)। जिले के सरायरंजन थाना क्षेत्र के एस एच 88 पर गंगसारा गांव के पास बाइक सवार बदमाशों ने मोबाइल टावर कंपनी के एक कर्मी को गोली मारकर जख्मी कर दिया। युवक को दाहिने पैर में गोली लगी है। युवक की पहचान गंगसारा गांव के अहमदपुर मोहल्ला के चंदेश्वर राय का पुत्र दिपेंद्र कुमार राय बताया गया है। गोली की आवाज पर आसपास के लोग जुटे तो बदमाश वहां से फरार हो गए। बदमाशों की संख्या 2 बताई गई है जो एक बाइक पर सवार होकर पीछा करते हुए आए थे। बाद में परिवार के लोगों ने युवक को समस्तीपुर शहर के एक निजी क्लिनिक में भर्ती कराया है।

कानून के चंगुल में यूपी का सिंघम

डीएसपी के खिलाफ ही गैर जमानती वारंट जारी

चंदौली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के चंदौली के डिप्टी एसपी रहे अनिरुद्ध सिंह के खिलाफ जौनपुर कोर्ट के अपर सत्र न्यायाधीश चतुर्थ एके यादव ने गैर जमानती वारंट जारी किया है. अनिरूद्ध सिंह जफराबाद थाना क्षेत्र में हुई हत्या के मामले में विवेचक थे. कोर्ट ने चंदौली के एसपी को आदेश दिया है कि अनिरूद्ध सिंह का वेतन अग्रिम आदेश तक रोकते हुए 17 फरवरी को हाजिर करें. हाजिर न होने पर डीजीपी और रजिस्टार जनरल हाईकोर्ट को सूचित करने के लिए भी कहा है. अनिरुद्ध वर्तमान में मुगलसराय में तैनात हैं. अनिरुद्ध सिंह पुलिस की नौकरी करने के साथ फिल्म में भी कार्य करते हैं जिसके कारण उन्हें सिंघम भी कहा जाता है. बता दें कि जफराबाद थाना क्षेत्र में हुई नमिता केसरवानी की हत्या के मुकदमे स्टेट बनाम विकास प्रताप में हाई कोर्ट द्वारा जल्द निस्तारण का आदेश दिया गया है. मुकदमें की विवेचना डिप्टी एसपी अनिरुद्ध सिंह ने की थी. उनकी जिरह के लिए पत्रावली चल रही है. पिछले कई तिथियों से वह गवाही देने नहीं आ रहे. वह कानून व्यवस्था की ड्यूटी में व्यस्त होने का हवाला देते रहे हैं. कोर्ट ने कहा है कि हत्या का यह मामला 2010 का होने के कारण प्राचीनतम वादों की सूची में सम्मिलित है. विवेचक के गवाही देने न आने से मुकदमे के निस्तारण में विलंब हो रहा है. ऐसे में उनके खिलाफ कोर्ट ने अवमानना नोटिस और वारंट जारी किया. इसके बावजूद उपस्थित नहीं हुए. जिस पर कोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए एसपी को आदेश जारी किया है.

'नीतीश कुमार बिहार को बेच रहे थे क्या?'

अडानी मुद्दे पर सुशील मोदी ने कह दी बड़ी बात

पटना, 7 फरवरी (एजेंसियां)। बीजेपी के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सदस्य सुशील कुमार मोदी ने कहा कि उद्योगपति गौतम अडानी के मामले में कांग्रेस दोहरा रवैया अपना रही है. संसद में चर्चा करने के बजाय सदन को बाधित कर रही है. भारत जोड़ो यात्रा के दौरान अडानी समूह पर अनर्गल आरोप लगाते रहे जबकि कांग्रेस शासित राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत अडानी से सौर ऊर्जा क्षेत्र में 65000 करोड़ का निवेश कराने के लिए इसी अडानी समूह को कौड़ियों के भाव जमीन देने की घोषणा करते हैं. सुशील मोदी ने बिहार के सीएम नीतीश कुमार पर भी हमला बोला. सुशील मोदी ने कहा कि कांग्रेस ही नहीं बिहार में नीतीश कुमार और केरल में वाम मोर्चा सरकार भी अपने यहां पूंजी निवेश के लिए तो अडानी की आरती उतारते हैं, लेकिन जब इस समूह को बीजेपी शासित राज्य में कोई काम दिया जाता है, तब देश बेच दिया₹ का शोर मचाया जाता है. अगर अडानी समूह में पेशेवर ईमानदारी की कमी है तो बिहार सरकार ने इंवेस्टर्स मीट में अडानी के प्रतिनिधि को क्यों आमंत्रित किया था? नीतीश कुमार ने उनसे निवेश की अपील क्यों की थी? तब क्या नीतीश कुमार बिहार को बेच रहे थे?

'केंद्र सरकार नियमानुसार चर्चा के लिए तैयार'

अडानी समूह के मुद्दे पर सुशील कुमार मोदी ने बड़ा बयान देते हुए कहा कि केंद्र सरकार नियमानुसार चर्चा के लिए तैयार है. राष्ट्रपति के अभिभाषण और बजट पर जो कुल 24 घंटे चर्चा के लिए तय हैं, उसमें विपक्ष कम से कम छह घंटे अडानी सहित किसी भी मुद्दे पर अपनी बात रख सकता है, लेकिन विपक्ष की मंशा चर्चा की नहीं, केवल हंगामा कर प्रचार पाने की है. आगे सुशील मोदी ने कहा कि अडानी मामले में न सरकार की कोई भूमिका है और न इस समूह को कोई रियायत देने या पक्षपात करने का प्रमाण सामने आया है. विपक्ष का अभियान दुराग्रह और दोहरेपन से संचालित है. भारतीय स्टेट बैंक ने साफ कर दिया है कि अडानी समूह को जो भी कर्ज दिए गए हैं उसके एवज में आर्थिक सुरक्षा की गारंटी सुनिश्चित की गई है.

समाज को बांटने की साजिश हो रही

भागवत के बयान पर अयोध्या के महंत और शंकराचार्य का तंज

अयोध्या, 7 फरवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत की ओर से पंडितों और जाति-संप्रदाय को लेकर दिए गए बयान पर आलोचना शुरू हो गई है. अयोध्या के महंत राजू दास और शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने इस पर सवाल उठाए हैं. छत्तीसगढ़ के रायपुर में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा कि भागवत किस आधार पर यह बयान दे रहे थे, यह तो उनसे बात करके ही पता चलेगा. गीता में खुद भगवान कृष्ण ने जिक्र किया है कि वर्ण उन्होंने बनाए हैं. वहीं, महंत राजू दास ने कहा कि हम भागवत के विचारों से सहमत नहीं हैं. मैं इसका पुरजोर विरोध और निंदा करता हूं. समाज को बांटने की साजिश हो रही है. आरएसएस प्रमुख ने मुंबई में रविवार को एक कार्यक्रम में कहा था, भगवान ने हमेशा बोला है मेरे लिए सभी एक है. उनमें कोई जाति वर्ण नही हैं, लेकिन पंडितों ने श्रेणी बनाई, वह गलत था. भारत देश हमारे हिंदू धर्म के अनुसार चलकर बड़ा बने और वह दुनिया का कल्याण करे. हिंदू और मुसलमान सभी एक हैं.

अखिलेश यादव ने भी साधा था निशाना

वहीं, इस पर प्रतिक्रिया देते हुए समाजवादी पार्टी (सपा) सुप्रीमो अखिलेश यादव ने सोमवार को कहा कि उन्हें यह भी स्पष्ट करना चाहिए कि जाति-वर्ण को लेकर क्या वस्तुस्थिति है? सपा प्रमुख ने एक अखबार में प्रकाशित खबर की तस्वीर साझा करते हुए ट्वीट किया, भगवान के सामने तो स्पष्ट कर रहे हैं, कृपया इसमें ये भी स्पष्ट कर दिया जाए कि इंसान के सामने जाति-वर्ण को लेकर क्या वस्तुस्थिति है.

धर्म के ठेकेदारों और ढोंगियों की कलई खोल दी

सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने इसी बयान पर एक अलग ट्वीट में कहा, जाति-व्यवस्था पंडितों (ब्राह्मणों) ने बनाई है, यह कहकर संघ प्रमुख श्री भागवत ने धर्म की आड़ में महिलाओं, आदिवासियों, दलितों एवं पिछड़ों को गाली देने वाले तथाकथित धर्म के ठेकेदारों और ढोंगियों की कलई खोल दी, कम से कम अब तो रामचरितमानस से आपत्तिजनक टिप्पणी हटाने के लिये आगे आयें.

'शरद यादव को धक्का दे पार्टी हथियाई, अपना इतिहास देख लें नीतीश'- कुशवाहा

पटना, 7 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार में इन दिनों जेडीयू नेता उपेंद्र कुशवाहा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर लगातार निशाना साधते हुए दिख रहे हैं. एक बार फिर उपेंद्र कुशवाहा ने बिहार के सीएम को आड़े हाथों लेते हुए कहा है कि जेडीयू नीतीश की पार्टी नहीं है. इसे बनाने में शरद यादव ने काफी योगदान दिया था. लेकिन, उन्हें धक्का देकर पार्टी से बाहर कर दिया गया और पार्टी को हथिया लिया गया. उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि जेडीयू में संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष पद का कोई मतलब नहीं है. यह पद तो झुनझुना जैसा है. दरअसल, जेडीयू ने कुशवाहा को संसदीय बोर्ड का अध्यक्ष बनाया था. इससे पहले जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने सोमवार को कहा कि असंतुष्ट नेता उपेंद्र कुशवाहा अब पार्टी के संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष नहीं हैं. ललन ने कहा, कुशवाहा, अब केवल जदयू के एमएलसी हैं. हालांकि पूर्व केंद्रीय मंत्री अगर पार्टी में रहेंगे, मन से रहेंगे तो पार्टी के शीर्ष पद पर फिर से आसीन हो सकते हैं. ललन ने कहा, दिसंबर में हुई पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में केवल राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव किया गया था. उसके बाद से किसी अन्य पदाधिकारी को नियुक्त नहीं किया गया है. इसलिए कुशवाहा तकनीकी रूप से अब संसदीय बोर्ड के प्रमुख नहीं हैं. उल्लेखनीय है कि कुशवाहा अपनी राष्ट्रीय लोक समता पार्टी का विलय करके जदयू में लौटने के बाद मार्च, 2021 से पार्टी के शीर्ष पद पर काबिज थे. ललन का यह बयान कुशवाहा द्वारा पार्टी कैडर को लिखे गए एक खुले पत्र के ठीक बाद आया है जिसमें उन्होंने अगले सप्ताह दो दिवसीय एक सम्मेलन में भाग लेने का आग्रह किया है जिस दौरान जदयू को कमजोर करने के लिए जिम्मेदार कारकों, जिसमें राजद के साथ एक अफवाह भरा एक खास डील भी शामिल है, पर चर्चा की जाएगी. जदयू अध्यक्ष ने कहा, कुशवाहा का दावा है कि वह पार्टी की भलाई के बारे में चिंतित हैं जबकि प्रत्येक दिन अपने असंतोष को सार्वजनिक कर इसे नुकसान पहुंचा रहे हैं. कुशवाहा उस वक्त से खफा हैं जब नीतीश ने राजद नेता तेजस्वी यादव के साथ-साथ उन्हें उपमुख्यमंत्री बनाए जाने की अटकलों को खारिज कर दिया था. उन्होंने दावा किया है कि जदयू में उनकी वापसी नीतीश के कहने पर हुई थी. उन्होंने दावा किया, मुख्यमंत्री ने इच्छा व्यक्त की थी कि मैं उनके बाद पार्टी चलाऊं.

बिहार में जेडीयू एमएलसी राधाचरण साह के यहां आईटी की रेड

आरा, 7 फरवरी (एजेंसियां)। जेडीयू एमएलसी राधाचरण साह उर्फ सेठ जी के घर मंगलवार की सुबह-सुबह इनकम टैक्स की टीम ने छापेमारी की है. एमएलसी राधाचरण साह के निजी आवास, होटल, रिसोर्ट समेत देश के अन्य शहरों में चल और अचल संपत्ति की जांच की जा रही है. इनकम टैक्स विभाग की टीम मंगलवार की सुबह एसएसबी स्पेशल के साथ आरा पहुंची. इसके बाद बाबू बाजार, रमना मैदान स्थित होटल, आरा-पटना बाईपास रोड स्थित एक रिसोर्ट समेत कई जगहों पर एक साथ टीम ने धावा बोला है. इधर जेडीयू एमएलसी के यहां छापेमारी के बाद हड़कंप मच गया है. अभी छापेमारी सुबह शुरू ही हुई है इसलिए क्या कुछ मिला है इसकी जानकारी सामने नहीं आई है. देर शाम तक इसके बारे में आधिकारिक रूप से कुछ सामने आ सकता है. अभी इस छापेमारी को लेकर किसी अधिकारी ने बयान नहीं दिया है.

रोहतक में पति की हैवानियत

पत्नी ने शारीरिक संबंध बनाने से किया मना, 3 दिन बेल्ट से पीटता रहा,

रोहतक, 7 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के रोहतक में पत्नी ने पति को संबंध बनाने से मना कर दिया तो पति हैवान बन गया। वह उसे तीन दिनों तक बेल्ट से पीटता रहा। महिला का आरोप है कि इस पूरे मामले में उसकी सास ने भी पति का साथ दिया। पीड़िता ने पुलिस में शिकायत देकर पति और सास के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। दिल्ली की रहने वाली पीड़िता ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी लव मैरिज 22 जनवरी 2010 को रोहतक स्थित एक कॉलोनी के रहने वाले व्यक्ति से हुई थी। शादी के बाद उसके 3 लड़के हैं। 29 जनवरी को महिला के पति ने संबंध बनाने की कोशिश की, लेकिन महिला ने अपने पति को संबंध बनाने से मना कर दिया। मना करने के कारण पति को गुस्सा आ गया। जिसके बाद उसके पति ने लगातार 3 दिन तक उसको बेल्ट से मारा व पिटाई करता रहा।

आईएनएस विक्रांत पर लैंड करते हुए एलसीए तेजस की गति सिर्फ 2.5 सेकंड में कैसे हुई

240 किमी प्रति घंटे से 0 किमी प्रति घंटे

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। भारत में ही बने विमानवाहक पोत, यानी एयरक्राफ्ट कैरियर आईएनएस विक्रांत ने सोमवार को फिक्स्ड-विंग विमान की पहली सफल लैंडिंग करवाकर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की, जब तेजस लड़ाकू विमान यहां उतरा. स्वदेशी लड़ाकू विमान ने समुद्री परीक्षणों के दौरान विमानवाहक पोत के फ्लाइट डेक से सफलतापूर्वक उड़ान भरी, और फिर यहीं आकर उतरा. तेजस के पूर्व टेस्ट पायलट कमॉडोर जयदीप मावलंकर (सेवानिवृत्त), जिनके नेतृत्व में तेजस का नौसेना वेरिएन्ट विकसित किया गया है, ने उन चुनौतियों के बारे में बताया, जो एक लड़ाकू विमान को विमानवाहक पोत पर लैंड कराने में सामने आती हैं. कमॉडोर मावलंकर ने बताया, छोटे जहाज़ पर लैंड करना मुश्किल होता है, सब कुछ चलता रहता है, और वह भी सिर्फ एक दिशा में नहीं, हर दिशा में... आज समुद्र शांत था, सर्दियों में अरब सागर आदर्श परिस्थितियां देता है, और झील जैसा माहौल होता है... इसे मॉनसून के दौरान बेहद चंचल रहने वाले अरब सागर के लिए तैयार किया जाना है... छोटे विमान को सुनिश्चित करना होता है कि किसी भी हिस्से पर अनावश्यक दबाव न पड़े... पूर्व टेस्ट पायलट ने कहा, यह सुई में धागा डालने जैसा है, आपको न सिर्फ सटीक स्थान पर लैंड करना होता है,

बल्कि सटीक रवैये के साथ भी, ताकि सुनिश्चित हो सके कि विमान को कोई भी हिस्सा अनावश्यक दबाव न झेले, और यह सब सटीक गति से करना होता है... यह बेहद तेज़ गति में बेहद ऊंचे पहाड़ के किनारों से बचने जैसा है... जहाज़ का पिछला हिस्सा ऊंचे पहाड़ जैसा ही दिखता है... एक विमानवाहक पोत पर पायलट किस तरह लैंड करते हैं, यह समझाते हुए कमॉडोर जयदीप मावलंकर ने कहा, हम जेट विमान की गति को कैरियर के अनुसार रखने की कोशिश करते हैं, जो लगभग 130 नॉट्स या 240 किलोमीटर प्रति घंटा होती है... उन्होंने बताया, ठीक 90 मीटर की दूरी में हम गति को 240 किलोमीटर प्रति घंटा से शून्य पर लाने की कोशिश करते हैं,

और ऐसा लगभग 2.5 सेकंड में किया जाता है... बहुत मुश्किल काम है... एक बार अरेस्टिंग वायर ने विमान के टेलहुक को पकड़ लिया, तो आप कहीं जा भी नहीं सकते... फ्लाइट डेक पर उतरते हुए गति को सिर्फ 2.5 सेकंड में 240 किलोमीटर प्रति घंटा से शून्य पर ले आने में पायलटों को शारीरिक चुनौतियों का सामना भी करना पड़ता है. पूर्व टेस्ट पायलट ने कहा कि ऐसे मौके भी आए हैं, जब पायलट अपने हारनेस लॉक करना भूल गए, और उनके पैरों पर थोड़ा-सा खून आ गया. विमान आपको परे फेंकता है, और 2-3 सेकंड तक आपका आपके पैरों पर कोई नियंत्रण नहीं रहता. कमॉडोर जयदीप मावलंकर उस टीम का हिस्सा थे, जिसने तेजस विमान को भारत के दूसरे विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रमादित्य पर लैंड करवाया था. 45,000-टन के आईएनएस विक्रमादित्य को 20,000 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया था, और पिछले साल सितंबर में उसे सेना में शामिल किया गया था.

नौसेना प्रमुख एडमिरल आर. हरि कुमार ने पहले ही कहा था कि आईएनएस विक्रांत के साथ विमान का इन्टीग्रेशन मई या जून, 2023 तक हो जाने की संभावना है. जनवरी, 2020 में हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए) तेजस के नौसैनिक वर्शन के प्रोटोटाइप ने आईएनएश विक्रमादित्य के डेक पर सफलतापूर्वक लैंड किया था, जिसके पायलट कमॉडोर जयदीप मावलंकर ही थे. वर्ष 2020 में हासिल हुई इस उपलब्धि ने भारत को उन चुनिंदा देशों में शामिल कर दिया था, जो इस तरह के विमान बना सकते हैं, जिन्हें विमानवाहक पोत से ऑपरेट किया जा सके.

जम्मू: महामाया मंदिर में टेलीस्कोप से कर सकेंगे मां वैष्णो देवी के दर्शन, निहार पाएंगे त्रिकुटा पर्वत को

जम्मू, 7 फरवरी (एजेंसियां)। जम्मू शहर के प्रसिद्ध महामाया मंदिर में अब मां वैष्णो देवी के दर्शन हो सकेंगे। यह सुविधा टेलीस्कोप के माध्यम से मिलेगी। स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत यह सुविधा दी जा रही है। इससे एक तो श्रद्धालुओं की आवाजाही बढ़ेगी। साथ ही पर्यटन में भी इजाफा होगा। श्रद्धालु महामाया मंदिर में बैठे-बैठे वैष्णो देवी की पहाड़ियों के अलावा मंदिर के दर्शन भी कर सकेंगे। टेलीस्कोप के माध्यम से जम्मू के मंदिरों के साथ-साथ जम्मू के ऐतिहासिक किले भी देख सकेंगे। इसके जरिये मुबारक मंडी, अमर सिंह महल सहित सीमावर्ती इलाकों को करीब से देखा जा सकेगा। इस प्रोजेक्ट के लिए टेंडरिंग पर काम शुरू हो गया है। इस पर 25 लाख रुपये खर्च किए जा रहे हैं। यह सुविधा आने वाले दो से तीन माह के अंदर मिलेगी।

जी-20 कृषि कार्य समूह की बैठक 13 से 15 फरवरी तक इंदौर में

भोपाल, 7 फरवरी (एजेंसियां)। जी-20 की बैठकों के अंतर्गत आगामी 13 से 15 फरवरी तक इंदौर में कृषि कार्य समूह की पहली बैठक आयोजित की जा रही है। बैठक में 200 प्रतिनिधि शामिल होंगे। केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया स्वागत भाषण देंगे।

विकास प्रदर्शनी का उद्घाटन भी किया जाएगा।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार शाम को अपने निवास पर इंदौर में होने वाली जी-20 की कृषि कार्य समूह की बैठक की तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने निर्देश दिए कि बैठक की बेहतर तैयारी की जाए। इस मौके पर संस्कृति मंत्री उषा ठाकुर, अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान के उपाध्यक्ष प्रो. सचिन चतुर्वेदी सहित वरिष्ठ अधिकारी

उपस्थित थे। मुख्यमंत्री चौहान ने बैठक में नई दिल्ली से वर्चुअली जुड़े केन्द्र सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया कि इंदौर में पिछले दिनों बड़े इवेन्ट हुए हैं। इंदौर ने योग्यता एवं कुशलता के साथ कार्य किया है। मैं विश्वास दिलाता हूँ कि कार्यक्रम में कोई कमी नहीं होगी। उन्होंने तैयारियों के संबंध में इंदौर कलेक्टर को आवश्यक निर्देश दिए। मुख्यमंत्री कहा कि संस्कृति का प्रकटीकरण हो। बड़े कार्यक्रमों से मिले अनुभव के साथ ही जी-20 की बैठक सफलता से हो। उन्होंने धार कलेक्टर से भी इस संबंध में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि प्रदेश की टीम इंदौर में कृषि कार्य समूह की बैठक बेहतर ढंग से कराएगी। मुख्यमंत्री चौहान ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मध्यप्रदेश के उत्पादों के निर्यात प्रोत्साहन के संबंध में प्रचार सामग्री तैयार कर उपस्थित डेलीगेटस को उपलब्ध करायी जाए। जी-20 में भाग ले रहे सभी डेलीगेटस को मध्यप्रदेश सरकार की ओर से ओडीओपी मेमेंटो दिए जाएं। स्थानीय प्रशासन सार्वजनिक स्थान, स्मारक और बाजारों में प्रतिनिधियों के सहज प्रवेश सुनिश्चित करें। अधिकारियों ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मिलेटस वर्ष-2023 पर केन्द्र सरकार का विशेष जोर है। इस पर केन्द्रित प्रदर्शनी लगाई जाएगी।

केरल में पहली बार ट्रांसवुमन को 7 साल की सजा

16 साल के लड़के के यौन शोषण का आरोप, 25 हजार जुर्माना भी लगा

तिरुवनन्तपुरम, 7 फरवरी (एजेंसियां)। केरल कोर्ट ने एक ट्रांसजेंडर महिला को 16 साल के लड़के के यौन शोषण के आरोप में सात साल की सजा सुनाई है। 34 साल की ट्रांसवुमन आरोपी का नाम सचू सैमसन है, जो तिरुवनंतपुरम जिले के चिरैनकीझू की रहने वाली है। तिरुवनंतपुरम की स्पेशल फास्ट-ट्रैक कोर्ट ने सैमसन पर 25 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। दरअसल, केरल में पहली बार ऐसा हुआ है कि ट्रांसजेंडर को किसी अपराध के लिए सजा दी गई है। मामले में जस्टिस सुदर्शन ने कहा कि जुर्माना नहीं भरने पर आरोपी को एक साल और जेल में रहना होगा। मामले में आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। स्पेशल पब्लिक प्रोसेक्यूटर आर एस विजय मोहन ने बताया कि ये पूरी घटना 23 फरवरी 2016 की है जब चिरयिंकीझू से ट्रेन से तिरुवनंतपुरम आ रही ट्रांसवुमन पीड़ित लड़के से मिली थी। उसकी लड़के से दोस्ती हो गई और जब ट्रेन सेंट्रल स्टेशन पर पहुंची तो वह लड़के को बहला-फुसलाकर स्टेशन से बाहर अपने ठिकाने पर ले गई, जहां उसने उस लड़के का यौन शोषण किया। पुलिस के मुताबिक, लड़के ने उसके साथ जाने से मना किया तो आरोपी ने उसे धमकी भी दी। इस घटना के बारे में लड़के ने अपने परिवार को नहीं बताया। आरोपी ने बाद में लड़के को कुछ जगहों पर आने के लिए कई बार फोन भी किया, लेकिन लड़के ने मना कर दिया। लड़के की मां ने देखा कि उनका बेटा लगातार संदेश भेज रहा था और फोन पर बात करते समय वह परेशान लग रहा था।

दिग्गज कांग्रेस नेता सिद्धारमैया का हिंदुत्व पर विवादित बयान

बेंगलुरु, 7 फरवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक के पूर्व सीएम और वरिष्ठ कांग्रेसी नेता सिद्धारमैया ने हाल ही में एक ऐसा बयान दिया, जो कि अब खूब सुर्खियां बटोर रहा है. सिद्धारमैया ने कहा कि वह हिंदू विरोधी नहीं बल्कि हिंदुत्व विरोधी हैं क्योंकि उनके अनुसार हिंदुत्व हत्या, हिंसा और भेदभाव को बढ़ावा देता है. कलाबुरगी में कांग्रेस के पूर्व विधायक बीआर पाटिल की बायोपिक पुस्तक के विमोचन पर सिद्धारमैया ने कहा, हिंदुत्व संविधान के खिलाफ है. हिंदुत्व और हिंदू धर्म अलग है. मैं हिंदू धर्म के खिलाफ नहीं हूं, मैं एक हिंदू हूं. लेकिन मनुवाद और हिंदुत्व का विरोध करें. यह पहली बार नहीं है जब किसी मंत्री के हिंदुत्व पर दिए बयान को लेकर विवाद खड़ा हुआ. इससे पहले 8 जनवरी को उन्होंने कहा था कि वह एक हिंदू हैं लेकिन हिंदुत्व का

विरोध करते हैं. इसी कार्यक्रम में उन्होंने यह भी कहा कि कभी भी अयोध्या में राम मंदिर का विरोध नहीं किया बल्कि वो राजनीतिक लाभ के लिए इसका इस्तेमाल करने के खिलाफ थे. शनिवार को सिद्धारमैया ने कर्नाटक के पशुपालन मंत्री प्रभु चौहान पर भी हमला बोला. सोशल मीडिया पर सिद्धारमैया ने कई ट्वीट किए. इन ट्वीट में कांग्रेस के दिग्गज नेता ने राज्य के पशुपालन मंत्री और राज्य सरकार के कामकाज की आलोचना की. उन्होंने कन्नड़ में लिखा, यह मंत्री कन्नड़ सहित किसी भी भाषा में धाराप्रवाह नहीं है और ऐसे लोग विधायक बनने के लायक नहीं हैं.बीजेपी पर निशाना साधते हुए मंत्री ने कहा, बीजेपी नेताओं ने प्रत्येक विधायक को 15 से 20 करोड़ रुपये का भुगतान किया और येदियुरप्पा के नेतृत्व में 'ऑपरेशन कमल' के जरिए सरकार बनाई. इसी के साथ उन्होंने दावा किया, 2013 में, हमने 165 वादों में से 158 को पूरा किया और 30 नए कार्यक्रम शुरू किए. भाजपा ने 2018 में 600 वादे किए, जिनमें से 50 से 60 पूरे नहीं किए गए. सिद्धारमैया ने कहा कि पेन, पेंसिल, किताबों और दही पर 18 प्रतिशत कर लगाकर सरकार ने आम आदमी पर अधिक बोझ डाला है. हालांकि, उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने हर घर के मालिक को प्रति माह 20,00 रुपये और प्रति माह 200 यूनिट बिजली मुफ्त देने का फैसला किया है.

मंदिरों पर हमलों को लेकर बांग्लादेश के गृह मंत्री का जवाब, 'भूल नहीं सकते भारत...'

कोलकाता, 7 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान में कट्टरपंथियों ने हिंदुओं को निशाना बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है. अब इसी तरह बांग्लादेश में भी कट्टरपंथी जमात पाक के नक्शेकदम पर चलते नजर आ रहे हैं. बांग्लादेश से लगातार हिंदू मंदिरों पर हमलों और मूर्तियों के साथ तोड़फोड़ की खबरें सामने आने लगी हैं. यहां अज्ञात अराजक तत्वों ने एक ही रात में 12 मंदिरों को निशाना बनाया. इस पूरे मामले को लेकर इंडिया टुडे ने बांग्लादेश के गृह मंत्री असदुज्जमां खान कमाल से बातचीत की. चलिए आपको सिलसिलेवार बताते हैं कि खान कमाल का क्या कुछ कहना है. दरअसल, बांग्लादेश के उत्तरी ठाकुरगांव जिले के 12 हिंदू मंदिरों में 14 मूर्तियों को तोड़ दिया गया. ये मंदिर बलियाडांगी उपजिला में धनतला, परिया और चारुल यूनियनों में स्थित थे. इसके बाद अधिकारियों ने घटनास्थल का दौरा भी किया और इलाके की सुरक्षा बढ़ा दी गई है. स्थिति अब नियंत्रण में बताई जा रही है. समुदाय ने न्याय और तोड़फोड़ में शामिल लोगों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है. पुलिस भी मामले को लेकर एक्शन में दिखी. खान कमाल ने इस मामले को लेकर अपनी पार्टी का रुख भी सामने रखा. असदुज्जमां खान ने इस सवाल के जवाब में कहा कि आतंकवाद हमारी सरकार के खिलाफ रची गई साजिश है. यह उन्हें शर्मिंदा करने के लिए बनाई एक योजना है. हमारे देश की जनता ने आतंकवाद को कभी पनाह नहीं दी. आतंकवादी इस्लाम के नाम पर जो स्थापित करना चाहते हैं, वह पूरी तरह गलत है. आतंकवाद हमारे इस्लाम की तरफ से समर्थित नहीं है. हमारी इस्लाम आधारित पार्टियां और आम लोग उनसे नफरत करते हैं.

हम आतंकवादियों की पहचान करने और उनके नापाक मंसूबों का पता लगाने में सफल रहे हैं. वे विदेश भागने की कोशिश करते हैं, ट्रेनिंग के लिए पहाड़ों पर जाते हैं और फिर वापस आ जाते हैं. हम उनका मुकाबला करने में सक्षम थे. उनका कहना था कि आतंक अब काबू में है. उन्होंने इसे सरकार की कामयाबी बताया है.

असदुज्जमां खान ने इसपर कहा कि हमारा देश कभी भी सांप्रदायिकता का समर्थन या विश्वास नहीं करता. हमारा मुख्य मंत्र बांग्लादेश को एक धर्मनिरपेक्ष भावना के साथ बनाना था. प्रधानमंत्री भी उसी भावना से काम कर रहे हैं. हमारा हिंदू समाज इस देश में था और हमेशा रहेगा. सरकार के पास उन्हें बाहर करने या वंचित करने की कोई योजना नहीं है. हमने उन्हें प्राथमिकता दी है. वे नींव, सचिवालय और पुलिस विभाग सहित शीर्ष पदों पर हैं. वे अपनी योग्यता के अनुसार पदों पर आसीन होते हैं.

उन्होंने आगे कहा, अवामी लीग हिंदू समुदाय से प्यार करती है. अवामी लीग गैर-सांप्रदायिकता में विश्वास करती है. अवामी लीग यह नहीं मानती कि यहां केवल मुसलमानों की ही जीत होगी इसीलिए सभी समुदायों के लोग अवामी लीग को अटूट समर्थन देते हैं. बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) में भी हिंदू समुदाय के नेता हैं, हालांकि उन्होंने अलग-अलग समय पर अलग-अलग समूह बनाए हैं. उनमें से कई अवामी लीग का भी विरोध करते हैं. हिंदू महाजात नेता गोविंदा प्रमाणिक ने हाल ही में भ्रामक जानकारी दी थी बाद में उन्हें खुद इसका पछतावा हुआ था.

असदुज्जमां खान ने कहा कि यह एक आधिकारिक राजनीतिक बयान है. वे बार-बार एक ही बात कहते हैं. भारत ने जिस तरह से हमारी मदद की है, उसे अवामी लीग कभी नहीं भूलेगी. भारत ने हमे मुक्ति संग्राम के दौरान आश्रय दिया. कम से कम 3 मिलियन लोग मारे गए, लेकिन उन्होंने 12 मिलियन लोगों को आश्रय दिया. हम भारत के साथ अच्छे रिश्ते बनाए रखना चाहते हैं. भारत ने उल्फा के बारे में जो भी जानकारी मांगी है, हमने दे दी है. हमने भारत के लिए भेजे जाने वाले हथियारों से भरे 10 ट्रक बरामद किए हैं. बीएनपी ने एक चरमपंथी समूह को समायोजित किया. उन्होंने कैबिनेट में रजाकरों को जगह दी, जिन्होंने उत्थान बांग्ला भाई और शेख अब्दुर रहमान जैसे उग्रवादियों को आश्रय दिया था. इनके अतिवादियों से संबंध हैं. इनका जमात-ए-इस्लामी से राजनीतिक संबंध है.

असदुज्जमां खान ने कहा कि हम 21 साल से सत्ता में नहीं थे. उन 21 सालों में हमारे संस्कार खो गए, इतिहास को विकृत कर दिया गया. अब प्रधानमंत्री ने सब कुछ ठीक कर दिया है. हमारी भावना एक गैर-सांप्रदायिक देश, सभी के लिए आवास, सभी के लिए शिक्षा और स्वास्थ्य की गारंटी देना है. सभी धर्मों के लोगों के पास समान अधिकार होंगे लेकिन मुक्ति संग्राम की पराजित सेनाएं अभी तक पीछे नहीं हटी हैं. वे अब भी सक्रिय हैं. वे मुक्ति संग्राम की भावना से खिलवाड़ करना चाहते हैं. वे बार-बार धार्मिक सद्भाव को नष्ट करने की कोशिश कर रहे हैं. उन्होंने आगे कहा, ये उसी साजिश का हिस्सा हैं जिसे हम अब बर्दाश्त नहीं करेंगे.

गृह मंत्री के तौर पर उन्होंने पुलिस बल को इस मामले में कड़े से कड़े एक्शन लेने के आदेश दिए हैं. जल्द ही अपराधियों की पहचान कर ली जाएगी. स्थानीय हिंदू समुदाय के लोगों से भी इस बारे में बात की गई है. उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की गई है.

पेशाब कांड के बाद फ्लाइट में शराब पीने पर लगेगी रोक? सरकार ने दिया यह जवाब

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। विदेश यात्रा करते समय विमान में पेशाब कांड जैसी कई घटनाओं के बाद भी फ्लाइट में शराब सर्व करने की पॉलिसी में कोई बदलाव नहीं होगा. नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने मंगलवार को यह साफ कर दिया है कि वो विमान में शराब सर्व करने को लेकर अपनी पॉलिसी में कोई बदलाव नहीं करने जा रहा.

केंद्रीय नागर विमानन राज्य मंत्री जनरल (रिटायर्ड) वीके सिंह ने सोमवार को राज्यसभा में एक सवाल के जवाब में कहा कि पेशाब कांड और अन्य मामलों को लेकर एयरलाइंस की ओर से बनाई गई इंटरनल कमेटी और नागरिक उड्डयन की जरूरत (सीएआर), एयर ट्रांसपोर्ट के सेक्शन-3 के मुताबिक पिछले साल कुल 63 यात्रियों को नो फ्लाई लिस्ट में रखा गया था.

नो फ्लाई लिस्ट में अधिकतर बिना मास्क वाले

इसके बाद मंत्रालय की ओर से जारी किए बयान में बताया गया कि नो फ्लाई लिस्ट में रखे गए यात्रियों में से अधिकतर ऐसे हैं जो यात्रा के समय मास्क नहीं पहने थे या फिर क्रू मेंबर के साथ किसी तरह का सहयोग नहीं कर रहे थे. सीएआर प्रोविजन के मुताबिक, जब किसी यात्री को नो फ्लाई लिस्ट में डाला जाता है उसमें उससे जुड़ी पूरी जानकारी को भी शामिल किया जाता है. जैसे कि वो किस फ्लाइट में सफर कर रहा था, क्या मामला था, उसकी पहचान से जुड़े डॉक्टूमेंट्स, किस सेक्टर का है, प्रतिबंध की अवधि आदि बातें लिखी रहती है. नो फ्लाइ लिस्ट में उन लोगों की संख्या सबसे ज्यादा थी जो या तो मास्क नहीं पहने थे या फिर उन्होंने क्रू मेंबर की ओर से दिए गए निर्देश को मानने से इनकार कर दिया था.

पिछले साल 26 नवंबर को न्यू यॉर्क से दिल्ली आ रही एयर इंडिया की एक फ्लाइट में नशे में धुत शंकर मिश्रा नाम के यात्री की ओर से बुजुर्ग महिला सहयात्री पर पेशाब करने का आरोप लगा. यह मामला उस समय तुल पकड़ लिया जब महिला सामने आई और घटना के बारे में जानकारी दी. इसके बाद घटना की जांच के निर्देश दिए गए और शंकर मिश्रा के खिलाफ केस भी दर्ज कर गिरफ्तार भी किया गया था.

आफताब के खिलाफ दायर चार्जशीट पर 21 फरवरी को सुनवाई

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। श्रद्धा मर्डर केस में आरोपी आफताब पूनावाला के खिलाफ चार्जशीट पर साकेत कोर्ट ने आज संज्ञान लिया है. चार्जशीट पर संज्ञान लेने के बाद कोर्ट ने मामले की जांच के लिए 21 फरवरी की तारीख तय की है. रिपोर्ट्स के मुताबिक चार्जशीट फॉरेंसिक और इलेक्ट्रॉनिक सबूतों के आधार पर तैयार की गई है. साकेत कोर्ट में सुनवाई के दौरान मीडिया कर्मियों को कोर्ट रूम में जाने की अनुमति नहीं दी गई थी. आफताब के वकील को भी चार्जशीट कि कॉपी सौंप दी गई है. दिल्ली पुलिस ने इस मामले में साकेत कोर्ट में 6,629 पन्नों की चार्जशीट दायर की थी. चार्जशीट में 150 से ज्यादा लोगों के बयान दर्ज किए गए हैं. इससे पहले कोर्ट ने आफताब की न्यायिक हिरासत दो हफ्ते के लिए बढ़ाकर सात फरवरी तक कर दी.

कानून की किताबों की मांग

पूनावाला पर श्रद्धा वॉकर की हत्या करने और फिर उसके शरीर के 35 टुकड़े कर उन्हें तीन महीनों में छतरपुर वन क्षेत्र में फेंकने का आरोप है. पिछली सुनवाई के दौरान जब पूनावाला को मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट अविरल शुक्ला के सामने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश किया गया था तो उसने दलील दी थी कि वह अपना वकील बदलना चाहता है. इसके साथ ही पूनावाला ने पढ़ने के लिए कानून की किताबों की मांग की थी. कोर्ट ने जेल अधिकारियों को उसे गर्म कपड़े मुहैया कराने का भी निर्देश दिया था.

पिछली सुनवाई (24 जनवरी) के दौरान इस मामले पर कोर्ट में मौजूद वकील सीमा कुशवाहा ने बताया था कि दिल्ली पुलिस ने साढ़े 6 हजार पन्नों से ज्यादा की चार्जशीट पेश की है. आईपीसी की धारा 302 व 201 के तहत की गई है. इसके अलावा आफ़ताब ने अपना वकील बदलने की बात कही थी, जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया था.

एक दिन की बच्ची को जमीन में दफना गई मां

बचाने की कोशिश नाकाम, दिल को झकझोर देने वाली खबर

चंडीगढ़, 7 फरवरी (एजेंसियां)। चंडीगढ़ से ममता को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है, जहां एक मां ने अपनी ही बेटी को जिंदा दफना दिया. जानकारी के मुताबिक मेंटली अनस्टेबल बताई जा रही 26 वर्षीय महिला ने अपनी एक दिन की बेटी को नयागांव के जंगल में जिंदा दफना दिया. सूचना मिलने के बाद नवजात को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन दो दिनों दिनों तक जिंदगी की लड़ाई लड़ने के बाद सोमवार को उसने पीजीआईएमईआर में दम तोड़ दिया. महिला की पहचान अनीता के रूप में हुई है और वह उत्तर प्रदेश की मूल निवासी है. अनीता के के पति का नाम राजकुमार है और दोनों के 14 और 5 साल के दो बेटे भी है. पुलिस ने बताया कि राजकुमार मजदूर है और उसका परिवार नयागांव में झोपड़ी में रहता है. उन्होंने कहा कि राजकुमार के मुताबिक शनिवार को काम से घर लौटने के बाद उसे अपनी बेटी नहीं मिली. पत्नी की दिमागी हालात पर शक करते हुए उसने तुरंत पुलिस को सूचना दी. पुलिस ने बताया कि जानकारी मिलने के बाद उन्होंने उसकी पत्नी से पूछताछ की जिसमें उसने अपनी बेटी को दफनाने की बात कबूल की और हमें जंगल में ले गई जहां उसने बच्ची को दफनाया था. पुलिस ने कहा कि नवजात को बचा लिया था, बच्ची जिंदा थी. उसे सेक्टर 16 के सरकारी मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए पीजीआईएमईआर रेफर कर दिया. उन्होंने कहा कि दो दिन की जिंदगी की लड़ाई लड़ने के बाद भी वह बच नहीं सकी और सोमवार को उसने दम तोड़ दिया.

राजकुमार ने पुलिस से कहा कि उसकी पत्नी मानसिक रूप से अस्थिर थी और सेक्टर 17 के अस्पताल में उसका इलाज चल रहा था. उसने पुलिस को यह भी बताया कि उसकी पत्नी को शक था कि उनकी बेटी काले जादू से पैदा हुई थी और वह शुक्रवार को उसे जन्म देने के बाद से अजीब व्यवहार कर रही थी. एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि हमने हत्या के मामले में महिला के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है. इसके साथ ही उन्होंने कहा कि महिला के खराब मानसिक स्वास्थ्य को लेकर पति के दावों पर भी गौर करेंगे. अधिकारी ने बताया कि नयागांव थाने में भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या) के तहत मामला दर्ज किया गया है.

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 8 फरवरी- 2023

चीनी एप पर पाबंदी

देश में स्मार्ट फोन बढ़ने क साथ ही इंटरनेट की दुनिया में जोखिम भी काफी बढ़ गया है। सारे बैंकिंग कामकाज अब मोबाइल के जरिए ही होने लगे हैं। ऐसे में कुछ चालाक ठगों ने इसे ही अपनी इनकम का जरिया बना लिया है। इस तरह के जोखिम को ही मद्देनजर भारत ने बड़ी कार्रवाई करते हुए यह सख्त संदेश दिया है कि अगर आधुनिक तकनीकी के नाम पर धोखाधड़ी या ठगी जैसी गतिविधियां बंद नहीं हुई तो उस पर प्रतिबंध लगाने से पीछे नहीं हटा जाएगा। स्मार्टफोन या टैब के जरिए कुछ सुविधाओं के लिए लोग अलग-अलग ऐप के इस्तेमाल पर निर्भर होते जा रहे हैं। ऐसे में सुविधा के साथ-साथ कई ऐप ठगी और धोखाधड़ी का भी हथियार बनते जा रहे हैं। इस तरह के मामलों में आई तेजी से सावधान रहने और बचने की सलाह तो दी जा रही थी, मगर जागरूकता की कमी की वजह से कई लोग अब भी इसके शिकार हो रहे थे। खबरों के अनुसार ऐसे ज्यादातर ऐप चीन में बनाए गए हैं जो वहीं से संचालित भी होते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए सरकार ने इस बार दो सौ बत्तीस चीनी ऐप पर प्रतिबंध लगाने का आदेश देकर यह संदेश देने की कोशिश की है कि अगर तकनीक को फर्जीवाड़े का हथियार बनाया जाएगा तो ऐसे में भारत भी खुले सांड का नकेल कसने में कोई कोताही नहीं बरतेगा। बता दें कि इससे पहले भी कई चरणों में चीन आधारित ऐप पर पाबंदी लगाया जा चुका है। आज इंटरनेट की दुनिया इतनी विस्तृत हो चुकी है कि धोखाधड़ी करने वाले कोई न कोई नया चोर दरवाजा तलाश ही लेते हैं। सरकार ने इस बार जिन दो सौ बत्तीस ऐप पर पाबंदी लगाने का आदेश जारी किया, उनमें एक सौ अड़तीस सट्टा लगाने वाले और चौरानबे ऋण देने के नाम पर अपना ठगी का कारोबार चला रहे थे। ऋण देने वाले ऐप के जरिए लोगों को मामूली दर पर पैसा मुहैया कराया जाता है, मगर किसी ग्राहक के इस जाल में फंसने के बाद उनसे तीन हजार फीसदी तक ब्याज की रकम वसूली जाती है। अगर कोई व्यक्ति ऐसा करने में सक्षम नहीं होता है तो उसे तरह-तरह से परेशान किया जाता है। ऐसी अनेक खबरें आ चुकी हैं, जिनमें इन ऐप के जरिए कर्ज के जाल में फंसे कुछ व्यक्तियों ने आत्महत्या तक कर ली। इसके अलावा, कई ऐप जासूसी और झूठा प्रचार कर भी लोगों को ठग रहे थे। इनसे भारतीय नागरिकों की निजी जानकारियों या डेटा की सुरक्षा पर जोखिम पैदा हो सकता था। जाहिर है, ये ऐप एक तरह से देश में अस्थिरता पैदा करने के लिहाज से भी खतरनाक साबित हो सकते थे। आधुनिक तकनीक और विज्ञान ने मनुष्य के जीवन को आसान और बेहतर गुणवत्ता से लैस कर दिया है। लेकिन यह भी हुआ है कि इसके इस्तेमाल के साथ कई तरह के जोखिम भी सामने आए हैं। खासतौर पर जिस तरह की तकनीकी ने अपने विस्तार के साथ आम लोगों तक पहुंच बनाई है, उसी अनुपात में उनके उपयोग को लेकर जागरूकता और प्रशिक्षण का स्तर भी बढ़ा है। स्मार्टफोन संवाद के अलावा कई तरह के काम की सुविधा और गुणवत्ता के लिए एक बेहतर तकनीक माना गया है। लेकिन इसमें अलग-अलग ऐप के रूप में रोज जुड़ रही नई सुविधाएं प्रथम दृष्टया बेहद उपयोगी लगती हैं, मगर उनका उपयोग जोखिम भी साथ लाता है। पिछले कुछ समय से इन ऐप का इस्तेमाल करने वाले बहुत सारे लोग विभिन्न रूपों में धोखाधड़ी का शिकार हो चुक हैं। इसलिए सरकार ने चीन में तैयार ऐप पर पाबंदी का आदेश दिया है तो इसे भारत में आम लोगों के हित में लिया गया फैसला माना जा सकता है। जरूरत पडे तो आगे भी इस तरह के ऐप पर प्रतिबंध लगाने से नहीं चूकना चाहिए।

कभी बल्ब को कभी बिल को देखते है

अखतर अली

बिजली बिल की रीडिंग लेने वाला कर्मचारी आता है तो बेसाख्ता मुंह से निकलता है " आप आये हमारे घर ख़ुदा की कुदरत – हम कभी बल्ब को कभी बिल को देखते है । मेरा बिजली विभाग को मशविरा है कि उन्हें बिल पर यह छपवा देना चाहिये कि कृपया कमज़ोर दिल वाले इसे न देखे । घर के बड़े बूढ़ों से भी मेरा निवेदन है कि ख़ुदा के वास्ते बिजली के बिल को उंचे स्थान पर रखे ताकि बच्चे उसे हाथ न लगा सके क्योकि कुछ दिन पहले की बात है मैंने अपने पड़ोसी के हाथ में पट्टा बंधा देखा , मैंने पूछा ये क्या हो गया ? तो उसने बताया करंट मार दिया है क्योकि नंगे हाथो से बिजली का बिल पकड़ लिया था । हर घर में एक ए.के. हंगल होते है जो कहते है – बेटा अब इन बूढ़ी आँखों से बिजली का बिल न देखा जायेगा । पहले बिजली का झटका लगता था अब बिल का झटका लगता है । जिनका दो कमरों का छोटा सा मकान है उनके हां हमेशा लगभग सात सौ रूपये का बिल आता था । अब न कमरे बढ़े न बल्ब पर बिजली का बिल बढ़ कर सात हज़ार और सत्तर हज़ार रूपये भी आ सकता है । यह एक करिश्मा है जिसमें गणित का सूत्र कोई अहमियत नहीं रखता है । बिजली का बिल धर्म की तरह होता है इस पर आस्था और विश्वास होना चाहिये इस पर शक करना पाप है । अब क्या कहे यह मानव इस हद तक पशु हो गया है कि उसे विद्युत विभाग के संत पुरुष विश्वास दिलाते है कि इस बार पेमेंट कर दो अगले माह एडजस्ट हो जायेगा लेकिन वह समझता ही नहीं है । इस पार उपभोक्ता और उस पार विभाग है एक ही समय इधर मोहर्रम और उधर ईद मनाई जाती है । बिजली के बिल ने ऐसा आतंक पैदा किया है कि अब तो अख़बार का बिल भी हाथ में लेने से डर लगता है । अब तो ज़हन में बस दो ही बिल है एक सांप का बिल दूसरा बिजली का बिल । शादी वाले घर में ध्यान रखा जाता है कि दुल्हन बिजली का बिल न पकड़ ले क्योकि ऐसी धारणा है कि बिजली का बिल पकड़ते ही मेहंदी का रंग उड़ जाता है । बिजली का बिल अचानक नियमित राशि से दस गुना अधिक क्यों आ जाता है यह एक भेद है जिसे आज तक कोई जान नहीं पाया । बिजली बिल में दर्ज जो देयक राशि है वही बस सत्य है बाकी संसार में सब कुछ मिथ्या है । मैं जब भी विद्युत दफ़्तर के सामने से गुज़रता हूं उसकी दीवारों में से आवाज़ आती है तुम मुझे पैसा दो मैं तुम्हे प्रकाश दूगा । जिनका सामान्य राशि का बिजली बिल आता है वे इस पीड़ा को ऐसे ही समझ नहीं पायेगे जैसे जवानी बुढ़ापे की दिक्कतों को नहीं समझ पाती है । बिजली विभाग के कार्यालय में माइंड डायवर्ड का भी काम किया जाता है । पीड़ित कहता है मेरा बिल इतना अधिक कैसे आ गया ? तब उससे कहते है बस एक माह की समस्या है इसके बाद रिचार्ज सिस्टम आ जायेगा मोबाईल की तरह मीटर रिचार्ज करना होगा जितना पैसा उतनी बिजली ये बिल विल का कोई लफड़ा ही नहीं रहेगा । पीड़ित कहता है एक माह बाद वाली कहानी तो वह पिछले एक साल से सुन रहा है । एक आदमी ने अपने बेटे से कहा कि फ़लां फ़लां लड़के को तुम्हारी बहन के लिये पसंद किया गया है तुम पता लगाओ वह कहां काम करता है । दूसरे दिन आज्ञाकारी बेटे ने कहा – पिताजी मैं कल दिन भर उसको फ़ोन लगाता रहा घंटी बजती रही लेकिन उसने फ़ोन नहीं उठाया इससे तो यही लगता है कि वह ज़रूर विद्युत विभाग में काम करता होगा । बिजली बिल की बात चल रही थी कि किसी ने एक पुराना बिल लाकर पकड़ा दिया ।

चीनी जासूसी गुब्बारे से भारत को चौकस रहने की जरुरत

अशोक भाटिया

एक गुब्बारा एक हफ्ते से अमेरिकी इलाके में था। अमेरिका ने इसे दक्षिण कैरोलाइना के तट पर मार गिराया। अमेरिकी लड़ाकू विमान एफ-22 ने मिसाइल दागकर इसे गिरा दिया। चीन का कहना है कि यह मौसम के बारे में जानकारी जुटाने वाला सामान्य किस्म का गुब्बारा था। चीन और अमेरिका के बीच राजनयिक तनाव बढ़ गया ।घटना की कहानी यही समाप्त नहीं हो जाती है । इसके सन्दर्भ में और भी बहुत कुछ जानने की जरुरत हैं । यदि यह केवल सामान्य किस्म का गुब्बारा था तो अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन का चीनी दौरा क्यों टाल दिया गया। चीन-अमेरिका के संबंधों में इस घटना को एक बड़ा झटका माना जा रहा है। ब्लिंकन के चीन जाने से एक दिन पहले चीन का गुब्बारा अमेरिका के आसमान में नजर आया और जिस तनाव को कम करने के लिए ब्लिंकन चीन जा रहे थे वो बढ़ता दिखने लगा। अमेरिका के पश्चिमी राज्य मोंटाना में इस गुब्बारे को उड़ता पाया गया था। तब इस इलाके में विमानों की उड़ान रोकनी पड़ी थी। यह गुब्बारा मोंटाना में दिखने से पहले अलास्का के अल्यूशन आईलैंड और कनाडा से होकर गुजरा था। दूसरी ओर, चीन ने गुब्बारे के जरिए जासूसी के आरोपों से इनकार किया है। चीन ने इसे एक नागरिक हितों वाला वायुयान बताया, जो रास्ते से भटक गया था। इस गुब्बारे का मकसद मौसम संबंधी जानकारियां जुटाना था। चीन के सफाई देने के बावजूद अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने दौरा रद्द करने की घोषणा कर दी। अमेरिकी अधिकारियों का कहना था कि ऐसा नहीं था कि इस दौरे से कोई समाधान निकल जाता, लेकिन इससे बातचीत शुरू होने की उम्मीद जरूर थी। इस घटना से यह सवाल उठने लगा है कि क्या चीन ने भारत के साथ भी ऐसी हरकत की है या भविष्य में भी इसका खतरा हो सकता है। राजनयिक तनाव के ताजा दौर में भारत चौकस है और स्थिति पर नजर रखे हुए है। चौकसी का सवाल इसलिए भी अहम है, क्योंकि चीन और भारत के बीच करीब 32 महीनों से पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर तनाव के हालात हैं। हमें नहीं भूलना चाहिए कि अमेरिका में जासूसी गुब्बारा उड़ाकर हड़कंप मचाने वाले चीन ने जनवरी 2022 में हिंद महासागर में भारत के रणनीतिक रूप से बेहद अहम अंडमान निकोबार द्वीप समूह के ऊपर से जासूसी गुब्बारा उड़ाया था। रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि चीन के इस जासूसी गुब्बारे की तस्वीर भी ली गई थी। चीन ने साल 2000 में जापान के ऊपर से भी इसी तरह का जासूसी गुब्बारा उड़ाया था। पेंटागन की एक रपट के मुताबिक, चीन ने अत्यधिक ऊंचाई पर उड़ने वाले जासूसी गुब्बारे का इस्तेमाल भारत के सैन्य अड्डों की जासूसी के लिए ही किया था। भारत के बेहद अहम नौसैनिक अड्डे अंडमान निकोबार द्वीप समूह के ऊपर से जासूसी गुब्बारा उड़ा था। भारत का यह द्वीप मलक्का जलडमरुमध्य के पास है जहां से चीन की गर्दन को दबोचा जा सकता है। चीन का ज्यादातर व्यापार इसी रास्ते से होता है। पहले भी कभी-कभी पूर्वी लद्दाख के पैंगोंग इलाके के ऊपर चीन ने बलून उड़ाए हैं। लेकिन यह उनके क्षेत्र में होता रहा तो भारत कुछ कर नहीं सका। ऐसे गुब्बारों से जैविक या रसायनिक युद्धाग्र के इस्तेमाल की आशंका होती है। इस कारण अमेरिका ने इसे मार गिराने में सावधानी बरती। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय ने बयान जारी कर बताया 28 जनवरी को अमेरिका के हवाई क्षेत्र में एलुटिएल द्वीप के पास आसमान में चीन का ये बलून देखा गया था। यह पहले अलास्का और कनाडा से होते हुए दोबारा इडाहो (अमेरिकी हवाई क्षेत्र) में घुसा। गुब्बारा जब समंदर के ऊपर पहुंचा तो, इसे नष्ट करने के लिए वर्जीनिया के लेंग्ले एअरफोर्स अड्डे से एफ-22 रैप्टर लड़ाकू विमानों ने उड़ान भरी। इस विमान से एआइएम-9एक्स साइडविंडर मिसाइल दागी गई। एफ-22 विमान ने 58 हजार की फीट की ऊंचाई से 60 से 65 हजार फीट की ऊंचाई पर उड़ रहे गुब्बारे पर निशाना साधा। मिसाइल लगने के बाद यह गुब्बारा तट से छह मील दूर 47 फीट गहरे समुद्र में गिर गया। जासूसी बैलून में लगे कैमरे के जरिए ऊपर से देखकर तैनाती का पता कर सकते हैं, सैन्य मूवमेंट का भी पता कर सकते हैं। रडार को छोटी चीजों को पकड़ने मे दिक्कत आती है। जैसे ड्रोन को पकड़ना मुश्किल होता है। उसी तरह बैलून को भी रडार से नहीं पकड़ा जा सकता। जासूसी गुब्बारे बेहद हल्के होते हैं और इनमें हीलियम गैस भरी जाती है। जासूसी के लिए इसमें एडवांस कैमरे लगाए जाते हैं। जासूसी के मामले में ये गुब्बारे उपग्रहों से भी बेहतर साबित होते हैं। आमतौर पर गुब्बारे पृथ्वी की निचली कक्षा वाले उपग्रह की तुलना में साफ फोटो ले सकते हैं। ऐसा ज्यादातर ऐसे उपग्रह की गति के कारण होता है, जो 90 मिनट में पृथ्वी की एक परिक्रमा पूरी कर लेते हैं। उपग्रह दूर से परिक्रमा करते हैं, इसलिए आम तौर पर धुंधली फोटो आती है। यह बात अहम है कि वह गुब्बारा लंबी दूरी तय कर अमेरिका पहुंचा। भारत के साथ तो चीन की लंबी सीमा रेखा है। भारत का सीमा पर वायु रक्षा प्रणाली मजबूत है और उसे लगातार और मजबूत किया जा रहा है। अब इसकी संभावना कम है कि ऐसा कोई जासूसी गुब्बारा आए और उसे पहचाना न जा सके। हमारे सुखोई-30 और रफाल ऐसे गुब्बारों को मार गिराने में सक्षम हैं। हमें मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) अशोक मेहता, रक्षा विशेषज्ञ की बात को भी सुनना जरुरी है । उनके अनुसार "आज के दौर में जासूसी ड्रोन के जरिए भी होती है, लेकिन गुब्बारा ज्यादा लंबे वक्त तक हवा में रह सकता है। उसका निगरानी क्षेत्र ज्यादा होता है। वह स्थिर रह सकता है और आगे-पीछे भी हो सकता है। इसकी आशंका से कोई इनकार नहीं कर सकता कि चीन इस तरह के जासूसी बलून का इस्तेमाल एलएसी के पास भी कर सकता है। अमेरिका के डिफेंस एक्सपर्ट एचआई सटन ने दावा किया है कि जनवरी 2022 में चीन के जासूसी गुब्बारे ने भारत के सैन्य बेस की जासूसी की थी। इस दौरान चीन के जासूसी गुब्बारे ने अंडमान निकोबार द्वीप समूह की राजधानी पोर्ट ब्लेयर के ऊपर से उड़ान भरी थी। उस दौरान सोशल मीडिया पर इसकी तस्वीर भी वायरल हुई थी।उस वक्त भारत सरकार की तरफ से इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया था। यह खुलासा भी नहीं हो सका था कि यह गुब्बारा किसका था। हालांकि, तब भी चीन पर ही शक जताया गया था।स्थानीय मीडिया संगठन अंडमान शीखा की 6 जनवरी 2022 की रिपोर्ट में यह सवाल उठाया गया था कि किस एजेंसी ने आसमान में इस गुब्बारे को उड़ाया है और क्यों? यदि इस गुब्बारे को अंडमान में किसी एजेंसी ने नहीं उड़ाया है तो इसे जासूसी के लिए भेजा गया था? अंडमान शीखा ने यह भी कहा था कि अत्याधुनिक सैटलाइट के इस दौर में कौन एक उड़ती हुई चीज से जासूसी करेगा। अमेरिका की घटना से अब यह खुलासा हो गया है कि चीन जासूसी गुब्बारे को दुनियाभर में उड़ा रहा है। इससे पहले फरवरी 2022 में भी इसी तरह के जासूसी गुब्बारे को अमेरिका के हवाई के पास देखा गया था और उसे मार गिराने के लिए अमेरिका ने अपने एफ-22 रैप्टर फाइटर जेट को भेजा था। हालांकि उस समय चीनी जासूसी गुब्बारे की तस्वीर सामने नहीं आई थी।

डिफेंस एक्सपर्ट ने दावा किया है कि चीन इस गुब्बारे का इस्तेमाल परमाणु हथियारों को ले जाने के लिए कर सकता है। अमेरिकन लीडरशिप एंड पॉलिसी फाउंडेशन की 2015 की एक रिपोर्ट में कहा गया था कि दुश्मन देश द्वारा लॉन्च किए गए गुब्बारे अमेरिका में परमाणु हथियार गिरा सकते हैं। साथ ही इलेक्ट्रिकल ग्रिड में हस्तक्षेप कर सकते हैं।इस रिपोर्ट के लेखक एयरफोर्स के मेजर डेविड स्टकनबर्ग ने लिखा था कि इस तरह के गुब्बारे को कुछ ही महीनों में बनाकर लॉन्च किया जा सकता है।

सुरक्षित इंटरनेट दिवस

सुनील कुमार महला

प्रत्येक वर्ष फरवरी माह के दूसरे सप्ताह में 'सुरक्षित इंटरनेट दिवस' मनाया जाता है। इस बार आठ फरवरी को यह दिवस मनाया जाएगा। इस दिवस को मनाने के पीछे जो कारण है वह यह है कि सभी लोग,विशेषकर युवा व बच्चे इंटरनेट का सुरक्षित व संयमित उपयोग करें। इस वर्ष यानी कि वर्ष 2023 में सुरक्षित इंटरनेट दिवस की थीम' एक साथ एक बेहतर इंटरनेट के लिए' रखी गई है, जिसका उद्देश्य लोगों को इंटरनेट को उपयोग करने के लिए एक सुरक्षित स्थान बनाने की दिशा में काम करने के लिए प्रेरित व प्रोत्साहित करना है। पहला सुरक्षित इंटरनेट दिवस 6 फरवरी 2004 को हुआ था और यह 14 देशों (13 यूरोपीय संघ के देशों और ऑस्ट्रेलिया) में मनाया गया था। जानकारी देना चाहूंगा कि भारत में इंटरनेट की शुरुआत 1986 में हुई थी और यह केवल शैक्षिक और अनुसंधान समुदाय के लिए उपलब्ध था। इंटरनेट तक आम जनता की पहुंच 15 अगस्त 1995 को शुरू हुई, और 2020 तक 718.74 मिलियन सक्रिय इंटरनेट उपयोगकर्ता हैं जिनमें 54.29% आबादी शामिल है। अद्यतन आंकड़ों के अनुसार जून 2022 तक, भारत में ग्रामीण इंटरनेट ग्राहकों की संख्या 339 मिलियन से अधिक थी तथा जुलाई 2022 तक 833 मिलियन सक्रिय इंटरनेट उपयोगकर्ता हैं, जिनमें 59.28% आबादी शामिल है । चीन में सबसे ज्यादा इंटरनेट यूजर्स हैं। भारत इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या में दूसरे स्थान पर है, हालाँकि इसकी आबादी का केवल 20 प्रतिशत ही इंटरनेट का उपयोग करता है। यूके और यूएस जैसे देशों की प्रवेश दर 90 प्रतिशत से अधिक है। इंटरनेट के मामले मेंचीन,भारत,अमेरिका,इंडोनेशिया और रसिया का स्थान प्रमुख है। वर्ल्ड मोबाइल डेटा प्राइसिंग 2021 की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया में इजरायल सबसे सस्ता इंटरनेट प्लान दे रहा है। वहां एक GB डेटा की कीमत 3.75 रुपए है। इसके बाद सस्ते डेटा के मामले में किर्गिस्तान, फिजी, इटली, सूडान और रूस का नंबर आता है। दुनिया का सबसे महंगे इंटरनेट में क्रमशः इथोपिया, यूनाइटेड अरब अमीरात, कतर,ओमान व सऊदी अरेबिया आते हैं। वैसे युगांडा में भी दुनिया का महंगा इंटरनेट उपलब्ध है।अमेरिका का रोड नेटवर्क दुनिया का सबसे लंबा और सबसे बड़ा रोड नेटवर्क है। भारत की बात की जाए तो भारत सबमरीन केबल के माध्यम से सिंगापुर में प्रमुख इंटरनेट डेटा सेंटर हब से जुड़ा है । वैसे, इंटरनेट का पुराना नाम 'अर्पानेट है जिसका मतलब होता है- एडवांस्ड रिसर्च प्रोजेक्ट्स एजेंसी नेटवर्क, जिसे 1969 में यू.एस. डिफेंस द्वारा तैयार किया गया था। इससे जो नेटवर्क विकसित हुआ उसे हम इंटरनेट के नाम से जानते हैं। यहाँ यह जानना भी महत्वपूर्ण है कि विंटन ग्रे सेर्फ (जन्म 23 जून, 1943) एक अमेरिकी इंटरनेट अग्रणी है और उन्हें इंटरनेट के पिताः में से एक के रूप में पहचाना जाता है। सुरक्षित इंटरनेट दिवस सुरक्षित इंटरनेट केंद्रों के एक यूरोपीय नेटवर्क, इंसेफ द्वारा चलाया जाता है। हालांकि यूरोप के बाहर भी इस दिवस को आजकल हरेक देश में मनाया जाता है। इसके तहत बेहतर इंटरनेट हेतु जागरूकता और शैक्षिक अभियान चलाये जाते हैं, हेल्पलाइन चलाई जाती हैं और युवाओं के साथ मिलकर काम किया जाता हैं। आज इंटरनेट के माध्यम से हमें रोजाना विभिन्न फ्रॉड देखने को मिलते हैं, इसी दिशा में यह दिवस एक महत्वपूर्ण कदम है। सच तो यह है कि सुरक्षित इंटरनेट दिवस दुनिया भर के बच्चों और युवाओं द्वारा ऑनलाइन तकनीक के सुरक्षित और अधिक जिम्मेदार उपयोग को बढ़ावा देता है। आज दुनिया में अधिकतर लोग सोशल नेटवर्किंग साइट्स यथा व्हाट्सएप, फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम के साथ विभिन्न कार्यों के लिए इंटरनेट का बहुतायत उपयोग करते हैं। आज साइबर अपराध हमारे लिए एक बड़ी चुनौती है। साइबर सुरक्षा के लिए हमें अपने मोबाइल, लैपटॉप को सुरक्षित रखना चाहिए और केवल विश्वसनीय स्रोतों से ही विभिन्न एप्लीकेशंस को डाऊनलोड करना चाहिए। हमें यह चाहिए कि हम अपने आपरेटिंग सिस्टम को अप टू डेट रखें। हमें एंटी-वायरस सॉफ़्टवेयर इंस्टॉल करना और सुरक्षित लॉक स्क्रीन का भी उपयोग करना सुनिश्चित करना चाहिए। इसके अलावा कंप्यूटर में सुरक्षित सॉफ्टवेयर का उपयोग करके, मजबूत पासवर्ड सेट करके, सोशल नेटवर्किंग साइटों को निजी मोड में रखकर और हर निजी जानकारी को ऑनलाइन साझा न करके हम साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने की शुरुआत कर सकते हैं। इसके अलावा,साइबर अपराध की स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए कानून प्रवर्तन एजेंसियों, सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग, सूचना सुरक्षा संगठनों, इंटरनेट कंपनियों और वित्तीय संस्थानों के बीच बहु-आयामी सार्वजनिक-निजी सहयोग स्थापित करने की आवश्यकता है।साइबर क्राइम के अंतर्गत के आज विभिन प्रकार के साइबर अपराध आते है जिनमे हैकिंग, ऑनलाइन ठगी, फिशिंग, स्पैम ईमेल, रैनसमवेयर, पोर्नग्राफी, ऑनलाइन ब्लैकमेल एवं अन्य अपराध शामिल है। आज हैकिंग के अलावा साइबर इंटरनेट का इस्तेमाल भी लगातार बढ़ता जा रहा है। धोखाधड़ी, फर्जीवाड़ा, मनोरंजन, समाचार, संवाद और सोशल मीडिया के ब्लैकमेल आदि अपराध भी लगातार बढ़ते चले रहे हैं। कम्प्यूटर का विकास मनुष्य के जीवन में आमूल चूल परिवर्तन लाया,काम तेजी से सटीकता और बिना गलतियों के आसानी से होते हैं, लेकिन अब इसी कम्प्यूटर का प्रयोग लोग गलत कामों को अंजाम देने में करने लगे हैं। वास्तव में, कंप्यूटर के माध्यम से किसी गैर कानूनी काम को अंजाम देना ही साइबर क्राइम के अंतर्गत आता है। यह ठीक है कि तकनीक से हमें बहुत सी सुविधाएं मुहैया करवाई हैं लेकिन साइबर अपराध पर नियंत्रण जरूरी है।

स्त्रियों के प्रति नजरिया तथा मानसिकता बदलने की गंभीर आवश्यकता

संजीव ठाकुर

भारत में ही नहीं पूरे विश्व में स्त्रियां उनके नैसर्गिक सम्मान की हकदार हैं। स्त्रियों का यथोचित सम्मान ही किसी भी समाज और राष्ट्र के विकास की धुरी हैं । पुरानी मान्यताओं को देखते हुए परिवार समाज तथा देश में स्त्रियों को अग्रणी स्थान देना तय किया जाना चाहिए । स्त्रियों के प्रति भारतीय पुरुषों की मानसिकता तथा नजरिया बदलने की आमूलचूल आवश्यकता। भारत देश में नारी पूज्यंते हैं, नारी को नौ देवियों का स्वरूप माना जाता है । शास्त्रों में देवी के नौ स्वरूप शैलपुत्री,ब्रह्मचारिणी, चंद्रघंटा, कुष्मांडा, स्कंदमाता, कात्यायनी, महागौरी,कालरात्रि, सिद्धिदात्री, देवियों के नौ रूप जो आततताइयों, राक्षसों से नारियों तथा देवताओं की रक्षा करती हैं। पर भारत में ही नहीं पूरे विश्व में मुख्यतः व्याप्त पुरुष प्रधान समाज ने एक ऐसी सामाजिक संरचना का निर्माण किया है, जिसमें प्रत्येक निर्णय लेने संबंधित अधिकार पुरुषों के पास ही सीमित रहे हैं। आदिम समाज से लेकर आधुनिक समाज तक विश्व की आधी दुनिया के प्रति भेदभाव पूर्ण दृष्टिकोण रखा गया है। जिसने कभी भी स्त्री को व्यक्ति के रूप में स्वीकार नहीं किया है। भारतीय समाज में भी प्राचीन नीतिकारों ने स्त्रियों को पिता, भाई, पति या पुत्र के संरक्षण में ही सामाजिक जीवन जीने की शास्वत वकालत की है. हमारे धर्म धर्मशास्त्रों में भी "प्राप्ते तू दशम वर्षे,यस्तु कन्या न यछसी",अर्थात कन्या को 10 वर्ष तक पहुंचते-पहुंचते उसका विवाह कर दिया जाना चाहिए।इस तरह की कुंठित भावनाओं से ग्रसित पुरुष समाज की मानसिकता वाली शिक्षा हर तरफ देखने मिलती है। यह सच है कि पुरुष प्रधान मानसिकता ने स्त्रियों को स्वतंत्र व्यक्ति के रूप में स्वीकार ही नहीं किया था। बल्कि तथाकथित लोकतांत्रिक एवं आधुनिक मूल्यों वाले पश्चिमी समाज ने महिलाओं को 1920 तक व्यक्ति के रूप में स्वीकार नहीं किया था। पश्चिम के देशों में व्यक्ति मतलब उनका तात्पर्य पुरुष और पुरुष समाज से ही था। इंग्लैंड में व्यक्ति को वोट देने का अधिकार था। लेकिन महिलाएं 1918 तक वोट देने के अधिकार से वंचित थी। अमेरिका में 1920 तक महिलाएं वोट देने का अधिकार के बिना ही जीवन यापन कर रही थी। विश्व में पहली बार भारत में व्यक्ति के अंतर्गत महिला को शामिल किया गया था इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने कोरनेलिया सोराबजी नामक महिला के वकालत करने संबंधी आवेदन को एक व्यक्ति के रूप में स्वीकार किया। इस तरह 1920 में महिला व्यक्ति के रूप में भारत में उच्च न्यायालय द्वारा आदेश देकर स्वीकारोक्ति प्रदान की गई। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 1929 के आसपास ही महिला को व्यक्ति के रूप में स्वीकार किया गया। भारत में सदैव नारी को अबला का दर्जा दिया जा कर एक अवैतनिक श्रमिक अथवा भोग की वस्तु के रूप में देखा है।

बचपन के वे दिन भी क्या थे

चेतना प्रकाश चितेरी

मुझे आज भी वे दिन याद हैं जब गर्मी की छुट्टियों में मुंबई से मेरे बड़े ताऊ जी - ताई जी, पापा, भैया - भाभी महानगरी ट्रेन से गाँव आते थे। घर के सभी लोग बहुत ख़ुश होते थे। कि मई माह तक सभी लोग साथ में रहेंगे। 1990 तक मेरे घर का पिछला हिस्सा मिट्टी और खपरैल से, आगे का ओसारा ईंट-सीमेंट से बना हुआ सुंदर लग रहा था। उत्तर मुखी घर का दिशा होने के कारण घर की बायीं तरफ़ एक नीम का पेड़ था। नीम के पेड़ के नीचे छोटा चबूतरा था जिस पर सुबह-शाम लोग बैठकर चाय पीते थे। पास में ही बहुत सुंदर पक्का बैठिका, उससे लगा हुआ आम का बग़ीचा जो बैठिका के पीछे तक फैला हुआ था। घर और बैठिका के सामने ख़ूब बड़ा-सा द्वार, घर के दाहिने ठंडी के मौसम में गाय, भैंस, बैल को रहने के लिए मिट्टी, लकड़ी, खपरैल से बना हुआ घर था। ठीक उसी के सामने बड़ी-सी चरनी थी जिसमें बड़े-बड़े हौदे थे। द्वार के बीचों - बीच विशाल पीपल का पेड़, उस पेड़ के नीचे गोलाकार में बड़ा-सा चबूतरा, और उस पर सुंदर शिव मंदिर है। इस मंदिर की पूजा मेरे दादाजी से लेकर आज तक घर के सभी सदस्य करते हैं। पीपल के चबूतरे की दस क़दम दूरी पर पुराना कुआँ था, जो १९९१ के आसपास सूख गया था, मेरे दूसरे नंबर के ताऊ जी ने सभी भाइयों एवं भतीजे के सहयोग से उस कुएँ का पुनर्निर्माण करवाया था। उस समय हम सभी लोगों ने पानी के महत्त्व को भली-भाँति जाना।

बात तो मैं कर रही थी गर्मी की छुट्टियों की, यह मन भी कहाँ-कहाँ चला जाता है। दोपहर के समय हम सभी आम के बग़ीचे में जाते थे, पेड़ों के नीचे ख़ूब खेलते थे। मुझे आज भी वे खेल याद हैं जैसे; कबड्डी, सिल्लो पत्ती, चिब्भी, कौड़िया बुझावल जिसकी पंक्ति आज भी मुझे याद है— सुमन पारी धीरे से आना शोर न मचाना, पीछे मुड़के ताली बजाना; यह खेल मुझे बहुत पसंद था। उसी आम के बग़ीचे में बड़े-बड़े पलंग बिछे रहते थे, तो कुछ पलंग पीपल के पेड़ के नीचे। सब अपने उम्र वालों के साथ हँसी ठहाका लगाते थे, लू चलती थी, फिर भी हमें कुछ फ़र्क़ नहीं पड़ता था। जहाँ धूप आती थी, वहाँ से चारपाई खिसका कर छाँव में कर लेते थे। जब किसी को प्यास लगती थी तो घर का कोई बड़ा व्यक्ति कुएँ से पीतल के गगरा में पानी निकाल लाता था, तो घर की बेटी बड़ी माई से मूँज की बनी डलिया में गुड़ माँग लाती थी। सबकी खाने की रुचि अलग-अलग थी, कोई कच्चा आम नमक के साथ, तो कोई सत्तू, कोई लाई चना खाता, तो कोई आम भूनकर पन्ना बना लाता, तो कोई बेल शरबत क्या! सब में प्यार था। धीरे - धीरे छुट्टियाँ समाप्त होने लगतीं थी, तो परदेसियों के बैग को घर की महिलाएँ भरना शुरू कर देती थीं जैसे; आम, कटहल का अचार, अरहर की दाल, अलसी का लड्डू, भुना चना, सत्तू आदि।

एक महीना हँसी - ख़ुशी कैसे बीत जाता था समय का पता ही नहीं चलता था। मुंबई में 13 जून से स्कूल खुल जाते हैं! आज भी! मुझे वे दिन याद हैं। जब मेरे पापा, ताई-ताऊजी, भैया-भाभी मुंबई जाते थे तो घर के सदस्यों में से बहुएँ, मँझली अम्मा, मम्मी को छोड़कर सभी लोग सड़क तक बैग, अटैची, बॉक्स लेकर जाते थे और बस का इंतज़ार करते थे, कितना प्रेम था! बीस मिनट आधे घंटे बाद रोडवेज़ बस भी आ जाती थी, तो इतने में पापा , बड़े पापा, भाभी - भैया अपने से बड़ों का चरण स्पर्श करते थें तो हम सभी छोटे बच्चे भी उनका चरण स्पर्श करते थे । हम लोगों को चॉकलेट खाने का पैसा मिलता था। हमारे घर से डेढ़ घंटे का सफ़र था, इसलिए मेरे घर के लोग बनारस ही उतरते थे और बनारस से ही मुंबई के लिए ट्रेन पकड़ते थे। परदेसियों का जाने से एक ओर मन दुखी रहता था तो दूसरी ओर हम भाई-बहन एक दूसरे से पूछते थे— तुमको पापा ने कितना पैसा दिया, हमको ताई जी ने इतना दिया। हम लोग हाथ में पैसे लिए सीधे गाँव की छोटी दुकान पर चले जाते थे। हम सब भाई-बहन अपनी पसंद का चॉकलेट लेते थे, एक दूसरे को खिलाते थे और उनका भी खाते थे, आपस में बात करते हुए घर आते थे और हम सभी को इंतज़ार रहता था गर्मी की छुट्टियों का। आज भी! वे दिन याद है मुझे!

हमेशा याद रहेंगे, जो ख़ुशी के पल बिताए हैं हम अपनों के साथ, चेतना ने जिया है उन पलों को आज के युग में धनी व्यक्ति वही है जिसके पास परिवार है, माता-पिता का आशीर्वाद साथ है, भाई का प्यार है, बहन का दुलार, ज़िन्दगी ना मिलेगी फिर दोबारा, मैं जब भी किसी को याद करती हूँ, तो उसकी अच्छाइयों के साथ और उसे याद करके कुछ पल के लिए मैं अतीत में खो जाती हूँ। मन ही मन कह उठती हूँ, "वे भी क्या दिन थे! वे दिन भी क्या थे!"

महाशिवरात्रि की रोचक कथाएं

द्वादश ज्योतिर्लिंग हुए थे प्रकट

शिव पुराण के मुताबिक, महाशिवरात्रि के दिन ही देशभर में द्वादश ज्योतिर्लिंग प्रकट हुए थे। ये 12 ज्योतिर्लिंग हैं: सोमनाथ ज्योतिर्लिंग, मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग, महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग, ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग, केदारनाथ ज्योतिर्लिंग, भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग, विश्वनाथ ज्योतिर्लिंग, त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग, वैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग, नागेश्वर ज्योतिर्लिंग, रामेश्वर ज्योतिर्लिंग एवं घृष्णेश्वर ज्योतिर्लिंग हैं। इन 12 ज्योतिर्लिंगों के प्रकट होने के उत्सव के तौर पर भी महाशिवरात्रि मनाई जाती है तथा महादेव की पूजा की जाती है। महाशिवरात्रि के दिन उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर में लोग दीपस्तंभ लगाते हैं। साथ ही इन 12 ज्योतिर्लिंगों पर देश-विदेश से भक्त दर्शन करने आते हैं तथा यहां श्रद्धालुओं की लंबी- लंबी लाइन महाशिवरात्रि के दिन देखने को प्रत्येक वर्ष मिलती है।

महाशिवरात्रि का पर्व शिव एवं शक्ति के मिलन का एक महान त्यौहार है। शिवपुराण के मुताबिक, महाशिवरात्रि के दिन महादेव एवं माता पार्वती का विवाह हुआ था। शास्त्रों के मुताबिक कहा जाता है कि महाशिवरात्रि दिन से ही सृष्टि का प्रारंभ हुआ था। गरुड़ पुराण, स्कन्द पुराण, पद्मपुराण एवं अग्निपुराण आदि में शिवरात्रि का वर्णन मिलता है। भक्त गण महादेव को प्रसन्न करने के लिए अपने-अपने तरीके से पूजा-अर्चना करते हैं। इस वर्ष 2023 में महाशिवरात्रि 18 फ़रवरी यानि कि मंगलवार को मनाई जाएगी। महाशिवरात्रि का पर्व की अहमियत इसलिए है क्योंकि यह शिव एवं शक्ति के मिलन की रात है। इस दिन सभी महदवे मंदिरों में भोलेनाथ का रुद्राभिषेक चलता है तथा भक्त गण इस दिन व्रत भी रखते हैं। महाशिवरात्रि क्यों मनाई जाती है जानिए इसके पीछे क्या घटना है।

शिवलिंग के स्वरुप में प्रकट हुए हुए थे भोलेनाथ

शास्त्रों के मुताबिक, महाशिवरात्रि के दिन महादेव पहली बार प्रकट हुए थे। शिव का प्राकट्य ज्योतिर्लिंग यानी अग्नि के शिवलिंग के रूप में था। ऐसा शिवलिंग जिसका ना तो आदि था और न अंत। बताया जाता है कि शिवलिंग का पता लगाने के लिए ब्रह्माजी हंस के तौर पर शिवलिंग के सबसे ऊपरी भाग को देखने का प्रयास कर रहे थे किन्तु वह सफल नहीं हो सके। वह शिवलिंग के सबसे ऊपरी भाग तक पहुंच ही नहीं पाए। दूसरी तरफ प्रभु श्री विष्णु भी वराह का रूप लेकर शिवलिंग के आधार ढूंढ रहे थे किन्तु उन्हें भी आधार नहीं मिला।

शिव और शक्ति का हुआ था मिलन

महाशिवरात्रि को लेकर कई कथाएं प्रचलित हैं। एक कथा के मुताबिक, माता पार्वती ने शिव को पति रूप में पाने के लिए कठिन तपस्या की थी। जिसके फलस्वरूप फाल्गुन कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को माता पार्वती का विवाह महादेव से हुआ। इसी वजह से इस दिन को अत्यन्त ही अहम माना जाता है।

महाशिवरात्रि पर कर लें ये पाठ पूरी होगी हर मनोकामना

शिव पंचाक्षर स्तोत्रम-
नागेन्द्रहाराय त्रिलोचनाय भस्माङ्गरागाय महेश्वराय।
नित्याय शुद्धाय दिगम्बराय तस्मै नकाराय
नमःशिवाय॥1॥
मंदाकिनीसलिलचन्दनचर्चिताय नन्दीश्वरप्रमथनाथ महेश्वराय।
मण्दारपुष्पबहुपुष्पसुपूजिताय तस्मै मकाराय
नमःशिवाय॥2॥
शिवाय गौरीवदनाब्जवृन्दसूर्याय दक्षाध्वरनाशकाय।
श्रीनीलकण्ठाय बृषध्वजाय तस्मै शिकाराय
नमःशिवाय॥3॥

हिंदू पंचांग के मुताबिक, फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी के दिन महाशिवरात्रि का पर्व मनाया जाता है। इसी दिन महादेव और माता पार्वती का विवाह हुआ था। इस वर्ष महाशिवरात्रि का पर्व 18 फरवरी 2023, शनिवार को हुआ था। महाशिवरात्रि का दिन भगवान शिव एवं माता पार्वती की कृपा पाने के लिए सर्वश्रेष्ठ होता है। इस वर्ष महाशिवरात्रि के दिन शनि ग्रह अपनी मूल त्रिकोण राशि कुंभ में रहेंगे। शिव पुराण के मुताबिक, महाशिवरात्रि के दिन पंचाक्षर स्त्रोत का पाठ करना सारी मनोकामनाएं पूरी करता है।

पंचाक्षर स्तोत्र का महत्वः- मान्यता है कि पंचाक्षर स्तोत्र का पाठ करने से महादेव बेहद प्रसन्न होते हैं। व्यक्ति के सारे कष्ट दूर होते हैं।

पंचाक्षर स्तोत्र का पाठ व्यक्ति की अकाल मृत्यु को टालता है, उसे कालसर्प दोष से राहत देता है। महाशिवरात्रि के दिन पंचाक्षर स्त्रोत का पाठ करने वाले व्यक्ति के सारे दुख-दर्द, संकट दूर होत हैं।

सुखी रहना चाहते हैं तो दो बातें ध्यान रखें

महाभारत में कौरव और पांडव छोटे थे, उस समय की घटना है। एक दिन सभी राजकुमार खेल रहे थे और उनकी कोई चीज कुएं में गिर गई। राजकुमार अपनी चीज को कुएं से निकालने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिल रही थी। तभी वहां द्रोणाचार्य पहुंचे। द्रोणाचार्य ने अपनी धनुर्विद्या का उपयोग करते हुए कुएं से उनकी चीज निकाल दी। राजकुमार द्रोणाचार्य की धनुर्विद्या से बहुत प्रभावित हुए। सभी ने द्रोणाचार्य के बारे में भीष्म पितामह को बताया। भीष्म तुरंत ही द्रोणाचार्य के पास पहुंचे। द्रोणाचार्य ने भीष्म से कहा कि मैं भारद्वाज ऋषि का पुत्र हूं। मैंने और राजा द्रुपद ने अग्निवेश ऋषि से शिक्षा ली है। द्रुपद और मैं अच्छे मित्र बन गए थे। जब पढ़ाई पूरी हुई तो अपने राज्य लौटते समय द्रुपद ने मुझसे कहा था कि तुम मेरे मित्र हो और जब मैं राजा बनूंगा, मैं तुम्हारी मदद जरूर करूंगा। द्रुपद अपने राज्य चला गया और मैं अपने घर लौट आया। विवाह के बाद मेरा एक पुत्र हुआ अश्वत्थामा। मैं बहुत गरीब था, मेरा बेटा मुझसे दूध मांगता था, लेकिन मेरे पास उसे देने के लिए दूध नहीं था। एक दिन कुछ बच्चों ने अश्वत्थामा को पानी में आटा घोलकर दे दिया। मेरे बेटे ने आटे का पानी दूध समझकर खुशी-खुशी पी लिया। ये देखकर मुझे बहुत दुख हुआ। दुखी होकर मैं अपने मित्र द्रुपद से मदद मांगने के लिए पहुंचा। द्रुपद ने मुझे पहचानने से ही मना कर दिया और भरे दरबार में मेरा अपमान किया। उस दिन मैंने संकल्प लिया था कि मैं अपने अपमान का बदला लूंगा। अब मैं चाहता हूं कि मैं ऐसे शिष्य तैयार करूं जो द्रुपद को पराजित करें और मेरे सामने बंदी बनाकर ले आए। भीष्म ने द्रोणाचार्य की बातें सुनने के बाद कहा कि मैं आपसे बहुत प्रसन्न हूं। आप योग्य गुरु हैं, इसलिए अब से आप ही कौरव और पांडव राजकुमारों के गुरु होंगे। द्रोणाचार्य ने कौरव-पांडवों को इतना योग्य बना दिया कि उन्होंने द्रुपद को युद्ध में पराजित कर दिया और बंदी बनाकर द्रोणाचार्य के सामने ले आए थे।

प्रसंग की सीख

इस किस्से में हमें दो संदेश मिल रहे हैं। पहला संदेश ये है कि हमें कभी भी अपने मित्र का अपमान नहीं करना चाहिए, वर्ना बाद में दिक्क्तों का सामना करना पड़ता है। दूसरा संदेश ये है कि हमें अपनी योग्यता का उपयोग सही ढंग से करना चाहिए। इस किस्से में द्रोणाचार्य ने अपनी योग्यता का इस्तेमाल कौरव-पांडवों को अच्छा योद्धा बनाने में किया था। द्रोणाचार्य की वजह से ही सभी राजकुमार श्रेष्ठ योद्धा बने। द्रोणाचार्य ने अर्जुन को सर्वश्रेष्ठ धनुर्धर बनाया था।

अर्जुन युधिष्ठिर को मारने के लिए हो गए थे तैयार

परिवार के विवाद घर में ही निपटा लें, पारिवारिक झगड़े बाहर आएंगे तो घर की प्रतिष्ठा खत्म हो जाएगी

महाभारत में सभी पांडव अपने बड़े भाई युधिष्ठिर का बहुत सम्मान करते थे। युधिष्ठिर की हर एक आज्ञा का पालन करते थे, लेकिन एक बार अर्जुन युधिष्ठिर पर इतना गुस्सा हो गए थे कि वे उन्हें मारने के लिए तैयार हो गए थे। उस समय श्रीकृष्ण ने दोनों भाइयों का विवाद खत्म किया था।

महाभारत चल रहा था। 17वां दिन था। उस दिन युधिष्ठिर के सामने कर्ण आ गया। दोनों के बीच युद्ध हुआ, जिसमें युधिष्ठिर हार गए और किसी तरह अपने प्राण बचाकर अपने शिविर में लौट आए।

जब ये बात अर्जुन को मालूम हुई तो वे तुरंत अपने भाई के शिविर में पहुंच गए। युधिष्ठिर हार से दुखी थे, उन्होंने अर्जुन को देखा और गुस्से में कह दिया कि तुम और तुम्हारे गांडीव पर धिक्कार है, तुम्हारे होते हुए भी मैं कर्ण से हार गया।

अपने धनुष के लिए ऐसी बात सुनते ही अर्जुन बहुत गुस्सा हो गए और उन्होंने तलवार उठा ली और युधिष्ठिर को मारने के लिए तैयार हो गए। उस समय श्रीकृष्ण वहां पहुंच गए और उन्होंने अर्जुन को रोक दिया और पूछा कि ये क्या कर रहे हो?

अर्जुन ने कहा कि मैंने संकल्प ले रखा है कि जो व्यक्ति मेरे गांडीव का अपमान करेगा, मैं उसका वध कर दूंगा। आज भइया ने मेरे गांडीव का अपमान कर दिया है।

श्रीकृष्ण ने सोचा कि अगर भाई-भाई के विवाद के बारे में बाहर सेना को मालूम हुआ तो सभी का मनोबल टूट जाएगा और फिर युद्ध जीतना मुश्किल हो जाएगा।

बहुत सोचने के बाद श्रीकृष्ण ने अर्जुन से कहा कि तुम अपने भाई का अपमान कर दो, शास्त्र कहते हैं कि बड़े भाई को तू कहकर बोल जाए और उनका अपमान किया जाए तो ये उनकी हत्या करने जैसा ही है। तुम भी बड़े भाई को तू करके बोल दो।

श्रीकृष्ण की बात मानकर अर्जुन ने युधिष्ठिर को तू कहते हुए अपमान कर दिया। कुछ देर बाद अर्जुन का मन शांत हुआ और भाइयों का झगड़ा श्रीकृष्ण की वजह से शिविर में ही सुलझ गया।

श्रीकृष्ण का संदेश

श्रीकृष्ण ने यहां संदेश दिया है कि परिवार में मतभेद होते रहते हैं, लेकिन मतभेद घर में ही सुलझा लेने चाहिए। घर से बाहर विवाद आएंगे तो पूरे परिवार की प्रतिष्ठा खत्म हो जाएगी।

इन उपायों से मिलेगी शनि दोष से मुक्ति

शनि दोष से मुक्ति के उपायः-

* मान्यता है कि शनिवार के दिन स्नान आदि करने के पश्चात शनि देव की विधिपूर्वक पूजा करें। इस दिन शनि देव का सरसों के तेल एवं काले तिल से अभिषेक करें। शनि मंदिर जाएं एवं उनके दर्शन कर उनकी कृपा प्राप्त करें। तत्पश्चात, शनि दोष से मुक्ति की प्रार्थना करें।
* कुंडली में उपस्थित शनि दोष से मुक्ति के लिए शनिवार के दिन शनि मंदिर में जाकर पीपल के पेड़ पर जल चढ़ाएं।
* इस दिन काले कुत्ते को सरसों के तेल से बनी रोटी खिलाएं। शनिवार के दिन कौवों को खाना खिलाना भी शुभ माना जाता है। शास्त्रों के मुताबिक, ऐसा करने से शनि देव खुश होते हैं।
* मान्यता है कि हनुमान जी के श्रद्धालुओं को शनि देव कभी परेशान नहीं करते। ऐसे में शनिवार के दिन बजरंगबलि को चमेली के तेल का दीपक दान करें एवं सिंदूर का चोला चढ़ाएं।
* मंगलवार एवं शनिवार के दिन शनि दोष से मुक्ति के लिए हनुमान चालीसा या सुंदरकांड का पाठ करना चाहिए। इससे शनिदेव खुश होते हैं।
* निर्धनों की सेवा करने से भी शनि देव की कृपा प्राप्त होती है। इस दिन निर्धनों को काला तिल, वस्त्र, उड़द की दाल, जूते-चप्पल एवं कंबल का दान करना चाहिए।

फाल्गुन में करें बाल गोपाल का अभिषेक

हिन्दी पंचांग का 12वां महीना फाल्गुन शुरू हो गया है। इस महीने के अंत में फाल्गुन पूर्णिमा पर होलिका दहन होता है और अगले दिन होली खेली जाती है। श्रीकृष्ण की जन्मभूमि मथुरा और इस शहर के आसपास होली पर कई आयोजन होते हैं। बरसाना की लट्ठमार होली विश्व प्रसिद्ध है। इसके साथ ही मथुरा, वृंदावन, गोवर्धन पर्वत, गोकुल की होली देखने भी काफी लोग पहुंचते हैं।

फाल्गुन का पूरा महीना श्रीकृष्ण के भक्तों के लिए उत्सव की तरह ही है। इन दिनों में ध्यान के साथ ही श्रीकृष्ण के मंत्रों का जप करना चाहिए, पूजा-पाठ करें और ग्रंथों का पाठ करें। घर में बाल गोपाल हैं तो रोज सुबह उनका अभिषेक करें। जानिए बाल गोपाल की पूजा विधि...

फाल्गुन में रोज सुबह जल्दी उठें। स्नान के बाद घर के मंदिर में प्रथम पूज्य गणेश जी की पूजा करें। गणेश जी को जल चढ़ाएं, वस्त्र, चंदन, दूर्वा, हार-फूल अर्पित करें। भोग लगाएं। धूप-दीप जलाकर आरती करें।

इसके बाद बाल गोपाल का अभिषेक करें। इसके लिए सबसे पहले आचमन करें यानी अपने हाथ साफ जल से धोएं, इसके बाद श्रीकृष्ण का जल चढ़ाएं। सुगंधित फूलों वाले जल से अभिषेक करें। केसर मिश्रित दूध अर्पित करें। दूध के बाद फिर से जल चढ़ाएं।

श्रीकृष्ण पीले वस्त्र पहनाएं। फूलों से श्रृंगार करें। मोर पंख के साथ मुकूट पहनाएं। कृष्ण पूजा में गोमाता की प्रतिमा भी जरूर रखें।

दूध, दही, घी, शहद और मिश्री मिलाकर पंचामृत बनाएं और चांदी के बर्तन में भरकर कृष्ण भगवान को तुलसी के साथ भोग लगाएं।

पूजा में कृं कृष्णाय नमः का जप करें। आप चाहें तो राधाजी के नाम का भी जप करते रहना चाहिए।

रोज कृष्ण पूजा के बाद किसी गोशाला में गायों की देखभाल करें, हरी घास खिलाएं या धन का दान करें।

फाल्गुन में कर सकते हैं ये शुभ काम भी

इस महीने में श्रीमद् भगवद् गीता का पाठ करना चाहिए।

हनुमान जी के सामने दीपक जलाकर हनुमान चालीसा का पाठ करें।

शिवलिंग पर जल, दूध चढ़ाकर बिल्व पत्र और फूलों से श्रृंगार करें। धूप-दीप जलाकर ऊँ नमः शिवाय मंत्र का जप करें।

जरूरतमंद लोगों को धन, कपड़े और अनाज का दान करें।

राखी सावंत के पति आदिल को पुलिस ने किया गिरफ्तार

राखी सावंत के पति आदिल खान दुर्रानी को ओशिवारा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। दरअसल बीती रात राखी ने आदिल के खिलाफ एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर और धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए FIR दर्ज कराई थी, जिसके बाज आदिल को आज राखी के घर से गिरफ्तार कर लिया गया है।

रखी ने पुलिस को ये भी कहा है कि आदिल ने उनसे शादी के नाम पर सारे गहने और पैसे लिए है। राखी ने पुलिस में FIR दर्ज करवाने से पहले आदिल के बारे में मीडिया से बात करते हुए कहा कि आदिल ने मुझसे मेरे ही घर की चाबियां छीन ली हैं और उन्हें वापस करने से मना कर रहा है।

रखी ने आगे कहा कि वो काफी समय से मुझे टॉर्चर कर रहा है। उसने बॉलीवुड में नाम कमाने के लिए मेरा इस्तेमाल किया है। मेरे पास जितने भी पैसे थे उसने वो भी छीन लिए। साथ ही राखी ने ये भी दावा किया कि आदिल ने उनसे कहा कि वो राखी से अलग हो गए हैं और अपनी गर्लफ्रेंड तनु के साथ रह रहा है।

राखी सावंत और आदिल दुर्रानी ने पिछले महीने ही कोर्ट मैरिज की थी। आदिल खान दुर्रानी 27 साल के हैं और कर्नाटक के रहने वाले हैं। उनका कार का बिजनेस है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक आदिल और राखी मई 2022 से एक दूसरे को डेट कर रहे थे। वहीं उन्होंने राखी के साथ मिलकर एक मुंबई में एक डांस एकेडमी भी खोली है। राखी की मां का निधन कुछ दिन पहले ही हुआ है। वो काफी समय से मुंबई के टाटा मेमोरियल कैंसर हॉस्पिटल में भर्ती थीं। राखी की मां को कैंसर और ब्रेन ट्यूमर था। राखी ने सोशल मीडिया पर मां को याद करते हुए लिखा था, 'आज मेरी मां का हाथ मेरे सर से उठ गया, अब मेरे पास खोने को कुछ नहीं बचा।'

इंटरनेट पर छाई राखी की 'सौतन' की तस्वीरें

मनोरंजन जगत की मशहूर एक्ट्रेस राखी सावंत आदिल खान के विवाद में अब एक नई भूमिका की एंट्री हो गई है। वह पिछले कई दिनों से आदिल पर बेवफाई का आरोप लगा रही थीं। अब उन्होंने मीडिया में अपनी 'सौतन' का नाम भी ले लिया है। तत्पश्चात, कुछ सोशल मीडिया पेजज पर आदिल के साथ एक लड़की की फोटो वायरल हो रही है। दावा किया जा रहा है कि यह वही है जिसको राखी अपना घर टूटने का कारण बता रही हैं। फोटो पर लोगों ने कई प्रकार के कमेंट्स किए हैं। इस मामले पर आदिल का बयान आना बाकी है।

राखी सावंत के घर का विवाद बहुत दिनों से ख़बरों में है। राखी सावंत ने अपने पति आदिल खान दुर्रानी पर आरोप लगाया था कि वह उन्हें धोखा दे रहे हैं। मीडिया के सामने राखी ने उस लड़की का नाम तनु बताया है। अब कुछ पेजेज पर आदिल के साथ एक लड़की की तस्वीरें वायरल हो रही हैं। दावा किया जा रहा है कि यही आदिल की गर्लफ्रेंड तनु चंदेल हैं। कमेंट्स सेक्शन में कई लोग बोल रहे हैं कि लड़की का चेहरा राखी जैसा लग रहा है। वहीं कुछ लोगों ने लिखा है कि यह राखी की छोटी बहन लग रही है। कुछ ने लिखा है, आदिल की दोनों पसंद खराब हैं।

बता दें कि राखी सावंत एवं आदिल खान दुर्रानी लगभग एक वर्ष से रिलेशन में हैं। दोनों लिवइन में रह रहे थे। राखी बिग बॉस मराठी में

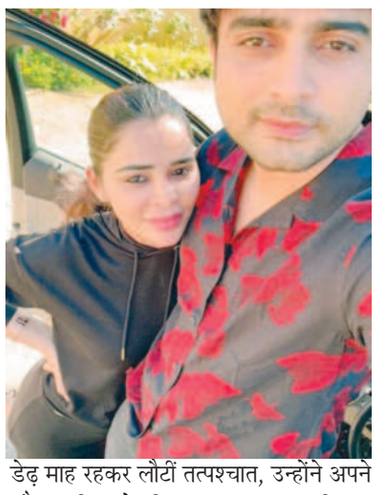

डेढ़ माह रहकर लौटीं तत्पश्चात, उन्होंने अपने और आदिल के निकाह का खुलासा किया। पिछले दिनों अपनी मां के निधन के बाद से राखी आदिल पर एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर का आरोप लगा रही हैं। उन्होंने कहा था कि वह दुनिया को यह सब इसलिए बता रही हैं क्योंकि श्रद्धा की भांति फ्रिज में नहीं जाना चाहतीं। जवाब में आदिल ने भी पोस्ट किया था कि वह भी सुशांत सिंह राजपूत नहीं बनना चाहते। राखी ने यह भी बोला था कि वह जब मां का अंतिम संस्कार करके आईं तो आदिल की बॉडी पर लवबाइट्स थे। वहीं उन्होंने कहा था कि वह बिग बॉस मराठी में गईं इस बीच आदिल ने उन्हें धोखा दिया।

ट्रोलर्स के निशाने पर आए अक्षय कुमार

भारत के मैप पर चलते दिखे तो यूजर्स बोले- इस शर्मनाक हरकत के लिए माफी मांगनी चाहिए

बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार ट्रोलर्स के निशाने पर आ गए हैं। दरअसल अक्षय ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वो भारत के नक्शे पर चलते हुए नजर आ रहे हैं। इस क्लिप में अक्षय के साथ दिशा पटानी, नोरा फतेही, मौनी रॉय और सोनम बाजवा भी ग्लोब पर चलती हुई दिखाई दे रही हैं।

अक्षय इस वीडियो में इंटरनेशनल एयरलाइंस का ऐड करते हुए नजर आ रहे हैं। उन्होंने इस वीडियो को शेयर करते हुए लिखा, 'एंटरटेनर्स नॉर्थ अमेरिका में 100% एंटरटेनमेंट लाने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं, अपनी सीट बेल्ट बांध लें हम मार्च में आ रहे है।'

अब इस वीडियो को देखने के बाद लोग सोशल मीडिया के जरिए अक्षय को खरी खोटी सुना रहे हैं। जहां एक यूजर ने लिखा, 'कनेडियन एक्टर भारतीय मैप पर चल रहा है। ये भारतीयों की बेइज्जती है। आपको 150 करोड़ भारतीयों से इस शर्मनाक हरकत के लिए माफी मांगनी चाहिए।' वहीं दूसरे यूजर ने लिखा, 'भाई हमारे भारत की थोड़ी रिस्पेक्ट कर लो।'

अक्षय पहले भी कई बार ऐसे विवादों में फंस चुके हैं। कुछ महीने पहले अक्षय के रोड सेफ्टी को लेकर बने एक वीडियो ऐड की जमकर आलोचना हुई थी। इस ऐड में पुलिस ऑफिसर बने अक्षय कुमार एक पिता को उसकी बेटी की विदाई के वक्त 6 एयरबैग वाली कार के फायदे गिना रहे होते हैं। इस वीडियो को देखने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने अक्षय को दहेज का सपोर्ट करने के लिए खूब खरी खोटी सुनाई थी।

अक्षय कुमार की अपकमिंग फिल्म की बात करें

तो वो 'सेल्फी' में नजर आने वाले हैं, जो 24 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसमें उनके साथ इमरान हाशमी और नुसरत भरूचा भी हैं। इसको राज मेहता ने डायरेक्ट किया है। ये फिल्म मलयालम फिल्म 'ड्राइविंग लाइसेंस' का हिंदी रीमेक है। इस फिल्म में इमरान पुलिस ऑफिसर के रोल में नजर आ रहे हैं। वहीं अक्षय सुपरस्टार विजय के रोल में दिखाई दे रहे हैं। इसके अलावा वो महेश मांजरेकर की फिल्म 'वेदत मराठे' में भी नजर आएंगे।

करियर की शुरुआत में अमिताभ को ऊंट बुलाते थे लोग

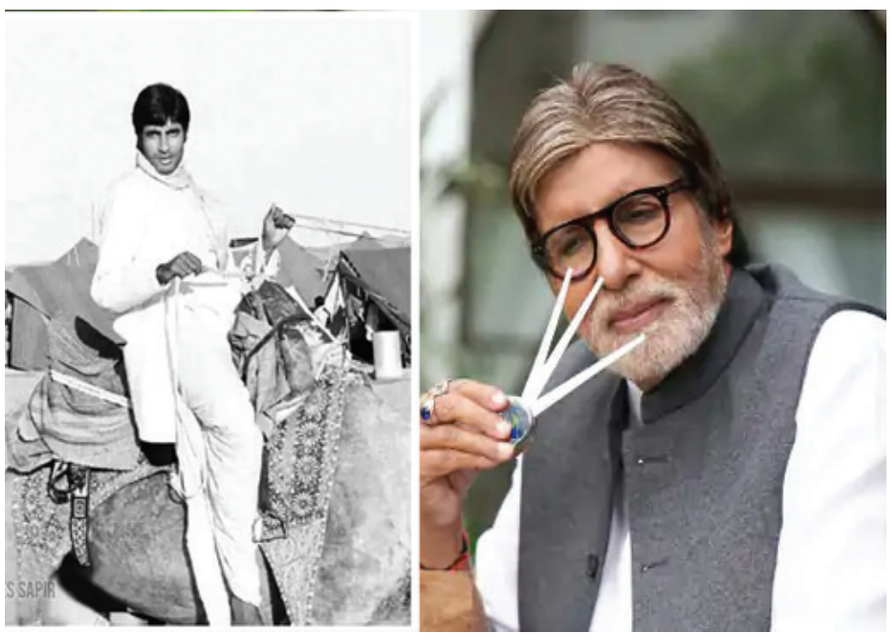

थ्रोबैक फोटो शेयर कर कहा- शुक्र है ये टाइटल कई और लोगों ने ले लिया

सदी के महानायक अमिताभ बच्चन करियर की शुरुआत से ही अपनी हाइट को लेकर हमेशा सुर्खियों में रहते थे। इतना ही नहीं कई बार अपने लंबे कद की वजह से उन्हें फिल्मों में रिजेक्शन का सामना भी करना पड़ा। 06 फरवरी को बिग बी ने सोशल मीडिया पर अपनी थ्रो-बैक फोटो शेयर करते हुए दिनों को याद किया।

दरअसल अमिताभ ने ब्लैक एंड व्हाइट फोटो शेयर की, जिसमें वो ऊंट पर बैठे हुए नजर आ रहे हैं। बैकग्राउंड में फिल्म का सेट लगा हुआ है। अमिताभ ने पोस्ट के कैप्शन में बताया कि जब वो फिल्मों में नए-नए आए थे, तो लोग उन्हें ऊंचे कद की वजह से ऊंट बुलाया करते थे।

सौभाग्य से मेरा ऊंट का टाइटल कई अन्य लोगों ने ले लिया है- अमिताभ

अमिताभ ने कैप्शन में लिखा- 1969 में जब मैं फिल्मों में आया तो सभी मुझे ऊंट कहते थे। मैंने सोचा कि मैं इस बात को सही ठहराऊंगा और जाकर एक ऊंट पर चढ़ गया। ये मेरी दूसरी फिल्म 'रेशमा और शेरा' की फोटो है। लोकेशन पोचीना, जो कि जैसलमेर से मीलों दूर रेगिस्तान में है। सौभाग्य से लोग मुझे अब ऊंट नहीं बुलाते हैं, क्योंकि अब यह टाइटल कई कई दूसरे लोगों ने ले लिया है।'

कमेंट सेक्शन में एक यूजर ने लिखा- सर आपको हरियाणा के देहाती इलाकों में लंबू बुलाते हैं। लोग कहते हैं- लंबू की फिल्म देखी कल, बढ़ा मजा आया।'दूसरे यूजर ने कहा- 'श्रीमान उन लोगों ने सही नाम दिया था अपको, क्योंकि जैसे ऊंट बिना रुके बिना थके रेगिस्तान की ऊंचाइयों को हासिल करता है वैसे ही आपने बॉलीवुड की ऊंचाइयों को हासिल किया है।'

तीसरे यूजर ने लिखा- 'मेरे अंकल युसूफ यानी दिलीप साहब के फैन थे। इसलिए वो आपके बारे में बताने के लिए यही शब्द इस्तेमाल करते थे। इस कारण मैं उनसे हमेशा लड़ता था। वो क्या दिन थे।'

अमिताभ बच्चन कुछ समय पहले फिल्म ऊंचाई में नजर आए थे। सूरज बड़जात्या के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में बोमन ईरानी, अनुपम खेर, नीना गुप्ता, सारिका और परिणीति चोपड़ा ने भी अहम भूमिका निभाई थी। फिल्म चार दोस्तों की लाइफ पर बेस्ड थी। वर्कफ्रंट की बात करें तो बिग बी प्रभास और दीपिका के साथ प्रोजेक्ट के और प्रभास और कृति सेनन स्टारर आदिपुरुष में नजर आएंगे।

नवाजुद्दीन के वकील ने वाइफ आलिया पर लगाए आरोप

बोले- नवाज से शादी के बाद भी नहीं लिया पहले पति से तलाक

नवाजुद्दीन सिद्दीकी और उनकी वाइफ आलिया के बीच शुरू हुआ विवाद खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। मां और पत्नी के बीच चल रहे विवाद की वजह से नवाज ने अपने घर से दूरी बना ली है। विवाद खत्म ना होने तक उन्होंने घर से दूर रहने का फैसला लिया है। इस बीच 6 फरवरी को नवाज के वकील ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर उनकी पत्नी आलिया को लेकर कई खुलासे किए हैं।

इस दौरान नवाज के वकील नदीम जफर दावा किया आलिया का असल नाम अंजली कुमारी है। नवाज से पहले उन्होंने विनय भार्गव से शादी की थी। इसके बाद मुंबई आकर उन्होंने अपना नाम अंजना पांडे रख लिया। कुछ समय बाद उन्होंने अपना नाम दोबारा बदलकर अंजाना आनंद रख लिया। बाद में उन्होंने अपना नाम दोबारा बदलकर अंजना आनंद कर लिया। वकील ने बताया कि बाद में उन्होंने धर्म बदलकर जैनब रख लिया।

इसके बाद उन्होंने नवाजुद्दीन से शादी की, लेकिन 2011 में दोनों आपसी सहमति से अलग हो गए। वकील ने बताया कि जब नवाज का करियर पटरी पर आ गया तो उन्होंने तो आलिया फिर उनकी जिंदगी में आ गईं।

वकील ने कहा- 'आलिया ने साल 2020 में नवाजुद्दीन को फिर से तलाक का नोटिस भेजा, लेकिन

ये नोटिस मायने नहीं रखता है। दोनों काफी पहले ही अलग हो चुके हैं। इस दौरान वकील ने ये दावा भी किया कि नवाज से शादी के बावजूद आलिया ने अभी तक पहले पति विनय भार्गव को तलाक नहीं दिया है।

वकील ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में ये भी दावा किया कि आलिया ने अपनी 8वीं की मार्कशीट में फर्जी तरीके से अपनी डेट ऑफ बर्थ भी बदलवाई है। उनका दावा है कि मार्कशीट में उनकी डेट ऑफ बर्थ 1979 है, जबकि पासपोर्ट पर 1982 लिखा है।

मां और आलिया के बीच प्रॉपर्टी को लेकर चल रहा विवाद

दरअसल आलिया और नवाज की मां में प्रॉपर्टी को लेकर विवाद चल रहा है, जिसकी वजह से ये मामला पुलिस तक पहुंच गया है। कुछ दिनों पहले नवाज की मां ने आलिया के खिलाफ शिकायत भी दर्ज कराई थी। नवाजुद्दीन सिद्दीकी के खास दोस्त ने खुलासा करते हुए बताया है कि नवाज तब तक होटल में रहेंगे, जब तक उनके वकील घर के लीगल इशू का हल नहीं निकाल लेते हैं। बता दें कि नवाज अपने सपनों के महल में पिछले साल ही शिफ्ट हुए थे।

कुछ दिनों पहले ही मुंबई कोर्ट ने नवाज को नोटिस भेजा था। दरअसल आलिया के वकील ने दावा किया था कि वो उनकी कानूनी रूप से शादीशुदा पत्नी हैं, लेकिन उन्होंने आलिया को घर में कैद करके रखा है। वहां पर बॉडीगार्ड भी हैं, जो आलिया को बाथरूम तक जाने के से रोक रहे हैं। ऐसे में नवाज के ऊपर डोमेस्टिक वायलेंस का मामला बनता है, क्योंकि आलिया को कई दिनों से खाना नहीं मिल रहा है। आलिया के साथ मेंटल, इमोशनल, फिजिकल और फाइनेंशियल अब्यूज हो रहा है।' वर्कफ्रंट की बात करें तो नवाजुद्दीन जल्द फिल्म हड्डी में नजर आ रहे हैं। फैंस उनकी इस फिल्म का इंतजार लंबे समय से कर रहे हैं। इसके अलावा वो फिल्म अद्भुत और टीकू वेड्स शेरू में दिखाई देंगे।

नोरा फतेही ने दुबई में सेलिब्रेट किया अपना बर्थडे

नोरा फतेही ने अपना 31वां बर्थडे सेलिब्रेट किया। इस बर्थडे को उन्होंने दुबई में अपने दोस्तों के साथ मनाया। अब नोरा ने अपने बर्थडे सेलिब्रेशन की एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर की है, जिसमें वो अपनी गर्ल गैंग के साथ मस्ती करते हुए नजर आ रही हैं। इस वीडियो में नोरा कलरफुल फ्लॉवर प्रिंट स्कर्ट और टॉप पहने हुए शिप पर बेली डांस कर रही हैं। वहीं उनकी गर्ल गैंग उन्हें चीयर कर रही है।

नोरा ने इस वीडियो को शेयर करते हुए लिखा, 'मैं अंटेशन पाना चाहती थी, लेकिन अंटेशन ने मुझे पा लिया।' अब नोरा के इस वीडियो को देखने के बाद फैंस से लेकर सेलेब्स तक उन्हें बर्थडे विश कर रहे हैं। वहीं कुछ उनके डांस परफॉर्मेंस की तारीफ भी कर रहे हैं। नोरा ने इसके बाद फैंस के साथ सोशल मीडिया पर स्टोरी शेयर कर बर्थडे की इनसाइड फोटोज भी शेयर की हैं। इसमें वो अपने दोस्तों के साथ केक काटती हुई दिखाई दे रही हैं।

नोरा इंडस्ट्री में अपनी डांसिंग स्किल्स और फैशन सेंस के लिए जानी जाती हैं। पिछले साल दिसंबर में, नोरा ने दोहा, कतर में फीफा वर्ल्ड कप 2022 की क्लोजिंग सेरेमनी में परफॉर्मेंस दी थी। वर्क फ्रंट की बात करें तो नोरा को आखिरी बार मलाइका अरोड़ा के रियलिटी शो 'मूविंग इन विद मलाइका' के एक एपिसोड में देखा गया था। इसके अलावा वो सिद्धार्थ मल्होत्रा की फिल्म 'थैंक गॉड' में भी दिखाई दी थीं। नोरा 2021 से 200 करोड़ के मनी लॉन्ड्रिंग केस में फंसी हुई हैं। इस केस में नोरा सरकारी गवाह बन चुकी हैं। इस केस में नोरा के अलावा कई एक्ट्रेसेस का नाम शामिल है, जैसे जैकलीन, चाहत खन्ना, आदि।

आर माधवन पर लगा मुस्लिम विरोधी होने का आरोप

मुस्लिम बहुविवाह को लेकर किया था जोक, लोगों ने कहा-अच्छा एक्टर होना अच्छे इंसान होने की गारंटी नहीं है

आर माधवन का एक पुराना वीडियो वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में उन्होंने इनडायरेक्टली मुस्लिम बहुविवाह को लेकर मजाक बनाया है। माधवन उस वीडियो में कहते हैं, 'एक डॉक्टर जिसका नाम मनु है, उसके पास एक मरीज अब्दुल का फोन आता है, अब्दुल डॉक्टर मनु से कहता है कि उसकी पत्नी के पेट में दर्द है और उसे ऑपरेशन की जरूरत है। डॉक्टर जब अब्दुल की पत्नी का जांच करते हैं तो पता चलता है कि उन्हें अपेंडिक्स की बीमारी है। डॉक्टर मनु उसकी पत्नी का ऑपरेशन करके अपेंडिक्स निकाल देते हैं।

कुछ दिनों बाद डॉक्टर के पास फिर से अब्दुल का फोन आता है और कहता है कि उसकी पत्नी को दोबारा अपेंडिक्स हो गया है। डॉक्टर मनु ये सुनकर गुस्सा हो जाते हैं और अब्दुल से कहते हैं कि एक इंसान की बॉडी में सिर्फ एक ही अपेंडिक्स हो सकती है। इस पर अब्दुल कहता है कि एक इंसान के अंदर दो अपेंडिक्स नहीं हो सकते लेकिन एक इंसान की दो बीवियां तो जरूर हो सकती हैं।' माधवन के इस जोक पर कॉन्फ्रेंस हॉल में मौजूद लोग हंसने लगते हैं।

सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होते लोग आर माधवन को ट्रोल कर रहे हैं। कुछ यूजर्स ने माधवन को मुस्लिम विरोधी कहा है। वीडियो पर कमेंट करते हुए एक यूजर ने लिखा, 'आपसे ये उम्मीद नहीं थी। लोग सही कहते हैं कि एक अच्छा एक्टर कभी एक अच्छा इंसान नहीं हो सकता।'वहीं एक यूजर ने लिखा, 'सोचिए अगर किसी मुस्लिम एक्टर ने बहुसंख्यकों को ऐसे मजाक बनाया होता तो क्या होता, लेकिन ये आदमी अल्पसंख्यकों का मजाक बनाता है और सोचता है कि ऐसा करना फनी है।' वहीं एक अन्य यूजर ने लिखा, 'अब्दुल और मनु के बजाय, यहां बिना किसी का नाम भी लिए भी बात कही जा सकती थी। कौन हैं वो लोग जो इनकी बातों को सुन रहे हैं।' आर माधवन की गिनती फिल्म इंडस्ट्री के सबसे टैलेंटेड एक्टर्स में होती है। उन्होंने अपने करियर में 3 इडियट्स, रंग दे बसंती, तनु वेड्स मनु, विक्रम वेधा और अभी हाल ही में रिलीज रॉकेट्री में काम किया है। ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त हिट हुई थी।

क्या आपके क्रश को प्रपोज करने के लिए हैं तैयार?

हर साल प्रपोज डे 8 फरवरी को मनाया जाता है. रोज डे के बाद प्रपोज डे प्रेमी प्रेमिकाओं के लिए बेहद स्पेशल दिन होता है. इस दिन लड़का या लड़की एक दूसरे को प्रपोज करते हैं और अपने दिल का हाल बताते हैं. ऐसे में यदि आप अपने पार्टनर को प्रपोज करने जा रहे हैं तो यहां दिए गए तरीके आपके बेहद काम आ सकते हैं. आज का हमारा लेख इसी विषय पर है. आज हम आपको अपने इस लेख के माध्यम से बताएंगे कि अपने पार्टनर को प्रपोज करने के लिए आप कौन से तरीकों को अपनाएं. पढ़ते हैं आगे

अपने पार्टनर को कैसे करें प्रपोज

पुराने जमाने में जब भी दिल की बात किसी को बतानी होती थी तो लोग लेटर यानी खतों का इस्तेमाल करते थे. ऐसे में आप भी इस तरीके को अपना सकते हैं. पुराना यह तरीका आजकल की मॉडल लड़कियों को भी इंप्रेस कर सकता है.

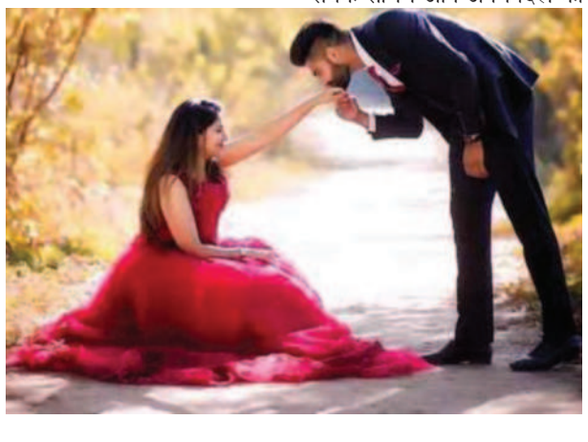

यदि आप किसी लड़की को प्रपोज करना चाहते हैं तो आप अकेले में ना प्रपोज करके उसे सबके सामने प्रपोज कर सकते हैं. सबके सामने आप अपने दिल की बात अगर अपने पार्टनर को बताएंगे तो इससे ना केवल आपके पार्टनर को स्पेशल फील होगा बल्कि आपके पार्टनर को इस बात पर यकीन होगा कि आप उसे सच में प्यार करते हैं.

जब आप अपने पार्टनर को प्रपोज करें तो आप फिल्मी स्टाइल में प्रपोज कर सकते हैं. उदाहरण के तौर पर आप उनके सामने फिल्म की प्रसिद्ध जोड़ियां का कोई प्ले एक्ट कर सकते हैं और उस दौरान आप अपने पार्टनर को प्रपोज कर सकते हैं. आप अपनी बातों को प्रपोज करने के लिए कोई शांत जगह का चुनाव कर सकते हैं. ऐसी शांत भरी जगह पर ले जाकर आप आप अपने दिल की बात अपने पार्टनर को बता सकते हैं.

जिस पौधे को घर में लगाने की है मनाही...! उसी पौधे का तेल लंबे-घने करेगा आपके बाल

अक्सर अपने वास्तुशास्त्र वालों से कहते सुना होगा कि घर में कैक्टस का पौधा नहीं रखना चाहिए. लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह पौधा एक अच्छी औषधि के रूप में काम आ सकता है. इस पौधे का तेल यदि बालों पर लगाया जाए तो बालों की कई समस्याएं दूर हो सकती हैं. ऐसे में लोगों को इन समस्याओं के बारे में पता होना जरूरी है. आज का हमारा लेख इसी विषय पर है. आज हम आपको अपने इस लेख के माध्यम से बताएंगे कि कैक्टस ऑयल को बालों में लगाने से क्या-क्या फायदे हो सकते हैं. पढ़ते हैं आगे

बालों में लगाएं यह तेल

यदि आप बालों को बढ़ाना चाहते हैं तो उनकी ग्रोथ के लिए आप कैक्टस तेल अपने बालों में लगा सकते हैं. कैक्टस ऑयल के अंदर विटामिन सी पाया जाता है. साथ ही इसके अंदर फैटी एसिड्स मौजूद होते हैं जो बालों को बढ़ाने में आपके काम आ सकते हैं.

यदि आप जड़ों की खुजली से परेशान हैं तो ऐसे में आप कैक्टस ऑयल का इस्तेमाल कर सकते हैं. कैक्टस ऑयल के अंदर एंटीफंगल और एंटीबैक्टीरियल गुण मौजूद होते हैं जो बैक्टीरियस को मारकर खुजली को दूर कर सकते हैं.

यदि आप डैंड्रफ को कम करना चाहते हैं ऐसे में बता दें कि कैक्टस ऑयल रूसी को कम करने में आपके बेहद काम आ सकता है. इससे मिलने वाले पोषक तत्व न केवल जड़ों की रूखेपन को दूर कर सकते हैं बल्कि डैंड्रल से भी राहत दिला सकते हैं.

यदि आप बालों को मजबूत बनाना चाहते हैं तो ऐसे में आप कैक्टस ऑयल का इस्तेमाल कर सकते हैं. कैक्टस ऑयल के अंदर फैटी एसिड पाए जाते हैं जो न केवल बालों को मजबूत बनाए रखने में मददगार साबित हो सकते हैं बल्कि यदि इससे जड़ों की मसाज की जाए तो कमजोर बाल टूटने भी बंद हो सकते हैं.

आपको रिजेक्ट करने के पीछे क्या कारण

एक ग्रुप में एक लड़की और दो लड़के थे. तीनों ही बहुत अच्छे दोस्त थे. दोनों लड़कों को उस लड़की से प्यार था. दोनों ने एक ही समय पर लड़की को प्रपोज किया. लेकिन लड़की ने केवल एक लड़के को उसकी आदतों के आधार पर चुना. ऐसे में लोगों को पता होना चाहिए कि कौन सी वह आदतें हैं जिनके आधार पर लड़कियां लड़कों का चुनाव करती हैं. आज का हमारा लेख इसी विषय पर है. आज हम आपको अपने इस लेख के माध्यम से बताएंगे कि आदतों के चलते लड़कियां लड़कों का चुनाव करती हैं. पढ़ते हैं आगे...

किन आदतों से इंप्रेस होती हैं लड़कियां

जो लड़के डबल फेस लेकर नहीं चलते. जैसे हैं वैसे ही बने रहते हैं. कोई दिखावा नहीं करते हैं. उन लड़कों से लड़कियां जल्दी इंप्रेस होती हैं. ऐसे में आप भी हमेशा अपने पार्टनर को सच्चाई दिखाएं. दिखावेपन से दूर रहें और डबल फेस से बचें.

जो लड़के वर्तमान में जीते हैं और भविष्य पर विचार करते हैं उन लड़कों से भी लड़कियां काफी इंप्रेस रहती हैं. वहीं जो लड़के पिछली बातों को लेकर बैठे रहते हैं और अपने भविष्य वर्तमान को व्यर्थ जाने दे रहे हैं उन लड़कों से लड़कियां दूरी बनाना शुरू कर देती हैं.

कुछ लड़कों की आदत होती है कि वह अपने पार्टनर को खुश करने के लिए जरूरत से ज्यादा ही उनके सामने झुक जाते हैं. ऐसे पार्टनर भी लोगों को कम पसंद आते हैं. ऐसे में ज्यादा विनम्रता भी सही नहीं होती है. कभी-कभी ज्यादा झुकाव भी दिलचस्पी खत्म कर देता है. लड़कियों को वह लड़की ज्यादा पसंद आते हैं जो आत्मविश्वास से भरे होते हैं और सकारात्मक सोच रखते हैं. नकारात्मक बातें करने वाले लड़के लड़कियों को कम पसंद आते हैं. ऐसे में आप अगर किसी लड़की के साथ डेट पर जा रहे हैं उसे प्रपोज करने वाले हैं तो नकारात्मक बातें ना करें सकरात्मक बातों से लड़कियां जल्दी इंप्रेस होती हैं।

अपने बच्चों पर उल्टे व्यवहार से सीधे प्रभाव की उम्मीद कैसे कर सकते हैं?

अभिभावक हों या परिचित, परिजन अथवा दोस्त, भाई-बहन, अगर बच्चे को मारते हैं, ताना देते हैं, उसका मज़ाक उड़ाते हैं, उसे बार-बार टोककर सोचते हैं कि ऐसे व्यवहार से वो जीना सीखेगा, ज़िंदगी की कड़वाहटों से बचना सीख जाएगा, तो एक बार फिर इस मुद्दे पर विचार करके देखिए।

पिटाई : जिस बच्चे को मारा जाता है, उसका कौशल ख़त्म हो जाता है, वह भीरू बन जाता है।

माता-पिता अपने बच्चों में अनुशासन, अच्छा व्यवहार, एक अच्छी समझ व उनकी पढ़ाई के लिए अक्सर पिटाई का माध्यम अपनाते हैं। उन्हें बच्चों को किसी बात को समझाने के लिए पिटाई करना आसान लगता है। उन्हें लगता है कि इससे उनके बच्चों में अच्छे काम के लिए सजगता पैदा होगी। परंतु ऐसा नहीं है। माता-पिता के ऐसे व्यवहार से बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य सहित समग्र विकास पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है और वे अपना कौशल, ख़ूबियां खोने लगते हैं। एक शोध के अनुसार, बच्चे को मारने-पीटने से उनके निर्णय लेने की क्षमता प्रभावित होती है। उनके सामाजिक और भावनात्मक विकास पर भी असर पड़ता है और इसी कारण वे भविष्य में स्वयं के व्यवहार और मानसिक स्वास्थ्य को लेकर दुविधा की स्थिति में रहते हैं।

यह उनके आत्मविश्वास को भी प्रभावित करता है। बच्चों की बार-बार पिटाई करने से उनकी सोच में नकारात्मकता विकसित होती है, जैसे 'मैं बहुत अच्छा/अच्छी नहीं हूं!', 'कोई मुझे प्यार नहीं करता', 'मैं किसी काम का/की नहीं हूं', 'मुझे किसी के साथ कुछ भी साझा नहीं करना चाहिए।' यह आगे चलकर उनकी क्षमता पर सवाल खड़े कर सकता है और भविष्य में उन्हें प्रगति करने से रोक सकता है। वो कुछ भी कार्य करते हैं तो उसमें अच्छा प्रदर्शन न कर पाने की चिंता बनी रहती है, वे विचलित रहते हैं और उनमें ग़लतियां करने का डर हमेशा बना रहता है। इस कारण वे भावनात्मक रूप से ख़ुद को अकेला पाते हैं और हमेशा भयभीत रहते हैं।

उदासीनता : जिस बच्चे की तारीफ़ नहीं की जाती वह ख़ुद को पसंद करना छोड़ देता है। सच्ची प्रशंसा करना बहुत आवश्यक है। इससे काम के प्रति उत्साह बढ़ता है। बच्चों के लिए तो यह विकास की औषधि ही है। प्रशंसा से बच्चे प्रोत्साहित होते हैं और उनमें चुनौतियों को स्वीकारने की क्षमता विकसित होती है। धैर्य के साथ कठिन से कठिन कार्यों को करने का दृष्टिकोण तैयार होता है, इसलिए उनकी सराहना करना, उन्हें प्रेरित करना उनमें नया आत्मविश्वास पैदा करेगा। बच्चों के कठिन क्षणों में उनमें आत्मविश्वास जगाना बहुत ज़रूरी है, उन्हें ऐसे समय में भी अच्छाई देखने की क्षमता विकसित करनी होगी। उन्हें विश्वास दिलाएं कि वे बड़ी हिम्मत के साथ मुश्किल का सामना करने में सक्षम हैं।

अविश्वास : जिस बच्चे पर माता-पिता का भरोसा नहीं किया जाता है, वह विद्रोही बन जाता है और कुछ काम न करने की ठान लेता है। कई माता-पिता बच्चे पर विश्वास नहीं करते। उन्हें लगता है कि वह शरारत या ग़लती करेगा ही। वे बच्चे को 'सही रास्ते' पर रखने के लिए दंडात्मक प्रक्रिया अपनाते हैं, हमेशा ऊंची आवाज़ में ही उससे बात करते हैं। ऐसा करके उन्हें लगता है कि बच्चा नियंत्रण में रहेगा। परंतु उन्हें यह नहीं पता कि ऐसा करने से बच्चा विद्रोही बन सकता है और कुछ काम न करने की ठान सकता है। इसलिए समझना होगा कि हर काम करना सिखाने के बजाय बच्चे में काम के प्रति लगन और निष्ठा बनने दें। अपनी शक्ति दिखाने की जगह, उसकी शक्ति के विकास में मदद करें।

उपहास : जिस बच्चे का मज़ाक़ बनाया जाता है, उसका आत्मविश्वास ख़त्म हो जाता है। माता-पिता के साथ बच्चों का रिश्ता विश्वास और सुरक्षा पर टिका होता है क्योंकि बच्चे भी अपने माता-पिता को देखते हैं कि वे उनकी बातों को मान्यता देना चाहते हैं या नहीं। जब माता-पिता बच्चे की क्षमता पर भरोसा करते हैं और ऐसा बच्चों को भी सिखाते हैं कि वे ख़ुद पर भरोसा करना सीखें। जब अपने माता-पिता के द्वारा वे स्वयं को सम्मानित होता देखते हैं तो उनको ख़ुद पर एक सकारात्मक विश्वास होता है। यदि बच्चों को डांट पड़ती है या उनकी क्षमता पर माता-पिता भरोसा नहीं दिखाते, तो बच्चे भावनात्मक रूप से विकास नहीं कर पाते और इसके परिणामस्वरूप वे आसानी से नई चुनौतियों का सामना करने के लिए हिम्मत नहीं जुटा पाते।

तानाकशी : जिस बच्चे को ताना मारा जाता है वह कोशिश करना छोड़ देता है। हमेशा तंज़ करके बात करने या ताना मारने से बच्चे अपनी ज़रूरतों, पसंद और नापसंद को दबाते हैं और ख़ुद को अभिव्यक्त नहीं कर पाते। इस कारण उनके निर्णय लेने की क्षमता भी विकसित नहीं हो पाती है। भविष्य में वे नई चीज़ों को सीखने, नई चुनौतियों को स्वीकार करने के लायक़ ख़ुद को तैयार नहीं कर पाते हैं। जब आप बच्चों को हर छोटी-छोटी बात पर डांटेंगे या ताना देंगे, तो वे कोई भी नई चीज़ करना चाह भी रहे होंगे तो डांट या असफल होने पर ताने मिलने के डर से ख़ुद को संकुचित करने लगेंगे और उनमें हार मानने, किसी कार्य को करने से पहले ही हिम्मत न जुटा पाने की प्रवृत्ति पैदा होगी। इसलिए बच्चों को स्वतंत्रता देना अत्यंत महत्वपूर्ण है। बच्चों को नई ज़िम्मेदारियां देना, उनके साथ बैठकर बात करना, उन्हें ख़ुद की ग़लतियों से सीखने के लिए प्रेरित करना, सीखने के लिए नए अवसर देना और उनका सम्मान करना बहुत ही महत्वपूर्ण है।

तभी आपके बच्चे ख़ुद को निखारने के लिए आगे बढ़ सकते हैं। बच्चे खुलकर जिएं इसके लिए माता-पिता का उचित व्यवहार बहुत आवश्यक है।

सुबह की सही शुरुआत से दिन बनेगा बेहतर

आंख खुलने के बाद आरंभिक 15 मिनट में हम क्या करें कि पूरे दिन की सही शुरुआत हो

एक अच्छे दिन की शुरुआत एक अच्छी सुबह से होनी चहिए और एक अच्छी सुबह की शुरुआत कुछ अच्छी आदतों के साथ। सुबह की कुछ आदतों को अपनाकर हमारे लिए अपने मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना आसान हो सकता है। जैसे ही आप जागते हैं, आप जो भी निर्णय लेते या सोचते हैं वह आपके मस्तिष्क की इच्छाशक्ति के भंडार में समाहित हो जाता है। तो आइए जानते हैं कुछ ऐसी आदतों के बारे में जिन्हें आप सुबह उठने के तुरंत बाद की दिनचर्या में शामिल कर सकते हैं।

अलार्म बंद कर दोबारा न सोएं

अक्सर लोग मोबाइल में अलार्म सेट करते हैं फिर सुबह उसे बंद करके दोबारा सो जाते हैं। यह दिनचर्या को अनियमित करता है इससे बचने के लिए मोबाइल के बजाय अलार्म घड़ी का इस्तेमाल करना बेहतर है। अपनी अलार्म घड़ी को आप बिस्तर से दूर रखें क्योंकि आपको इसे बंद करने के लिए बिस्तर से उठना होगा।

बिस्तर से झटके से न उठें

सुबह उठते समय बाईं या दाईं करवट लेकर उठें। इससे कमर को बेवजह पड़ने वाले दबाव से बचाया जा सकता है। सुबह-सवेरे पहले एक-दो मिनट उठने के बाद कुछ देर बिस्तर पर बैठे रहें ताकि शरीर रिलैक्स हो सके। हड़बड़ाकर जल्दबाजी में उठने से बचें। पूरे शरीर में सही रक्त संचार होने दें।

उठते ही फोन चेक न करें

हर बार जब हम अपने फोन को चेक करते हैं, विशेष रूप से लंबे समय तक दूर रहने के बाद, जैसे सुबह सोकर उठने के बाद, तो हम तनाव को अपने मस्तिष्क में आमंत्रित करते हैं।

फोन में रोज़मर्रा से जुड़े बहुत सारे तनाव के कारण हैं जैसे समाचार सूचनाएं, बैंक-खाते की शेष राशि और टेक्स्ट जो तुरंत हमारा ध्यान खींचते हैं। इससे हमारे कुछ मिनट कई बार घंटे में बदल जाते हैं। इसलिए हमें कम से कम सुबह के पहले घंटे में फोन के इस्तेमाल से बचना चाहिए।

बिस्तर पर आराम से बैठें

उठते ही काम करने के लिए दौड़ने के बजाय जागने के बाद कम से कम 5 मिनट के लिए बिस्तर पर बैठें। आंखें बंद कर शरीर और दिमाग को आराम देने के लिए ध्यान लगाने की कोशिश करें। 5 मिनट बाद अपनी हथेलियों को रगड़कर 3 बार आंखों पर लगाएं और फिर बिस्तर से उठें।

सुबह उठते ही पैर ज़मीन पर न रखें

सुबह उठते ही पैर सीधे जमीन पर नहीं रखना चाहिए, क्योंकि जब हम सोते है तो अपने पैरों को चादर या रजाई से ढककर सोते हैं। इसके कारण पूरे शरीर की गर्मी बढ़ जाती है। पैर भी गर्म हो जाते हैं, ऐसे में यदि हम सुबह गर्म पैर एकदम ठंडी जमीन पर रख देंगे तो सेहत को नुक़सान हो सकता है।

सूरज की रोशनी का प्रवेश

सुबह की शुरुआत के लिए घर में सूरज की रोशनी के आने से सकारात्मक ऊर्जा मन में आती है। इसलिए सुबह बिस्तर से उठने के बाद खिड़कियों के पर्दे खोल दें।

आंख और चेहरा धोएं

बिस्तर से उठने के बाद आंखों और चेहरे पर ठंडे पानी के छींटे मारें। इससे आपकी आंखों और त्वचा को स्वस्थ रखने में मदद मिलेगी। यह चेहरे को मुंहासों से भी बचाता है।

एक या दो गिलास पानी पिएं

हम सभी जानते हैं कि पूरे दिन हाइड्रेटेड रहने के लिए पानी आवश्यक है। इसलिए सुबह खाली पेट एक-दो गिलास पानी पीना इस पूरी प्रक्रिया को आगे बढ़ाता है। ऐसा करने से पेट ठीक रहता है, त्वचा में चमक आती है। यह एसिडिटी और कब्ज से भी राहत देता है।

स्ट्रेचिंग करना चाहिए

सुबह-सुबह हमारे शरीर में जकड़न महसूस होती है। शरीर को जकड़न मुक्त कर मांसपेशियों को लचीला बनाने के लिए सुबह उठने के बाद 1 से 2 मिनट स्ट्रेचिंग वाले व्यायाम करना चाहिए।

इससे तनावग्रस्त मसल्स को आराम पहुंचता है एवं रक्तसंचार सही रहता है। अगर शरीर में कोई स्वास्थ्य समस्या नहीं है तो बिस्तर से उठकर ज़मीन पर खड़े होने के बाद 1 मिनट तक अपनी जगह पर खड़े होकर हल्का-फुल्का कूद भी सकते हैं।

ऋणदाताओं के आवेदन पर एनसीएलटी ने बोलीकर्ता को नोटिस भेजा, अगली सुनवाई नौ को

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। एनसीएलटी (नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल) ने रिलायंस कैपिटल के रिजोल्यूशन प्लान के तहत बोली लगाने वाली कंपनी टोरेंट इन्वेस्टमेंट्स को नोटिस जारी की है। यह नोटिस ऋणदाताओं के आवेदन के बाद जारी किया गया है। मामले में अगली सुनवाई 9 फरवरी को होगी। रिलायंस कैपिटल के एक ऋणदाता की याचिका पर राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने मंगलवार को टॉरेंट इन्वेस्टमेंट्स और अन्य प्रतिवादियों को नोटिस जारी किया। याचिका में कर्ज में डूबी कंपनी के दिवाला समाधान प्रक्रिया के तहत दूसरे दौर की वित्तीय बोलियों की अनुमति देने की अपील की गई है। एनसीएलएटी के चेयरपर्सन अशोक भूषण की अगुवाई वाली दो सदस्यीय पीठ ने नोटिस जारी कर प्रतिवादियों को तीन दिन में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। अपीलीय न्यायाधिकरण ने याचिका को नौ फरवरी, 2023 के लिए सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया है। न्यायाधिकरण ने कहा कि वह इस मामले की सुनवाई कर निर्णय सुनाएगा। रिलायंस कैपिटल की ऋणदाताओं की समिति (सीओसी) में एक विस्त्रा आईटीसीएल (इंडिया) लिमिटेड ने राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) के एक आदेश के खिलाफ एनसीएलएटी में अपील की है। बीते दो फरवरी को एनसीएलटी की मुंबई पीठ ने अनिल अंबानी प्रवर्तित रिलायंस कैपिटल (आरसीएपी) के अधिग्रहण के लिए नए दौर की नीलामी की अनुमति देने से इनकार करते हुए कहा था कि वित्तीय बोलियों के लिए 'चुनौती तंत्र' पहले ही समाप्त हो चुका है।

अडाणी एंटरप्राइजेज 15% और विल्मर 5% चढ़ा

पावर, गैस और ट्रांसमिशन में 5% की गिरावट; सेंसेक्स 220 अंक टूटा

मुंबई, 7 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार में हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन, यानी मंगलवार (7 फरवरी 23) को गिरावट देखने को मिली। सेंसेक्स 220 अंकों की गिरावट के साथ 60,286 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी भी 50 अंक गिरकर 17,714 के स्तर पर आ गया है। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 21 शेयरों में गिरावट और सिर्फ 9 शेयरों में तेजी रही।

अडाणी एंटरप्राइजेज में 15% चढ़ा

बाजार की गिरावट के बीच अडाणी ग्रुप की कंपनियों के शेयरों में जबरदस्त तेजी देखने को मिली। अडाणी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडाणी एंटरप्राइजेज का शेयर 15% की तेजी के साथ 1,813 रुपए पर बंद हुआ। इससे पहले यह शेयर 13 दिन में करीब 55% तक टूटा था।

वहीं अडाणी विल्मर 5% चढ़ा।इसके अलावा अडाणी ग्रुप की हाल ही में खरीदी गई कंपनी एनडीटीवी में 0.44% , एसीसी में 1.14% और अंबुजा सीमेंट में 2.16% की तेजी आई है। हालांकि, अडाणी टोटल गैस, पावर और ग्रीन 5% टूटा है। 24 जनवरी को हिंडनबर्ग की रिपोर्ट सामने आने के बाद से अडाणी ग्रुप के शेयरों में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है।

ऑटो और एफएमसीजी सेक्टर में 1% की गिरावट

एनएसई के 11 सेक्टोरल इंडेक्स में से 7 में गिरावट देखने को मिली। एफएमसीजी सेक्टर में सबसे ज्यादा 1.16% की गिरावट रही। वहीं ऑटो सेक्टर में भी 1% की गिरावट दिखी। इसके अलावा आईटी, मीडिया, मेटल, फार्मा, पीएसयू बैंक में भी गिरावट दिखी। केवल निफ्टी बैंक, फाइनेंशियल सर्विस, प्राइवेट बैंक और रियल्टी सेक्टर में मामूली बढ़त रही।

अडाणी पोर्ट का मुनाफा 13% कम हुआ

इस बीच अडाणी पोर्ट एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड (एपीएसईजेडएल) ने आज क्यू 3 वित्तीय वर्ष 23 रिजल्ट की घोषणा की। कंपनी के मुनाफे में 13% की गिरावट दर्ज की गई है। यह एक साल पहले के इसी तिमाही के 1,535 करोड़ रु. के मुकाबले 1,337 करोड़ रुपए रहा। ऑपरेशन से अडानी पोर्ट्स का रेवेन्यू 18% (यओवाई) बढ़कर क्यू 3 वित्तीय वर्ष 23 में 4,786.17 करोड़ रुपए हो गया, जबकि पिछले साल की तीसरी तिमाही में यह 4,071.98 करोड़ रुपए था।

अडाणी ट्रांसमिशन का मुनाफा 78% बढ़ा

अडानी ट्रांसमिशन ने 6 फरवरी को दिसंबर तिमाही के नतीजे जारी किए थे। कंपनी का मुनाफा इस तिमाही में 78% बढ़कर 474.72 करोड़ रुपए हो गया है। ये पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 267 करोड़ रुपए था।

नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष ने कहा-ऑनलाइन गेमिंग को मनी लॉन्ड्रिंग के दायरे में लाना जरूरी

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष डॉ. राजीव कुमार ने कहा कि ऑनलाइन गेमिंग को मनी लॉन्ड्रिंग के दायरे में लाना चाहिए। साथ ही, इसके लिए सख्त नियामक की भी जरूरत है। उन्होंने कहा कि देश में पहले से ही प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) है। सभी ऑनलाइन गेमिंग ऑपरेटरों को इसके दायरे में लाना चाहिए। इसके अलावा, सभी ऑपरेटरों के पास 24 घंटे सातों दिन हेल्पलाइन सहित मजबूत शिकायत निवारण तंत्र भी होना चाहिए, जो ग्राहकों को जिम्मेदार गेमिंग साधनों पर सवालों के जवाब पाने में मददगार हो। राजीव कुमार पहले इंडिया फाउंडेशन के अध्यक्ष हैं। उन्होंने सोमवार को इसी फाउंडेशन की ऑनलाइन गेमिंग पर एक रिपोर्ट जारी की।

रिपोर्ट में कहा गया है कि एक मजबूत नियामक प्रणाली होने से वैध ऑपरेटरों को ऑनलाइन स्किल गेमर्स को बनाए रखने में मदद मिलेगी। ग्राहकों का संरक्षण भी सुनिश्चित होगा और जिम्मेदारी से खेल को बढ़ावा मिलेगा। यह रिपोर्ट विशेषज्ञों व संबंधित पक्षों से बातचीत के आधार पर बनाई गई है।

होटल का बिल नहीं चुकाया, तो लग्जरी गाड़ियां जब्त

19 लाख की भरपाई के लिए 58 लाख की ऑडी-क्रूज बिकेंगी; 14 फरवरी को नीलामी

चंडीगढ़, 7 फरवरी (एजेंसियां)। चंडीगढ़ में होटल बिल की रिकवरी का दिलचस्प मामला सामने आया है। यहां 2 गेस्ट लग्जरी होटल में रुके। 6 महीने खूब मौज-मस्ती की। जब 19 लाख का बिल देने की बारी आई तो खिसकने लगे। यह देख होटल मैनेजमेंट ने उनकी लग्जरी गाड़ियां ऑडी और क्रूज को ही जब्त कर लिया, जिनकी कीमत 58 लाख है।

इस घटना को 5 साल बीत गए, लेकिन वे दोनों अपनी गाड़ियां लेने नहीं आए। अब चंडीगढ़ इंडस्ट्रियल एंड टूरिज्म डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (सीआईटीसीओ) 14 फरवरी यानी वैलेंटाइन डे के दिन इन दोनों लग्जरी गाड़ियों को नीलाम करने जा रहा है।चंडीगढ़ के पॉश सेक्टर 17 में सीआईटीसीओ शिवालिक व्यू के नाम से फाइव स्टार होटल चला रहा है। साल 2018 में यहां अश्विनी कुमार चोपड़ा और रमणीक बंसल नाम के दो कस्टमर आए। वे 6 महीने तक होटल में रहे। उन्होंने यहां खूब मौज-मस्ती की और होटल की हर सुविधा का लुत्फ उठाया। जब उन्होंने चेकआउट किया तो होटल ने उन्हें 19 लाख का बिल थमा दिया। यह बिल देख दोनों की हालत पतली हो गई। पहले तो दोनों ने वहां से खिसकने की कोशिश की, मगर होटल की सिक्योरिटी ने उन्हें पकड़ लिया। जिसके बाद उन्हें बिल भरने को कहा गया। उन्होंने बिल के नाम पर 6-6 लाख के तीन चेक दे दिए। जब होटल ने ये चेक बैंक में जमा किए तो वे बाउंस हो गए। इसके बाद होटल ने उनकी ऑडी क्यू 3 और शेवरले क्रूज गाड़ी को गिरवी रख लिया। इस घटना को पांच साल बीत गए, लेकिन वे गाड़ियां लेने वापस नहीं आए। इसके बाद होटल ने इन्हें बेचकर भरपाई करने की योजना बनाई है।साल 2020 में किराए की भरपाई के लिए सीआईटीसीओ ने रमणीक बंसल को पार्टी बनाते हुए यह केस चंडीगढ़ जिला अदालत में दायर किया था। मामले में मार्च 2021 में कोर्ट सुनवाई के दौरान रिपोर्ट का हवाला दे कहा गया था कि मामले में प्रतिवादी पक्ष (कार मालिक रमणीक बंसल) को भेजे गए समन वापस आ गए थे। घर पर ताला लगा हुआ था और वह किराए पर रहते थे। वहीं दूसरा पता होशियारपुर का था, जहां समन भेजे गए थे।

देश में 7 साल में 90 हजार नए स्टार्टअप बने

रियल एस्टेट सेक्टर में 7 साल में 700 गुना बढ़े प्रॉप-टेक स्टार्टअप

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। कोरोना काल में सोशल डिस्टेंसिंग का प्रचलन बढ़ने के बाद रियल एस्टेट और हाउसिंग कंपनियों ने ऑनलाइन प्रॉपर्टी प्रमोशन और सेल पर ज्यादा ध्यान दिया। यही वजह है कि रियल एस्टेट सेक्टर से जुड़े प्रॉप-टेक स्टार्टअप की संख्या में 2016 के मुकाबले 700 गुना की बढ़ोतरी देखने को मिली है। प्रॉपर्टी कंसल्टेंट एनारॉक की सोमवार को प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक 2016 में जहां देश में महज 2 प्रॉप-टेक स्टार्टअप थे वहीं 2022 के अंत तक इनकी संख्या 1400 से ज्यादा हो गई है। इनमें से 30% जहां प्री-सीड स्टेज में हैं वहीं 56% प्रॉप-टेक स्टार्टअप्स को निवेशकों से अच्छा-खासा फंड मिल रहा है।लगभग 14% प्रॉप-टेक स्टार्टअप फिलहाल मान्यता प्राप्ति की स्टेज में हैं और जल्द ही फंड उगाही की स्टेज में आ जाएंगे। हालांकि देश में कुल अंडर-कंस्ट्रक्शन रियल एस्टेट में हाउसिंग सेक्टर की हिस्सेदारी 84% है, लेकिन अभी प्रॉप-टेक स्टार्टअप में महज 700-800 कंपनियां ही 13% हिस्सेदारी रखती हैं। हाउसिंग कंपनियों के लिए प्रॉप-टेक में अभी काफी गुंजाइश है। भारत का स्टार्टअप इकोसिस्टम दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा इकोसिस्टम है। 2016 में सरकार द्वारा स्टार्टअप इंडिया मुहिम शुरू किए जाने के बाद से 7 साल के भीतर देश में मान्यता प्राप्त स्टार्टअप्स की संख्या में 21 गुना बढ़ोतरी दर्ज की गई है। आज की तारीख तक देश में मान्यता प्राप्त स्टार्टअप की संख्या 90500 से अधिक हो गई है जो कि 2016 में महज 450 थी।

एनारॉक के सीनियर डायरेक्टर प्रशांत ठाकुर ने बताया कि रियल एस्टेट सेक्टर ने कोविड के बाद टेक्नोलॉजी को तेजी से अपनाया है। प्रॉप-टेक की संख्या 200% सालाना की दर से बढ़ी है। इससे ग्राहकों को प्रॉपर्टी खोजने के लिए बहुत ज्यादा भटकना नहीं पड़ता। फोर्ब्स के आंकड़ों के मुताबिक 90% उपभोक्ता ऑनलाइन प्रॉपर्टी सर्च करते हैं और 51% ऑनलाइन खरीदारी तक पहुंचते हैं।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह	स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मकर	में	मकर-	04-57 बजे
चंद्र-	सिंह	में	कुंभ -	07-07 बजे
मंगल	वृष	में	मीन...	08-46 बजे
बुध-	मकर	में	मेष--	10-22 बजे
गुरु-	मीन	में	वृष--	12-06 बजे
शुक्र-	कुंभ	में	मिथुन..	14-06 बजे
शनि-	कुंभ	में	कर्क...	16-19 बजे
राहु-	मेष	में	सिंह...	18-31 बजे
केतु-	तुला	में	कन्या..	20-36 बजे
			तुला	22-43 बजे
			वृश्चिक.	00-53 बजे
			धनु.....	03-07 बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत् **-1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् **-5123** वर्ष सूर्य-उत्तरायणे
कल्पारंभ संवत् **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,** हिजरी सन् **-1443**
ऋतु-शिशिर **दिशाशूल-** उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- तृतीया- **06 -23** पूर्ण दिनरात तक
मास - फाल्गुन कृष्ण पक्ष , बुधवार **Feb 08**
नक्षत्र - पूर्वाफाल्गुनी - **20 -14** तक उपरान्त उ.फाल्गुनी
योग - अतिगण्ड-**16 - 29** - तक उप सुकर्मा
करण- वणिज - **17 - 28** - तक उप- विष्टि
विशेष:-
व्रत -त्योहार - **भद्रा काल-सांय 5-28 से**

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 12:30 से 13:56 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ.	06:49 - 08:13 शुभ	उत्पात	18:11 - 19:48 अशुभ
अमृत.	08:13 - 09:39 शुभ	शुभ.	19:48 - 21:22 शुभ
काल.	09:39 - 11:05 अशुभ	अमृत	21:22 - 22:56 शुभ
शुभ.	11:05 - 12:30 शुभ	चंचल	22:56 - 00:30 शुभ
रोग	12:30 - 13:56 अशुभ	रोग	00:30 - 02:04 अशुभ
उत्पात	13:56 - 15:22 अशुभ	काल.	02:04 - 03:38 अशुभ
चंचल	15:22 - 16:48 शुभ	लाभ.	03:38 - 05:13 शुभ
लाभ	16:48 - 18:11 शुभ	उत्पात	05:13 - 06:49 अशुभ

आपका राशिफल

मेष धू धे धो ला ली लू ले लो आ

अप्रत्याशित यात्रा थका देने वाली हो सकती है जो आपको उन्मादी बना सकती है। मांसपेशियों को आराम देने के लिए तेल से शरीर की मालिश करें, धन को निश्चित रूप से बढ़ावा मिलेगा- लेकिन साथ ही ख़र्चे भी बढ़ेंगे। कुछ लोग क्षमता से अधिक वादे करने की प्रवृत्ति रखते हैं- ऐसे लोगों को भूल जाइए ।

वृष ई उ ए जो वा वी वू वे वो

आपका सबसे प्रिय सपना साकार होगा। लेकिन अपनी उत्तेजना को क़ाबू में रखें क्योंकि ज़्यादा ख़ुशी कुछ परेशानी खड़ी कर सकती है। आर्थिक स्थिति में सुधार से आपको आवश्यक वस्तुओं की ख़रीदारी में आसानी होगी। ऐसे लोगों से दूर रहें जो आपको बुरी आदतों से प्रभावित कर सकते हैं।

मिथुन का की कू घ ङ झ के को हा

अपने वज़न पर नज़र रखें और ज़्यादा खाने से बचें। आर्थिक स्थिति में सुधार निश्चित है। दोस्तों और रिश्तेदारों के साथ मौज-मस्ती करेंगे। किसी को खुद को प्यार में सफल होने की कल्पना करने में मदद करें। वेतन में वृद्धि से आपका उत्साह बढ़ सकता है। अब समय आ गया है कि आप अपनी सभी निराशाओं और शिकायतों को दूर कर लें।

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

अपने अप्रत्याशित स्वभाव को अपने वैवाहिक संबंधों को खराब न करने दें। इससे बचने का प्रयास करें अन्यथा बाद में पछताना पड़ सकता है। मनोरंजन और भोग विलास पर अधिक खर्च न करें। भावनात्मक आश्वासन चाहने वालों को अपने बुजुर्ग उनकी मदद के लिए आ सकते हैं। सावधान रहें

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

गैस की समस्या वाले रोगियों को तैलीय और वसायुक्त आहार से बचना चाहिए क्योंकि इससे उनकी बीमारी बढ़ सकती है। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण कुछ महत्वपूर्ण कार्य रुकेंगे। युवा स्कूल परियोजनाओं पर कुछ सलाह ले सकते हैं। कुछ गलतफहमियों के कारण आज आपके प्रेमी के साथ आपके रिश्ते खराब हो सकते हैं।

कन्या टो पा पी पू ष ण ट पे पो

किसी संकट में पड़े व्यक्ति की मदद के लिए अपनी ऊर्जा का उपयोग करें। स्मरण रहे- इस नाशवान शरीर का क्या उपयोग यदि इसका उपयोग दूसरों के हित के लिए न हो। बैंक डीलिंग को बहुत सावधानी से संभालने की जरूरत है। दूसरों को प्रभावित करने की आपकी क्षमता पुरस्कार लाएगी।

तुला स री रु रे से ता तू ते

अनावश्यक सोच में अपनी ऊर्जा बर्बाद न करें बल्कि इसे सही दिशा में उपयोग करें। आज किया गया निवेश आपकी समृद्धि और आर्थिक सुरक्षा को बढ़ाएगा। आपके बच्चे आपको खुश रखने की पूरी कोशिश करेंगे। प्यार में अपने रूखे व्यवहार के लिए क्षमा मांगें। अधीनस्थ या सहकर्मी अत्यधिक सहायक होंगे।

वृश्चिक तो मा मी मू मे मो य यी यू

आज आप काफी सक्रिय और फुर्तीले रहेंगे। आपकी सेहत आज आपका पूरा साथ देगी। अगर आप अपने पत्ते अच्छी तरह से खेलते हैं तो आज आप कुछ अतिरिक्त पैसा कमाएंगे। सावधान रहें कि आप जिस किसी के साथ रह रहे हैं, उसके साथ बहस न करें- अगर कोई विवाद है तो उसे सौहार्दपूर्ण तरीके से सुलझा लें।

धनु ये यो भा भी मू धा फा ढा भे

प्रेम आशा विश्वास सहानुभूति आशावाद और वफादारी जैसी सकारात्मक भावनाओं के प्रति ग्रहणशील होने के लिए अपने मन को प्रोत्साहित करें। एक बार जब ये भावनाएँ पूरी तरह से नियंत्रित हो जाती हैं- तो मन स्वचालित रूप से हर स्थिति के प्रति सकारात्मक प्रतिक्रिया देता है। कुछ अतिरिक्त पैसे कमाने के लिए अपने अभिनव विचार का प्रयोग करें।

मकर भे जे जी खी खू खो मा मी

अपने निराशावादी रवैये के कारण आप कोई प्रगति नहीं कर पा रहे हैं। आपके लिए यह महसूस करने का सही समय है कि चिंता ने आपकी सोचने की शक्ति को मंद कर दिया है। उज्जवल पक्ष को देखें और आप अपने विवेक में एक निश्चित परिवर्तन देखेंगे। अपने गुस्से पर काबू रखें ।

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

उन पुरुषों की तरह व्यवहार न करें जो अपने सपनों को साकार करने और अपने जुनून को आगे बढ़ाने के लिए अपने घर और स्वास्थ्य को त्याग देते हैं। परिवार के किसी सदस्य के बीमार पड़ने से आपको आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि इस समय आपको पैसों से ज्यादा उनकी सेहत की चिंता करनी चाहिए।

मीन ढी ढू ध ज्ञ ञ दे दो घ घी

लंबी यात्रा पर जाने की आपकी योजना के अनुसार आपकी स्वास्थ्य और ऊर्जा संरक्षण की आदत आपको अत्यधिक लाभान्वित करेगी। व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद आप थकान को आसानी से दूर कर लेंगे। इस राशि के कुछ बेरोजगार जातकों को आज नौकरी मिल सकती है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

चैटजीपीटी को टक्कर देने के लिए गूगल लाया 'बार्ड'

लेम्डा पर चलेगी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सर्विस, वेब से इन्फॉर्मेशन हासिल करने में होगा सक्षम

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर 6 साल काम करने के बाद गूगल ने आखिरकार अपना चैटबॉट 'बार्ड' को रिवील कर दिया है। गूगल का ये चैटबॉट माइक्रोसॉफ्ट के चेटजीपटी से मुकाबला करने के लिए बनाया गया है। एक ब्लॉग पोस्ट में गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने बताया कि बार्ड क्या है और इसके कुछ बेसिक फंक्शानिटी के बारे में जानकारी दी। बार्ड एक एक्सपेरिमेंटल कन्वरसेशनल एआई सर्विस है। यह यूजर से कन्वर्सेशन के लिए कंपनी के लेंगवेज मॉडल डायलोग एप्लीकेशन पर रन करता है। पिचाई ने बताया कि 'बार्ड' वेब से इन्फॉर्मेशन हासिल करने में सक्षम होगा, जबकि चैटजीपीटी से ये पॉसिबल नहीं है। कंपनी ने बताया कि इसकी शुरुआत कुछ टेस्टर्स के साथ की जा रही है। आने वाले कुछ हफ्तों में लोग इसका इस्तेमाल करना शुरू कर सकेंगे। गूगल शुरुआत में बार्ड को लाएमडीए के एक हल्के मॉडल संस्करण के साथ जारी कर रहा है, जिसके लिए कम कंप्यूटिंग पावर की आवश्यकता होगी। इससे बार्ड को ज्यादा से ज्यादा यूजर्स तक पहुंचाने और उनका फीडबैक लेने में आसानी होगी। पिचाई ने कहा कि हम ये सुनिश्चित करने के लिए अपने खुद के इंटरनल टेस्टिंग के साथ बाहरी प्रतिक्रिया को जोड़ेंगे कि बार्ड के जवाब हाई क्वालिटी, सुरक्षा और रियल वर्ल्ड की जानकारी के लिए हाई लेवल पर हों। हम टेस्टिंग के इस फेज को लेकर उत्साहित हैं, जिसमें बार्ड की क्वालिटी और स्पीड में सुधार जारी रखेंगे। पिचाई ने अपने ब्लॉग में लिखा है कि 'बार्ड क्रिएटिविटी के लिए एक केंद्र बन सकता है और जिज्ञासा के लिए एक लॉन्चपैड हो सकता है, जो आपको नासा के जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप से 9 साल की उम्र में नई खोजों को समझाने में मदद कर सकता है या फ़ुटबॉल में सबसे बड़े स्ट्राइकर्स के बारे में जानकारी दे सकता है, और फिर आप अभ्यास करके अपनी स्किल्स को बढ़ा सकते हैं।

सोने पर फिर चढ़ा तेजी का रंग

10 ग्राम गोल्ड के रेट 57 हजार रुपये के पार, ताजा भाव 57134

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। सोने और चांदी के दाम आज जोरदार बढ़त के साथ दिखाई दे रहे हैं।सोना और चांदी दोनों कीमती धातुएं उछाल के साथ कारोबार कर रही हैं।सोने के दाम में जोरदार उछाल इसलिए भी आ रहा है क्योंकि सेफ निवेश के रूप में इसकी मांग ग्लोबल मार्केट में बढ़ रही है।वहीं देश में शादियों का सीजन चल रहा है जिसके चलते गोल्ड ज्वैलरी और गोल्ड कॉइन की डिमांड में उछाल आ रहा है।चांदी की इंडस्ट्रियल डिमांड भी लगातार बढ़ती जा रही है और इसका असर भी इंटरनेशनल मार्केट से लेकर घरेलू बाजार में सोने और चांदी के दाम पर देखा जा रहा है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर आज सोने के दाम 57,000 रुपये के पार निकल गए हैं।सोने में इस समय 154 रुपये या 0.27 फीसदी की उछाल के बाद 57126 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट देखे जा रहे हैं।आज सोने में 56994 रुपये तक के निचले स्तर देखे गए थे और ऊपरी स्तर में ये 57134 रुपये प्रति 10 ग्राम तक गया था।सोने के ये दाम इसके अप्रैल वायदा के लिए हैं। चांदी की चमक आज फिर बढ़ी हुई नजर आ रही है।मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर चांदी में पूरे 200 रुपये का उछाल देखा जा रहा है और ये 0.30 फीसदी बढ़कर 67650 रुपये प्रति किलो पर आ गई है।चांदी में आज कारोबार की शुरुआत 67399 रुपये पर हुई थी और ये आज 67479 रुपये तक नीचे गई थी।चांदी के दाम आज 67599 रुपये प्रति किलो के ऊपरी स्तर पर गए थे। कॉमैक्स पर आज सोने के दाम देखें तो ये 1,886.60 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा है।सोने के दाम में आज 7.25 डॉलर प्रति औंस का उछाल देखा जा रहा है।वहीं चांदी के दाम में भी बढ़त देखी जा रही है।कॉमैक्स पर चांदी आज करीब 0.45 फीसदी की मजबूती के साथ 22.328 डॉलर प्रति औंस के रेट पर कारोबार कर रही है।

भूकंप से तुर्किये की इकोनॉमी को भी झटका

करेंसी लीरा में रिकॉर्ड गिरावट, पहले से ही बढ़ी महंगाई से घर का किराया 19,700 से 1,31,000 रुपए पहुंचा

अंकारा, 7 फरवरी (एजेंसियां)। तुर्किये इस वक्त आर्थिक संकट से गुजर रहा है। देश की करेंसी लीरा लगातार कमजोर हो रही है और महंगाई दर 57% के करीब है। कॉस्ट ऑफ लिविंग के बढ़ने से जनता परेशान है। वहीं तुर्किये और सीरिया में सोमवार सुबह आए 7.7 तीव्रता के भूकंप ने परेशानी को और ज्यादा बढ़ा दिया है। इस भूकंप से अब तक 4000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है।यूएस जियोलॉजिकल सर्वे के अनुसार, तुर्किये और सीरिया के कुछ हिस्सों को हिला देने वाले घातक भूकंप से करीब 1 बिलियन डॉलर (करीब 8.2 हजार करोड़ रुपए) का नुकसान हो सकता है। रिइंश्योरेंस ब्रोकर गैलाघेर रे के चीफ साइंस ऑफिसर स्टीव बोवेन ने कहा कि जनवरी 2020 में इसी क्षेत्र में 6.7 तीव्रता के भूकंप से लगभग 600 मिलियन डॉलर (करीब 4.9 हजार करोड़ रु.) का नुकसान हुआ था।हालांकि तुर्किये में, इंश्योरेंस पूल के जरिए जनता को कंपलसरी इंश्योरेंस ऑफर किया जाता है। 2021 इंश्योरेंस रिन्यूअल के आधार पर इसकी लगभग 2.5 बिलियन के क्लेम पेमेंट की कैपेसिटी है। वहीं सीरिया की बात करें तो वहां पहले से ही सिविल वॉर के कारण हालत खराब है। खाने-पीने से लेकर कई तरह की परेशानी है। भूकंप ने परेशानी और ज्यादा बढ़ा दी है।बीबीसी ने अपनी एक रिपोर्ट में तुर्किये की एक महिला के हवाले से लिखा, 'पिछले साल मैं 4,500 लीरा (करीब 19,700 रुपए) रेंट दे रही थी, लेकिन मेरे मकान मालिक ने कहा कि उसे कीमत बढ़ानी होगी। हमने पेमेंट को दोगुना कर दिया, लेकिन फिर भी हमें फ्लैट छोड़ना पड़ा।' तुर्किये में अब रेंट पर मकान तकरीबन 30,000 लीरा (करीब 131,000 रुपए) में मिल रहा है।एक अन्य नागरिक ने कहा, 'हम अचानक गरीब हो गए हैं। स्ट्रीट पर महंगाई 600% महसूस हो रही है, लेकिन पेंशन में बढ़ोतरी केवल 30% है।' इस्तांबुल में, एक रेस्तरां मैनेजर, एर्सिन फुआट उलकु ने कहा, 'अब केवल बहुत अमीर या बहुत गरीब हैं। कोई मिडिल क्लास नहीं है। सरकारी सहायता के बाद भी महंगाई का सामना करना मुश्किल है। यहां भविष्य अंधकार में है।'तुर्किये में इस साल चुनाव भी है। ऐसे में इकोनॉमी को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रपति एर्दोगन ने रिकॉर्ड पब्लिक स्पेंडिंग की घोषणा की है। उनके प्लान में एनर्जी सब्सिडी, न्यूनतम वेतन को दोगुना करना और पेंशन में बढ़ोतरी के साथ-साथ दो मिलियन से ज्यादा लोगों को तुरंत रिटायरमेंट का मौका शामिल है। एक्सपर्ट रूस-यूक्रेन जंग के साथ एर्दोगन की नीतियों को इकोनॉमी की खराब हालत का कारण मान रहे हैं।

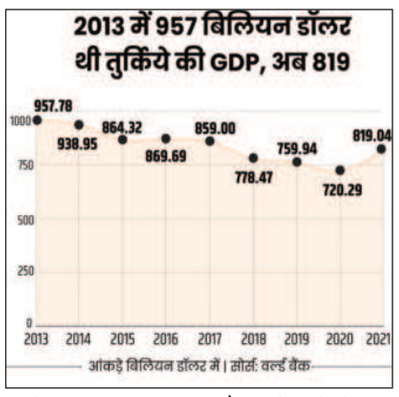

तुर्किये में 2018 में भी संकट देखने को मिला था, लेकिन तब इसकी वजह अमेरिकी प्रतिबंध थे। वर्तमान स्थिति पूरी तरह से अलग है। तुर्किये के हालात आने वाले दिनों में और भी खराब हो सकते हैं, क्योंकि एर्दोगन इकोनॉमिक थ्योरीज के विपरीत चल रहे हैं।

अब फोनपे से विदेशों में भी कर सकेंगे पेमेंट

ऐप में यूपीआई इंटरनेशनल एक्टिवेट करना होगा, ऐसी सर्विस देने वाला भारत में पहला ऐप

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। फिनटेक मेजर फोनपे यूपीआई के जरिए इंटरनेशनल पेमेंट की सुविधा शुरू करने जा रहा है। इसके जरिए भारत के फोनपे यूजर्स विदेश यात्रा के दौरान यूपीआई का उपयोग करके इंटरनेशनल मर्चेंट को पेमेंट कर सकेंगे। फिलहाल इस फीचर में जिन देशों को शामिल किया जाएगा उनमें यूएई, सिंगापुर, मॉरीशस, नेपाल और भूटान शामिल हैं। इस सुविधा का के लिए, फोनपे ऐप में यूपीआई इंटरनेशनल को एक्टिवेट करना होगा। फोनपे ने एक बयान में कहा, 'यूजर्स सीधे अपने भारतीय बैंक से विदेशी मुद्रा में भुगतान करने में सक्षम होंगे- ठीक वैसे ही जैसे वे अंतरराष्ट्रीय डेबिट कार्ड के साथ करते हैं।' फिनटेक इंडस्ट्री के एक एग्जीक्यूटिव के अनुसार, यह कदम फोनपे के बड़े फॉरेक्स मार्केट के एक हिस्से पर कब्जा करने का प्रयास लगता है। यह एक ऐसी कैटेगरी है जहां पेमेंट ऐप्स के लिए एडिशनल पैसा बनाने का सीधा मौका है।'कंपनी के को-फाउंडर और चीफ टेक्नोलॉजी ऑफिसर, राहुल चारी ने कहा, 'पिछले 6 साल में, पूरे भारत में हमने यूपीआई पेमेंट रिवॉल्यूशन एक्सपीरिएंस किया है। यूपीआई इंटरनेशनल बाकी दुनिया को भी यूपीआई का अनुभव देने की दिशा में पहला बड़ा कदम है।'

चीन ने भारत में भी भेजा था गुब्बारा हथियार

अमेरिका को डर-परमाणु हमले के लिए खुफिया टेस्टिंग कर रहा चीन

(एक्सक्लूसिव डेस्क)

7 फरवरी। चीन से 12 हजार किलोमीटर दूर, जमीन से 24 किलोमीटर ऊपर अमेरिकी क्षेत्र में चीनी गुब्बारा क्या करने गया था? चीन का कहना है कि ये मौसम की जानकारी जुटा रहा था। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय पेंटागन ने चीन के इस दावे को नकार दिया है।

डिफेंस एक्सपर्ट्स का मानना है कि ऐसे गुब्बारे का मकसद मौसम की जानकारी जुटाना या सिर्फ जासूसी करना नहीं है। हो सकता है कि चीन परमाणु हमले के लिए कोई नया तरीका ईजाद कर रहा हो। अमेरिका के डिफेंस एक्सपर्ट एचआई सटन के मुताबिक, ऐसा ही एक गुब्बारा जनवरी 2022 में भारत के ऊपर भी मंडरा चुका है।

चीन से अमेरिका किस रास्ते से आया था जासूसी गुब्बारा?

चीन के जासूसी गुब्बारे को 28 जनवरी को अमेरिकी एयरपोर्ट जोन में दाखिल होते हुए देखा गया था। इसके बाद वह 3 फरवरी को मोटांना क्षेत्र में उड़ता दिखा। यह अमेरिका का एक न्यूक्लियर मिसाइल क्षेत्र है। सेना को शक था कि गुब्बारे से चीन जासूसी कर रहा है। इसके बाद से उस पर नजर रखी जाने लगी।

इसके बाद शनिवार दोपहर को राष्ट्रपति जो बाइडेन ने बैलून को मार गिराने का आदेश दिया। इसके बाद उस बैलून के ऐसे इलाके में आने का इंतजार किया गया जिससे उसे गिराए जाने पर लोगों को कोई खतरा न हो। फिर कैरोलिना कोस्ट से 6 मील की दूरी पर सभी तरह के एयर ट्रैफिक को बंद कर दिया गया है। जब बैलून 60 से 65 हजार फीट की ऊंचाई पर उड़ रहा था, उस दौरान अमेरिका के एक एफ-22 फाइटर जेट ने मिसाइल हमले से चीन के जासूसी गुब्बारे को मार गिराया। जिस जासूसी गुब्बारे की बात हो रही है उसका इतिहास दूसरे विश्व युद्ध से जुड़ा है। जापानी सेना ने दूसरे विश्व युद्ध के दौरान गुब्बारे के जरिए अमेरिका में आग लगाने वाले बम लॉन्च किए थे। कैप्सूलनुमा ये गुब्बारे कई वर्ग फीट के होते हैं। जैसे चीन का जासूसी गुब्बारा 120 फीट चौड़ा और 130 फीट लंबा था।

इन गुब्बारों में हीलियम गैस होने की वजह से ये आमतौर पर जमीन से 37 किलोमीटर की ऊंचाई पर उड़ने की क्षमता रखते हैं। इसी वजह से इनका इस्तेमाल मौसम से जुड़ी जानकारी जुटाने के लिए किया जाता रहा है। ऊंचाई पर उड़ने की क्षमता के कारण इनसे जासूसी भी की जाती है। साथ ही यह रडार के पकड़ में भी नहीं आते।

अमेरिकी एयरफोर्स के एयर कमांड और स्टाफ कॉलेज की 2009 की एक रिपोर्ट के अनुसार, सैटेलाइट के मुकाबले जासूसी गुब्बारे बड़े इलाकों को करीब से स्कैन करने की क्षमता रखते हैं। साथ ही इनमें टारगेट क्षेत्र में ज्यादा समय बिताने की क्षमता होती है।

चीन का यह जासूसी गुब्बारा शुक्रवार को अमेरिका के मोंटाना शहर से 60 हजार फीट की ऊंचाई पर उड़ रहा था। इस क्षेत्र में एयरफोर्स की मिसाइलों और बैलिस्टिक मिसाइल की विंग है। इसके अलावा इसने अमेरिका की व्योमिंग न्यूक्लियर मिसाइल साइट और नॉर्थ डकोटा न्यूक्लियर मिसाइल साइट के पास से भी उड़ान भरी। पेंटागन ने कहा कि जासूसी गुब्बारे का रास्ता उसे मोंटाना के ऊपर ले गया था, इससे डर पैदा हुआ कि यह परमाणु मिसाइल साइटों की खुफिया जानकारी इकट्ठा कर रहा था। चीन ने शुक्रवार सुबह दावा किया कि यह एक सिविलियन गुब्बारा है, जिसका इस्तेमाल मौसम की जानकारी जुटाने के लिए किया जाता है,

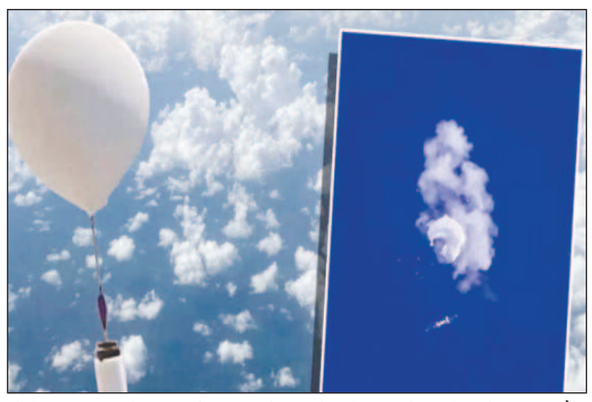

लेकिन कई घंटे बाद पेंटागन में ब्रिगेडियर जनरल पैट्रिक राइडर ने कहा कि हम जानते हैं कि यह एक जासूसी गुब्बारा है।

एक्सपर्ट कहते हैं कि चीन ने इस गुब्बारे के जरिए संदेश दिया है कि वह अमेरिका के अंदर तक घुसकर जासूसी कर सकता है। राजारत्नम इंटरनेशनल स्टडीज स्कूल सिंगापुर के बेंजामिन हो का कहना है कि चीन दिखाना चाहता है कि वह अमेरिका से पीछे नहीं है। इससे चीन में राष्ट्रपति शी जिनपिंग की साख जनता के बीच बढ़ेगी। खतरे का अंदाजा आप इस बात से भी लगा सकते हैं कि इस गुब्बारे की वजह से अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने अपना चीन दौरा रद्द कर दिया है। वो रविवार से 2 दिन के चीन दौरे पर जाने वाले थे।

डिफेंस एक्सपर्ट ने दावा किया है कि चीन इस गुब्बारे का इस्तेमाल परमाणु हथियारों को ले जाने के लिए कर सकता है। अमेरिकन लीडरशिप एंड पॉलिसी फाउंडेशन की 2015 की एक रिपोर्ट में कहा गया था कि दुश्मन देश द्वारा लॉन्च किए गए गुब्बारे अमेरिका में परमाणु हथियार गिरा सकते हैं। साथ ही इलेक्ट्रिकल ग्रिड में हस्तक्षेप कर सकते हैं। एयरफोर्स के मेजर डेविड स्टकनबर्ग ने लिखा था कि इस तरह के गुब्बारे को कुछ ही महीनों में बनाकर लॉन्च किया जा सकता है। कई सौ किलोग्राम के हथियार को इतनी ऊंचाई पर ले जाने के बाद इसे कोई रडार भी डिटेक्ट नहीं कर सकता है। चीन का यह गुब्बारा एक प्रकार का ड्राई रन है जो अमेरिका को एक रणनीतिक संदेश भेजने के लिए लॉन्च किया गया है। डिफेंस एक्सपर्ट जॉन पैराचिनी ने बताया कि जो गुब्बारा अमेरिका के आसमान में मंडरा रहा था, वह लगभग तीन बस जितना लंबा था।

क्या पहले भी गुब्बारे में बम रखकर गिराए जा चुके हैं?

5 मई 1945 की बात है। यानी दूसरे विश्व युद्ध में जर्मनी के आत्मसमर्पण करने से 3 दिन पहले की। अमेरिका के ओरेगॉन के ब्लाए शहर में छह लोगों की मौत हो गई। स्थानीय मीडिया की खबरों में कहा गया कि मरने वालों के ऊपर बारूद से भरे बड़े-बड़े गुब्बारे गिराए गए। दरअसल, इन गुब्बारों को जापान ने भेजा था। अमेरिकी नेवी के पुराने दस्तावेजों के मुताबिक, गुब्बारे 10 मीटर चौड़े, 20 मीटर ऊंचे थे और इनमें हाइड्रोजन गैस भरी हुई थी। ये गुब्बारे छोड़ते वक्त जापान ने प्रशांत महासागर के एयर फ्लो यानी वायु प्रवाह का लाभ उठाया था। उन्हें पता था कि हवा इन्हें सीधे अमेरिका तक बहा ले जाएगी।

ये गुब्बारे बेहद हल्के कागज से बने थे, जिन पर सेंसर वाले बम लगे थे। इनकी ट्यूब्स में बारूद भरा गया था और साथ में एक एक्टिवेशन डिवाइस भी लगाई गई थी। ये गुब्बारे 12 किलोमीटर की ऊंचाई तक उड़ने में सक्षम थे और एक बार में 7,500 किलोमीटर तक की उड़ान भर सकते थे।

अमेरिका के डिफेंस एक्सपर्ट एचआई सटन ने दावा किया है कि जनवरी 2022 में चीन के जासूसी गुब्बारे ने भारत के सैन्य बेस की जासूसी की थी। इस दौरान चीन के जासूसी गुब्बारे ने अंडमान निकोबार द्वीप समूह की राजधानी पोर्ट ब्लेयर के ऊपर से उड़ान भरी थी। उस दौरान सोशल मीडिया पर इसकी तस्वीर भी वायरल हुई थी। उस वक्त भारत सरकार की तरफ से इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया था। यह खुलासा भी नहीं हो सका था कि यह गुब्बारा किसका था। हालांकि, तब भी चीन पर ही शक जताया गया था।

स्थानीय मीडिया संगठन अंडमान शीखा की 6 जनवरी 2022 की रिपोर्ट में यह सवाल उठाया गया था कि किस एजेंसी ने आसमान में इस गुब्बारे को उड़ाया है और क्यों? यदि इस गुब्बारे को अंडमान में किसी एजेंसी ने नहीं उड़ाया है तो इसे जासूसी के लिए भेजा गया था?

प्रोजेक्ट जेनेट्रिक्स : अमेरिकी एयरफोर्स ने दूसरे विश्व युद्ध के बाद चीन, पूर्वी यूरोप और सोवियत यूनियन की जासूसी के लिए प्रोजेक्ट जेनेट्रिक्स लॉन्च किया था। इसे डब्ल्यूएस-119एल के नाम से भी जाना जाता है। जनरल मिल्स ने इन देशों की खुफिया जानकारी और उनकी तस्वीरों को हासिल करने के लिए 10 जनवरी और 6 फरवरी 1956 को 5 अलग-अलग लॉन्च साइट से 516 जासूसी गुब्बारे छोड़े थे। इनमें से सिर्फ 31 ने काम की तस्वीरें और खुफिया जानकारी भेजी थी। इस दौरान कई गुब्बारों को मार गिराया गया था। इनमें से कई देशों ने राजनयिक विरोध भी दर्ज कराया था।

प्रोजेक्ट मोगुल : साल 1947 में अमेरिका की एयरफोर्स ने प्रोजेक्ट मोगुल लॉन्च किया था। इसका मकसद सोवियन यूनियन के परमाणु बमों की जासूसी करना था।

इस दौरान जासूसी गुब्बारों में माइक्रोफोन लगाए गए थे। इसका मकसद परमाणु बम के परीक्षण के दौरान उसकी साउंड वेव को डिटेक्ट करना था।

थाने में बीजेपी नेता का बर्थडे सेलिब्रेशन

ट्रेनी डीएसपी ने खिलाया केक, टीएस सिंहदेव बोले- भाजपा नेता हो या कांग्रेस का, ऐसा नहीं होना चाहिए

सरगुजा, 7 फरवरी (एजेंसियां)। अंबिकापुर के लखनपुर थाने में बीजेपी नेता प्रदीप गुप्ता के जन्मदिन मनाने का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। थाने में मौजूद प्रशिक्षु डीएसपी खुद उन्हें केक खिला रहे हैं और लोग तालियां बजा रहे हैं। इस मामले में कांग्रेस नेताओं ने कड़ी आपत्ति जताई है। स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव का कहना है कि ऐसा नहीं होना चाहिए।

जानकारी के मुताबिक, लखनपुर थाने में पूर्व एल्डरमैन और क्षेत्र के भाजपा नेता प्रदीप गुप्ता का जन्मदिन मनाया गया। थाने में ही उन्होंने केक भी काटा। इधर जैसे ही वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, कांग्रेस नेताओं ने इस पर आपत्ति जताते हुए कार्रवाई की मांग की। बताया जा रहा है कि पुलिस ने लखनपुर के व्यवसायियों की थाने में पिछले दिनों बैठक बुलाई गई थी। बैठक में पता चला कि बीजेपी नेता प्रदीप गुप्ता का जन्मदिन है। तब थाने में ही केक मंगाया गया।

थाना प्रभारी प्रशिक्षु डीएसपी प्रशांत देवांगन ने बीजेपी नेता को अपने हाथों से केक खिलाया। इस बीच वहां मौजूद व्यवसायियों और पुलिसकर्मियों ने तालियां भी बजाईं। स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव का कहना है कि ऐसा नहीं होना चाहिए। चाहे भाजपा नेता हों या फिर कांग्रेस के, किसी भी शासकीय कार्यस्थल पर निजी आयोजन करना अनुचित है। उन्होंने कहा कि इस मामले में थाना प्रभारी को चेतावनी देनी

चाहिए। इस मामले में एडिशनल एसपी विवेक शुक्ला का कहना है कि ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर थाने में व्यवसायियों की बैठक बुलाई गई थी। इस दौरान एक व्यवसायी द्वारा वहां केक लाया गया था। पुलिस ने बुलवाकर केक नहीं काटा। सामुदायिक पुलिसिंग के तहत ऐसा किया गया।

बिलासपुर में दो महीने पहले 2 युवक बीच रास्ते में ही तलवार लहराकर जन्मदिन मनाने लगे थे। दोनों ने अपनी कार को बीच रास्ते में खड़ा कर दिया था। इसके बाद दोनों ने तलवार से ही केक काटा। वहीं दूसरा युवक चिल्ला-चिल्ला कर कह रहा था मेरे भाई का बर्थ-डे है, आ जाओ सभी और तलवार लहराकर लोगों को डरा धमका रहा था। जिसकी सूचना पुलिस को दे दी गई और पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई। मामला उसलापुर थाना क्षेत्र का है।

सिविल लाइन थाना क्षेत्र के ऑफिसर कॉलोनी के रहने वाले शरद पहाड़ी(19) का 2 दिसंबर को जन्मदिन है। इसके लिए वह अपने दोस्त नंद कुमार डहरिया के साथ सेफर स्कूल के सामने मुंगेली नाका चौक पर गुरुवार देर रात ही पहुंच गया था। इसके बाद रात की करीब 12 बजे के आस-पास उसने अपने दोस्त नंद कुमार के साथ तलवार से ही केक काटा था। केक काटने के बाद दोनों ने बीच रास्ते में कार खड़ी कर नाचना शुरू कर दिया। नंदकुमार जोर-जोर से चिल्ला रहा था। दोनों ने अपने हाथ में तलवार ले रखी थी। तलवार लहराकर दोनों डांस करते हुए जमकर शोर-शराबा कर रहे थे। ऐसे में रास्ता जाम हो गया। आने-जाने वाले लोगों को तकलीफ हो रही थी। इतने में किसी ने इस बात की सूचना पुलिस को दे दी। पूरी खबर पढ़ें

बिलासपुर में एक महीने पहले बीच रास्ते में बर्थडे सेलिब्रेट कर रहे तीन बदमाश युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया था। युवक सरेराह जन्मदिन मनाकर तलवार से केक काट रहे थे। तभी पुलिस की टीम वहां पहुंच गई और जन्मदिन मनाने वाले युवक और उसके दो साथियों को दबोच लिया। मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र का है।

रिंग रोड-2 से नर्मदा नगर जाने वाले मार्ग पर अमेरी चौक में सोमवार की रात युवकों का जमावड़ा लगा था। यहां युवकों की भीड़ जन्मदिन और बीच सड़क में केक काटने के लिए जुटी थी। युवक मस्ती करते हुए बीच सड़क में केक काटकर जन्मदिन सेलिब्रेट करने की तैयारी कर रहे थे। तभी सिविल लाइन पुलिस को इसकी जानकारी मिली। खबर मिलते ही पुलिस की पेट्रोलिंग टीम वहां पहुंच गई।

इस दौरान पुलिस ने घेराबंदी कर तीन युवकों को दबोच लिया। एक युवक के मुंह में केक लगा था और उसके हाथ में तलवार था। पूछताछ में पता चला कि अमेरी निवासी लखन पात्रे (22) का जन्म दिन था और वह दोस्तों के साथ तलवार लेकर केक काट रहा था। पुलिस ने उसके निवासी अमेरी दोस्त लक्ष्मीराज टोंडे (25) और अमेरी के ही सचिन दिवाकर को पकड़ लिया। पुलिस तीनों लड़कों को थाने लेकर आ गई।

सीएम सोरेन ने केंद्रीय मंत्री से मुलाकात की

पीएमएवाई के तहत 8.37 लाख घरों को मंजूरी देने का किया आग्रह

रांची/नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह से मुलाकात की और आवास प्लस पोर्टल पर पंजीकृत परिवारों के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई-ग्रामीण) के तहत राज्य में 8.37 लाख घरों को मंजूरी देने का अनुरोध किया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया, बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने केंद्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री को सूचित किया कि सभी पंजीकृत लाभार्थी गरीब हैं और उन्हें आवास की आवश्यकता है। गिरिराज सिंह ने ट्विटर पर कहा कि बैठक में पीएम आवास योजना, पीएम ग्राम सड़क योजना और मनरेगा जैसी विभिन्न ग्रामीण योजनाओं के कार्यान्वयन पर चर्चा की गई।

उन्होंने ट्वीट किया, आज दिल्ली में झारखंड के माननीय मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात की। विभिन्न ग्रामीण विकास योजनाओं जैसे पीएम आवास योजना, पीएम ग्राम सड़क योजना, मनरेगा आदि पर चर्चा की गई। हम ग्रामीण झारखंड के विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। इससे पहले, पिछले साल नवंबर में सोरेन ने केंद्रीय मंत्री को पत्र लिखकर यही अनुरोध किया था। पत्र में उन्होंने जिक्र किया था कि वित्तीय वर्ष 2021-22 में केवल 4,03,504 इकाइयों को मंजूरी दी गई थी, जबकि आवास प्लस ने 10,35,895 लाभार्थियों को सूचीबद्ध किया था।

आरक्षण पर रमन-भूपेश में टकराव

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा- हाईकोर्ट ने 56% आरक्षण रोक दिया तो 82% कैसे वैलिड होगा, सीएम बोले-यह 56-56 क्या है?

रायपुर, 7 फरवरी (एजेंसियां)। आरक्षण विधेयकों को रोके जाने के खिलाफ राज्य सरकार की याचिका पर छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने राजभवन को नोटिस जारी किया है। इसके साथ ही प्रदेश के राजनीतिक दलों का टकराव बढ़ता दिख रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने एक बयान में कहा, हाईकोर्ट ने ही जब 56% आरक्षण को रोक दिया तो वहां 82% आरक्षण कैसे वैलिड होगा। इसपर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा, यह 56..56.. क्या है? रमन सिंह जी! यहां बात मोदी जी के स्वघोषित सीने के नाप की नहीं बल्कि आरक्षण की हो रही है।

देर शाम मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने रमन सिंह के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, 56.. 56.. 56.. 56.. क्या है 56? जगत प्रवक्ता' डॉ. रमन सिंह जी! यहां बात मोदी जी के स्वघोषित सीने के नाप की नहीं बल्कि आरक्षण की हो रही है। पूर्व में आरक्षण 58% था, ना कि 56% और अभी 76% आरक्षण प्रस्तावित है ना कि 82%। मुख्यमंत्री ने लिखा, जब विधानसभा द्वारा नवीन आरक्षण विधेयक सर्वसम्मति (भाजपा सहित) से पारित किया गया तब क्या विधानसभा में 76% आरक्षण विधेयक को मंजूरी देते समय रमन सिंह जी को यह जानकारी नहीं थी कि पूर्व में 56% आरक्षण प्रावधान निरस्त किया गया था तब 76% आरक्षण कैसे संभव होगा। अगर

यह संभव नहीं था तो विधानसभा में उनके द्वारा उक्त आधार पर विधेयक के विरोध में मत क्यों नहीं दिया गया।

राज्यपाल क्या जवाब देंगी यह रमन सिंह कैसे जानने लगे?

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने लिखा, राज्यपाल उच्च न्यायालय की नोटिस का जवाब देंगी या नहीं देंगी अथवा क्या जवाब देंगी, यह डॉ रमन सिंह कैसे जानने लगे? क्या कर्नाटक के आरक्षण विधेयक में भी डॉ. रमन सिंह का यही ख्याल है। क्या जनता सही कह रही है कि भाजपा कार्यालय ही अब राजभवन संचालन केन्द्र बन गया है। रमन सिंह के बयान पर प्रदेश कांग्रेस ने भी घेरा है। कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा, बिलासपुर उच्च न्यायालय द्वारा आरक्षण मसले पर राज्यपाल को भेजे गए नोटिस के मामले में रमन सिंह द्वारा यह बयान दिया जाना कि 'नोटिस का जवाब दे दिया जायेगा' बेहद ही आपत्तिजनक बयान है। रमन सिंह बताएं कि वह किस हैसियत से उच्च न्यायालय द्वारा राज्यपाल को भेजे गए नोटिस के संबंध में टिप्पणी कर रहे हैं? उच्च न्यायालय ने नोटिस राजभवन को भेजा है जवाब राजभवन की तरफ से आना चाहिए। भाजपा नेता क्यों और कैसे जवाब दे रहे यह इस बात का प्रमाण है कि आरक्षण मामले में राजभवन, भाजपा के सुर एक है। संसदीय कार्य मंत्री रविंद्र चौबे ने कहा, आरक्षण के संदर्भ में मुख्यमंत्री जी ने विधानसभा का विशेष सत्र आहूत करके जो विधेयक पारित कराया वह महामहिम के पास हस्ताक्षर के लिए आज तक लंबित है। हमने उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी। सरकार की ओर से भी और कुछ लोगों ने निजी तौर पर भी मामला लगाया था कि राज्यपाल के हस्ताक्षर नहीं करने के कारण पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जनजाति और अनुसूचित जाति के लोगों को सीधा नुकसान हो रहा है।

जेपी नड्डा 11 फरवरी को आएंगे बस्तर

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष करेंगे जनसभा, विधानसभा चुनाव का फूंकेंगे बिगुल

जगदलपुर, 7 फरवरी (एजेंसियां)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा 11 फरवरी को छत्तीसगढ़ के बस्तर दौरे पर आ रहे हैं। वे जगदलपुर में आमसभा को संबोधित करेंगे। इसके लिए कार्यकर्ता और पदाधिकारी तैयारियों में जुटे हुए हैं। नड्डा के इस दौरे को विधानसभा चुनाव से जोड़कर देखा जा रहा है। वह कार्यकर्ताओं में जोश भरेंगे। इसके अलावा कई अन्य कार्यक्रमों में भी शामिल होंगे। प्रदेश महामंत्री केदार कश्यप ने पार्टी के नेताओं की बैठक कर तैयारियों की जानकारी ली और राष्ट्रीय अध्यक्ष के बस्तर प्रवास को लेकर निर्देश भी दिए।

जनसभा स्थल का अभी चयन नहीं

पूर्व मंत्री केदार कश्यप ने बताय कि, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की होने वाली सभा के लिए स्थल चयन पर विचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लालबाग मैदान और रेलवे मैदान का मुआयना किया गया है। हालांकि किसी को भी अभी अंतिम रूप नहीं दिया गया। उन्होंने बताया कि पार्टी कार्यालय में बैठक की गई थी। अब प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं के चर्चा और मंत्रणा के बाद सभा स्थल का चयन अंतिम रूप में किया जाएगा। दिन कम रह गए हैं, ऐसे में तैयारियां भी तेज कर दी गई हैं।

प्रदेश की सत्ता का रास्ता बस्तर से

छत्तीसगढ़ में इस साल के अंत तक विधानसभा चुनाव संभावित है। ऐसे में भाजपा और कांग्रेस दोनों दल अपनी ताकत झोंकने में लगे हुए हैं। कहते हैं कि छत्तीसगढ़ कि सत्ता का रास्ता बस्तर से होकर जाता है। जिस दल ने बस्तर की सभी सीटों पर कब्जा कर लिया, उसके लिए सत्ता की राह आसान हो जाती है। अकेले बस्तर संभाग में ही विधानसभा की 21 सीटें हैं। ऐसे में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा बस्तर दौरे पर पहुंच रहे हैं।

सिंटू के निशानदेही पर पुलिस कर रही पिंटू की तलाश

बार-बार लोकेशन बदल दे रहा चकमा

धनबाद, 7 फरवरी (एजेंसियां)। शहर के रिकवरी एजेंट उपेंद्र सिंह हत्याकांड में गिरफ्तार सिंटू सिंह के निशानदेही पर सरायढेला थाना की पुलिस उसके भाई पिंटू सिंह को ढूंढ़ रही है। घटना के दिन ही पिंटू सिंह जमशेदपुर फरार हो गया था। पुलिस की एक टीम उसे ढूंढ़ने जमशेदपुर गई है। इधर सिंटू ने पूछताछ के दौरान पुलिस को बताया है कि उसका भाई पिंटू एक-दो दिनों के अंदर सरेंडर करेगा। वह घटना में अपनी संलिप्तता से भी इंकार कर रहा है।

इधर सरायढेला थाना की पुलिस सिंटू को जेल भेजने की तैयारी में जुटी है। मालूम हो कि सोमवार की शाम गुप्त सूचना के आधार पर आरोपित पिंटू सिंह के भाई सिंटू सिंह को भूली मोड़ से गिरफ्तार किया गया है। उपेंद्र की हत्या के बाद से दोनों भाई शहर छोड़कर फरार हो गये थे। दोनों को पुलिस ढूंढ़ रही थी। सोमवार की शाम सिंटू सिंह आटो से मटकुरिया रोड पेट्रोल पंप के पास उतरकर वहां से न्यू मटकुरिया कालोनी चोरी-चुपके अपने घर जा रहा था। इसी बीच पुलिस मिली खुफिया सूचना पर कार्रवाइ करते हुए मौके पर पहुंचकर सिंटू सिंह को धर दबोचा।

पूछताछ के दौरान सिंटू ने अपने भाई के जमशेदपुर में होने की बात पुलिस को बताई। हालांकि इससे पूर्व भी पुलिस को पिंटू सिंह के जमशेदपुर में होने की भनक लगी थी। पुलिस उसे ढूंढ़ने जमशेदपुर भी गई थी, लेकिन वह वहां नहीं मिला। पिंटू सिंह का लोकेशन हर बार बदल रहा था। एक बार तो पिंटू सिंह का लोकेशन पश्चिम बंगाल का पुरुलिया भी था।

विधायक राजेश कच्छप से ईडी ने पूछताछ शुरू की

कैश कांड मामले में समन मिलने के बाद ईडी के हीनू क्षेत्रीय कार्यालय पहुंचे, लंबी पूछताछ की उम्मीद

रांची, 7 फरवरी (एजेंसियां)। विधायकों के खरीद-फरोख्त मामले में सोमवार को कांग्रेस के निलंबित विधायक डॉ इरफान अंसारी से ईडी ने पूछताछ की। जिसके बाद आज विधायक राजेश कच्छप से पूछताछ की जाएगी। इस मामले में ईडी की ओर से समन भेजे जाने के बाद आज राजेश कच्छप ईडी कार्यालय पहुंचे। तय समय पर वे ईडी कार्यालय पहुंचे। मौके पर उन्होंने बहुत ज्यादा कुछ नहीं कहा। उन्होंने इतना कहा कि वे ईडी के तमाम सवालों के जवाब देंगे। उनका पूरा सहयोग रहेगा। जो सच्चाई है, उससे ईडी को अवगत कराया जाएगा। खिजरी विधायक ईडी की ओर से दूसरी बार नोटिस भेजे जाने के बाद हाजिर हुए हैं। इससे पहले उन्हें जनवरी में हाजिर होना था पर स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए उन्होंने दो हफ्ते का समय मांगा था।

सोमवार को ईडी के कैश कांड

मामले में जामताड़ा विधायक इरफान अंसारी से पूछताछ की। उनसे ईडी ने नौ घंटे पूछताछ की। ईडी ने उनके और उनके साथ रहे दो अन्य विधायकों से जब्त 48 लाख के बारे में पूछताछ की और उसके स्रोत के बारे में सवाल पूछा था। ईडी सूत्रों के मुताबिक उन्होंने ईडी को जवाब दिया कि वे सरकार गिराने में शामिल नहीं हैं। उन्होंने ईडी को साफ तौर पर कहा कि उन्होंने कभी भी विधायक अनुप सिंह को सरकार गिराने के बदले पैसे देने का ऑफर नहीं किया था। उनके पास से बरामद पैसे से संबंधित ईडी के सवालों के जवाब में कहा कि बंगाल में साड़ी सस्ती मिलती है, इसलिए साड़ी खरीदने गए थे। ईडी इसी कैश कांड मामले में सिमडेगा विधायक नमन विक्सल कोंगाड़ी से पूछताछ करेगी। उन्हें आठ फरवरी को हाजिर होने को कहा गया है। उन्हें भी जनवरी में ही हाजिर होना था, पर वे भी नहीं आए और ईडी से दो हफ्ते का समय मांगा था। कांग्रेस निलंबित और कैश कांड के आरोपी विधायकों में से एक नमन को भी दूसरी बार नोटिस भेजा गया था। जिसके बाद वे कल ईडी के हीनू स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में हाजिरी लगाएंगे।

तुर्किये और सीरिया में मरने वालों का आंकड़ा आठ गुना ज्यादा हो सकता है

अंकारा, 7 फरवरी (एजेंसियां)। तुर्किये, सीरिया, इस्राइल, और लेबनान में भूकंप के तेज झटकों का कहर बरप रहा है। तुर्की में 10 घंटे के अंदर भूकंप के तीन झटकों ने भारी तबाही मचा दी है। यही आलम सीरिया में भी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अब तक तुर्की और सीरिया में चार हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 20 हजार से ज्यादा घायल बताए जा रहे हैं। इस बीच, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने एक बड़ा दावा कर दिया है। डब्ल्यूएचओ का कहना है कि मौतों का ये आंकड़ा आठ गुना ज्यादा बढ़ सकता है। घायलों की संख्या में भी तेजी से इजाफा होगा। बता दें कि सोमवार को तुर्की में 7.8, 7.6 और 6.0 तीव्रता के लगातार तीन विनाशकारी भूकंप आए थे। वहीं, सीरिया, इस्राइल और लेबनान में भी भूकंप के तेज झटके महसूस हुए थे।

डब्ल्यूएचओ ने और क्या कहा?

न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा, 'भूकंप के मामलों में अक्सर हमने देखा है कि शुरुआत में मृतकों और घायलों की जो संख्या आती है, समय के साथ-साथ उसमें तेजी से इजाफा होता है।' स्वास्थ्य संगठन ने आगे भूकंप के चलते बेघर होने वाले लोगों के लिए भी चेतावनी दी। कहा कि ठंड से ऐसे लोगों की मुश्किलें और अधिक बढ़ सकती है।

चार देशों में भूकंप ने भारी तबाही मचाई

तुर्की और सीरिया सहित चार देशों में सोमवार को भूकंप ने भारी तबाही मचाई थी। यहां बीते दिन तीन बार भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। भूकंप की वजह से कई इमारतें धराशायी हो गईं। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 7.8 मापी गई। सैकड़ों लोग अभी भी मलबे के नीचे फंसे हुए हैं और कई लापता हैं। मृतकों का आंकड़ा और बढ़ने की आशंका है। तुर्की में सात दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की गई है।

जानकारी के मुताबिक, तुर्की और सीरिया में कम से कम 4000 लोग मारे गए हैं और करीब 20,000 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। देश के उपराष्ट्रपति फिएट ओकटे का हवाला देते हुए बताया रिपोर्ट में बताया गया कि 10 शहरों में 1,700 से अधिक इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं हैं। वहीं, सीरिया में कम से कम 783 लोग मारे गए और 639 घायल हो गए। इस्राइल और लेबनान में भी कई मौतों की आशंका जताई जा रही है।

भारत ने भेजी मदद

भारत ने भूकंप की मार झेल रहे तुर्की को भूकंप राहत सामग्री की पहली खेप भेज दी है। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से की गई घोषणा के कुछ घंटों बाद ही भारत ने भूकंप राहत सामग्री की पहली खेप तुर्की को भारतीय वायु सेना के विमान से भेजी है।

भारत की ओर से भेजी राहत सामग्री की खेप में एक विशेषज्ञ राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल खोज और बचाव दल शामिल है। इसमें पुरुष और महिला दोनों कर्मी, अत्यधिक कुशल डॉग स्क्वॉड, चिकित्सा से जुड़ी चीजें, उन्नत ड्रिलिंग उपकरण और सहायता प्रयासों के लिए आवश्यक अन्य महत्वपूर्ण उपकरण शामिल थे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने यह जानकारी दी।

इससे पहले भारत सरकार ने सोमवार को भूकंप प्रभावित तुर्की को तत्काल राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की तलाशी और बचाव टीम, चिकित्सा टीम और राहत सामग्री भेजने का फैसला किया था। यह कदम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रभावित देश को हरसंभव मदद देने के निर्देश के बाद उठाया गया था।

जानकारी के मुताबिक, 100 सदस्यों की दो एनडीआरएफ टीम प्रशिक्षित श्वानों और आवश्यक उपकरणों के साथ भूकंप प्रभावित इलाके में तलाशी और बचाव अभियान के लिए भेजी गई है। इसके साथ ही प्रशिक्षित चिकित्सकों और पैरा मेडिक की टीम भी आवश्यक दवाओं के साथ रवाना की गई है।

नीदरलैंड के शोधकर्ता ने की थी विनाशकारी भूकंप की भविष्यवाणी

अंकारा, 7 फरवरी (एजेंसियां)। नीदरलैंड के शोधकर्ता फ्रैंक हूगरबीट्स ने तीन फरवरी को ही कहा था कि तुर्किये (तुर्की), जॉर्डन, सीरिया या लेबनान में 7.5 तीव्रता का भूकंप आएगा। सोमवार को जब तुर्किये और सीरिया समेत पांच देशों में विनाशकारी भूकंप आया, तो फ्रैंक का दावा वायरल हो गया। इसके साथ यह भी सवाल सामने आया है कि क्या भूकंप की भविष्यवाणी की जा सकती है?

हूगरबीट्स के ट्विटर बायो में कहा गया है कि वह सौर प्रणाली ज्यामितीय सर्वेक्षण के शोधकर्ता हैं, जो भूकंपीय गतिविधि से संबंधित खगोलीय पिंडों के बीच ज्यामितीय निगरानी के लिए एक शोध संस्थान है। वह खुद को ग्रहों, विशेष रूप से पृथ्वी का सबसे ज्यादा सम्मान करने वाला बताते हैं। शक्तिशाली भूकंप के पहले झटके के बाद एक ट्वीट में हूगरबीट्स ने कहा कि इस क्षेत्र में कुछ समय के लिए आफ्टरशॉक्स जारी रहेंगे। ज्यादातर 4-5 तीव्रता के, लेकिन अभी भी एक मजबूत भूकंप की आशंका है।

दक्षिणपूर्वी तुर्किये ने पहले झटके के बाद 7.6 तीव्रता के भूकंप का सामना किया था। पहले झटके की तीव्रता 7.8 मापी गई थी। एक अन्य ट्वीट में हूगरबीट्स ने कहा कि मध्य तुर्किये में बड़े भूकंप से प्रभावित सभी लोगों के प्रति मेरी संवेदना है।

कहां गायब हो गया उत्तर कोरिया का तानाशाह किम जोंग उन, 40 दिन से नहीं दिखा

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन एक बार फिर से चर्चा में हैं। खबर है कि बड़े पैमाने पर होने वाली मिलिट्री परेड से पहले किम जोंग गायब हो गए हैं। इसी हफ्ते उत्तर कोरिया की राजधानी प्योंगयांग में मिलिट्री परेड होना है। इसमें किम जोंग शामिल होने वाले थे, लेकिन पिछले 35 दिनों से वह नहीं दिखाई दिए हैं। दक्षिण कोरियाई न्यूज चैनल एनके न्यूज का हवाला देते हुए फॉक्स न्यूज ने बताया कि किम जोंग ने रविवार को हुई कम्युनिस्ट पार्टी की बैठक में भी शिरकत नहीं की। ये तीसरी बार है जब इस अहम बैठक से किम जोंग उन अनुपस्थित रहे। ऐसे में अब उनके स्वास्थ्य को लेकर चर्चा होने लगी है।

आठ फरवरी को कोरियाई पीपुल्स आर्मी की स्थापना की 75वीं वर्षगांठ है। इस दिन देश में बड़े पैमाने पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अब चर्चा है कि क्या किम जोंग इस परेड में शामिल होंगे या नहीं? दक्षिण कोरिया के मीडिया का कहना है कि किम जोंग बीमार चल रहे हैं।

हालांकि, कुछ रिपोर्ट्स की मानें तो किम जोंग उन आठ फरवरी को होने वाली सैन्य परेड में शामिल हो सकते हैं। ये दावा इसलिए किया जा रहा है क्योंकि सरकार ने अब तक उनके शामिल न होने को लेकर कोई आधिकारिक सूचना नहीं दी है। इस परेड से किम अमेरिका और एशिया में उसके अन्य सहयोगियों को उनकी परमाणु क्षमता दिखाएंगे। फॉक्स न्यूज के अनुसार, पिछले हफ्ते, उत्तर कोरिया ने सबसे भारी परमाणु बल के साथ अमेरिकी सेना का मुकाबला करने की धमकी दी थी। उत्तर कोरिया ने साल 2022 में 70 से अधिक बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं हैं, जिनमें संभावित परमाणु-सक्षम हथियार भी शामिल हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, इन मिसाइलों को दक्षिण कोरिया में लक्ष्यों पर हमला करने या अमेरिकी मुख्य भूमि तक पहुंचने के लिए डिजाइन किया गया है। यही कारण है कि अमेरिका, जापान और दक्षिण कोरिया लगातार किम जोंग उन के सैन्य ऑपरेशन पर सवाल खड़ा कर रहे हैं।

2014 में 40 दिनों तक थे गायब

किम जोंग उन कई बार अचानक से गायब हो चुके हैं। 2014 में सबसे ज्यादा 40 दिनों तक उन्हें किसी सार्वजनिक स्थान पर नहीं देखा गया था। साल 2021 के अंत में भी किम जोंग उन करीब 30 दिनों तक नहीं दिखे थे।

मई 2021 और अप्रैल 2020 में भी किम जोंग लंबे समय तक गायब थे। तब भी उनकी बीमारी के कयास लगाए जा रहे थे।

हल्द्वानी के 4 हजार घर और मंदिर-मस्जिद फिलहाल नहीं टूटेंगे

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- 8 हफ्ते तक नहीं होगी अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई

देहरादून, 7 फरवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में हल्द्वानी में रेल प्रशासन के दावे वाली जमीन से कब्जाधारियों को हटाने के उत्तराखंड हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ याचिका पर सुनवाई की। उत्तराखंड सरकार और रेलवे ने एससी से मामले का समाधान खोजने के लिए समय मांगा, जिसके बाद कोर्ट ने कहा कि हल्द्वानी के अतिक्रमण 8 हफ्ते तक नहीं हटाए जाएंगे। मामले में अगली सुनवाई 2 मई को होगी।

मामला जस्टिस एस के कौल, जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच में था। इसके पहले भी 5 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट में उत्तराखंड हाईकोर्ट के अतिक्रमण फैसले पर रोक लगा दी थी।

पहले जानिए क्या था मामला

हल्द्वानी के बनभूलपुरा में रेलवे की 29 एकड़ जमीन पर लोग रहते हैं। रेलवे ने समाचार पत्रों के जरिए नोटिस जारी कर अतिक्रमणकारियों को 1 हफ्ते के अंदर यानी 9 जनवरी तक कब्जा हटाने को कहा था। उत्तराखंड की नैनीताल हाईकोर्ट ने इस अवैध कब्जे को गिराने का आदेश दिया था। इसके बाद करीब 4 हजार से अधिक कच्चे-पक्के मकानों को तोड़ा जाना था, लेकिन कोर्ट के आदेश के खिलाफ दिसंबर में कुछ लोगों ने प्रदर्शन किया और सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

हालांकि 5 जनवरी को हुई सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के अतिक्रमण हटाने के आदेश पर रोक लगा दी थी। कोर्ट ने कहा था कि 7 दिन में 50 हजार लोगों को विस्थापन संभव नहीं है।

हल्द्वानी रेलवे स्टेशन के आसपास का यह इलाका करीब 2 किलोमीटर से भी ज्यादा के क्षेत्र को कवर करता है। इन इलाकों को गफ्फूर बस्ती, ढोलक बस्ती और इंदिरा नगर के नाम से जाना जाता है। यहां के आधे परिवार भूमि के पट्टे का दावा कर रहे हैं। इस क्षेत्र में 4 सरकारी स्कूल, 11 निजी स्कूल, एक बैंक, दो ओवरहेड पानी के टैंक, 10 मस्जिद और चार मंदिर हैं।

क्या है रेलवे और स्थानीय प्रशासन का दावा

रेलवे की जमीन पर इतने बड़े पैमाने पर निर्माण की अनुमति कैसे दी गई? इस पर रेल मंडल के अधिकारी विवेक गुप्ता ने कहा- रेलवे लाइनों के पास अतिक्रमण एक राष्ट्रव्यापी समस्या है। रेलवे की जमीन पर अतिक्रमण का यह मामला 2013 में अदालत में पहुंचा था। तब याचिका मूल रूप से इलाके के पास एक नदी में अवैध रेत खनन के बारे में आई थी।

कलेक्टर धीरज एस गर्ब्याल ने कहा था- लोग यहां रेलवे की जमीन पर रहते हैं। उन्हें हटाया जाना है। तैयारी चल रही है। हमने अतिरिक्त सुरक्षाबलों की मांग की है। अवैध कब्जा जल्द हटाया जाएगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि उनकी सरकार सुप्रीम कोर्ट के फैसले का सम्मान करेगी। पुलिस और स्थानीय प्रशासन का कहना था कि वह हाईकोर्ट के आदेश का पालन कर रहे हैं।

हल्द्वानी का बनभूलपुरा इलाका और इसकी गफूर बस्ती, इंदिरा नगर, ढोलक बस्ती के लोग अब भी डरे हुए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कार्रवाई से 7 फरवरी तक की राहत दी है, लेकिन बुलडोजर लौटेंगे नहीं, इसकी फिलहाल कोई गारंटी नहीं। कहीं और बसाने की भी कोई बातचीत नहीं।

2028 तक पहला 'स्पेस बेबी' पैदा होगा

आईवीएफ ट्रीटमेंट के जरिए अंतरिक्ष में तैयार होगा इंसानी भ्रूण, पृथ्वी पर डिलीवरी होगी

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। इंसान पहली बार अंतरिक्ष में साल 1961 में गया था। इसके बाद से सभी के मन में ये सवाल है कि क्या स्पेस में बच्चे पैदा किए जा सकते हैं? दुनियाभर के वैज्ञानिक 62 साल बाद भी इस गुत्थी को नहीं सुलझा पाए हैं। हालांकि ब्रिटेन और नीदरलैंड के साइंटिस्ट्स जल्द ही हमें इस सवाल का जवाब दे सकते हैं।

आईवीएफ ट्रीटमेंट से पैदा होंगे बच्चे

आईन्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, ब्रिटिश वैज्ञानिक डच कंपनी स्पेसबॉर्न यूनाइटेड के साथ मिलकर असिस्टेड रिप्रोडक्शन टेक्नोलॉजी इन स्पेस (आर्टीस) मॉड्यूल बना रहे हैं। इसके तहत स्पेस में एक बायो-सैटेलाइट भेजा जाएगा। इसके अंदर इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन (आईवीएफ) ट्रीटमेंट के जरिए भ्रूण का जन्म होगा। इसे पृथ्वी पर लाया जाएगा और महिला के गर्भ में ट्रांसफर किया जाएगा। धरती पर जन्म लेने वाले इन बच्चों को 'स्पेस बेबीज' कहा जाएगा। स्पेसबॉर्न के फाउंडर डॉक्टर एगबर्ट एडेलब्रोएक कहते हैं- इस प्रोजेक्ट का फाइनल मकसद पृथ्वी के बाहर नेचुरल तरीके से बच्चे पैदा करना है। हालांकि इससे पहले हमें मौजूदा टेक्नोलॉजी को स्पेस में टेस्ट करना होगा। इसके बाद ही अंतरिक्ष में सेक्स, प्रेग्नेंसी और डिलीवरी पर फोकस किया जाएगा। इस प्रोजेक्ट के लिए सबसे पहले चूहों पर एक्सपेरिमेंट किए जाएंगे। उनके स्पर्म और अंडों को स्पेस में फर्टिलाइज कराया जाएगा। मॉड्यूल की टेक्नोलॉजी को टेस्ट करने के लिए पहली फ्लाइट अप्रैल में कनाडा से रवाना होगी। रिसर्चर्स के अनुसार, आईवीएफ वर्किंग वाला फुल-फंक्शनिंग बायो-सैटेलाइट 18 से 24 महीने में बनकर तैयार हो जाएगा। बता दें कि स्पेसबॉर्न को एसगार्डिया कंपनी का सहयोग है। यह कंपनी 2016 में बनाई गई थी। इसका मकसद अंतरिक्ष में दुनिया की पहली इंसानी बस्ती बसाना है। कंपनी का दावा है कि इस बस्ती के लिए अभी से ही 10 लाख लोगों ने रजिस्ट्रेशन कर दिया है।

अगले 5 साल में इंसानों पर प्रयोग

डॉ. एडेलब्रोएक का कहना है कि अगले 5 साल में इंसानी सेल्स (कोशिकाओं) के साथ बायो-सैटेलाइट को स्पेस में भेजा जा सकता है। साथ ही अंतरिक्ष में पहले इंसानी बच्चे की डिलीवरी साल 2031 तक हो सकती है। फिलहाल यह पृथ्वी की निचली कक्षा में ही संभव होगा। हालांकि इसके लिए टेक्नोलॉजी और इंसान का चयन बहुत ही सोच-समझकर करना होगा। उदाहरण के लिए, प्रेग्नेंट महिलाओं और मेडिकल स्टाफ को बहुत ही सूझ-बूझ के साथ चुना जाएगा। जिन महिलाओं पर एक्सपेरिमेंट होगा, उन्हें कम से कम दो कामयाब डिलीवरीज का अनुभव होना चाहिए। उनके शरीर में हाई रेडिएशन को बर्दाश्त करने की ताकत भी होनी चाहिए।

डॉ. एडेलब्रोएक के मुताबिक, स्पेस में बच्चे पैदा करने की पूरी प्रोसेस की प्लानिंग काफी मुश्किल होगी। इसमें तापमान, मौसम या रॉकेट लॉन्चिंग में आने वाले अटकलों को ध्यान में रखना होगा।

केवल एक प्रेग्नेंट महिला पर एक्सपेरिमेंट नहीं किए जा सकेंगे। एक साथ लगभग 30 महिलाओं को प्रेग्नेंट कराया जाएगा। रिसर्चर्स का कहना है कि चूहों और इंसान के सेल्स पर एक्सपेरिमेंट से स्पेस में प्रेग्नेंसी और डिलीवरी की सुरक्षा का पता चलेगा। उन्हें उम्मीद है कि कुछ साल में अंतरिक्ष में बच्चे पैदा होने लगेंगे और भविष्य में इंसान दूसरे ग्रह या धरती की बाहरी कक्षा में जाकर अपनी कॉलोनी बना सकेंगे।

'अपने अधिकारों का दुरुपयोग कर रही हैं राज्यपाल'

मुख्यमंत्री ने लगाए आरोप, कहा- विधानसभा के बिल पर सरकार से सवाल का गवर्नर को अधिकार नहीं

रायपुर, 7 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में आरक्षण मामले पर बवाल जारी है। मंगलवार को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा, राज्यपाल अपने अधिकारों का दुरुपयोग कर रही हैं। उन्होंने कहा, विधानसभा से पारित बिल पर सरकार से सवाल करने का राज्यपाल को अधिकार ही नहीं है। सरकार की याचिका पर एक दिन पहले उच्च न्यायालय ने राजभवन से जवाब मांगा है।

भेंट-मुलाकात कार्यक्रम के लिए रवाना होने से पहले मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने रायपुर हेलीपैड पर पत्रकारों से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा, राज्यपाल खुद अपने अधिकारों का दुरुपयोग कर रही हैं। जो बिल विधानसभा से पारित हुआ है उसके बारे में सरकार से पूछने का उन्हें कोई अधिकार ही नहीं है। उसी के आधार पर तो हम कोर्ट गए हैं। कोर्ट ने यदि उसको नोटिस दिया है तो उसका जवाब कोर्ट को देना चाहिए, बाहर नहीं। अगर उनको वकील भी लगाना है तो राज्य सरकार से पूछकर ही लगाएंगी ना। क्योंकि सरकार की सलाह से ही राज्यपाल काम करती हैं।

सोमवार को छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय की जस्टिस रजनी दुबे ने सरकार की एक याचिका पर राजभवन को नोटिस जारी किया। इस मामले में एक सामाजिक कार्यकर्ता, एक वकील और राज्य सरकार ने अलग-अलग याचिका दायर क है। राज्य सरकार की ओर से सीनियर एडवोकेट और पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल सिब्बल ने जिरह किया। उन्होंने कहा कि राज्यपाल को सीधे तौर पर विधेयक को रोकने का कोई अधिकार नहीं है। नोटिस के बाद जवाब देने के लिए राजभवन को एक सप्ताह का समय दिया गया है। राज्य सरकार ने आरक्षण विवाद के विधायी समाधान के लिए छत्तीसगढ़ लोक सेवाओं में अनुसूचित जाति, जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्गों के आरक्षण अधिनियम में संशोधन करने का फैसला किया। शैक्षणिक संस्थाओं में प्रवेश के लिए भी आरक्षण अधिनियम को भी संशोधित किया गया। इसमें अनुसूचित जाति को 13%, अनुसूचित जनजाति को 32%, अन्य पिछड़ा वर्ग को 27% और सामान्य वर्ग के गरीबों को 4% आरक्षण का प्रावधान किया गया। तर्क था कि अनुसूचित जाति-जनजाति को उनकी आबादी के अनुपात में आरक्षण दिया गया है। ओबीसी का आरक्षण मंडल आयोग की सिफारिशों पर आधारित है और ईडब्ल्यूएस का आरक्षण संसद के कानून के तहत है। इस व्यवस्था से आरक्षण की सीमा 76% तक पहुंच गई। विधेयक राज्यपाल अनुसूईया उइके तक पहुंचा तो उन्होंने सलाह लेने के नाम पर इसे रोक लिया।

एनएचएम की संविदा स्टाफ नर्स परीक्षा का पेपर लीक

यूपी की गैंग के 6 संदिग्ध हिरासत में, एग्जाम निरस्त, भोपाल में कैंडिडेट्स का प्रदर्शन

ग्वालियर, 7 फरवरी (एजेंसियां)। नेशनल हेल्थ मिशन मध्यप्रदेश (एनएचएम) की 7 फरवरी को होने वाली संविदा स्टाफ नर्स भर्ती परीक्षा का पर्चा लीक हो गया। ग्वालियर पुलिस ने पर्चा लीक मामले में 6 संदिग्धों को हिरासत में लिया है। इसके बाद एनएचएम ने परीक्षा निरस्त कर दी है।

इसकी पुष्टि एनएचएम एमपी के मुख्य प्रशासकीय अधिकारी केके रावत के आदेश से हुई है, जो परीक्षा एजेंसी के एमडी को लिखा गया है। पुलिस ने डबरा की होटल से यूपी की इस गैंग को पकड़ा है। पकड़े गए संदिग्ध इलाहाबाद के रहने वाले बताए जा रहे हैं।

संदिग्धों के बैग में मिले स्टूडेंट्स के डाक्यूमेंट

क्राइम ब्रांच ग्वालियर के सूत्रों ने बताया कि हिरासत में लिए गए संदिग्धों के बैग से कई स्टूडेंट्स के डाक्यूमेंट मिले हैं। जो पर्चा लीक मामले में कथित आरोपियों ने गारंटी के तौर पर रखे थे। आरोपियों ने पुलिस को बताया कि जिन उम्मीदवारों से पर्चे का सौदा हुआ था, उन सभी से एक टोकन अमाउंट लिया गया था। बकाया राशि एग्जाम के बाद लिया जाना तय हुआ था। एग्जाम के बाद संबंधित उम्मीदवार सौदा नहीं तोड़े, इसके लिए उनके ओरिजिनल अकेडमिक डॉक्यूमेंट गारंटी के रूप में रखे गए थे।

भोपाल के सैम कॉलेज के बाहर प्रदर्शन

एनएचएम एमपी की संविदा स्टाफ नर्स भर्ती परीक्षा का एक परीक्षा केंद्र भोपाल के सैम कॉलेज में बनाया गया था। यहां दोपहर की पारी में स्टूडेंट्स को एग्जाम हॉल में बिठा लिया गया। परीक्षा, जब तय समय पर शुरू नहीं हुई तो उम्मीदवारों ने एग्जाम हॉल में ड्यूटी कर रहे पर्यवेक्षकों से पूछताछ की। उम्मीदवारों को पहले तो पर्यवेक्षकों ने एग्जाम सर्वर स्लो होने का हवाला दिया। करीब 10 मिनट बाद परीक्षा निरस्त होने की सूचना सभी उम्मीदवारों को दे दी। इससे नाराज परीक्षार्थियों ने भोपाल के रायसेन रोड स्थित सैम कॉलेज के बाहर विरोध प्रदर्शन करना शुरू कर दिया।

16 साल की लड़की का कमाल

देश का संविधान बदलने की लड़ाई लड़ी- जीती रैप सॉन्ग से सुनाई जुल्म को जीतने की दास्तान

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। लैटिन अमेरिका देश चिली में एक 16 साल की लड़की अपने रैप के जरिए वहां की मूल निवासी मापचे कम्युनिटी के लिए आवाज उठा रही है। वो खुद भी इसी कम्युनिटी से तात्लुक रखती हैं। परफॉर्मेंस के दौरान वो अक्सर अपने ट्रेडिशनल मापचे ड्रेस में दिखती हैं। एमसी मिलरे का पूरा नाम मिलरे जरा कोलियो है। 16 साल की एमसी चिली की उभरती हुई रैप स्टार हैं। साथ ही वो मापुचे कम्युनिटी के आंदोलनों का प्रमुख चेहरा भी। वो अपने गाने के बोल में यूरोपीय उपनिवेशवादियों के खिलाफ देश के सबसे बड़े स्वदेशी समूह यानी मापचे कम्युनिटी के पांच सौ साल के संघर्षों को बताती हैं। एमसी मापचे कम्युनिटी को लेकर सोशल मीडिया पर काफी मुखर हैं। इंस्टाग्राम पर इनके 25 हजार से अधिक फॉलोअर्स हैं। नए संविधान के सपोर्ट में एमसी अपने पिता एलेक्स जरा के साथ पॉलिटिकल रैली में परफॉर्म भी कर चुकी हैं। एमसी मिलारे ने कुछ महीने पहले राजधानी सैंटियागो में एक अभियान कार्यक्रम में जोरदार प्रदर्शन दिया था। उनका यह परफॉर्मस देश के एक नए संविधान पर मतदान करने से ठीक एक सप्ताह पहले था। अपने दमदार प्रदर्शन के बाद एमसी ने इंटरव्यू में कहा- मेरे अंदर दो इंसान हैं। कभी-कभी मैं एक छोटी लड़की की तरह महसूस करती हूं- 'मैं खेलती हूं, मुझे मजा आता है और मैं हंसती हूं। ऑन स्टेज मैं रैप के जरिए सबकुछ कहती हूं। यह मुझे आजाद करता है। जब मुझे माइक मिलता है फिर मैं एक अलग इंसान होती हूँ।'

अगर नए संविधान को मंजूरी मिली जाती है तो यह मूल निवासियों के अधिकारों की सुरक्षा करने वाला होगा। हालांकि, एमसी वोट देने के लिए काफी छोटी थीं लेकिन वो उन 100 आर्टिस्ट में शमिल हैं, जिन्होंने नए संविधान के पक्ष में कैंपेन चलाया था।

चिली में साल 2019 के अक्टूबर में सामाजिक गैर बराबरी को लेकर 12 लाख लोग सड़कों पर धरना-प्रदर्शन के लिए उतरे। लोगों की मांग आर्थिक सुधार की थी। वहां अमीर-गरीब के बीच बहुत ज्यादा अंतर है। प्रदर्शन का असर देखते हुए वहां की सरकार ने नए संविधान के ड्राफ्ट की बात कही। साथ ही मापचे कम्युनिटी को उसमें शामिल करने की बात कही।

पेपरलीक जांच के लिए प्रदर्शन, बेरोजगारों पर चली लाठियां

पुलिस ने पीटकर खदेड़ा, उपेन यादव समेत दो को किया गिरफ्तार

अजमेर, 7 फरवरी (एजेंसियां)। अजमेर में मंगलवार को प्रदर्शन कर रहे बेरोजगारों को पुलिस ने डंडे मारकर खदेड़ दिया। इस दौरान राजस्थान बेरोजगार एकीकृत महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष उपेन यादव समेत एक युवक को गिरफ्तार किया गया। दरअसल, बेरोजगार युवा अपनी मांगों को लेकर राजस्थान लोक सेवा आयोग के बाहर प्रदर्शन कर रहे थे। बेरोजगारों की मांग थी कि पेपरलीक मामले की जांच सीबीआई से कराई जाए। साथ ही स्कूल लेक्चरर एग्जाम का रिजल्ट जारी किया जाए।

राजस्थान बेरोजगार एकीकृत महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष उपेन यादव के नेतृत्व में बेरोजगार आरपीएससी पर जमा हुए थे। मांगों को लेकर बेरोजगार युवाओं ने आरपीएससी के बाहर प्रदर्शन किया। जब जब युवा बोला है, राज सिंहासन डोला है..., हमारी मांगे पूरी करो... सहित नारेबाजी की। इस दौरान हंगामा कर रहे युवाओं को पुलिस ने लाठियां मार कर खदेड़ा। इससे पहले उपेन यादव ने बताया- उनकी मुख्य मांगों में अक्टूबर महीने में आयोजित स्कूल व्याख्याता भर्ती परीक्षा का परिणाम जल्द से जल्द जारी करने, कनिष्ठ अनुदेशक भर्ती के नियम संशोधन की फाइल जल्द से जल्द विभाग को अनुमोदन करके भिजवाने और सेकंड ग्रेड भर्ती परीक्षा पेपरलीक के दोषियों को जल्द से जल्द पकड़ने और पेपरलीक के सरगनाओं का खुलासा कर पेपरलीक की जांच सीबीआई को देना शामिल है। युवाओं को जब तक पूरा न्याय नहीं मिलता। तब तक आन्दोलन जारी रखेंगे। इस बार चुनाव में युवा अहम भूमिका निभाएंगे।

उपेन यादव ने कहा- पेपरलीक में कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ किया जा रहा है। सरकार के खिलाफ आक्रोश है। अब चुनाव है। नेताओं का भविष्य हमारे हाथ में है। चार साल तक सब इनके भरोसे रहे। अगर न्याय नहीं मिलता है तो वोट की चोट करेंगे। अगर सरकार जांच करने में असक्षम है तो सीबीआई को जांच देना चाहिए। धारा 144 का हवाला देते हुए चलाई गई लाठियां

बता दें कि बेरोजगार युवा सुबह करीब साढे. 11 बजे आरपीएससी पहुंचे थे। पुलिस जाब्ता पहले से तैनात था। आरपीएससी का गेट बंद कर दिया गया। बेरोजगार युवाओं की भीड़ एकत्र होती गई। जो आरपीएससी की तरफ बढ़ने लगी। यहां जमकर नारेबाजी की। करीब 12 बजे पुलिस ने उनको वहां से दूर जाने की बात कही, लेकिन वे दूर नहीं गए। इसके बाद पुलिस ने धारा 144 का हवाला देते हुए लाठियां मारकर खदेड़ा।

सिविल लाइन थाना प्रभारी दलबीरसिंह फौजदार ने बताया कि आरपीएससी के निर्धारित दायरे में धारा 144 लागू है। इसके बावजूद कुछ लोगों ने आरपीएससी पहुंचकर हंगामा कर प्रदर्शन किया। पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर खदेड़ा। उपेन यादव व उसके एक साथी को शांति भग के आरोप में गिरफ्तार किया है।

अजमेर में चलती बाइक पर खुलेआम रोमांस करते हुए युवक-युवती का वीडियो सामने आया है। जो अजमेर के पुष्कर रोड का है। वीडियो सामने आने के बाद क्रिश्चयनगंज थाना पुलिस मामले की जांच शुरू कर दी है।

ट्रक से गांजे की तस्करी का खुलासा

कोटा, 7 फरवरी (एजेंसियां)। थाना मोडक और चेचट पुलिस ने मंगलवार को संयुक्त कार्रवाई कर नेशनल हाईवे पर नाकाबंदी में एक गुजरात नंबर के ट्रक से 291 किलो 700 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा बरामद किया है। खाली प्लास्टिक के कैरेट की आड में गांजे की तस्करी की जा रही थी।

रूरल एसपी कावेंद्र सिंह सागर ने बताया कि मौके से सुरेश भारती पुत्र शिव भारती (34) निवासी सुभाष नगर थाना रामंगज जिला अजमेर को गिरफ्तार किया गया। इसका साथी सुगना राम पुत्र गणपत राम निवासी पीह तहसील परबतसर जिला नागौर कार्रवाई के दौरान फरार हो गया। एसपी सागर ने बताया कि अवैध मादक पदार्थ एवं फार्म्स के विरुद्ध कार्यवाही के अंतर्गत रामगंजमंडी सीओ एन प्रवीण नायक के सुपरविजन में आसूचना पर थाना मोडक, चेचट और साइबर सेल से गठित की गई टीम द्वारा नेशनल हाईवे 52 ढाड का मोका दरा के पास नाकाबंदी में गुजरात नंबर के ट्रक से प्लास्टिक के कैरेट के नीचे छुपा कर रखा 291 किलो 700 ग्राम गांजा बरामद कर तस्कर सुरेश भारती को एनडीपीएस एक्ट में गिरफ्तार किया गया।

ऊंट के सिर पर बरसाए ताबड़तोड़ डंडे

गर्दन मरोड़कर मालिक को मारा; परिवार ने पीट-पीटकर की हत्या

नोखा, 7 फरवरी (एजेंसियां)। बीकानेर में एक दर्दनाक वीडियो सामने आया है। ऊंट की गर्दन पेड़ में फंसाकर उसे डंडे से पीट-पीटकर मार डाला गया। ऊंट के सिर पर तब तक वार किए गए, जब तक उसने दम नहीं तोड़ दिया। दरअसल, ऊंट ने अपने मालिक की गर्दन को मुंह में दबोच लिया था।

इसके बाद मालिक की मौत हो गई। इसके बाद गुस्साए परिजनों और गांववालों ने मिलकर ऊंट की हत्या कर दी। मामला नोखा के पांचू गांव का है। मृतक के परिजनों ने बताया- सोहनराम नायक (45) सोमवार शाम को गांव से ऊंट गाड़ी लेकर ढाणी पहुंचा था। फिर ऊंट को खेत में ले जा रहा था। इस दौरान ऊंट ने सोहनराम की गर्दन पकड़ ली। घटना की जानकारी मिलते ही पड़ोसी भंवरलाल मेघवाल, सोहनराम के पिता मोहनराम मौके पर पहुंचे। लाठियों से ऊंट को दूर करना चाहा, लेकिन ऊंट के मुंह में गर्दन होने से सोहनलाल लहूलुहान हो गया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

इसके बाद ग्रामीणों ने जैसे-तैसे ऊंट को कब्जे में लिया। वहीं, घटना के बाद जमा भीड़ ने ऊंट को पीट-पीट कर मार डाला। आक्रोशित लोगों का कहना है कि अगर ऊंट जिंदा रहता तो वह और कई लोगों को नुकसान पहुंचाता।

20 दिन पहले ही खरीदा था ऊंट

मृतक के भुआ लड़के नेमाराम नायक ने बताया- सोहनराम ने 20 दिन पहले ही एक नया ऊंट खरीदा था। इस कारण उसे ऊंट के स्वभाव की पहचान नहीं थी। ऊंट स्वभाव से हिंसक था। सोहनराम ऊंटगाड़ी चलाकर ही अपने परिवार का गुजारा करता था। सोहनराम के 5 बेटे और 2 बेटियां है। सबसे बड़ा बेटा 18 साल का है।

रिपोर्ट के आधार पर होगी कार्रवाई

थानाधिकारी मनोज यादव ने बताया- ऊंट सोहनराम नायक का पालतू जानवर था। परिजनों की रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। शव का पोस्टमार्टम करवाया जा रहा है। आज सुबह तक किसी प्रकार का कोई मामला दर्ज नहीं हुआ है। अभी तक शव का पोस्टमार्टम करवाया जा रहा है। ऊंट की हत्या के मामले की भी जांच की जा रही है।

रामदेव के खिलाफ दर्ज एफआईआर में नया मोड़

परिवादी पलटा : बोला-झांसा देकर साइन करवाकर दर्ज करवाई एफआईआर, नहीं चाहता कोई कार्रवाई

बाड़मेर, 7 फरवरी (एजेंसियां)। बाड़मेर में पनोणियों की तला धर्मसभा में बाबा रामदेव द्वारा इस्लाम व नमाज पर विवादित टिप्पणी पर चौहटन थाने में दर्ज एफआईआर में नया मोड़ सामने आया है।

परिवादी ने कलेक्टर व एसपी को ज्ञापन सौंपकर एफआईआर में अनभिज्ञता जाहिर करते कहा है कि मैंने कोई मामला दर्ज नहीं करवाया है। मुझे झांसा में लेकर फर्जी साइन करवाए गए है और एफआईआर में कोई कार्रवाई नहीं करने की मांग की है। दरअसल, गोरो का तला धनाऊ निवासी पठाई खान पुत्र माठीणा खान के नाम से पुलिस को 5 फरवरी को रिपोर्ट दी गई है। चौहटन इलाके के पनोणियों का तला गांव धर्मसभा में बाबा रामदेव ने इस्लाम धर्म व उसके अनुयायियों व इस्लाम धर्म की आस्था में विश्वास रखने वाले व्यक्तियों को लेकर जानबूझकर टिप्पणी की। इस पर चौहटन पुलिस बाबा रामदेव के खिलाफ धार्मिक भावना भड़कानें व ठेस पहुंचाने जैसी धाराओं में मामला दर्ज किया। मामला दर्ज होने के दूसरे दिन परिवादी पठाई खान ने जिला मुख्यालय पहुंचकर कलेक्टर व एसपी का ज्ञापन सौंपकर दर्ज एफआईआर में अज्ञानता जताते हुए कहा कि झांसे में लेकर साइन करवाए गए है जो कि गलत है और मैं नहीं चाहता है कि मेरे द्वारा दर्ज एफआईआर पर कोई कार्रवाई नहीं की जाए।

परिवादी बोला- दर्ज मामले में कोई कार्रवाई नहीं चाहता

परिवादी पठाई खान के मुताबिक 6-7 माह से मेरे जमीन विवाद चल रहा है। रविवार को मुझे वकील ने बुलाया और झांसे में रखकर साइन करवाकर थाने में रिपोर्ट दर्ज करवा दी। मैं पढ़ा लिखा नहीं हूं। पठाई खान ने सीआई व वकील पर आरोप लगाए है कि मेरे बताते के बावजूद सीआई ने मामला दर्ज कर लिया। पुलिस को बता चुका हूं कि इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं चाहता हूं। मेरी बाबा रामदेव से कोई नाराजगी नहीं है।

चौहटन इलाके में हम सभी हिंदू-मुस्लिम भाईचारें रहते है। सोमवार देर शाम को परिवादी पठाई खान कलेक्टर व एसपी के पास पहुंचा। ज्ञापन सौंपकर मेरे नाम से जो चौहटन थाने में बाबा रामदेव के खिलाफ जो मामला दर्ज है। उस पर कोई कार्रवाई नहीं चाहता हूं।

खींवसर फोर्ट में फेरे लेंगी स्मृति ईरानी की बेटी

एनआरआई से 3 साल पहले दुबई में हुई थी सगाई, तीन दिन के लिए हुई है बुकिंग

नागौर, 7 फरवरी (एजेंसियां)। बॉलीवुड कपल सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी की शादी के बाद केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी की बेटी शेनेल की शादी राजस्थान से होने जा रही है। नागौर जिले के खींवसर फोर्ट में दूल्हा-दुल्हन सात फेरे लेंगे। 7 फरवरी से तीन दिनों के लिए फोर्ट को बुक किया गया है। राजस्थान इन दिनों हाई प्रोफाइल वेडिंग डेस्टिनेशन बना हुआ है। जैसलमेर में पिछले दो दिनों से सिद्धार्थ और कियारा की शादी की तैयारियां चल रही थी। मंगलवार को दोनों ने फेरे भी ले लिए हैं। इसी क्रम में नई जानकारी सामने आई है। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी-जुबिन ईरानी की बेटी शेनेल और कनाडा मूल के प्रवासी भारतीय अर्जुन भल्ला 9 फरवरी को शादी करेंगे। तैयारियों को लेकर मंगलवार दोपहर करीब साढ़े बारह बजे जुबिन ईरानी जोधपुर एयरपोर्ट पहुंचे। उनके साथ स्मृति ईरानी भी आने वाली थीं। ऐन मौके पर उनके आने का प्रोग्राम कैंसिल हो गया। सूत्रों की मानें तो बुधवार को स्मृति आएंगी। खींवसर फोर्ट में शादी को लेकर तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। 3 दिन के लिए फोर्ट बुक किया गया है।

बताया जा रहा है कि बुधवार को स्मृति ईरानी जोधपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगी और यहां से सड़क मार्ग से फोर्ट जाएंगी। बुधवार को ही मेहंदी और हल्दी की रस्म होगी। रात में म्यूजिकल नाइट इवेंट होगा। 9 फरवरी गुरुवार को रीति-रिवाज के साथ शादी होगी।

2021 में हुई थी दोनों की सगाई

शेनेल और अर्जुन की सगाई 2021 में दुबई में हुई थी। तब खुद केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर करते हुए अर्जुन भल्ला का अपने परिवार में स्वागत किया था। उन्होंने तब मजाकिया अंदाज में कहा था कि अब आपको एक ससुर के तौर पर क्रेजी मैन से सामना करना पड़ेगा और मुझे सास के तौर पर झेलना पड़ेगा।

गौरतलब है कि अर्जुन भल्ला कनाडा में रहते हैं। वो प्रवासी भारतीय हैं। भल्ला लीगल एक्सपर्ट हैं और कनाडा की कई बड़ी कंपनियों में लीगल कंसलटेंट का काम करते हैं। शेनेल एडवोकेट हैं। इस हाई प्रोफाइल शादी को लेकर तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। होटल के पास 50 मेहमानों की लिस्ट भी पहुंच चुकी है। बताया जा रहा है कि इस शादी में केवल दोनों के परिवार के सदस्य ही मौजूद रहेंगे। कोई भी वीआईपी इस शादी में शामिल नहीं होगा। इधर, फोर्ट को अलग-अलग थीम पर सजाया गया है। खींवसर फोर्ट करीब 500 साल से भी ज्यादा पुराना है। यह अपने इंटीरियर के लिए काफी जाना जाता है। खींवसर फोर्ट का अधिकांश हिस्सा अब होटल में तब्दील हो गया है। साथ ही इसके सैंड ड्यून्स (रेत के धोरे) भी पर्यटकों को काफी आकर्षित करते हैं। खींवसर में कई बड़ी शादियां भी हो चुकी हैं।

कांग्रेस विधायक पर धमकाने का आरोप

एसई ने कहा–लाइनमैन का तबादला अपने मुताबिक कराना चाहते हैं मलिंगा

धौलपुर, 7 फरवरी (एजेंसियां)। सत्ताधारी कांग्रेस पार्टी के बाड़ी विधायक एक बार फिर विवादों में आ गए हैं। विद्युत निगम धौलपुर के अधीक्षण अभियंता बीएस गुप्ता ने मलिंगा पर एक लाइनमैन के ट्रांसफर को लेकर धमकाने के आरोप लगाए हैं। इस संबंध में एसई ने धौलपुर ज़िला कलेक्टर, एसपी, जयपुर डिस्कॉम के एमडी और संभागीय मुख्य अभियंता को लेटर लिखा है।

विधायक ने अपमानजनक शब्द भी बोले

पत्र में जयपुर डिस्कॉम के तहत धौलपुर में तैनात अधीक्षण अभियंता बीएस गुप्ता ने लिखा है कि दो फरवरी को विधायक गिर्राज सिंह मलिंगा ने उन्हें फोन कर धमकियां दीं और अपमानजनक शब्दों का भी इस्तेमाल किया। आरोप है विधायक मलिंगा ने कहा कि लाइनमैन सेकंड कुलदीप श्रीवास्तव का तबादला सतर्कता कार्यालय (विजिलेंस विंग ऑफिस) में किया जाए, नहीं तो मैं आपके ऑफिस आऊं।

अधीक्षण अभियंता बीएस गुप्ता ने कहा कि विधायक मलिंगा ने यह भी बोला कि मेरे हिसाब से चलना है तो ठीक है, वरना आप अपना तबादला करवा लो। एसई ने आगे कहा कि ऐसे हालात में काम करना असंभव है। एसई को धमकाने के इस पूरे मामले पर विधायक गिर्राज सिंह मलिंगा ने कहा कि मैंने किसी को नहीं धमकाया है।

लोगों के काम के लिए तो हम कहेंगे ही। जनता की बात तो अधिकारियों से ही की जाएगी। आप किसी बात को कहना ही अगर अधिकारी धमकी बता दे, तो उसका क्या उपाय है। अधीक्षण अभियंता ने दी शिकायत धौलपुर के जिला कलेक्टर अनिल कुमार अग्रवाल ने कहा कि ये मामला जानकारी में आया है।

परिजनों ने शव उठाने से किया इनकार, गिरफ्तारी और सरकारी नौकरी की मांग पर अड़े

उदयपुर, 7 फरवरी (एजेंसियां)। उदयपुर के अंबामाता थाना क्षेत्र के रामपुरा रोड पर बजरंग दल संयोजक राजू परमार तेली की सोमवार रात गोली मारकर हत्या ने बड़ा तूल पकड़ लिया है। दुकान से बाहर बुलाकर गोली मारने वाले दो अज्ञात हमलावरों की अब तक गिरफ्तारी नहीं हो पाई है।

मंगलवार सुबह एमबी हॉस्पिटल की मोर्चरी के बाहर मृतक के परिवारजनों के साथ कई संगठन के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं की भीड़ बड़ी संख्या में इकट्ठा हो गई। परिजनों ने मोर्चरी से शव लेने से इनकार कर दिया है। विश्व हिंदू परिषद के उदयपुर महानगर अध्यक्ष सुखलाल लोहार ने मांग रखते हुए कहा कि सरकार मृतक के परिवारजनों में से किसी एक को सरकारी नौकरी दें और हत्यारों की तुरंत गिरफ्तारी करें। जब तक ये मांगें पूरी नहीं होती, तब तक शव नहीं उठाया जाएगा। हत्याकांड के मामले को लेकर उदयपुर के अतिरिक्त जिला पुलिस अधीक्षक शहर चंद्रशील ठाकुर ने बताया कि हत्यारों की पहचान कर ली गई है, उनकी तलाश की जा रही है। जल्द ही हत्यारों को गिरफ्तार कर पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा।

ठाकुर ने बताया कि प्रथम दृष्टया यही लग रहा है कि प्रॉपर्टी विवाद को लेकर हत्या की गई है। सूत्रों के मुताबिक इस हत्या के पीछे मास्टरमाइंड सेंट्रल जेल में बंद दिलीप नाथ का हाथ बताया जा रहा है। मृतक के परिजनों और पुलिस को भी शक है, उसी ने अपने गुर्गों के जरिए यह मर्डर करवाया है। क्योंकि मृतक राजू परमार प्रॉपर्टी डीलिंग का बिजनेस करता था। उसे खुद पर फायरिंग या हमला होने का पहले से आभास भी था, जिस कारण वह पिछले कुछ दिनों से अकेले घर से बाहर निकलने से बच रहा था। सेंट्रल जेल में बंद हिस्ट्रीशीटर दिलीप नाथ के साथ राजू का कालीवास गांव में एक जमीन का विवाद चल रहा था।

महिला की मौत पर फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग

सीने में दर्द से हॉस्पिटल पहुंचने से पहले तोड़ा दम

जोधपुर, 7 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली से श्रीनगर के लिए जा रही निजी एयरलाइंस में यात्रा कर रही महिला की तबियत बिगड़ने पर फ्लाइट की जोधपुर में इमरजेंसी लैंडिंग करवानी पड़ी। उसे आनन-फानन में जोधपुर के रेजिडेंसी रोड स्थित गोयल हॉस्पिटल लेकर गए जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जम्मू कश्मीर की रहने वाली थी और सऊदी अरेबिया से श्रीनगर श्रीनगर को जा रही थी। फ्लाइट दिल्ली होते हुए श्रीनगर तक जाने वाली थी उसी दौरान फ्लाइट के अंदर ही महिला की अचानक तबीयत बिगड़ गई । इसके बाद फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग करवाई। एयरपोर्ट स्टाफ तुरंत ही महिला को लेकर गोयल हॉस्पिटल आए लेकिन यहां उसने दम तोड़ दिया। महिला की पहचान मिसरा बानो के रूप में हुई है। महिला के बेटे मीर मुज्जफर ने बताया वह सऊदी अरेबिया गए हुए थे। यहां से वापस भारत लौट रहे थे। उनकी

8 घंटे पानी में रहने वाली लड़की

4 दिन की प्रैक्टिस में तोड़ा 17 साल का रिकॉर्ड; मिठाई-पिज्जा नहीं खाया

जोधपुर, 7 फरवरी (एजेंसियां)। एक लड़की स्विमिंग में मेडल के लिए लगातार प्रैक्टिस करती रही। हर बार डिस्ट्रिक्ट मैच जीता, लेकिन स्टेट पर जाते ही बाहर हो जाती थी। ये सिलिसिला तीन साल तक चला फिर कोविड आ गया लेकिन कोरोनाकाल के बाद जब वह स्विमिंग में उतरी तो एक के बाद एक कई रिकॉर्ड तोड़ दिए।

4 दिन की प्रैक्टिस में इस लड़की ने 17 साल का रिकॉर्ड तोड़ा। इतना ही नहीं, एक साल में 33 मेडल जीत सभी को हैरान कर दिया। इसी के बाद इसे राजस्थान की जलपरी का खिताब मिला। ये कमाल क दिखाया जोधपुर में रहने वाली 17 साल की योग्या सिंह ने। वह अभी इसलिए सुर्खियों में हैं क्योंकि 7 फरवरी मंगलवार से भोपाल(मध्य प्रदेश) में होने वाले खेलो इंडिया यूथ गेम्स में हिस्सा लेने वाली पहली महिला है। योग्या सिंह को तैराकी का ये शौक 3 साल की उम्र में लग गया था। पिता को भी नहीं पता था कि 3 साल की बच्ची जो पानी में खेल रही है वह आने वाले समय में तैराकी में बड़ा नाम करेगी। लेकिन, उनका का ये सफर इतना भी आसान न था। लगातार तीन मैच हारी और जब चौथी बार खुद को साबित करने का मौका आया तो कोविड आ गया। कोविड में तैराकी की बजाय फिटनेस पर ध्यान दिया। छत पर फिटनेस ट्रेनिंग ली और जब स्टेट में खेलने का मौका मिला तो राजस्थान में पहले नंबर की स्विमिंग खिलाड़ी बनीं। पिता स्विमिंग कोच, खेल-खेल में हुई शुरुआत

योग्या के पिता कुलदीप सिंह स्विमिंग कोच हैं। पिता ने बताया कि जब वह तीन साल की थी तो योग्या को वह अपने साथ पूल में ले जाया करते थे। यहां बच्चों के साथ खेल-खेल में उसने स्विमिंग सीखना शुरू कर दिया था। पिता ने बताया कि उन्होंने शुरुआत में इसे सीरियस नहीं लिया। 7 साल की उम्र तक वह इसे सामान्य समझते थे। लेकिन, जब उन्हें बेटी के शौक के बारे में पता चला तो उसे कई घंटे तक पानी में रहने की ट्रेनिंग दी। वह बताते हैं कि उन्हें पता नहीं था कि पानी में खेलने वाली बच्ची स्विमिंग पूल की मास्टर परफॉर्मर बन जाएगी।

पहला मैच हारी, स्टेट पहुंची तो तीन मैच हारे

योग्या सिंह की लगातार प्रैक्टिस के बाद 2016 में पहले कॉम्पिटिशन में हिस्सा लिया था, जो ब्लॉक लेवल पर था। इस मैच में उनको जीत मिली। इसके बाद 2017 में एक और टूर्नामेंट हुआ, जहां जितने वाले को स्टेट चैम्पियनशिप में हिस्सा लेने का मौका मिल रहा था। 2017 में डिस्ट्रिक्ट टूर्नामेंट जीता और स्टेट के लिए सिलेक्शन हुआ। 2017 से लेकर 2019 तक लगातार तीन साल तक तैराकी का स्टेट लेवल कॉम्पिटिशन लगातार तीन साल तक हारती गई। 2018 के टूर्नामेंट में मेडल जितने के लिए उतरीं, लेकिन वहां निराशा हार लगी। लगातार तीन स्टेट कॉम्पिटिशन हारने के बाद योग्या सिंह को लगा कि ये फील्ड उनके लिए नहीं है। उन्होंने एक बार इसे छोड़ने का मन भी मना लिया, लेकिन मां और चाचा ने हिम्मत बांधी। इसी बीच कोरोना की वजह से लॉकडाउन लगा तो पूल में प्रैक्टिस छूट गई। लेकिन, मां और चाचा के मोटिवेशन से योग्या सिंह ने घर पर ही फिटनेस ट्रेनिंग की शुरुआत की और अपनी डाइट पर ध्यान देना शुरू किया।

2019 में पहला मेडल जीता, 13 साल की उम्र में कमाल

2019 में जयपुर में हुए स्टेट लेवल जूनियर तैराकी कॉम्पिटिशन में सात इवेंट में हिस्सा लिया। इन सातों इवेंट में मेडल लेकर योग्या ने सभी को चौंका दिया। इसमें एक गोल्ड और तीन सिल्वर पदक शामिल थे। तब योग्या को लगा कि स्वीमिंग में उसका करियर बन सकता है और वह भी आगे बढ़ सकती है। ये उसके करियर के पहले मेडल थे। इसी साल स्टेट स्कूली तैराकी कॉम्पिटिशन में सर्वश्रेष्ठ तैराक बनी। तब योग्या 13 साल की थी और जूनियर लेवल में उसको मुकाबले की कोई गर्ल स्विमर नहीं थी।

घर की छत पर फिटनेस ट्रेनिंग, रोजाना 5 घंटे प्रैक्टिस

योग्या सिंह ने बताया कि कोविड से पहले लगातार तीन मैच हारना और इसके बाद प्रैक्टिस छूटना किसी खिलाड़ी के लिए इतना बड़ा सदमा आसान नहीं था। ऐसा लग रहा था कि जैसे धीरे-धीरे सबकुछ हाथ से निकलने लगा।

लेकिन योग्या के चाचा संदीप सिंह खींची ने इस दौरान फिटनेस ट्रेनर के रूप में उनकी मदद की। संदीप सिंह प्रोफेशनल फिटनेस ट्रेनर हैं। ऐसे में उन्होंने योग्या को घर पर ही ट्रेनिंग देना शुरू किया। घर की छत पर संदीप सिंह ने अपनी भतीजी को रोजाना 5 घंटे की प्रैक्टिस करवाते। इसमें कॉर्डियो, योगा, स्ट्रेस रिलीज, वेट ट्रेनिंग और स्टेमिना जैसी एक्सरसाइज शामिल थी।

योग्या के चाचा बताते हैं कि एक स्विमर और खिलाड़ी के लिए उसकी डाइट काफी मायने रखती है। स्टेट टूर्नामेंट हारने के बाद जब उसकी फिटनेस पर काम शुरू किया तो जंक फूड समेत अन्य खाने की चीजों पर पाबंदी लगा दी गई।

टीपीसीसी ने सीईओ से पीएसई की विसंगतियों पर चर्चा करने के लिए सभी पक्षों की बैठक बुलाने का आग्रह

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी के उपाध्यक्ष जी. निरंजन ने सोमवार को तेलंगाना के मुख्य निर्वाचन अधिकारी विकास राज को एक पत्र लिखा और उनसे अनुरोध किया कि वे सभी राजनीतिक दलों की बैठक बुलाकर विभिन्न विसंगतियों के बारे में चर्चा करें। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी से सभी जिला चुनाव अधिकारियों को सीईओ और राजनीतिक दलों को फॉर्म 6 बी विवरण जमा करने का निर्देश देने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि पहले कदम के रूप में चुनाव आयोग ने विधानसभा क्षेत्र के भीतर फोटो समान प्रविष्टियों को हटाने का कार्य किया था और 5 जनवरी को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की थी। लेकिन हमने पाया है कि विधानसभा क्षेत्र के भीतर फोटो समान प्रविष्टियां अंतिम रूप से मौजूद हैं। हम इस चूक का कारण जानना चाहेंगे?। चुनाव आयोग ने राज्य के भीतर विधानसभा क्षेत्रों में फोटो समान प्रविष्टियों को हटाने का काम किया है, निरंजन ने सीईओ से राज्य के भीतर निर्वाचन क्षेत्रों में फोटो समान प्रविष्टियों को हटाने के संबंध में अपनाई जाने वाली प्रक्रिया की व्याख्या करने का अनुरोध किया। जिला चुनाव अधिकारी संबंधित मतदाता की सहमति के बिना और फॉर्म 6बी प्राप्त किए बिना आधार को मतदाता पहचान पत्र से जोड़ रहे हैं। वे अपने पास उपलब्ध आधार डेटा में हेर-फेर कर ऐसा कर रहे हैं।

बाबू मोहन ने अंडोल में भाजपा कार्यकर्ता को दी गाली

संगारेड्डी, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अभिनेता से राजनेता बने और भारतीय जनता पार्टी के नेता पी. बाबू मोहन को एक भाजपा कार्यकर्ता को चेतावनी देते हुए सुना गया कि वह उन्हें चप्पल से थप्पड़ मारेगा। बाबू मोहन और अंडोल के भाजपा कार्यकर्ता वेंकटरमण के बीच एक वीडियो चैट सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर वायरल हो गई।

10 मिनट से अधिक समय तक चर्चा चलती रही जिसके बाद बाबू मोहन ने फोन काट दिया। बाबू मोहन ने कहा कि वह एक प्रसिद्ध व्यक्ति हैं और उन्होंने वेंकटरमण को उनके खिलाफ चुनाव लड़ने की चुनौती दी। बाबू मोहन ने बाद में उनके खिलाफ नारे लगाने का भी आरोप लगाया। हालांकि वेंकटरमण ने माफी मांगी, बाबू मोहन ने कथित तौर पर पूरे वीडियो में वेंकटरमण के खिलाफ आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया।

वेंकटरमण द्वारा मंगलवार को जारी एक वीडियो बयान में उन्होंने कहा कि उन्होंने सोमवार रात बाबू मोहन को फोन किया था। हालाँकि, बातचीत खट्टी हो गई।

कोत्तापेट सरकारी जिला परिषद हाईस्कूल में जागरूकता कार्यक्रम

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार , के निर्देशों के अनुपालन में, अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष 2023 के भाग के रूप में, राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान, हैदराबाद द्वारा सरकारी जिला परिषद हाईस्कूल, कोत्तापेट में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। डॉ. गोलि पेंचल प्रसाद, प्रभारी सहायक निदेशक राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान, हैदराबाद की एक टीम के. श्रीनिवास राव, पुस्तकालयध्यक्ष, डॉ. एम. शिव कृष्ण, डॉ. एल.वी. श्रीवाणी, रवि बाबू ,छायाचित्रकार और प्राचार्य श्री ए. श्रीनिवासुलु एवं जीव विज्ञान की शिक्षिका उमा देवी ने कार्यक्रम में भाग लिया।कार्यक्रम के दौरान, रागुलु (फिंगर मिलेट), अरेकालू (कोदो मिलेट), कोरालू (फॉक्सटेल मिलेट), समालू (लिटिल मिलेट), ओडालू (बार्नयार्ड मिलेट),सज्जलू (मोती बाजरा), ज्वार (सोरघम), वरिगालु (प्रोसो बाजरा) जैसे पोषक अनाज प्रदर्शित किए गए हैं और छात्रों को दैनिक आहार में उनके महत्व को समझाया गया है। इस कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं कर्मचारियों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया और विद्यालय में पोषक अनाज की बातचीत में शामिल हो गए।

श्रीमद्भागवत कथा के अंतर्गत कृष्ण-रुक्मणी विवाह संपन्न

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भाग्य नगर इमलीबन पार्क में श्रीमद्भागवत कथा के अंतर्गत भगवान श्रीकृष्ण तथा रुक्मणी का विवाह हुआ। इस अवसर पर आचार्यश्रीजी ने राश प्रसंग, उद्धव चरित्र, कृष्ण रुक्मणी विवाह का वर्णन करते हुए विवाह में बोले जाने वाल सात वचनों का मार्गदर्शन कराया। आचार्यश्री ने कहा कि विवाह के समय बोले जाने वाले सात वचनों का पालन यादि वरकन्या दोनों करे तो ब्यह में कलह नहीं हो सकती। इस अवसर पर सर्वश्री यज्ञाचार्य श्रीराम नरेश पाण्डेय, उपाचार्य कमला कान्त महराज, अनिल पाण्डेय (पुजारी जी), पं. पवन गौतम, पं. प्रह्लाद त्रिपाठी, एनके सिंह, एस.के. वर्मा, रवि अग्रवाल, प्रकाश शुक्ला, नरसिंहराव, विजय कुमार, सुरेन्दर यादव, जी.जी तिवारी, सुरेश गोयल, रामेश कावरा आदि उपस्थित थे।

अग्रणी महिला मंच ने की चर्चा

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रणी महिला मंच की अध्यक्षा सुमन भुवनिया ने कहा फ़रवरी महा के कार्यक्रम पे चर्चा की।अभी फ़रवरी महा में कई सारे कार्यक्रम होने पर कार्यक्रम पे चर्चा की । सभी कार्यक्रम की तरीके जल्द ही बताई जाएगी। अवसर पर बबिता गर्ग, रितु गर्ग, टीना खंडेलवाल, श्वेता खंडेलवाल, सुनयना नरसरिया, रीता अग्रवाल, रूपा गुप्ता, श्रद्धा सुखिया, स्मिता शाह, संगीता जाजोदिया, रितु गोयल, चंचल अग्रवाल, प्रीति गोयल आदि उपस्थित थे।

प्रो. प्रेमनारायण सिंह का नगरागमन पर भव्य स्वागत

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। केन्द्रीय हिन्दी संस्थान के व्याख्यान सभागार में अंतर्राष्ट्रीय संस्था हिन्दी साहित्य भारती की प्रदेश इकाई तेलंगाना हिन्दी साहित्य भारती एवं केन्द्रीय हिन्दी संस्थान हैदराबाद के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम का संचालन संस्थान के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ साईंनाथ चपले ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि शिक्षाविद् प्रोफेसर प्रेम नारायण सिंह निदेशक, अंतर विश्वविद्यालय अध्यापक शिक्षा केंद्र का तथा गणमान्य अतिथियों का शाल एवं मुक्ता माला से भव्य स्वागत किया गया। केन्द्रीय हिन्दी संस्थान से डॉ. राधा सांगिली ने तथा दक्षिण भारत हिन्दी संस्थान के प्राचार्य डॉ. सी.एम मुगुटकर, विभागाध्यक्ष डॉ. संजय मदार, वरिष्ठ प्रवक्ता एजी श्रीराम, प्रवक्ता एस. जुबेर अहमद, कर्नूलु से मिर्जा ख्वाजा बेग ने गुरु प्रो. प्रेम नारायण का स्वागत सत्कार किया। दयाशंकर प्रसाद ने मुख्य अतिथि का परिचय दिया।

डॉ. सुरभि दत्त ने तिरुपति से विशेष रूप पधारे प्रोफेसर के आरएस मेनन राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ तिरुपति के शिक्षा विभाग के पूर्व अध्यक्ष कुल सचिव प्रोफेसर के आरएस मेनन का आभार प्रकट किया। वाराणसी से आए मुख्य अतिथि के स्वागत में कहा प्रो.प्रेम नारायण सदृश्य गुरु अपनी ज्ञान वाणी से सभी का कल्याण करते हैं।

उनका प्रत्येक आचरण शिक्षाप्रद होता है। भाषा और संस्कृतियों का संगम हैदराबाद आप का स्वागत करता है। राजीव कुमार सिंह के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ गोष्ठी संपन्न हुई।

आईएचएमसीटी एवं एएन में हिंदी कार्यशाला का आयोजन

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आईएचएमसीटी एवं एएन, हैदराबाद संस्थान के बोर्ड रूम में हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें श्रीमती बेला, उप निदेशक, केन्द्रीय हिंदी प्रशिक्षण उप संस्थान, कवाड़ीकुड़ा, सिकंदराबाद द्वारा टिप्पण एवं मसौदा विषय पर प्रशिक्षण दिया गया। इसमें उन्होंने प्रशासन में आने वाले प्रशासनिक शब्दों के उपयोग और उनके अर्थ को विस्तार से समझाया। उपरोक्त कार्यशाला के दौरान उन्होंने संस्थान के स्टाफ को टिप्पण के प्रकार एवं उसमें प्रयोग किए जाने वाले चरणों के बारे में बहुत ही सुदंर ढंग से विस्तार से समझाया। नेमी टिप्पणियों, अनुवाद हिंदी से अंग्रेजी एवं अंग्रेजी से हिंदी एवं प्रशासनिक-शब्दावलियों पर भी अभ्यास कराया गया। हिंदी शब्दावली का अंग्रेजी एवं तेलुगु में तुलनात्मक अध्ययन द्वारा शब्दों के बदलते रूप को भी समझाया गया। कुल मिलाकर हिंदी कार्यशाला काफी ज्ञानवर्धक रहा। इस कार्यशाला में संस्थान के प्रशासनिक एवं व्याख्याताओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। कार्यशाला का शुभारंभ संस्थान के प्रमुख संजय के ठाकुर के आशीवचनों द्वारा किया गया। कार्यशाला का आयोजन श्रीमती डी माधवी, अनुवादक (अनुबंध) द्वारा किया गया। अंत में धन्यवाद प्रस्ताव सुमन कुमार, व्याखता सह प्रशिक्षक द्वारा दिया गया।

तेज गति से आगे बढ़ रहा है तिरुपति स्टेशन उन्नयन कार्य

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) ने अगले 40 वर्षों के लिए रेल यात्रियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए तिरुपति रेलवे स्टेशन के उन्नयन का काम शुरू किया है। मई 2022 में शुरू किया गया उन्नयन कार्य तेज गति से चल रहा है, जिसमें सभी स्तरों पर काम की निगरानी की जा रही है ताकि परियोजना को समय पर पूरा किया जा सके। काम ईपीसी मोड के तहत दिया गया है और पूरी परियोजना को फरवरी 2025 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। मौजूदा स्टेशन भवन के दक्षिण की ओर एक नया स्टेशन भवन बन रहा है। भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण पूरा होने के बाद, कैंप कार्यालय की स्थापना, कंक्रीट प्रयोगशाला और भंडारण शेड, शेष कार्य तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। नए आगामी स्टेशन भवन के लिए नींव का कंक्रीटिंग 100 प्रतिशत पूरा कर लिया गया है। अब तक लगभग 7,450 क्यूबिक मीटर कंक्रीट का इस्तेमाल नींव, बेसमेंट फ्लोर के कॉलम और रिटेनिंग वॉल में किया जा चुका है। अगले चरण में बेसमेंट फ्लोर के लिए कंक्रीट स्लैब की सेंटरिंग और शटरिंग का काम शुरू हो चुका है और तेजी से चल रहा है। अब तक करीब 20 फीसदी काम पूरा हो चुका है। 29 लीटर पानी रखने की क्षमता वाला एक भूमिगत पानी का टैंक नए स्टेशन भवन के हिस्से के रूप में बनाया जाना है। इसके लिए भूमिगत टंकी निर्माण के लिए खुदाई के साथ-साथ नींव की कंक्रीटिंग के दोनों काम भी पूरे कर लिए गए हैं। अपग्रेड किए गए तिरुपति रेलवे स्टेशन के हिस्से के रूप में दो नए हवाई कॉन्कोर्स के निर्माण की योजना बनाई गई है ताकि आने वाले और जाने वाले यात्रियों दोनों को संभाला जा सके। ये एयर कॉन्कोर्स 35 मीटर चौड़े होंगे और स्टेशन के सभी प्लेट फॉर्म और स्टेशन बिल्डिंग के दोनों किनारों (उत्तर और दक्षिण) को भी जोड़ेंगे। पीएफ नंबर 4 और 5 पर एयर कॉनकोर्स की नींव की कंक्रीटिंग के लिए खुदाई शुरू हो चुकी है और तेजी से चल रही है। दमरे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने कहा कि तिरुपति स्टेशन के उन्नयन कार्यों की नियमित रूप से निगरानी की जा रही है ताकि काम बाधित न हो और यह लक्षित समय के भीतर पूरा हो जाए। उन्होंने यह भी कहा कि स्टेशन पर यात्रियों और ट्रेन की आवाजाही को कम से कम असुविधा सुनिश्चित करने के लिए काम अत्यधिक सावधानी के साथ किया जाता है।

हैदराबाद में ट्रैफिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बेगमपेट ट्रैफिक ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (टीटीआई) के अधिकारियों ने मंगलवार को फर्नांडीज स्कूल ऑफ नर्सिंग, बोग्गुलकुंटा के छात्रों के लिए एक यातायात जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। एसीपी बेगमपेट टीटीआई, जी कृष्णा राजू, अधिकारियों के साथ सभा को यातायात नियमों और सड़क सुरक्षा के बारे में बताया। उन्होंने उन्हें यातायात नियमों का पालन करने, हेलमेट व सीट बेल्ट लगाने, शराब पीकर वाहन चलाने के दुष्परिणाम, गलत दिशा में वाहन चलाने, तीन सवारी व तेज गति से वाहन चलाने की जानकारी दी। प्रबंधन ने अपने संस्थान में आने और कार्यक्रम आयोजित करने के लिए यातायात पुलिस को धन्यवाद दिया।

गौतम जैन तीसरी बार बने बोइनपल्ली एग्रीकल्चर मार्केट कमेटी के चेयरमैन

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दि सिकंदराबाद एवं बोइनपल्ली मार्केट व्यापारी संघ के अध्यक्ष ए. गौतम जैन को तेलंगाना सरकार के मार्केटिंग विभाग ने तीसरी बार एग्रीकल्चर मार्केट कमेटी, बोइनपल्ली के चेयरमैन बनाया है।

आज गौतम जैन ने शपथ ग्रहण समारोह में पद व गोपनीयता की शपथ ली। अपने संबोधन में गौतम जैन ने कहा कि अपने 40 वर्ष की चेयरमैनशिप में उन्होंने व्यापारी समाज के लिए सरकार से बोइनपल्ली मार्केट यार्ड को 24 एकड़ जमीन दिलाई, जिये व्यापारी समाज हमेशा याद रखेगा। गौरतलब है कि गौतम जैन ने इसके अलावा केंद्र सरकार तथा राज्य सरकार के बहुत सारे विभागों में नामित पदों पर सेवाएं दी है। साथ ही कई सामाजिक संगठनों द्वारा समाज की सेवा की है।

सिकंदराबाद में आयोजित होने वाले खेलो तेलंगाना-जीतो तेलंगाना उत्सव में जुडने के लिए मध्यप्रदेश भाजपा महामंत्री राहुल कोठारी, रिद्धीश जागीरदार, जसमतभाई पटेल, जनक ब्रह्मभट्ट, तरुण मेहता को निवेदन करती हुई रामगोपालपेट पार्षद सी. सुचित्रा व अन्य।

जीआरई, टीओईएफएल धोखाधड़ी में चार गिरफ्तार

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद जासूसी विभाग ने एक गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है जो कथित तौर पर छात्रों को धोखाधड़ी के तरीकों का उपयोग करके जीआरई/टीओईएफएल परीक्षा पास करने में मदद कर रहे थे। गिरफ्तार लोगों में मंडला श्रवण कुमार, मंडला साईं संतोष, पी. किशोर और अर्कतला किरण कुमार शामिल हैं। इनके दो साथी जीएसजे आदित्य और गुना शेखर फरार हैं।

संयुक्त पुलिस आयुक्त, गुप्तचर विभाग, डॉ. गजाराव भूपाल ने कहा कि श्रवण और आदित्य एनआईटी रायपुर में बीटेक अंतिम वर्ष के छात्र हैं और अपने दोस्तों को जीआरई / टीओईएफएल परीक्षा लिखने में मदद करते थे। अपने अनुभव को भुनाते हुए, उन्होंने पैसा बनाने की योजना बनाई और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर विज्ञापन पोस्ट करना शुरू कर दिया। परीक्षा के लिए आवेदन करने वाले छात्रों को एक अच्छे स्कोर की गारंटी के साथ 20,000 रुपये देने के लिए कहा गया था। श्रवण और आदित्य ने छात्रों से पैसे इकट्ठा करने के बाद हस्तिनापुरम स्थित अपने दोस्त के घर पर परीक्षा दी। उन्होंने कहा कि किशोर या संतोष परीक्षा के पेपर की एक तस्वीर लेंगे और उन्हें श्रवण या आदित्य को भेजेंगे, जो उत्तर लिखेंगे और उन्हें व्हाट्सएप के माध्यम से वापस भेज देंगे। गुना शेखर ने विज्ञापन पोस्ट करके और छात्रों के साथ डील करके ग्राहकों को लुभाया। अधिकारी ने बताया कि वह फिलहाल अमेरिका में हैं। पुलिस ने इनके पास से चार मोबाइल फोन, सिम कार्ड और तीन लैपटॉप बरामद किए हैं।

पत्नी से विवाद के बाद बिल्डिंग से कूदा शख्स, मौत

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। परिवार, पड़ोसियों, पुलिस और अग्निशमनकर्मियों के मना करने के सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद पति-पत्नी के बीच तीखी बहस के बाद पति ने तीन मंजिला इमारत की छत से छलांग लगाकर जान दे दी। पुलिस के अनुसार नरसिंगी के पीरम चेरुवु इलाके के अकबरनगर निवासी के सिद्दप्पा उर्फ सिद्धू (36) अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ रहता था. शनिवार की शाम अपनी पत्नी से कहासुनी के बाद सिद्धू अपने घर के पास स्थित तीन मंजिला इमारत की छत पर चढ़ गया। कुछ देर तक वह चिल्लाता रहा और इमारत से कूदने की धमकी देता रहा। जब उसकी पत्नी और पड़ोसी उसे नीचे उतरने के लिए मनाने की कोशिश कर रहे थे, तब सूचना पर नरसिंगी पुलिस मौके पर पहुंची और प्रयास शुरू कर दिया। उसे नीचे लाने के लिए, पुलिस ने इमारत पर चढ़ने की भी कोशिश की और एक अतिरिक्त उपाय के रूप में दमकल कर्मियों को बुलाया गया, जो एक दमकल और अन्य उपकरणों के साथ मौके पर पहुंचे। जब उसे नीचे आने के लिए मनाने का प्रयास चल रहा था, सिद्धू इमारत से कूद गया और गंभीर रूप से घायल हो गया। उन्हें एंबुलेंस में इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। रविवार तड़के इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई, नरसिंगी पुलिस ने कहा। यह घटना मंगलवार को तब प्रकाश में आई जब एक व्यक्ति का इमारत पर खड़े होकर कूदने की धमकी देने का एक वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल हो गया। परिवार के लोगों ने पुलिस को बताया कि सिद्धू ने कुछ महीने पहले ताड़ी खाना बंद कर दिया था और तब से वह असामान्य व्यवहार कर रहा था। नरसिंगी पुलिस मामला दर्ज कर जांच कर रही है।

अडानी मुद्दे को लेकर बीआरएस, आप, शिवसेना ने संसद से वाकआउट किया

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आम आदमी पार्टी (आप) और शिवसेना के साथ भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने मंगलवार को संसद के चल रहे सत्र के दौरान (जेपीसी) अडानी समूह के खिलाफ आरोपों में लोकसभा और राज्यसभा दोनों से बहिर्गमन किया और संयुक्त संसदीय समिति द्वारा जांच की मांग की। बीआरएस सांसदों ने दोनों सदनों में तब तक अपना विरोध जारी रखने का फैसला किया जब तक कि केंद्र उनकी मांगों पर भरोसा नहीं करता। मंगलवार को संसद परिसर में विपक्षी दलों की एक बैठक के दौरान, प्रमुख विपक्षी दलों ने धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में भाग लेने के लिए जोर दिया, जहां उन्होंने कहा कि वे अडानी समूह के मुद्दे पर नरेंद्र मोदी सरकार को घेरना चाहते हैं। हालांकि, बीआरएस और आप दोनों दूसरों के साथ सहमत नहीं थे, यह कहते हुए कि यह एक प्रकार का समझौता था और बताया कि अडानी मुद्दे को मोशन ऑफ थैंक्स के साथ नहीं जोड़ा जाना चाहिए। जब सरकार जेपीसी जांच स्थापित करने को तैयार नहीं है, तो बीआरएस संसदीय दल के नेता के केशव राव ने कहा कि तत्काल चर्चा की उनकी मांग से पीछे हटना उचित नहीं है। बीआरएस और आप ने यह कहते हुए अपनी लड़ाई जारी रखने का फैसला किया कि अडानी मुद्दे पर बहस के बिना संसद में कोई चर्चा नहीं हो सकती। संसद का बजट सत्र इस वर्ष 31 जनवरी को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के संयुक्त अभिभाषण के साथ शुरू हुआ। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 1 फरवरी को बजट 2023-24 पेश किया। हालांकि, स्टॉक हेरफेर और धोखाधड़ी के आरोपों का सामना कर रहे अडानी समूह को एसबीआई और एलआईसी के वित्तीय जोखिम को लेकर विपक्ष द्वारा संसद की कार्यवाही को रोक दिया गया है।

आगापुरा में कुमावत समाज, हैदराबाद-सिकन्दराबाद (तेलंगाना) के पूर्व अध्यक्ष धर्मीचन्द-लीला कुमावत के सम्मान में आयोजित विशेष समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पधारे डॉ. प्रीति मीणा (आईएएस), हर्षिता, चंचल, नेहा, दक्षा, लक्षिता, हिमांशा, कुलदीप व रेणवाल परिवार। इस अवसर पर उपस्थित माणिकचन्द घोडावड (पटनचेरू), चोथाराम खुदाल, जोगाराम बाकरेचा, नन्दगोपाल भट्टड, गोविन्द राठी, वाई. बाबुगुरु एवं अन्य।

पीएम मोदी को गिफ्ट में मिली मेसी की जर्सी

बेंगलुरु में अर्जेंटीना की पेट्रोलियम कंपनी वाईपीएफ के अध्यक्ष ने तोहफे में दी

बेंगलूरु, 7 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री मोदी को सोमवार को एक खास तोहफा मिला। अर्जेंटीना की पेट्रोलियम कंपनी के अध्यक्ष पाब्लो गोंजालेज ने सोमवार को इंडिया एनर्जी वीक के मौके पर पीएम मोदी को मेसी टी-शर्ट भेंट की।

पीएम मोदी ने ट्विटर पर मेसी को दी थी बधाई

फीफा वर्ल्ड कप फाइनल के बाद पीएम मोदी ने लियोनल मेसी और अर्जेंटीना टीम को जीत बधाई दी थी। उन्होंने लिखा था - फीफा फाइनल 2022 को सबसे रोमांचक फुटबॉल मैचों में से एक के रूप में याद किया जाएगा। वर्ल्ड कप चैंपियंस बनने पर अर्जेंटीना को बधाई! उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया है। शानदार जीत पर अर्जेंटीना और मेसी के लाखों भारतीय प्रशंसक खुश है।

फाइनल में पेनल्टी से जीता था अर्जेंटीना

अर्जेंटीना ने फीफा वर्ल्ड कप फाइनल में फ्रांस को पेनल्टी शूट आउट में 4-2 से हराया था। तय 90 मिनट तक दोनों टीमें 2-2 की बराबरी पर रही थी। एक्स्ट्रा टाइम के बाद मुकाबला 3-3 की बराबरी पर रहा था। इसके बाद पेनल्टी शूटआउट से फैसला हुआ। मैच में फाइनल में मेसी ने दो गोल किए थे। वहीं, फ्रांस के लिए किलियन एमबाप्पे ने हैट्रिक जमाई थी।

ऊर्जा सप्ताह 2023 का उद्घाटन करने पहुंचे थे पीएम मोदी

प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को भारत ऊर्जा सप्ताह 2023 का उद्घाटन किया। उद्घाटन के दौरान, पीएम मोदी ने भारत में एनर्जी डिमांड की बात पर जोड़ दिया। उन्होंने एनर्जी सेक्टर में ग्रोथ के बारे में बताया और कहा - आज भारत एनर्जी में निवेश के लिए सबसे बढ़िया स्थान है।

क्या टेस्ट में खत्म होगा विराट के शतक का सूखा

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत में कोहली का रिकॉर्ड कमजोर, लायन सबसे बड़ा खतरा

खेल डेस्क, 7 फरवरी (एजेंसियां)। करीब तीन साल तक आउट ऑफ फॉर्म रहने के बाद विराट कोहली ने 2022 के आखिरी महीनों में अच्छी वापसी की। टी-20 इंटरनेशनल में उन्होंने करियर का पहला शतक जमाया, तो वनडे क्रिकेट में भी शतकों का सूखा खत्म किया। हालांकि, वे अब भी टेस्ट क्रिकेट में पुराने अंदाज में नहीं दिखे हैं।

ऐसे में सवाल उठता है कि क्या विराट ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 9 फरवरी से शुरू हो रही चार टेस्ट मैचों की सीरीज में इस इंतजार को खत्म कर पाएंगे। इस सवाल का सटीक जवाब तो सीरीज शुरू होने पर ही मिलेगा। इस स्टोरी में हम देखेंगे कि विराट ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट में अब तक कैसा खेल दिखलाया है। हम यह भी जानेंगे कि कोहली के लिए सबसे ज्यादा मुश्किल कौन सा गेंदबाज पेश कर सकता है।

पहले देखिए 1172 दिन से चला रहा कोहली का स्ट्रगल

विराट ने अपना आखिरी टेस्ट शतक नवंबर 2019 में बांग्लादेश के खिलाफ जमाया था। 1172 दिन हो चुके हैं रेड बॉल क्रिकेट में उनकी सेंचुरी आए। तब से उन्होंने 20 टेस्ट मैच खेल लिए। इनमें 6 अर्धशतक आए, लेकिन शतक नहीं। इस दौरान विराट का औसत भी 26.20 का ही रहा और वह 917 रन ही बना सके। बांग्लादेश के खिलाफ पिछली टेस्ट सीरीज में भी वह कुछ खास नहीं कर सके। उन्होंने 2 मैचों में 45 रन ही बनाए थे।

ऑस्ट्रेलिया के पिछले भारत दौरे पर फेल रहे थे विराट

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कोहली का रिकॉर्ड वैसे तो बहुत शानदार है, लेकिन भारत में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनका बल्ला खामोश रहा। 2017 की सीरीज में तो विराट 3 मैचों में महज 46 रन बना सके थे। इंजरी के चलते उन्होंने एक टेस्ट मैच मिस भी किया था।

उस सीरीज में उनका औसत भी 9.20 का ही रहा। इससे पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम 2013 में भारत दौरे पर आई थी। तब विराट ने 4 मैचों में 1 शतक की मदद से 217 रन बनाए थे। इस तरह भारतीय जमीन पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कोहली अब तक 7 टेस्ट में सिर्फ 1 शतक जमा पाए हैं।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ओवरऑल अच्छा रिकॉर्ड

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कोहली ने भारत में भले ही बहुत अच्छी

बल्लेबाजी न की हो, लेकिन ऑस्ट्रेलिया जाकर उनका बल्ला जमकर बोला है। कंगारुओं के खिलाफ उनके 7 शतकों में से 6 ऑस्ट्रेलिया में ही आए हैं। इस वजह से उनका प्रदर्शन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ओवरऑल अच्छा हो जाता है।ऑस्ट्रेलिया के सामने 20 टेस्ट में उन्होंने 48.05 की औसत से कुल 1,682 रन बनाए हैं। इसमें 7 शतक और 5 अर्धशतक शामिल हैं।

नाथन लायन बन सकते हैं सबसे बड़ी चुनौती

इस सीरीज में विराट कोहली के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के ऑफ स्पिनर नाथन लायन सबसे बड़ी चुनौती बन सकते हैं। टेस्ट क्रिकेट में लायन ने कोहली को 7 बार आउट किया है। दुनिया के किसी भी अन्य गेंदबाज ने इस फॉर्मेट में कोहली को लायन से ज्यादा बार आउट नहीं किया है। इंग्लैंड के जेम्स एंडरसन जरूर लायन की बराबरी पर हैं। लायन स्पिनर्स की मददगार भारतीय पिचों पर कोहली के लिए और भी खतरनाक हो जाते हैं। उन्होंने भारत में विराट को 6 मैचों में 4 बार आउट किया। इनमें 3 बार वो LBW हुए। भारत में लायन के खिलाफ विराट का औसत 40.25 का रहता है, जो कि लायन के खिलाफ उनके ओवरऑल औसत 50.42 से कम है।

कमिंस भी करते हैं परेशान

लायन के अलावा ऑस्ट्रेलियन टीम के कप्तान और तेज गेंदबाज पैट कमिंस भी विराट को खूब परेशान करते हैं। विराट के खिलाफ 6 मैचों में कमिंस ने 5 बार उन्हें आउट किया है।

इस दौरान कोहली का औसत भी 27.20 का ही रहा है। हालांकि, कमिंस ने भारत में विराट के सामने एक ही बार गेंदबाजी की है। कमिंस के अलावा जोश हेजलवुड और मिचेल स्टार्क ने कोहली को 11-11 मैचों में 3-3 बार आउट किया है।

व्हाइट बॉल क्रिकेट में जोरदार फॉर्म

जैसा कि आपने खबर की शुरुआत में ही पढ़ा कि कोहली ने व्हाइट बॉल क्रिकेट, यानी वनडे और टी-20 में बेहतरीन फॉर्म हासिल कर ली है।

एशिया कप में अफगानिस्तान के खिलाफ करियर का पहला टी-20 इंटरनेशनल शतक जमाने के बाद उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में टी-20 वर्ल्ड कप के दौरान भी खूब रन बनाए। वे टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन (296) बनाने वाले बैटर बने। टूर्नामेंट के बाद उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ वनडे शतक भी जड़ दिया। इतना ही नहीं साल की शुरुआत में श्रीलंका के खिलाफ 2 शतक लगाकर उन्होंने खुद के बेहतर फॉर्म में होने का सबूत भी दे दिया। फैंस की यही उम्मीद होगी कि उनकी यह शानदार लय टेस्ट क्रिकेट में भी ट्रांसफर होगी।

हरियाणा के मंत्री पर महिला कोच का नया खुलासा

संदीप ने कॉल कर कहा था- जो चाहती हो वही करूंगा, केस वापस ले लो

चंडीगढ़, 7 फरवरी (एजेंसियां)। यौन उत्पीड़न के आरोपों से घिरे से हरियाणा के पूर्व खेल मंत्री संदीप सिंह को लेकर जूनियर महिला कोच ने बड़े खुलासे किए हैं। कोच का कहना है कि गृह मंत्री अनिल विज से मिलने से पहले मंत्री ने उसे मनाने की कोशिश की थी। मंत्री ने कोच से कहा कि तुम जो चाहती हो, मैं वही करूंगा, बस तुम केस वापस ले लो।

मंत्री संदीप पर 31 दिसंबर को चंडीगढ़ में केस दर्ज हुआ। उसके अगले दिन यानी 1 जनवरी को महिला कोच गृह मंत्री से मिलने के लिए अंबाला गई थी। इन आरोपों के बीच जूनियर महिला कोच ने मामले की जांच कर रही चंडीगढ़ पुलिस के DGP से मिलने का समय मांगा है। वहीं मंत्री संदीप सिंह पहले ही आरोपों को नकार चुके हैं।

मंत्री ने कहा- कीमत तो देनी पड़ेगी

जूनियर महिला कोच का कहना है कि अनिल विज से मिलने से पहले मंत्री ने कहा था कि तुमने जो नुकसान किया है, उसकी कीमत तो देनी पड़ेगी। कोच ने संदीप सिंह से कहा कि तुम सब कुछ खरीद

सकते हो, लेकिन मुझे नहीं। हर आदमी एक जैसा नहीं होता। मुझे पैसे नहीं चाहिए। मुझे उतना ही हजम होगा जितने मैंने हाथ पैर तुड़वाए हैं, जितनी मैंने मेहनत की है।

खून-पसीना एक करके यहां तक पहुंची

जूनियर महिला कोच का कहना है कि मैं खून-पसीना एक करके यहां तक पहुंची हूं। मुझे यदि उल्टे काम ही करने होते तो मैं पहले ही यह कर चुकी होती। इतनी मेहनत करके मैं यहां पहुंची हूं, इसे जाया नहीं जाने दूंगी। वह दूसरे लोग होते हैं, जो उल्टे कामों को करके अपने आगे बढ़ने की राह बनाते हैं, मैं वैसी नहीं हूं।

सिफारिश के लिए आ रहे फोन

जूनियर महिला कोच का कहना है कि अभी भी मंत्री की सिफारिश में मुझे फोन आ रहे हैं। अभी भी छोटी-मोटी कोशिशें चल रही हैं। पटियाला के कुछ लोगों ने मुझे 3 दिन पहले मेरे इंडियन टीम के साथी ने फोन करके कहा कि देखो मंत्री ने मामला दबा दिया है। कुछ नहीं होगा अब इसमें। सीएम खुद मंत्री को बचा रहे हैं। देख ले बाकी, पीछे हट जा अभी भी। मेरे खुद के स्टाफ के लोग भी मुझे केस वापस लेने को कह रहे हैं।

प्रैक्टिस के लिए विदाउट पे का दबाव

संदीप सिंह और उसके साथ के लोगों ने उस पर विदाउट पे प्रैक्टिस का दबाव बनाया। जूनियर महिला कोच ने बताया कि मंत्री ने उससे कहा कि एशियन गेम में यदि मेडल नहीं आएगा तो लिख कर दो, कि जो खेल मंत्री चाहेगा मैं वह करूंगी। मैंने इसका विरोध किया, कहा कि मैं लिखकर नहीं दूंगी। पूर्व खेल मंत्री के खराब आचरण को देखते हुए हरियाणा-पंजाब में प्रैक्टिस के लिए भी स्टेडियम में घुसने नहीं दिया जाता था।

इस केस में अब तक क्या-क्या हुआ

हरियाणा की जूनियर महिला कोच ने खेल मंत्री संदीप सिंह पर छेड़छाड़ के आरोप लगाए। हरियाणा सरकार ने इस मामले में जांच के लिए पुलिस की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम बनाई। चंडीगढ़ में पुलिस ने संदीप सिंह के खिलाफ जूनियर महिला कोच के सेक्सुअल हैरेसमेंट का केस दर्ज किया। केस दर्ज होने के बाद संदीप सिंह ने आरोप नकार दिए। उन्होंने खेल विभाग मुख्यमंत्री मनोहर लाल को सौंप दिया। जूनियर महिला कोच संदीप सिंह को मंत्रीपद से हटाने की मांग कर रही है लेकिन सीएम जांच पूरी होने का हवाला दे रहे हैं।

प्राइम वॉलीबॉल लीग सीजन-2: हैदराबाद ब्लैक हॉक्स ने अहमदाबाद डिफेंडर्स को चौंकाया

अपने पहले ही मैच में 3-2 से शानदार जीत दर्ज की

बेंगलुरू, 7 फरवरी (एजेंसियां)। हैदराबाद ब्लैक हॉक्स ने ए23 द्वारा संचालित रूपे प्राइम वॉलीबॉल लीग सीजन-2 के अपने पहले मैच में सोमवार को बेंगलुरू के कोरमंगला इंडोर स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में शानदार जीत दर्ज की. हैदराबाद ब्लैकहॉक्स ने अहमदाबाद डिफेंडर्स को 3-2 से हराकर अपनी विजयी शुरुआत की. हैदराबाद ने अहमदाबाद डिफेंडर्स को 13-15, 15-9, 15-14, 15-11, 10-15 से शिकस्त देकर मुकाबले से दो अंक हासिल कर लिए. पिछले सीजन में सेमीफाइनल तक का सफर तय करने वाली हैदराबाद ब्लैक हॉक्स के कप्तान एसवी गुरुप्रशांत को 'प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया.

युवा हैदराबाद ब्लैक हॉक्स की टीम ने नंदगोपाल सुब्रमण्यम की खराब सर्विस के सहारे मैच में पहला अंक अर्जित किया. लेकिन अहमदाबाद ने भी एलएम मनोज के स्पाइक की मदद से जल्द ही

बराबरी कर ली. हैदराबाद के कप्तान एसवी गुरु प्रशांत ने फिर एक परफेक्ट ब्लॉक के दम पर अपनी टीम को मुकाबले में आगे रखा. ब्लैक हॉक्स ने आगे भी हेमंत के स्पाइक के सहारे 7-4 की बढ़त बना ली. लेकिन अहमदाबाद ने डेनियल मोताजेदी के सर्व के सहारे विरोधी टीम की बढ़त को कम कर दिया. डिफेंडर्स ने फिर नंदगोपाल द्वारा लगाए गए सुपर ऐस की बदौलत मैच में बढ़त बना ली. हालांकि एक समय ऐसा लग रहा था कि पहला सेट हैदराबाद के हाथ से खिसक सकता है, तभी गुरु ने स्पाइक के साथ अपनी टीम बराबरी पर ला दिया. लेकिन गुरु के ही गलत स्पाइक ने डिफेंडर्स को पहले सेट में 15-13 से जीत दिला दी. दूसरे सेट में अशमतुल्लाह के ब्लॉक ने हैदराबाद को पहला प्वाइंट दिलाया. लेकिन डेनियल ने फिर से स्पाइक के सहारे अपनी टीम को बराबरी दिला दी. एंड्रयू कोहुट द्वारा शानदार शॉट से स्कोर एक समय 3-3 से बराबर हो गया था, लेकिन गुरु ने स्पाइक के दम पर अंक लेकर हैदराबाद को एक बार फिर से सेट में आगे कर दिया.

लाल सुजान एमवी ने बेहतरीन ब्लॉक से ब्लैक हॉक्स को सेट ब्रेक पर बढ़त दिला दी और यहां से डिफेंडर्स बैकफुट पर नजर आने लगे. ट्रेंट के स्पाइक ने अहमदाबाद को आसानी से अंक दे दिया. हालांकि लाल सुजान एमवी के स्पाइक ने हैदराबाद को दो अंक दिला दिए. ब्लैक हॉक्स ने यहां से आसानी ने 15-9 से दूसरा सेट जीत लिया और मुकाबले में 1-1 की बराबरी बना ली.

तीसरे सेट में अहमदाबाद डिफेंडर्स ने संतोष के स्पाइक के दम पर पहला प्वाइंट हासिल कर लिया. लेकिन हैदराबाद ने भी दबाव बनाए रखा. डेनियल की गलती के कारण एक शानदार रैली समाप्त हुई और हैदराबाद ने एक महत्वपूर्ण अंक हासिल कर लिया. इसके बाद कार्लोस जमोरा के दम पर ब्लैक हॉक्स ने सेट में बराबरी हासिल कर ली.

ईरान में भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी ने जीता स्वर्ण पदक

फिर हिजाब पहनने के लिए किया गया मजबूर

खेल डेस्क, 7 फरवरी (एजेंसियां)। बीडब्ल्यूएफ टूर्नामेंट में तसनीम पर तान्या की यह पहली जीत भी थी। तसनीम ने अपनी पिछले दो मुकाबलों में तान्या को हराया था। मैच जीतने के बाद तान्या के साथ पदक समारोह के दौरान अजीबोगरीब वाकया हुआ। भारत की बैडमिंटन खिलाड़ी तान्या हेमंत ने रविवार (पांच फरवरी) को ईरान की राजधानी तेहरान में 31वें ईरान फज्र इंटरनेशनल चैलेंज टूर्नामेंट को जीत लिया। उन्होंने महिला एकल के फाइनल में शीर्ष वरीय और हमवतन तसनीम मीर को सीधे गेम में हरा दिया। दिन के सबसे छोटे मैच में तान्या के सामने तसनीम नहीं टिक पाईं। तान्या ने मुकाबले को 21-7, 21-11 से अपने नाम कर लिया।

बीडब्ल्यूएफ टूर्नामेंट में तसनीम पर तान्या की यह पहली जीत भी थी। तसनीम ने अपनी पिछले दो मुकाबलों में तान्या को हराया था। मैच जीतने के बाद तान्या के साथ पदक समारोह के दौरान अजीबोगरीब वाकया हुआ। उन्हें हिजाब पहनने के लिए किया गया। पिछली बार जब तसनीम ने खिताब जीता था तब भी यह नियम लागू था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, टूर्नामेंट के आयोजकों ने पहले ही यह बता दिया था कि पोडियम पर पहुंचने वाली खिलाड़ियों को हिजाब पहनना होगा। दिलचस्प बात यह है कि रिपोर्ट में कहा गया है कि महिला मैचों के दौरान पुरुष दर्शकों को अनुमति नहीं दी गई थी। प्रवेश द्वार पर 'पुरुषों की अनुमति नहीं' लिखा एक बोर्ड लटका हुआ था।

रिपोर्ट के मुताबिक, टूर्नामेंट में पहली बार मिश्रित युगल मैच हुए थे। महिलाओं के मैच सुबह और पुरुषों के दोपहर में आयोजित हुए। महिलाओं के मैचों में सभी मैच अधिकारी महिलाएं थीं। इस टूर्नामेंट में अपनी बेटियों के साथ गए पिता को भी मैच देखने को नहीं मिला।

4 से 26 मार्च के बीच होगा विमेंस प्रीमियर लीग

13 फरवरी को होगा प्लेयर्स ऑक्शन, मुंबई और गुजरात फ्रेंचाइज के बीच हो सकता है ओपनिंग

खेल डेस्क, 7 फरवरी (एजेंसियां)। विमेंस प्रीमियर लीग का पहला एडिशन 4 मार्च से 26 मार्च तक मुंबई में खला जाएगा। ब्रेबॉर्न स्टेडियम और डीवई पाटिल स्टेडियम टूर्नामेंट के सभी मैचों की मेजबानी करेगा। इसमें पहला मैच गुजरात और मुंबई की फ्रेंचाइज के बीच खेला जा सकता है। आईपीएल प्रेजिडेंट ने सोमवार को इसकी जानकारी दी।

13 फरवरी को डब्ल्यूपीएल का ऑक्शन होगा। इसमें लगभग 1500 खिलाड़ियों ने लीग के लिए रजिस्टर कराया है और फाइनल लिस्ट इस सप्ताह के अंत में जारी होने की उम्मीद है।

मुंबई के जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में एक दिन का मेगा ऑक्शन होगा। पिछले दिनों खबरें आ रही थीं कि बीसीसीआई को ऑक्शन कराने के लिए होटल नहीं मिल रहे हैं। शादी का सीजन होने के कारण मुंबई और दिल्ली के ज्यादातर होटल बुक हो चुके थे। अब जाकर बीसीसीआई को होटल मिला है।

13 फरवरी की तारीख फ्रेंचाइजी मालिकों से बात कर तय की गई। क्योंकि फ्रेंचाइजी मैनेजमेंट इस वक्त यूएई की इंटरनेशनल लीग टी-20 और साउथ अफ्रीका की SA20 लीग में व्यस्त हैं। ऐसे में डब्ल्यूपीएल के लिए उन्हें पर्याप्त समय चाहिए था। 12 तारीख तक दोनों लीग के फाइनल हो जाएंगे, ऐसे में 13 ही सबसे बेस्ट डेट थी। एक डब्ल्यूपीएल टीम को ऑक्शन

में खिलाड़ी खरीदने के लिए 12 करोड़ रुपए का पर्स मिलेगा। हर साल पर्स में 1.5 करोड़ रुपए का इजाफा होगा। पुरुष आईपीएल के मुकाबले यह राशि बहुत कम है। मेंस आईपीएल में एक टीम के पास 95 करोड़ रुपए का पर्स रहता है।

टूर्नामेंट जीतने वाली टीम को 6 करोड़, रनर-अप को 3 करोड़ और तीसरे नंबर पर रहने वाली टीम को एक करोड़ रुपए दिए जाएंगे।विमेंस प्रीमियर लीग की 5 टीमों की नीलामी भी हो गई है। सबसे ज्यादा बोली अहमदाबाद फ्रेंचाइजी के लिए लगी है। इस फ्रेंचाइजी के एवज में अडाणी ग्रुप 1,289 करोड़ रुपए बोर्ड को देगा। अहमदाबाद के अलावा मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु और लखनऊ की फ्रेंचाइजी पर बोली लगी है। यानी यही पांच टीमें विमेंस प्रीमियर लीग में शिरकत करेंगी।

एक टीम में कितनी खिलाड़ी शामिल हो सकती हैं, इस पर बीसीसीआई ने अभी तक कुछ नहीं कहा है। लेकिन, एक टीम में अगर 15 से 18 प्लेयर्स भी हुईं तो भी 5 टीमें करीब 75 से 90 खिलाड़ियों को खरीदेंगी। ऐसे में दुनिया भर की टॉप क्रिकेटर्स समेत भारत को अंडर-19 वर्ल्ड जिताने वालीं खिलाड़ियों पर भी बड़ी बोली लग सकती है।

डब्ल्यूपीएल का पहला सीजन 4 मार्च से शुरू किया जा सकता है। मुंबई के ब्रेबोर्न और डीवई पाटील स्टेडियम में सभी मैच कराने पर विचार हो रहा है। टूर्नामेंट की 5 टीमों के बीच कुल 22 मैचों होंगे। वहीं, एक आईपीएल टीम में ज्यादा से ज्यादा 5 विदेशी खिलाड़ी खेल सकेंगी। बशर्ते पांचवीं खिलाड़ी असोसिएट देश से हों।

असोसिएट देश की खिलाड़ी शामिल नहीं होने पर टीम में 4 ही विदेशी खिलाड़ियों को खिलाने की परमिशन रहेगी। इनके अलावा टीम में 7 भारतीय खिलाड़ी होना जरूरी रहेगा।

एरोन फिंच ने इंटरनेशनल क्रिकेट से लिया संन्यास

खेल डेस्क, 7 फरवरी (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के टी-20 कप्तान एरोन फिंच ने मंगलवार को इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया। फिंच ने पिछले साल वनडे से संन्यास लिया था। अब उन्होंने टी-20 से भी रिटायरमेंट ले लिया है। फिंच ऑस्ट्रेलिया की 2021 टी-20 वर्ल्ड कप विनिंग टीम के हिस्सा थे। फिंच टी-20 में ऑस्ट्रेलिया के हाईएस्ट रन स्केरर भी है। टी20I क्रिकेट के इतिहास में ऑस्ट्रेलिया के सबसे सफल कप्तान, फिंच बिग बैश लीग में मेलबर्न रेनेगेड्स के लिए खेलना जारी रखेंगे। साल 2022 फिंच के लिए बतौर कप्तान अच्छा नहीं रहा। टी-20 वर्ल्ड कप में मेजबान ऑस्ट्रेलिया नॉकआउट स्टेज में जगह बनाने में नाकाम रहा। इससे उनकी कप्तानी भी सवालों के घेरे में भी आई थी।

रिटायरमेंट के लिए जारी किए स्टेटमेंट में फिंच ने कहा - मुझे लगता है कि मैं 2024 टी-20 वर्ल्ड कप नहीं खेल पाऊंगा। इसलिए अभी रिटायरमेंट लेने का सही समय है। मुझे मैनेजमेंट को अगले टी-20 वर्ल्ड कप के लिए टीम के निर्माण और नए कप्तान को सेट होने के लिए समय देना चाहिए। 12 साल तक कप्तानी करके और दुनिया के बेस्ट प्लेयर्स के साथ खेल कर बहुत अच्छा लगा।फिंच ने टी-20 क्रिकेट के जरिए रिकॉर्ड बनाए। फिंच ऑस्ट्रेलिया के सबसे ज्यादा समय तक रहने वाले कप्तान बने।

लड़के की हो रही है अर्जुन से तुलना: पैर के अंगूठे से की तीरंदाजी; हुआ वायरल

भारत में टैलेंट की कमी नहीं है। सोशल मीडिया ने इंटरनेट पर कई ऐसे ही टैलेंट हमारे सामने रखे है। इसमें से एक टैलेंट इस तीरंदाज का है। ट्विटर पर वायरल हुए वीडियो में एक छोटा लड़का अपने पैर के अंगूठे से तीरंदाजी करते नजर आ रहे है। लोग इस लड़के की तुलना अर्जुन से भी करने लगे है।

वायरल हुए वीडियो में लड़का एक ही समय पर दो कला दिखा रहा है। एक तरफ उसने जिम्नास्ट की तरह लचीलापन दिखाया है। वहीं, दूसरी ओर तीरंदाज की तरह सटीक निशाना भी लगाया।

वीडियो की शुरुआत में योगा मैट पर खड़े लड़के ने पैर के अंगूठे से धनुष को पकड़ा और एक हैंडस्टैंड करने के लिए आगे बढ़ते हुए अपने पैर के अंगूठो से कुछ दूर रखे बलून पर निशाना लगाता है। लड़के की पहचान अभी हुई नहीं है।

हैदराबाद की सड़कों पर लौटी डबल डेकर बसें

मंत्री केटीआर व सीएस ने बसों को दिखाई हरी झंडी

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। डबल डेकर बसें हैदराबाद की सड़कों पर वापस आ गई हैं और इस बार, वे इलेक्ट्रिक हैं। तीन इलेक्ट्रिक डबल डेकर बसों को मंगलवार को यहां चेवेल्ला के सांसद जी. रंजीत रेड्डी और चंद्रायनगुट्टा के विधायक अकबरुद्दीन ओवैसी की मौजूदगी में नगरपालिका प्रशासन और शहरी विकास मंत्री केटी रामाराव और मुख्य सचिव ए. शांति कुमारी ने हरी झंडी दिखाई। 11 फरवरी को हैदराबाद में होने वाली फॉर्मूला ई-प्रिक्स के साथ, ये बसें मुख्य रूप से टैंक बंड, नेकलेस रोड, पैराडाइज और निजाम कॉलेज के हिस्से को कवर करते हुए रेस ट्रैक के आसपास चलेंगी। 11 फरवरी के बाद, शहर के लिए पर्यटन को बढ़ाने के लिए बसों को हेरिटेज सर्किट के साथ उपयोग करने की योजना है। डबल डेकर बसों की हैदराबाद में एक ऐतिहासिक प्रासंगिकता है और पारंपरिक डबल डेकर बसें जो निज़ाम द्वारा शुरू की गई थीं, 2003 तक शहर में चलती थीं। इसे ध्यान में रखते हुए डबल डेकर बसों को वापस लाने की संभावना तलाशने के निर्देश अधिकारियों को दिए गये थे। उनके निर्देश के अनुसार, हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी (एचएमडीए) ने छह इलेक्ट्रिक डबल डेकर बसों का ऑर्डर दिया, जिनमें से तीन बसों की डिलीवरी की गई और मंगलवार को उनका उद्घाटन किया गया। शेष तीन बसों के भी जल्द ही आने की उम्मीद है और एचएमडीए इस बेड़े को 20 बसों तक बढ़ाने की योजना बना रहा है। प्रत्येक बस की कीमत 2.16 करोड़ रुपये है और यह सात साल की एएमसी के साथ आती है। बसों में 65 यात्रियों और ड्राइवर के बैठने की क्षमता है और ये एक बार चार्ज करने पर 150 किमी की रेंज के साथ पूरी तरह से इलेक्ट्रिक हैं और इन्हें 2 घंटे से 2.5 घंटे में पूरी तरह से चार्ज किया जा सकता है।

जनगांव में सड़क हादसे में छह साल की बच्ची समेत तीन की मौत

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिले में एनएच-163 पर पेम्बर्ती के पास मंगलवार सुबह एक कार की खड़े ट्रक से टक्कर हो जाने से छह वर्षीय बच्ची समेत तीन लोगों की मौत हो गयी। पीड़ितों में तिरुमालागिरी के ट्रक क्लीनर वी राजशेखर (33), हैदराबाद के ट्रक चालक अब्दुल रहीमखान (47) और कार में यात्रा कर रही लड़की काजीपेट की रहने वाली लड़की थी। हादसा उस समय हुआ जब कार का टायर पंक्चर करने के लिए ड्राइवर द्वारा हाईवे पर खड़े ट्रक को टक्कर मार दी गई। कार में यात्रा कर रहे अन्य दो व्यक्तियों को चोटें आईं और उन्हें इलाज के लिए जनगांव सरकारी अस्पताल ले जाया गया। कार में युवती समेत तीन लोग काजीपेट से हैदराबाद जा रहे थे। पता चला है कि कार के चालक को नींद आ रही थी और उसने खड़े ट्रक को देखा। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है।

सरकार की कमियों के बारे में लोगों को बताएं : बंडी

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने पार्टी नेताओं के लिए कार्यशाला का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बंडी संजय कुमार ने आज पार्टी नेताओं के लिए एक कार्यशाला का उद्घाटन किया, जो पार्टी द्वारा इतनी ही संख्या में शक्ति केंद्रों में आयोजित की जा रही 11,000 जनसभाओं में हिस्सा लेंगे। कार्यशाला इब्राहिमपट्टनम विधानसभा क्षेत्र के मन्नेगुड़ा में वेद सम्मेलन में आयोजित की गई। पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डीके अरुणा, पार्टी के मध्य प्रदेश राज्य प्रभारी, पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य इंद्रसेना रेड्डी, जितेंद्र रेड्डी और जी. विवेक वेंकटस्वामी उपस्थित थे। इस अवसर पर बोलते हुए, संजय ने प्रशिक्षुओं को सीएम केसीआर सरकार की विफलताओं को लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार शराब की बिक्री से 40,000 करोड़ रुपये कमा रही है, उन्होंने पार्टी नेताओं से कहा कि वे इसके बारे में लोगों को बताएं और उनके सामने सीएम को बेनकाब करें।

यह कहते हुए कि वे राज्य भर में सड़क किनारे बैठकें करने जा रहे हैं, संजय ने कहा कि कोने की बैठकों का मुख्य उद्देश्य पार्टी को राज्य के लोगों तक ले जाना है। राज्य सरकार के वार्षिक बजट पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने उपहास किया कि लोग इस पर हंस रहे हैं। राज्य सरकार ने कुल 2.9 लाख करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ वार्षिक बजट पेश किया है, उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की वास्तविक आय सिर्फ 1.3 लाख करोड़ रुपये थी, जबकि सत्तारूढ़ बीआरएस पार्टी के नेताओं से पूछा गया कि वे शेष धन कहाँ से अर्जित करेंगे। ? उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि राज्य सरकार भूमि पंजीकरण, शराब बिक्री और विभिन्न प्रकार के करों के शुल्क में वृद्धि करके आय अर्जित करने की योजना बना रही है।

जल्द ही वारंगल में एलटीआईएमइंडट्री सेंटर खोलेगा : विधायक विनय भास्कर

हनमकोंडा, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सरकारी मुख्य सचेतक और विधायक दास्यम विनय भास्कर ने कहा कि आईटी और उद्योग मंत्री केटी रामा राव अगले सप्ताह जीडब्ल्यूएमसी सीमा के तहत बहुराष्ट्रीय आईटी सेवाओं और परामर्श फर्म एलटीआई माइंड ट्री के केंद्र का उद्घाटन कर सकते हैं।

विधायक ने कहा कि एलटीआईएमइंडट्री के कार्यकारी उपाध्यक्ष कृष्णा गोलपुडी ने मंगलवार को हैदराबादमें मंत्री से मुलाकात की और उन्हें वारंगल में उद्घाटन के लिए आमंत्रित किया। विधायक ने कहा कि राज्य सरकार आईटी और आईटीईएस कंपनियों को यहां अपने केंद्र स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करके वारंगल जैसे टीयर-2 शहरों में स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर प्रदान करने का प्रयास कर रही है।

मंत्री हनमकोंडा में विधायक के कैंप कार्यालय के पास बालसमुद्रम में बीआरएस पार्टी कार्यालय का उद्घाटन करेंगे और वारंगल पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में कई अन्य विकास कार्यों की नींव रखेंगे। वे अपनी यात्रा के दौरान वारंगलमें दो एकड़ में नियोजित एक आधुनिक बस स्टेशन की नींव रखने वाले थे। नया बस स्टेशन 10 मंजिला इमारत होगी जिसमें 32 प्लेटफार्म, पार्किंग सुविधाएं और शॉपिंग जोन होंगे। काकतीय शहरी विकास प्राधिकरण 75 करोड़ रुपये की परियोजना का क्रियान्वयन करेगा।

बजट पर बोली शार्मिला : नई बोतल में पुरानी शराब

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वाईएसआरटीपी के संस्थापक-अध्यक्ष वाईएस शर्मिला ने आज राज्य सरकार के 2023-24 के वार्षिक बजट को नई बोतल में पुरानी शराब के अलावा कुछ नहीं बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि वार्षिक बजट और कुछ नहीं बल्कि पिछले साल के बजट की बुश रॉड की प्रतिकृति है।

उन्होंने आरोप लगाया कि किए गए आवंटन और अनुमानित व्यय के बीच कोई संबंध नहीं है। अविभाजित वारंगल जिले के धर्म सागर में अपनी चल रही प्रजा प्रस्थानम पदयात्रा के तहत मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए शामिला ने सीएम केसीआर की टिप्पणियों का मजाक उड़ाया। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने लोगों से किया एक भी वादा पूरा नहीं किया। उन्होंने सीएम से पूछा कि उन्होंने अपने

नौ साल के शासन में देवदुला, कंथनपल्ली, डिंडी, एसएलबीसी, सीताराम और नक्काल गांधी परियोजना को पूरा क्यों नहीं किया? उन्होंने मज़ाक उड़ाया कि 1.2 लाख करोड़ की लागत से बनी कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना, बाढ़ के पानी में डूबने के बाद अब बेकार हो गई है और कहा कि मुख्यमंत्री 33 लंबित सिंचाई परियोजनाओं को पूरा कर सकते थे यदि उन्होंने 33 प्रतिशत खर्च किया होता। कृषि ऋण माफी योजना के लिए किए गए आवंटन पर, उन्होंने कहा कि कुल 36 लाख किसान इस योजना की प्रतीक्षा कर रहे थे और योजना के कार्यान्वयन के लिए केवल 6000 करोड़ रुपये आवंटित करने के राज्य सरकार के फैसले को गलत बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने रैतू बंधु योजना के तहत प्रति एकड़ 10,000 रुपये का भुगतान करने के बाद किसानों के लिए अन्य सभी कृषि-आधारित योजनाओं को रोक दिया है।

सीएम केसीआर हमेशा दावा करते हैं कि उन्होंने किसानों को राजा बनाकर उनके जीवन को बदल दिया है, उन्होंने सीएम से पूछा कि किसान उनके शासन में आत्महत्या क्यों कर रहे हैं? उन्होंने कहा कि केसीआर ने अब तक 4.8 लाख करोड़ रुपये का कर्ज लेकर सभी लोगों के सिर पर 1.2 लाख रुपये का बोझ डाल दिया है।

म्युनिसिपल कमिश्नर की पत्नी फंदे से लटकी मिली

मंचेरियल, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मंचेरियल म्युनिसिपल कमिश्नर एन. बालकृष्ण की पत्नी मंगलवार को यहां आदित्य एन्क्लेव कॉलोनी स्थित उनके आवास में लटकी पाई गईं। मंचेरियल सहायक पुलिस आयुक्त बी. तिरुपति रेड्डी ने कहा कि 30 वर्षीय ज्योति को एक पड़ोसी ने लटका हुआ पाया, जिसे काफी देर तक दरवाजा खटखटाने के बाद भी दरवाजा नहीं खोलने पर शक हुआ। पड़ोसी ने बालकृष्ण को सूचित किया, जो घर पहुंचे, जिसके बाद पुलिस को बुलाया गया। पुलिस उपायुक्त केकन सुधीर रामनाथ और तिरुपति रेड्डी जांच कर रहे हैं। तिरुपति रेड्डी ने मीडिया को बताया कि हालांकि प्रारंभिक संदेह आत्महत्या का था, लेकिन घर में कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। पुलिस खम्मम से ज्योति के माता-पिता के आने का भी इंतज़ार कर रही थी। उन्होंने कहा कि बालकृष्ण सदमे में है और बात करने की हालत में नहीं है। दंपत्ति के सात साल का बेटा और पांच साल की बेटी है।

पत्नी से हुआ झगड़ा, इमारत से कूदकर शख्स ने दी जान

हैदराबाद, 7 फरवरी (एजेंसियां)। हैदराबाद में पारिवारिक झगड़े के बाद एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी के सामने इमारत से कूदकर जान दे दी। घटना मंगलवार सुबह हैदराबाद के बाहरी इलाके नरसिंगी में हुई। पुलिस के मुताबिक, रेवन सिद्दप्पा नाम के शख्स का अपनी पत्नी से किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया था।

बहस के दौरान, वह पास की एक इमारत पर चढ़ गया और कूद गया, जबकि उसकी पत्नी भयभीत होकर देखती रही। गंभीर रूप से लहूलुहान सिद्दप्पा को पास के एक अस्पताल में ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

यह घटना साइबराबाद पुलिस आयुक्तालय के नरसिंगी थाना क्षेत्र के पीरांचेरू इलाके में हुई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि आत्महत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच की जा रही है।

आंध्र प्रदेश के सीएम अगले माह वैजाग हो सकते हैं शिफ्ट

विशाखापट्टनम, 7 फरवरी (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी द्वारा विशाखापट्टनम को राज्य की राजधानी बनाए जाने की घोषणा के एक सप्ताह बाद अधिकारियों ने प्रशासनिक राजधानी को अमरावती से बंदरगाह शहर में स्थानांतरित करने की व्यवस्था शुरू कर दी है। विशाखापट्टनम जिला प्रशासन मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास के लिए एक भवन सहित उपयुक्त भवनों की पहचान करने में जुटा है। हालांकि जिला अधिकारियों को अभी तक राज्य की राजधानी को स्थानांतरित करने के बारे में औपचारिक आदेश प्राप्त नहीं हुए हैं, अधिकारी सब कुछ पहले से तैयार रखने के लिए जमीनी कार्य कर रहे है। आदेश कभी भी जारी होने की संभावना है।

बीच रोड पर मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास के लिए एक इमारत को अंतिम रूप दिए जाने की संभावना है, जो शहर का एक प्रमुख लैंडमार्क क्षेत्र है। सरकारी हलकों में इस बात की चर्चा है कि सब कुछ ठीक रहा तो मुख्यमंत्री 22 या 23 मार्च को गृह प्रवेश समारोह कर सकते हैं।

अधिकारी मंत्री और वरिष्ठ आईएएस, आईपीएस अधिकारियों के सरकारी कार्यालयों और आवासों के लिए भवनों की पहचान करने में भी व्यस्त हैं। 31 जनवरी को नई दिल्ली में एक बैठक को संबोधित करते हुए जगन मोहन रेड्डी ने घोषणा की थी कि विशाखापट्टनम जल्द ही राज्य की राजधानी बन जाएगा।

पुनर्स्थापित देवी चेरुवु पेद्दागट्टू जतारा में श्रद्धालुओं की भारी भीड़

सूर्यापेट, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दुराजपल्ली की देवी चेरुवु, जिसे एक सिंचाई टैंक जिसे मिशन काकतीय के तहत बहाल किया गया था और एसआरएसपी नहर के माध्यम से कालेश्वरम परियोजना के माध्यम से गोदावरी के पानी से भर दिया गया था, में जारी श्री लिंगमंतुला स्वामी जतारा (पेद्दागट्टू जतारा) में भक्तों की भारी भीड रही। 2014 से पहले जतारा के समय सिंचाई टंकी सूख जाती थी और सूखे तालाब पर श्रद्धालु डेरा डालते थे। उन्हें पीने के पानी के लिए संघर्ष करना पड़ता था और नहाने के लिए क्षेत्र के कृषि बोरवेल पर निर्भर रहना पड़ता था। स्थिति अब 2014 के विपरीत है। दुराजपल्ली में पेद्दागट्टू के निकट स्थित देवी चेरुवु को मिशन काकतीय के तहत 46.64 लाख रुपये खर्च करके इसकी वास्तविक जल भंडारण क्षमता 1.545 मिलियन क्यूबिक मीटर तक बहाल किया गया था।

मानसून ने आधा काम किया, पानी को आधा भंडारण स्तर तक लाया। बाकी का काम कालेश्वरम परियोजना की मदद से किया गया था, जिसके माध्यम से

एसआरएसपी नहर के माध्यम से गोदावरी के पानी से सिंचाई टैंक को उसकी पूर्ण भंडारण क्षमता तक भर दिया गया था। अब जलाशय लबालब भर चुका है और आसपास रोशनी होने के कारण जतारा आने वाले भक्तों के लिए यह एक व्यस्त स्थान बन गया है। जिन भक्तों को श्री लिंगमंतुला स्वामी मंदिर तक पहुँचने के लिए सिंचाई टैंक के बांध के साथ चलने की आवश्यकता है, वे खुश थे और टैंक के आश्चर्यजनक परिवर्तन पर आपस में चर्चा कर रहे थे। बात करते हुए, विजयवाड़ा की एक भक्त, पिल्ली दुर्गम्मा ने कहा कि वह पिछले 40 वर्षों से जतारा का दौरा कर रही थीं और जब भी वह देखतीं तो सिंचाई की टंकी हमेशा सूखी रहती थी। उसके परिवार के सदस्य, पहले अपने वाहन को टैंकबेड पर पार्क करते थे और रात के लिए टेंट लगाते थे। गुंटूर के एक अन्य भक्त, डोंगला लक्ष्मैया ने कहा कि वे पहले खाना पकाने और अन्य उद्देश्यों के लिए पानी खरीदते थे। अब मिशन भागीरथ के तहत नल लगाकर जतारा के सभी स्थानों पर पेयजल की आपूर्ति की जा रही है। लक्ष्मय्या ने कहा कि पीने के पानी की गुणवत्ता गुंटूर में पानी के नल के माध्यम से आपूर्ति किए जाने से बेहतर है।

CHANGE OF NAME & DATE OF BIRTH

I, **JEERU APPALA KONDA**, resident of Vill: Pathapalem, Post: Nagayyamayya Palem, Dist: Visakhapatnam (Andhra Pradesh) Mother of No 17019736A Hav Jeeru Srinu Chitti Babu. In my son service records my name was wrongly entered as **J APPALA KONDA & date of birth 12-06-1968** instead of correct name **JEERU APPALA KONDA & correct Date of birth 01-01-1961,** vide affidavit AR861593, dated 06-02-2023 before be high court Neelapadu (Amaravathi).

CHANGE OF NAME & DATE OF BIRTH

I, **JEERU RAMU REDDY,** resident of Vill: Pathapalem, Post: Nagayyamayya Palem, Dist: Visakhapatnam (Andhra Pradesh) father of No 17019736A Hav Jeeru Srinu Chitti Babu. In my son service records my name was wrongly entered as **J RAMU REDDY & Date of birth 14-05-1956** instead of correct Name **JEERU RAMU REDDY & correct Date of birth 01-01-1955,** vide affidavit AR861595, Dated 06-02-2023 before be High Court Neelapadu (Amaravathi).

CHANGE OF NAME

I, **JEERU KONDAMMA,** resident of Vill: Pathapalem, Post: Nagayyamayya Palem, Dist: Visakhapatnam (Andhra Pradesh) Wife of No 14438950H Hav **JEERU GOVINDA KANAKA REDDY.** In my Husband service records my name was wrongly entered as **KONDAMMA** instead of correct name **JEERU KONDAMMA** vide affidavit DB610097, dated 06-02-2023 before be High Court, Neelapadu (Amaravathi).

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com

Epaper :
epaper.swatantravaartha.com

For Advertisement :
swadds1@gmail.com

शिकार के आधार में सुधार करने के लिए वन विभाग की पहल

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना वन विभाग ने शिकार के आधार में सुधार के लिए चिड़ियाघरों और पार्कों में वन्य शाकाहारी जीवों का स्थानान्तरण शुरू किया है। हाल ही में विभाग ने जानवरों का काकतीय चिड़ियाघर पार्क से एटुनगरम वन्यजीव अभयारण्य और नेहरू चिड़ियाघर पार्क (एनजेडपी), हैदराबाद से स्थानांतरण शुरू किया है। पिछले 3 महीनों में अमराबाद टाइगर रिजर्व में भी वन्य जीवों को भेजा गया है। अगले दो महीनों में यानी मार्च के अंत तक एनजेडपी, हैदराबाद और महावीर हरिना वनस्थली राष्ट्रीय उद्यान से सभी बाघ वाले क्षेत्रों में 400 से अधिक चित्तीदार हिरणों को स्थानांतरित करने का प्रस्ताव है। तेलंगाना राज्य में हैदराबाद, हनुमाकोंडा और महबूबनगर में तीन प्राणी उद्यान और शमीरपेट, किन्नरसनी और एलएमडी करीमनगर में तीन हिरण पार्क हैं जहां जंगली शाकाहारी आबादी तेजी से बढ़ रही है और आबादी का प्रबंधन करना मुश्किल हो रहा है। वहीं अमराबाद और कवल टाइगर रिजर्व, किन्नरसनी वन्यजीव अभयारण्य, एतुरनगरम वन्यजीव अभयारण्य, पाखल वन्यजीव अभयारण्य जैसे क्षेत्र हैं जहां बाघ, पैंथर और अन्य जंगली शिकारियों की आवाजाही देखी जाती है। इन क्षेत्रों में अपेक्षाकृत कम शिकार का आधार है और इन्हें मजबूत करने की आवश्यकता है। इस स्थिति को ध्यान में रखते हुए, तेलंगाना वन विभाग ने बड़े पैमाने पर चित्तीदार हिरण, सांभर, नीलगाय, काला हिरन आदि जैसे जंगली शाकाहारी जीवों को बाघ वाले क्षेत्रों में छोड़ने के लिए चिड़ियाघरों और पार्कों से पकड़ने और स्थानांतरित करने का काम शुरू किया है। यह ऑपरेशन वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की धारा-12 (बीबी) के अनुसार किया जाता है, जो मुख्य वन्यजीव वार्डन को आबादी के वैज्ञानिक प्रबंधन के लिए अतिरिक्त जानवरों को स्थानांतरित करने का अधिकार देता है। स्थानान्तरण के लिए निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन करते हुए जंगली शाकाहारी जीवों को पकड़ने और स्थानांतरित करने में उचित सावधानी बरती जाती है। इस दौरान स्थानांतरण के लिए पहचाने गए सभी शाकाहारी जीवों की संचारी रोगों और पेट में कीड़े के लिए जाँच की जाती है। संक्रमित पशुओं को स्थानांतरण से एक सप्ताह पहले टीके और कृमिनाशक दवाएं दी जाती हैं। कब्जा क्राल विधि के माध्यम से किया जाता है जहां जानवरों को पकड़ने और परिवहन क्रेट में स्थानांतरित करने के दौरान उनके साथ शारीरिक संपर्क नहीं होता है। पूरी प्रक्रिया संपर्क रहित है। परिवहन ठंडी परिस्थितियों में रात के समय किया जाता है। लादने के बाद शाकाहारी जीवों को ले जाने वाला वाहन बिना रुके गंतव्य तक जाता है। मुक्ति स्थल की पहचान स्थानीय कर्मचारियों द्वारा की जाती है जहां साल भर प्रचुर मात्रा में हरी घास और पानी उपलब्ध रहता है। प्राकृतिक आवास में छोड़े गए जानवरों की तीन महीने की अवधि के लिए या जब तक रिहा किए गए जानवर मौजूदा आबादी के साथ मिल नहीं जाते, तब तक रिहाई स्थल पर स्थानीय कर्मचारियों द्वारा निगरानी की जाती है। संपूर्ण स्थानांतरण प्रक्रिया उचित देखभाल के साथ की जाती है और इस प्रक्रिया के दौरान दुर्घटनाएं 3 प्रतिशत से कम होती हैं। स्थानान्तरण परियोजना जो हाथ में ली जा रही है वह सफल है और मुक्त क्षेत्रों में बाघ, पैंथर, जंगली कुत्तों आदि जैसे जानवरों की मांसाहारी आबादी बढ़ने के संकेत दे रही है।

आरपीआई अध्यक्ष के कार्यालय में आग लगा दी गई

गुंटूर, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रिपब्लिक पार्टी ऑफ इंडिया के प्रदेश अध्यक्ष बोरूगड्डा अनिल के दफ्तर में सोमवार रात बदमाशों ने आग लगा दी। खबरों के मुताबिक, डोनकारा रोड स्थित कार्यालय परिसर में पेट्रोल छिड़क कर आग लगा दी गई, जिससे फर्नीचर जल कर राख हो गया। अनिल ने आरोप लगाया कि आगजनी के लिए नेल्लोर के विधायक कोटमरेड्डी श्रीधर रेड्डी जिम्मेदार थे और कुछ स्थानीय तेलुगु देशम पार्टी के नेताओं का भी इसमें हाथ है। आरपीआई नेता ने कुछ समय पहले श्रीधर रेड्डी को फोन किया और मुख्यमंत्री जगन और सरकार के सलाहकार सज्जला रामकृष्ण रेड्डी की आलोचना करने पर उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी।

G20 | Azadi Ka Amrit Mahotsav

भारतीय रिज़र्व बैंक / Reserve Bank of India
आंध्र प्रदेश / Andhra Pradesh
पर्यवेक्षण विभाग / Department of Supervision

बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 56 के साथ पठित धारा 35 ए के तहत निदेश - दुर्गा को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड, विजयवाड़ा - अवधि का विस्तार

भारतीय रिज़र्व बैंक ने बैंककारी विनियम अधिनियम, 1949 की धारा 56 के साथ पठित धारा 35ए के तहत दुर्गा को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड, विजयवाड़ा को दिनांक 28 जुलाई 2022 के निदेश संख्या Hyd.DOS. INSP4. No. S241/15-36-070/2022-2023 के माध्यम से 29 जनवरी 2023 तक छह महीने की अवधि के लिए निदेश जारी किया है।

2. भारतीय रिज़र्व बैंक इस बात से संतुष्ट है कि जनहित में, दुर्गा को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड, विजयवाड़ा को जारी 28 जुलाई 2022 के निदेश संख्या हैद. डीओएस.आईएनएसपी4.सं.एस241/15-36-070/2022-2023 के संचालन की अवधि को बढ़ाना आवश्यक है। तदनुसार, भारतीय रिज़र्व बैंक, निदेश संख्या डीओआर.मोन/डी-69/12.24.020/2022-23 दिनांक 25 जनवरी, 2023 के माध्यम से, बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 56 के साथ पठित धारा 35ए की उप-धारा (1) के तहत निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एतदद्वारा निदेश देता है कि 28 जुलाई 2022 को दुर्गा को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड, विजयवाड़ा को जारी निदेश संख्या हैद. डीओएस.आईएनएसपी4.सं.एस241/15-36-070/2022-2023, बैंक पर तीन महीने की अतिरिक्त अवधि के लिए 30 जनवरी 2023 से 29 अप्रैल 2023 तक समीक्षा के अधीन लागू होते रहेंगे।

3. संदर्भाधीन निदेश के अन्य शर्तें, समय-समय पर यथासंशोधित, अपरिवर्तित रहेंगी।

अंजनी मिश्रा
प्रभारी महाप्रबंधक

फरवरी 08, 2023

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.